THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 219 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक पूर्णिमा 2082 बुधवार, 5 नवंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

नए युग में प्रवेश कर रही भारत की ऊर्जा-यात्रा : पुरी

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि भारत की ऊर्जा यात्रा एक नए युग में प्रवेश कर रही है। केंद्रीय मंत्री पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में लिखा, पीएम मोदी के नेतृत्व में मिशन अन्वेषण भारत के इतिहास में एक सबसे बड़ा सिस्मिक मैपिंग प्रोग्राम बन गया है, जिसे बीते वर्ष अक्टूबर में 792 करोड़ रुपये के निवेश से लॉन्च किया गया था। उन्होंने एक वीडियो शेयर कर जानकारी दी कि कई दशकों से हम अपनी अधिकतर जरूरतों के लिए ऑयल और गैस पर निर्भर रहे हैं। यहां तक कि आज भी इनसे हमारी ऊर्जा की 80 प्रतिशत जरूरत पूरी हो रही है।

बिलासपुर में बड़ा ट्रेन हादसा

मालगाड़ी पर चढ़ी पैसेंजर ट्रेन, 8 लोगों की मौत, 15 घायल

बिलासपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में लालखदान के पास बड़ा रेल हादसा हुआ है। हावड़ा रूट पर चल रही पैसेंजर ट्रेन और मालगाड़ी के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतरने के कारण यात्रियों में दहशत फैल गई। मिली जानकारी के मुताबिक कई लोगों के मरने की खबर है। रेलवे प्रशासन ने तुरंत रेस्क्यू टीम और मेडिकल यूनिट को मौके पर भेजा है। स्थानीय प्रशासन भी सहायता के लिए पहुंचा। हादसे के कारण पूरे रूट पर ट्रेन परिचालन पूरी तरह ठप हो गया। कई ट्रेनों को रद्द या रूट डायवर्ट कर दिया गया। यात्रियों को वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है।

कोरबा पैसेंजर और मालगाड़ी में टक्कर हुई है। इस हादसे में 8 लोगों की मौत होने की खबर सामने आ रही है। वहीं कई यात्रियों के घायल होने की भी खबर है। मृतकों की संख्या बढ़ भी सकती है। फिलहाल, रेस्क्यू जारी है। मौके पर रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद हैं। हादसे की सूचना मिलते ही घटना स्थल पर लोगों की भारी भीड़ जुटी हुई है।

रेलवे प्रशासन ने मेडिकल यूनिट और रेस्क्यू टीम को मौके पर भेजा है। वहीं स्थानीय प्रशासन भी मदद में जुटा हुआ है।

इस हादसे की वजह से कई ट्रेनों का परिचालन ठप हो गया है। कई ट्रेन दूसरे रूट से अपने गंतव्य के लिए जा रहे हैं। हादसे का कारण अज्ञात है। रेलवे की टीम मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल कर रही है। यह हादसा बिलासपुर कटनी रेल मार्ग पर हुआ है, जो की सबसे व्यस्ततम मार्ग है जांच पड़ताल के बाद ही स्पष्ट होगा कि इस हादसे की असली वजह क्या है।

बिहार में थम गया पहले चरण का चुनाव प्रचार

पटना, 4 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में चुनावी महासंग्राम अपने पहला चरण आ गया। राज्य विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण के लिए प्रचार का धुआंधार दौर मंगलवार की शाम को समाप्त हो गया। फर्स्ट फेज में कुल 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों पर 6 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। पिछले कुछ हफ्तों से राजनेताओं ने रैलियों, रोड शो और जनसंपर्क के माध्यम से मतदाताओं को लुभाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। अब, उम्मीदवारों का भाग्य ईवीएम में कैद होने के लिए तैयार है। ये चरण इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें कई बड़े नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है।

पहले चरण के मतदान वाली 121 सीटों पर अब उम्मीदवार केवल घर-घर जाकर संपर्क कर सकते हैं, सामूहिक प्रचार पर रोक लगा दी गई है। ये चरण राज्य के कई महत्वपूर्ण राजनीतिक क्षेत्रों को कवर करता है, जिसमें कई हाई-प्रोफाइल सीटें शामिल हैं। इन सीटों पर कई वर्तमान और पूर्व मंत्रियों, साथ ही बाहुबली नेताओं की किस्मत दांव पर है। इस चरण का मतदान प्रतिशत ये तय करने में महत्वपूर्ण होगा कि आगे के चरणों में हवा किस तरफ बहेगी।

डॉक्टर के घर पर चला रहा था नशे का काला कारोबार

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की एक्साइज स्पेशल टास्क फोर्स ने एक बड़े ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया है। स्पेशल फोर्स ने एक पोस्ट-ग्रेजुएट डॉक्टर के किराए के घर पर छापा मारा जिसके बाद ड्रग ट्रैफिकिंग नेटवर्क के मुख्य अड्डे का पता चला।

इस मामले में एसटीएफ की बी टीम ने हैदराबाद के मुशीराबाद में रहने वाले जॉन पॉल के घर पर छापा मारा। एसटीएफ को इस छापेमारी में लगभग 3 लाख रुपये की कीमत के छह तरह के महंगे ड्रग्स मिले। इस दौरान एसटीएफ की टीम ने डॉक्टर पॉल को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि उसके तीन साथी भागने ने कामयाब रहे।

तेलंगाना में ड्रग रैकेट का भंडाफोड़

एसटीएफ अधिकारियों ने बताया कि ड्रग्स की लत को पूरा करने के लिए पॉल इस ट्रैफिकिंग ऑपरेशन में शामिल हुआ था। रिपोर्ट्स के मुताबिक पॉल ने अपने तीन दोस्तों- प्रमोद, संदीप और शरथ के साथ मिलकर इस काम को अंजाम दिया, जो उसके घर को एक सुरक्षित जगह के तौर पर इस्तेमाल करते थे। जांच में इस बात का भी पता चला कि पॉल का घर सिर्फ ड्रग्स रखने की जगह नहीं था, बल्कि सिंडिकेट के लिए मुख्य डिस्ट्रीब्यूशन पॉइंट भी था।

डॉक्टर के घर से ड्रग्स बरामद

रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रमोद, संदीप और शरथ दिल्ली और बेंगलुरू जैसे बड़े शहरों से बड़ी मात्रा में ड्रग्स लाते थे।

वे नशीले पदार्थों को पॉल के मुशीराबाद वाले घर पर पहुंचाते थे, जहां वह उन्हें स्टोर करता था और क्लाइंट्स को बेचता था। अपने घर को ड्रग्स के अड्डे के तौर पर इस्तेमाल करने के बदले पॉल को ड्रग्स मुफ्त में मिलता था।

खुफिया जानकारी के आधार पर एसटीएफ ने इस छापेमारी को अंजाम दिया था। टीम डॉक्टर के घर से मिली अलग-अलग तरह की नशीली दवाइयों को देखकर हैरान रह गई। इन ड्रग्स में ओजी केयूएसएच (26।95 ग्राम), एमडीएमए (6।21 ग्राम), 15 एलएसडी स्टिक्स, कोकेन 1।32 ग्राम, गममस 5।80 ग्राम और हशीश ऑयल 0।008 ग्राम शामिल था।

फार्म हाउसों पर चल रही थी अवैध गतिविधियां, पुलिस की तलाशी में खुलासा

फार्म हाउस मालिक के खिलाफ मामले दर्ज किए जा रहे है : योगेश गौतम

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चेवेल्ला मंडल के मुदिम्याल गांव और मोइनाबाद मंडल के तोलकट्टा गांव की सीमा में स्थित फार्म हाउसों की आकस्मिक जांच की गई। राजेंद्रनगर क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त, योगेश गौतम की देखरेख में पुलिस बल के साथ 39 फार्म हाउसों की जांच की गई। जांच के दौरान गड़बड़ियां मिली। पुलिस टीम को तोलकट्टा गांव स्थित अज़ीमुद्दीन फार्म हाउस में हुक्का पीना, तोलकट्टा गांव स्थित प्रणव विला हिल्स में बियर और व्हिस्की की बोतल पाई गई। इसी क्रम में तोलकट्टा गांव स्थित 12 फार्म में 29 महिलाओं और पुरुषों के साथ एक अनधिकृत टिकट वाला कार्यक्रम, संगीत और पटाखों से ध्वनि प्रदूषण और विभिन्न ब्रांडों की व्हिस्की, रम, वोदका, वाइन, ब्रीजर की पुरानी बोतलें पाई गईं। संदिग्ध व्यक्तियों का ड्रग टेस्ट किया गया और कोई भी पॉजिटिव नहीं पाया गया। मुडिम्याल गांव में एक वाहन में हुक्का मिला। इसी तरह मुडिम्याल गांव में ऋतिका फार्म हाउस में एक स्कूल के बच्चों के साथ एक अनधिकृत कार्यक्रम देखा गया। लगभग 150 लड़के और लड़कियां 10 स्कूल बसों में आए थे और उनमें अनधिकृत साउंड सिस्टम लगा था। कुछ सदस्य अनधिकृत रूप से शराब पी रहे थे। फार्म हाउस की जांच के अलावा, टोलकट्टा में दो टीमों, एसओटी और यातायात पुलिस के साथ वाहनों की जांच की गई। 120 चार पहिया वाहन, 30 तिपहिया वाहन, 15 दो पहिया वाहन, तीन वाहनों को जब्त किया गया। इस दौरान 30 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। उल्लंघनों के लिए आयोजकों और फार्म हाउस मालिक के खिलाफ मामले दर्ज किए जा रहे हैं।

महाराष्ट्र में 2 दिसंबर को होंगे निकाय चुनाव

3 को आएंगे नतीजे, 1.7 करोड़ मतदाता करेंगे फैसला

मुंबई, 4 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव की तारीखों का एलान हो गया है। राज्य निर्वाचन आयुक्त दिनेश वाघमारे ने मंगलवार को बताया कि 246 नगर परिषदों और 42 नगर पंचायतों में 2 दिसंबर को मतदान होगा, जबकि मतगणना 3 दिसंबर को की जाएगी। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही संबंधित निकायों में आचार संहिता लागू हो गई है।

वाघमारे ने आगे बताया कि इन चुनावों में 6,859 सदस्य और 288 अध्यक्ष पदों के लिए मतदान होगा। इस बार मतदान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों से कराया जाएगा। राज्य में कुल 1.7 करोड़ पात्र मतदाता हैं, जिनमें 53,79,931 पुरुष, 53,22,870 महिलाएं और 775 अन्य मतदाता शामिल हैं।

मतदान के लिए 13,355 केंद्र बनाए जाएंगे, जबकि कुल वार्डों की संख्या 3,820 होगी। इनमें से 3,492 सीटें महिलाओं, 895 अनुसूचित जाति, 338 अनुसूचित जनजाति और 1,821 अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित की गई हैं।

निर्वाचन आयोग ने नामांकन और हलफनामे ऑनलाइन दाखिल करने के लिए वेबसाइट https://mahasecelec.in लॉन्च की है। वहीं, मतदाता अपनी जानकारी और मतदान केंद्र https://mahasecvoterlist.in पर देख सकते हैं। चुनाव संचालन के लिए 13,726 ईवीएम कंट्रोल यूनिट और 27,452 बैलेट यूनिट तैयार की गई हैं। वाघमारे ने बताया कि लगभग 66,775 कर्मी चुनाव ड्यूटी पर तैनात होंगे, जिनमें 288 रिटर्निंग अधिकारी शामिल हैं।

नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 नवंबर तय की गई है। 18 नवंबर को उनकी जांच होगी, जबकि 21 नवंबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। प्रत्याशियों की अंतिम सूची और चुनाव चिह्नों की घोषणा 26 नवंबर को की जाएगी। वाघमारे ने बताया कि मतदान 1 जुलाई 2025 की मतदाता सूची के आधार पर कराया जाएगा, जिसे अक्टूबर तक बढ़ाने का प्रस्ताव विचाराधीन है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के मुताबिक चुनाव प्रक्रिया 31 जनवरी 2026 तक पूरी करनी होगी।

विपक्ष द्वारा मतदाता सूची में दोहरे नामों को लेकर जताई गई चिंताओं पर वाघमारे ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने ऐसे मतदाताओं को चिन्हित कर लिया है। जिनके नाम दो जगह दर्ज हैं, उनके आगे डबल ऐस्टरिस्क लगाया जाएगा। ऐसे मतदाताओं से मतदान केंद्र पर लिखित आश्वासन लिया जाएगा कि उन्होंने कहीं और मतदान नहीं किया है। उन्होंने बताया कि इस बार जिला प्रशासन और नगरीय निकायों को मतदाता जागरूकता अभियान तेज करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि मतदान प्रतिशत में वृद्धि हो सके।

हिंदुजा समूह के चेयरमैन गोपीचंद हिंदुजा का लंदन में निधन, 85 वर्ष के थे

लंदन, 4 नवंबर (एजेंसियां)। हिंदुजा समूह के चेयरमैन गोपीचंद परमानंद हिंदुजा का लंदन के एक अस्पताल में निधन हो गया। परिवार के करीबी सूत्रों ने यह जानकारी दी। वह 85 वर्ष के थे। हिंदुजा परिवार के करीबी सूत्रों ने बताया कि व्यापारिक जगत में 'जीपी' के नाम से मशहूर गोपीचंद पी. हिंदुजा पिछले कुछ सप्ताह से बीमार थे और लंदन के एक अस्पताल में उनका निधन हो गया। हिंदुजा परिवार की दूसरी पीढ़ी से ताल्लुक रखने वाले गोपीचंद ने मई 2023 में अपने बड़े भाई श्रीचंद के निधन के बाद अध्यक्ष का पद संभाला था। उनके परिवार में पत्नी सुनीता, पुत्र संजय और धीरज और पुत्री रीता हैं।

आजादी के पहले अपना कारोबारी सफर शुरू करने वाले हिंदुजा परिवार में जन्मे गोपीचंद हिंदुजा 1959 में मुंबई में अपने पारिवारिक उद्यम में शामिल हुए। बीते कई दशकों में उन्होंने हिंदुजा समूह को एक पारंपरिक व्यापारिक संचालन से बैंकिंग, वित्त, ऊर्जा, मोटर वाहन, मीडिया और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में एक वैश्विक औद्योगिक महाशक्ति बनाने में मदद की। उनके नेतृत्व में समूह ने अपने कुछ सबसे महत्वपूर्ण अधिग्रहण किए।

इनमें 1984 में गल्फ ऑयल और तीन साल बाद अशोक लीलैंड का अधिग्रहण शामिल है। अशोक लीलैंड भारत में प्रवासी भारतीयों की ओर से किए गए पहले बड़े निवेशों में से एक था। समूह की वेबसाइट के अनुसार, मुंबई के जय हिंद कॉलेज से स्नातक जीपी को व्यवसाय में उनके योगदान के लिए वेस्टमिंस्टर विश्वविद्यालय से मानद डॉक्टरेट ऑफ लॉ और लंदन के रिचमंड कॉलेज से मानद डॉक्टरेट ऑफ इकोनॉमिक्स की उपाधि से सम्मानित किया गया था।

'ऐसा लगता है केंद्र सरकार मेरी बेंच से बचना चाहती है' : सीजेआई गवई ने क्यों कहा ऐसा

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार की उस अर्जी पर कड़ा रुख अपनाया। केंद्र सरकार ने सुनवाई के दौरान ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को पांच तन्यायाधीशों की पीठ को भेजने का अनुरोध किया था। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ जिसने याचिकाकर्ताओं की दलीलें सुनी थीं, कहा कि याचिकाकर्ताओं द्वारा बहस समाप्त करने के बाद केंद्र द्वारा यह अनुरोध करना चौंकाने वाला है। शीर्ष अदालत ने कहा कि अंतिम सुनवाई के आखिरी चरण में सरकार से ऐसी उम्मीद नहीं थी।

सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने इस बात को लेकर नाराजगी जताई कि केंद्र अब इस मामले को पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के पास भेजना चाहता है। पीठ ने इस मामले में मुख्य याचिकाकर्ता मद्रास बार एसोसिएशन सहित विभिन्न याचिकाकर्ताओं की ओर से अंतिम दलीलें पहले ही सुन ली हैं। पीठ ने कहा, पिछली तारीख (सुनवाई की) पर, अटॉर्नी जनरल ये आपत्तियां नहीं उठाईं और आपने निजी कारणों से सुनवाई टालने का अनुरोध किया। आप पूरी सुनवाई के बाद ये आपत्तियां नहीं उठा सकते। हम केंद्र सरकार से ऐसी तरकीब अपनाने की उम्मीद नहीं करते हैं। नाराज नजर आ रहे सीजेआई ने कहा, यह ऐसे समय हुआ है जब हमने एक पक्ष की पूरी बात सुन ली है और अटॉर्नी जनरल को निजी कारणों से छूट दी है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि ऐसा लगता है कि केंद्र सरकार मौजूदा पीठ से बचना चाहती है। अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने पीठ से अपील की कि वे वृहद पीठ द्वारा सुनवाई किये जाने के अनुरोध संबंधी केंद्र की अर्जी को गलत न समझें। उन्होंने कहा कि इस पहलू पर शुरूआती आपत्तियां पहले ही केंद्र सरकार द्वारा दाखिल जवाब का हिस्सा हैं। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा, अगर हम आपकी यह अर्जी खारिज कर देते हैं तो हम यह मानेंगे कि केंद्र इस पीठ से बचने की कोशिश कर रहा है।

आतंकवाद पर 'जीरो टॉलरेंस' : गाजा शांति योजना का समर्थन, भारत-इस्राइल बैठक में बोले जयशंकर

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और इस्राइल के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने इस्राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस बैठक में दोनों देशों ने आतंकवाद, नवाचार, कृषि और वैश्विक शांति जैसे मुद्दों पर गहन चर्चा की।

जयशंकर ने कहा भारत और इस्राइल के बीच रणनीतिक साझेदारी का असली अर्थ है- भरोसा, सहयोग और साझा मूल्यों पर आधारित रिश्ता। हमने कठिन समय में एक-दूसरे का साथ दिया है। दोनों देशों के सामने आतंकवाद की समान चुनौती है, इसलिए यह जरूरी है कि दुनिया आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' का दृष्टिकोण अपनाए।

जयशंकर ने गाजा क्षेत्र की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि भारत 'गाजा पीस प्लान' का समर्थन करता है और उम्मीद करता है कि यह एक स्थायी शांति समाधान का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने बंधकों की रिहाई और मृतकों के पार्थिव अवशेषों की वापसी का स्वागत भी किया।

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के बीच हाल ही में हुआ द्विपक्षीय निवेश समझौता एक अहम कदम है। उन्होंने बताया कि कृषि, अर्थव्यवस्था, पर्यटन और वित्त से जुड़े इस्राइली मंत्री पहले ही भारत का दौरा कर चुके हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पॉक्सो के मामलों के दुरूपयोग पर जताई गहरी चिंता : कहा- जागरूकता की सख्त जरूरत

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो कानून) का गलत इस्तेमाल बढ़ रहा है। अदालत ने देखा कि इस कानून का उपयोग कई बार पति-पत्नी के झगड़ों या किशोर-किशोरी के आपसी सहमति वाले संबंधों में किया जा रहा है, जो कानून की असली भावना के खिलाफ है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की पीठ एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस याचिका में मांग की गई है कि लोगों को दुष्कर्म और पॉक्सो कानून के प्रावधानों के बारे में जागरूक किया जाए, ताकि देश में महिलाओं और लड़कियों के लिए माहौल और सुरक्षित बने।

पॉक्सो एक्ट के गलत इस्तेमाल पर जताई चिंता :

इस सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा, हम यह देख रहे हैं कि कई बार पॉक्सो एक्ट का इस्तेमाल झगड़ों या किशोरों के आपसी संबंधों में गलत तरीके से किया जा रहा है। इसलिए जरूरी है कि लड़कों और पुरुषों में इस कानून की जानकारी और समझ बढ़ाई जाए।

2 दिसंबर तक के लिए टली सुनवाई :

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई 2 दिसंबर तक टाल दी है, क्योंकि कुछ राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों ने अभी तक इस मुद्दे पर अपनी राय नहीं दी है। पहले, अदालत ने केंद्र सरकार, शिक्षा मंत्रालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय और फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। वरिष्ठ अधिवक्ता आबाद हर्षद पोंडा ने अदालत से कहा कि लोगों को यह बताया जाना जरूरी है कि निर्भया कांड के बाद दुष्कर्म से जुड़े कानूनों में क्या बदलाव हुए हैं।

याचिका में शिक्षा मंत्रालय को निर्देश देने की मांग :

जनहित याचिका में मांग की गई है कि शिक्षा मंत्रालय सभी स्कूलों को यह निर्देश दे कि बच्चों को महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों से जुड़े कानूनों की बुनियादी जानकारी दी जाए। नैतिक शिक्षा को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए ताकि बच्चों को लैंगिक समानता, महिलाओं के अधिकार और सम्मानजनक जीवन के महत्व के बारे में सिखाया जा सके।

दुष्कर्म जैसे अपराधों के दुष्परिणाम-सजा के बारे में करें जागरूक :

इस याचिका में यह भी कहा गया है कि सूचना और प्रसारण मंत्रालय तथा सीबीएफसी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि फिल्मों और मीडिया के माध्यम से जनता को दुष्कर्म जैसे अपराधों के दुष्परिणाम और सजा के बारे में जागरूक किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि लड़कियों की सुरक्षा सिर्फ कानून से नहीं, बल्कि समाज की सोच बदलने से संभव है, और यह बदलाव स्कूल स्तर से शुरू होना चाहिए।

'धर्म और जाति में मतभेद फैलाने वाले बयान राज्य के लिए हानिकारक' : शरद पवार का आशीष शेलार पर पलटवार

मुंबई, 4 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में राजनीतिक बयानबाजी के बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को राज्य के मंत्री और वरिष्ठ बीजेपी नेता आशीष शेलार की तीखी आलोचना की। शेलार ने हाल ही में कहा था कि उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे तुष्टिकरण की राजनीति कर रहे हैं, क्योंकि वे केवल हिंदू मतदाताओं के डुप्लीकेट नामों पर सवाल उठा रहे हैं और मुस्लिम मतदाताओं के मामलों को नजरअंदाज कर रहे हैं।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शरद पवार ने कहा राज्य के वरिष्ठ मंत्री को ऐसे बयान नहीं देने चाहिए जो धर्म या जाति के आधार पर समाज में दरार पैदा करें। सत्ता में बैठे लोगों की जिम्मेदारी है कि वे सामाजिक एकता बनाए रखें। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र जैसे विविध समाज वाले राज्य में ऐसे बयान राज्य की एकता और सद्भावना के लिए खतरनाक हैं।

पवार ने किसानों के मुद्दों पर भी सरकार को घेरा :

इसके साथ ही पवार ने किसानों के मुद्दों पर भी सरकार को घेरा।

उन्होंने कहा कि अगस्त और सितंबर में भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित किसानों को अब तक बीमा राहत के नाम पर बेहद मामूली रकम मिली है।

शरद पवार ने कहा सरकार की पहली प्राथमिकता किसानों की मदद होनी चाहिए। जिन्होंने फसल बीमा लिया है, उन्हें उचित मुआवजा मिलना चाहिए।

केंद्र के कृषि मंत्री ने जांच की बात कही है, लेकिन संकट में फंसे किसानों की मदद तुरंत की जानी चाहिए। बारामती में मीडिया से बात करते हुए पवार ने कहा कि राज्य सरकार को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप छोड़कर किसानों की सहायता और सामाजिक सौहार्द पर ध्यान देना चाहिए।

स्कूली बच्चों से भरी मिनीबस पलटी

20 घायल, दो की हालत गंभीर

राजोरी, 4 नवंबर (एजेंसियां)। राजोरी जिले के ठंडीकस्सी (जियारत के पास) क्षेत्र में आज सुबह एक मिनीबस के दुर्घटनाग्रस्त होने से बड़ा हादसा हो गया। हादसे में करीब 20 लोग घायल हुए हैं, जिनमें कई स्कूली बच्चे भी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, मिनीबस (रजिस्ट्रेशन नंबर जेके02 8074) ठंडीकस्सी इलाके में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। स्थानीय लोगों और पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया।

सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि दो गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज के लिए हेलिकॉप्टर के जरिए जम्मू एयरलिफ्ट किया गया है। फिलहाल घायलों का इलाज जारी है और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बस में ज्यादातर स्कूली बच्चे सवार थे, जो सुबह स्कूल जा रहे थे। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

'अगर पाकिस्तान ने फिर हिमाकत की तो गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा'

न्यूक्लियर टेस्ट के दावों के बीच अमित शाह की शहबाज के मुल्क को चेतावनी

दरभंगा, 4 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में प्रचार के आखिरी दिन दरभंगा में गृहमंत्री अमित शाह ने एक जनसभा को संबोधित किया। अपने भाषण में विपक्ष पर तीखे प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने जंगल राज चलाया, वे अब नए भेष में लौटने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि वे कमल छाप पर बटन दबाकर राज्य में फिर से जंगल राज आने से रोकें। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दरभंगा में एम्स का निर्माण हुआ, जो अब राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं में नया अध्याय जोड़ रहा है।

उन्होंने कहा, "लालू प्रसाद यादव और राहुल गांधी की 10 साल तक केंद्र में सरकार रही, लेकिन उन्होंने दरभंगा के विकास के लिए कुछ नहीं किया। मोदी सरकार ने जो वादा किया, उसे निभाया।" उन्होंने आगे कहा कि दरभंगा का विकास अब रुकने वाला नहीं है। यहां मेट्रो प्रोजेक्ट की भी तैयारी चल रही है, जिससे मिथिला क्षेत्र को नई रफ्तार मिलेगी।

राम मंदिर मुद्दे पर क्या बोले अमित शाह?

गृह मंत्री ने अपने भाषण में राम मंदिर मुद्दे को भी जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने कहा कि मुगल, अंग्रेज, कांग्रेस और लालू- सभी ने मिलकर राम मंदिर के निर्माण को रोका, लेकिन जैसे ही मोदी जी सत्ता में आए, अयोध्या में राम मंदिर का सपना साकार हुआ।" उन्होंने कहा कि यह मंदिर न केवल करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र है, बल्कि भारत की संस्कृति और विश्वास की पहचान भी है।

"अगर पाकिस्तान ने हिमाकत की तो जवाब गोली नहीं, गोले से मिलेगा"

गृहमंत्री ने पाकिस्तान को भी सख्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पहलगाम में आतंकियों ने निर्दोष नागरिकों को मारा। मोदी सरकार ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों का सफाया किया। अगर पाकिस्तान ने दोबारा हिमाकत की तो गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा।"

बिहार में बनेगा डिफेंस कॉरिडोर?

अमित शाह ने यह भी ऐलान किया कि बिहार में यूपी और तमिलनाडु की तर्ज पर डिफेंस कॉरिडोर बनाया जाएगा, जिससे हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि बिहार अब सिर्फ पलायन का राज्य नहीं रहेगा, बल्कि देश की रक्षा और उद्योग के क्षेत्र में भी अपनी पहचान बनाएगा।

"राजद महिलाओं के विरोध में है"

अमित शाह ने राजद पर हमला बोलते हुए कहा कि लालू यादव की पार्टी ने महिला रोजगार योजना का विरोध किया और चुनाव आयोग को पत्र लिखकर कहा कि जीविका दीदी को दिए गए 10,000 रुपये वापस लिए जाएं। उन्होंने कहा, "यह महिलाओं के खिलाफ राजद की मानसिकता को दर्शाता है। मोदी सरकार ने महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए काम किया है।"

मणिपुर में उग्रवादियों ने की आर्मी जवानों पर फायरिंग

जवाबी कार्रवाई में चार को मार गिराया

चुराचांदपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। मणिपुर के चुराचांदपुर में सुरक्षाबलों ने प्रतिबंधित समूह के 4 उग्रवादियों को मार गिराया है। चारों आतंकी आज सुबह हुए पुलिस एनकाउंटर में मारे गए हैं। इनका संबंध मणिपुर के प्रतिबंधित संगठन यूनाइटेड कूकी नेशनल आर्मी (यूकेएनए) से मिला है। सुरक्षाबलों को खानपी गांव के पास उग्रवादियों के होने की सूचना मिली थी।

ऐसे में सुबह 5:30 बजे इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान सुरक्षाबलों और उग्रवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में 3 उग्रवादी ढेर कर दिए गए। मणिपुर में शांति स्थापित करने की कोशिशों के तहत कई कूकी और जोमी उग्रवादी समूहों ने केंद्र सरकार और राज्य सरकार के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन इस लिस्ट में यूकेएनए का नाम शामिल नहीं था। ऑपरेशन की जानकारी देते हुए एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सुरक्षाबलों और उग्रवादियों के बीच फायरिंग शुरू हो गई थी। इस दौरान गोली लगने से कई उग्रवादी घायल हो गए और 4 की मौके पर मौत हो गई। हालांकि, गोलीबारी के बीच में कई उग्रवादी बचकर निकलने में कामयाब हो गए।

ऑपरेशन के दौरान हुए एनकाउंटर के बाद सेना ने बयान जारी करते हुए घटना की जानकारी दी है। मौके से भागे उग्रवादियों की तलाश के लिए इलाके में अभी भी सर्च ऑपरेशन जारी है। सुरक्षाबल सभी उग्रवादियों को जल्द से जल्द ढूंढने की कोशिश में लगे हैं।

यह बिहार की मछली है, आप इसे नहीं पकड़ पाएंगे

राहुल गांधी पर दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने साधा निशाना

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि बिहार की जनता समझ गई है कि राज्य का विकास केवल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेतृत्व में ही संभव है। उन्होंने कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) पर वर्षों तक लोगों को लूटने और गुमराह करने का आरोप लगाया है। रेखा गुप्ता ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि बिहार के लोग, खासकर महिलाएं, जानती हैं कि विकास केवल एनडीए के शासन में ही संभव है और आरोप लगाया कि 'पंजे वाले' और 'लालटेन वाले' दलों ने हमेशा राज्य को लूटा और गुमराह किया है।

बिहार की जनता, महिलाएं, हर कोई सतर्क है

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने कहा, बिहार की जनता, महिलाएं, हर कोई सतर्क है; वे जानते हैं कि बिहार का विकास केवल और केवल एनडीए के शासन में ही संभव है।।। ये 'पंजे वाले' और 'लालटेन वाले' हमेशा बिहार को लूटते रहे और हमेशा लोगों को संकट में छोड़ दिया, इसलिए बिहार की जनता उनकी बातों में नहीं आएगी। पटना में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि बिहार अब राहुल गांधी की 'चालों' को समझ गया है और वह बिहार की मछली नहीं पकड़ पाएंगे। उन्होंने कहा, कांग्रेस के लोग जो मोजे पहनकर खेतों में जाते थे, अब मछली पकड़ने के लिए तालाब में कूद रहे हैं। मैं राहुल जी से कहना चाहती हूं कि यह बिहार की मछली है, आप इसे नहीं पकड़ पाएंगे। बिहार के हर व्यक्ति ने अब आपकी चालों को समझ लिया है।

ये खुद तो अमीर होते गए, लेकिन बिहार के आम लोग गरीब ही रहे

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि कांग्रेस और आरजेडी के नेताओं ने वर्षों तक बिहार पर शासन किया, खुद तो अमीर बनते गए, जबकि लोग 'गरीब' ही रहे। उन्होंने कहा, इन लोगों ने वर्षों तक बिहार की धरती पर शासन किया। कभी कांग्रेस, कभी आरजेडी। ये खुद तो अमीर होते गए,लेकिन बिहार के आम लोग गरीब ही रहे।।

। नीतीश कुमार और पीएम नरेंद्र मोदी के समय में बिहार ने प्रगति देखी। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के एक बयान के अनुसार, अगले तीन दिनों में मुख्यमंत्री बिहार में एनडीए उम्मीदवारों के समर्थन में चुनाव प्रचार करेंगी। उनके साथ भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, सहयोगी दलों के नेता, साथ ही पार्टी के उम्मीदवार और कार्यकर्ता भी होंगे। जनसभाओं के अलावा, मुख्यमंत्री रोड शो में भी हिस्सा लेंगी। बिहार की 243 सीटों वाली विधानसभा के लिए मतदान दो चरणों में 6 नवंबर और 11 नवंबर को होने वाला है, जबकि वोटों की गिनती 14 नवंबर को होगी।

श्री गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर सिख जत्था पाक रवाना

अमृतसर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। अमृतसर के श्री गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर सिख श्रद्धालुओं का एक बड़ा जत्था आज शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के मुख्य कार्यालय से पाकिस्तान के लिए रवाना हुआ। जत्थे की अगुवाई एसजीपीसी सदस्य बीबी गुरिंदर कौर कर रही हैं, जबकि सरदार गुरमीत सिंह बूहे जत्थे के डिप्टी लीडर के रूप में साथ जा रहे हैं। इस जत्थे के साथ श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज भी जा रहे हैं, जो संगत की अगुवाई करेंगे।

रवाना होने से पहले एसजीपीसी कार्यालय में एक विशेष समारोह आयोजित किया गया, जहां जत्थे की अगुवाई करने वाले नेताओं का सम्मान किया गया। क्योंकि वे पहली बार पाकिस्तान के ऐतिहासिक गुरुद्वारों के दर्शन करने जा रहे हैं। जत्था पाकिस्तान के ननकाना साहिब, करतारपुर साहिब, डेरा साहिब लाहौर सहित कई पवित्र गुरुद्वारों के दर्शन करेगा और 13 नवंबर को अटारी बॉर्डर के रास्ते भारत वापस लौटेगा।

पति को मारकर भी नहीं भरा मन

लाश के पास बैठकर किया मेकअप

सोनीपत, 4 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत जिले से एक ऐसी घटना सामने आई है, जिसने हर किसी को झकझोर दिया। सोनीपत के गोहाना में एक महिला ने अपने सुहाग को सिर्फ इसलिए उजाड़ दिया, क्योंकि उसका पति पैसे नहीं कमा पा रहा था। पति की सांसें टूटने पर भी उसका दिल नहीं भरा, इसके बाद उसने लाश के पास बैठकर ही मेकअप किया। गोहाना के गढ़ी सराय नामदार खां गांव में सोमवार सुबह एक बुजुर्ग महिला ने हैवानियत की सभी हदें पार कर दीं।

पूनम नाम की महिला ने अपने पति सुरेश (60 वर्ष) की ईंट और डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। इतना ही नहीं घटनास्थल पर जिसने भी वो खौफनाक मंजर देखा उसकी रूह कांप गई। इस खौफनाक वारदात के बाद कुछ पड़ोसियों ने बताया कि बुजुर्ग दंपती में अक्सर झगड़ा होता रहता था। बताया कि बुजुर्ग महिला आए दिन अपने बुजुर्ग पति के साथ मारपीट करती थी। उन्होंने एक वीडियो भी दिखाया, जिसमें महिला अपने पति को लात-घूंसों से पीटती दिखाई दे रही है। बताया कि उसका पति सुरेश पहले ऑटो चलाता था, लेकिन बीमार होने की वजह से वह फिलहाल काम नहीं कर रहा था। लेकिन उसकी पत्नी पूनम बार-बार पैसे कमाने का दबाव बनाती थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा होता रहता था। मूलरूप से महमूदपुर के निवासी सुरेश करीब एक साल से पत्नी पूनम के साथ गढ़ी सराय नामदार खां गांव रह रहे थे।

हर किसी को झकझोर देने वाली इस घटना के बाद लोगों के मन एक सवाल बार-बार आ रहा है कि आखिर कोई महिला अपने पति की हत्या और फिर उसके बाद ऐसा कैसे कर सकती है। सुरेश का शव घर के आंगन में पड़ा था। आरोपी पत्नी साथ में बिछी चारपाई पर बैठकर अपने बाल संवारने लगी। उसने चारपाई पर बैठे-बैठे कई बार पति के मुंह पर कंघी से मारा। कुछ पल बाद वह चारपाई से उठी और पति के मुंह पर थप्पड़ मारते हुए कमरे में गई।

ड्रग ओवरडोज से हर हफ्ते 12 लोगों की मौत

एनसीआरबी की रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। ड्रग ओवरडोज के कारण देश में हर दिन कुछ लोगों की जान जा रही है। एनसीआरबी ने इसे लेकर ताजा आंकड़े जारी किए हैं, जिसमें 2019-2023 के बीच ड्रग ओवरडोज से हुई मौतों का जिक्र है। इस रिपोर्ट के अनुसार ड्रग ओवरडोज से हर हफ्ते 12 लोगों की मौत होती है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार 2023 में ड्रग ओवरडोज के कारण हर हफ्ते 12 लोगों की जान गई है। 2019 से 2023 के बीच हर दिन 2 लोगों की मौत की वजह ड्रग ओवरडोज रही है।

हालांकि, इस रिपोर्ट में सिर्फ ड्रग ओवडोज से हुई कन्फर्म मौतों का ही आंकड़ा है। ड्रग ओवरडोज से जुड़े कई केस दर्ज ही नहीं किए जाते हैं, जिनके आंकड़े एनसीआरबी की रिपोर्ट में नहीं शामिल है।

2019 में टॉप पर था तमिलनाडु

ड्रग ओवरडोज के शुरुआती आंकड़ों में तमिलनाडु टॉप पर था, मगर अब राज्य में इसके मामले कम होने लगे हैं। 2019 में तमिलनाडु में ड्रग ओवरडोज के कारण 108 लोगों की जान गई थी। हालांकि, 2023 में यह आंकड़ा कम होकर 65 पर आ गया। हालांकि, 2019 में पंजाब का नाम टॉप 5 राज्यों में शामिल नहीं था। मगर, 2022 में पंजाब में ड्रग ओवरडोज से 144 लोगों की मौत हो गई। 2023 में यह आंकड़ा कम होकर 89 दर्ज किया गया है।

बिहार चुनाव के बाद कर्नाटक में होगा खेला

सीएम सिद्धारमैया ने मचाई खलबली, उधर दिल्ली कूच को तैयार शिवकुमार

बेंगलूरू, 4 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में सरकार बदलने की सुगबुगाहट के बीच मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने सोमवार को साफ कर दिया कि बिहार के विधानसभा चुनाव पूरे हो जाने के बाद कर्नाटक कैबिनेट में फेरबदल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर वह कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व से चर्चा करेंगे। मैसूरु एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि 'मंत्रिमंडल फेरबदल बिहार चुनावों के बाद किया जाएगा। हाईकमान से इस पर बातचीत होगी।'

नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों पर सिद्धारमैया ने साफ कहा कि पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की ओर से इस विषय पर कोई निर्देश नहीं आया है। उन्होंने कहा, 'हाईकमान ने नेतृत्व परिवर्तन को लेकर कुछ नहीं कहा है। यह पूरी तरह पार्टी नेतृत्व का निर्णय होगा।' हालांकि, उनके इस बयान से कांग्रेस के भीतर बढ़ती खींचतान और सत्ता संतुलन को लेकर चल रही हलचल के संकेत साफ झलकते हैं।

दिल्ली कूच को तैयार जारकीहोली और शिवकुमार

उधर कांग्रेस के अंदरूनी हलकों में इन दिनों 'नवंबर क्रांति' की चर्चा जोर पकड़ रही है। इसके तहत कर्नाटक कांग्रेस सरकार में कुछ बड़े बदलाव की उम्मीद जताई जा रही है। लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष पद के दावेदार बताए जा रहे हैं। खबर है कि वह जल्द ही दिल्ली जाकर आलाकमान से मुलाकात करने वाले हैं। वहीं, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार भी अपने बिहार चुनाव अभियान के बाद दिल्ली जाने की तैयारी में हैं।

माना जा रहा है कि वह सत्ता हस्तांतरण के कथित समझौते और संगठन में संभावित फेरबदल को लेकर हाईकमान से चर्चा कर सकते हैं।

सिद्धारमैया और शिवकुमार खेमे में दो-फाड़

इस बीच, आवास मंत्री ज़मीर अहमद खान और कई वरिष्ठ नेताओं ने सिद्धारमैया के समर्थन में बयान देते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री को अपना पूरा पांच साल का कार्यकाल पूरा करना चाहिए। लेकिन शिवकुमार गुट सत्ता के 'ट्रांसफर ऑफ पावर' एग्रीमेंट को लागू करने की मांग पर अड़ा है।

सिद्धारमैया ने यह भी संकेत दिया कि वह 15 नवंबर के आसपास दिल्ली जाएंगे, जहां मंत्रिमंडल फेरबदल और राजनीतिक रणनीति को लेकर पार्टी हाईकमान से विस्तृत चर्चा करेंगे। माना जा रहा है कि कुछ वरिष्ठ मंत्रियों के विभाग बदले जा सकते हैं, जबकि कुछ नए चेहरों को सरकार में शामिल किया जा सकता है। फिलहाल, मुख्यमंत्री ने यह स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी बदलाव का अंतिम निर्णय कांग्रेस हाईकमान ही करेगा।

सड़क निर्माण के लिए बाधक मकानों को हटाया

इंदौर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। इंदौर में दो दिनों से अलग-अलग इलाकों में सड़क निर्माण में बाधक बन रहे मकानों को हटाने की कार्रवाई की जा रही है। मंगलवार को मालवीय नगर में मास्टर प्लान के तहत बन रहे एमआर-9 से एलआईजी लिंक रोड तक बाधक मकानों को हटाया गया। मालवीय नगर गली नंबर 2 में करीब 140 मकानों को हटाया गया।

नगर निगम की यह कार्रवाई 5 जेसीबी और 5 पोकलेन मशीनों की सहायता से की गई, जिससे सड़क चौड़ीकरण कार्य के लिए मार्ग पूरी तरह मुक्त हो गया। इससे पहले सोमवार को बड़ा गणपति से टिगरिया बादशाह तक 100 फीट चौड़ी सड़क के लिए 11 मकानों पर बुलडोजर चलाया गया। नगर निगम का कचरा ट्रांसफर स्टेशन भी सड़क पर आ रहा है, इसलिए उसकी बाउंड्री वॉल भी तोड़ी जाएगी। मकानों का 8 से 10 फीट हिस्सा सड़क पर आने से निर्माण कार्य में बाधा आ रही थी। नगर निगम ने नोटिस देने के बाद कार्रवाई की।

भाजपा के पूर्व मंत्री ने एनडीए सरकार पर लगाया बड़ा आरोप

कहा- 62 हजार करोड़ का हुआ घोटाला

पटना, 4 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से दो पहले यानी आज भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद आरके सिंह ने अपनी ही सरकार पर बड़ा आरोप लगा दिया है।

यह आरोप भ्रष्टाचार को लेकर लगाया गया है। उन्होंने कहा कि बहुत बड़ा घपला हुआ है। एनडीए सरकार ने अदाणी समूह के साथ एक एग्रीमेंट साइन किया है। इसमें कहा गया कि 25 साल तक बिहार सरकार 6 रुपये 75 पैसे के हिसाब से अदाणी समूह से पावर खरीदेगी। अदाणी पावर लिमिटेड को जो जमीन दिया गया है और जिस रेट पर बिहार के लोगों को पर यूनिट बिजली मिलेगी में उसमें 62 हजार करोड़ का घोटाला हुआ है। सका खामियाजा सीधे-सीधे बिहार की जनता को भुगतना पड़ेगा।

NOTICE FOR REGISTRATION OF NEW POLITICAL PARTY

(Published as per the directions of Telangana State Election Commission)

Notice is hereby given to the general public that **Sri Narala Satyanarayana** intends to register a political party without reserved symbol with the State Election Commission, Telangana, under the name and style of **"TELANGANA RAKSHANA SAMITHI (DEMOCRATIC)"** with location of its head office H.No.: 7-1-257/1, Adarsh Nagar, Manuguru Town & Mandal, Bhadrari Kothagudem Dist., Telangana - 507117. Under the Registration of Political parties and Allotment of Symbols Order, 2018. The main office bearers of the Party are **1) President, Sri Narala Satyanarayana, 2) General Secretary, Sri Burra Someswar Goud 3) Treasurer, Sri. Kothuri Shanker.** Objections, if any, for such registration from the general public, shall be sent to the Secretary, State Election Commission, Telangana, 1st Floor, DTCP Building, Opp: PTI Building, A.C. Guards, Hyderabad - 500 004 within 15 days from the date of publication of this notice. If no objections are received within the time stipulated, the Commission will process to register **"TELANGANA RAKSHANA SAMITHI (DEMOCRATIC)"** as a Political Party to contest elections to Local Bodies (Sthanika Samsthalu) held on party basis in Telangana State.

Date: 4-11-2025 President: "TELANGANA RAKSHANA SAMITHI (DEMOCRATIC)"

जिसे अंकल कहती थी उसी ने लूटी अस्मत

जालंधर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। फिल्लौर में 14 साल की नाबालिग बच्ची ने एंबुलेंस में बच्चे को जन्म दिया, जिसकी 6 दिन बाद मौत हो गई। परिजनों ने बच्चे का शव श्मशानघाट में दफना दिया। नाबालिगा की शिकायत पर एक व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। बच्ची रेप के बाद गर्भवती हो गई तो मां फिल्लौर के पास गांव में रहते भाई के पास छोड़ आई।

पिछले हफ्ते पेट में दर्द ज्यादा होने लगा तो मामा एंबुलेंस में उसे सिविल अस्पताल के लिए निकल पड़ा, लेकिन रास्ते में ही बच्ची ने लड़के को जन्म दे दिया। स्थानीय डॉक्टरों ने नाबालिग बच्ची की उम्र कम होने के चलते उपचार के बाद उसे जालंधर रेफर कर दिया गया। परिजनों के मुताबिक 6 दिन बाद नवजात बच्चे की मौत हो गई। परिवार ने बच्चे को श्मशानघाट में दफना दिया। फिल्लौर पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज करके लड़की के रिहायश वाले थाने को सूचित किया।

आरोपी डॉक्टर प्रवीण सोनी की पत्नी अरेस्ट

फार्मेसी पर मिलावटी सिरप बेचने का आरोप

छिंदवाड़ा, 4 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में 24 बच्चों की मौत के लिए कथित तौर पर जिम्मेदार माने जा रहे कफ सिरप के मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मंगलवार को आरोपी डॉ प्रवीण सोनी की पत्नी को गिरफ्तार किया है। छिंदवाड़ा के रहने वाले डॉ सोनी ने कथित तौर पर ज्यादातर बीमार बच्चों को मिलावटी कफ सिरप 'कोल्ड्रिफ' दिया था। उन्हें पिछले महीने किडनी फेल होने से बच्चों की मौत के सिलसिले में लापरवाही के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

अनुविभागीय पुलिस अधिकारी और एसआईटी के प्रमुख जितेंद्र जाट ने बताया कि डॉ। सोनी की पत्नी ज्योति सोनी को रात छिंदवाड़ा जिले के

परासिया कस्बे में उनके घर से गिरफ्तार किया गया। ज्योति सोनी इस मामले में एक और आरोपी हैं। उन्होंने बताया कि वह एक मेडिकल दुकान की मालकिन हैं, जहां से कई पीड़ितों को कफ सिरप बेचा गया था।

उन्होंने बताया कि अब तक कफ सिरप मामले के सिलसिले में सात लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। बच्चों की मौत के बाद तमिलनाडु सरकार ने कफ सिरप बनाने वाली कंपनी 'श्रेसन फार्मा' का लाइसेंस रद्द कर दिया।

गिरफ्तार किए गए लोगों में श्रेसन फार्मा के मालिक जी। रंगनाथन, मेडिकल प्रतिनिधि सतीश वर्मा, केमिस्ट के। महेश्वरी, थोक विक्रेता राजेश सोनी और मेडिकल स्टोर फार्मासिस्ट सौरभ जैन शामिल हैं।

कफ सिरप पीने के बाद किडनी फेल होने से हुई मौतें

मध्य प्रदेश के 24 बच्चों की कोल्ड्रिफ कफ सिरप पीने के बाद किडनी फेल होने से मौत हो गई थी। इनमें से ज़्यादातर बच्चे पांच साल से कम उम्र के थे।

वहीं, पड़ोसी राजस्थान में भी कम से कम तीन बच्चों की कफ सिरप पीने से मौत हो गई थी। इस त्रासदी के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत में पहचाने गए तीन 'घटिया' ओरल कफ सिरप- कोल्ड्रिफ, रेस्पिफ्रेश और रीलाइफ के खिलाफ अलर्ट जारी किया था।

सुविचार: कल के लिए सबसे अच्छी तैयारी यही है, की आज अच्छा करो!

जर्मनी के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए तैयार : रेवंत रेड्डी

जर्मन महावाणिज्य दूत ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। देश का सबसे लोकप्रिय प्रौद्योगिकी विकास और नवाचार केंद्र- हैदराबाद, जल्द ही जीसीसी (वैश्विक क्षमता केंद्र) की एक और बड़ी सुविधा से सुसज्जित होने वाला है। जर्मन कंपनी डॉयचे बोर्स हैदराबाद में अपना जीसीसी शुरू करेगी। कंपनी के प्रतिनिधिमंडल ने आज एक बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को इसकी जानकारी दी। जर्मन महावाणिज्य दूत माइकल हैस्पर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। जर्मन टीम ने मुख्यमंत्री को जीसीसी के बारे में जानकारी दी, जिसकी स्थापना बोर्स कंपनी के विस्तार के तहत की जा रही है। यह नई सुविधा अगले 2 वर्षों में जीसीसी में आईटी क्षेत्र में कम से कम 1000 नौकरियों के अवसर प्रदान करेगी। जीसीसी की स्थापना के लिए हैदराबाद को चुनने के लिए जर्मन कंपनी का धन्यवाद करते हुए, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद निवेश के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है और जनता की सरकार वैश्विक निवेशकों को पूर्ण सहयोग देने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने जर्मन कंपनियों से आईटी, फार्मा और ऑटोमोबाइल क्षेत्रों में निवेश करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि तेलंगाना और अधिक निवेश के लिए जर्मनी के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने जर्मन टीम से हैदराबाद को एक नवाचार केंद्र के रूप में विकसित करने में सहयोग देने की भी अपील की। जर्मन महावाणिज्य दूत से हैदराबाद में जर्मन शिक्षकों की नियुक्ति करने और तेलंगाना के छात्रों को जर्मन भाषा सिखाने में मदद करने का अनुरोध किया गया। मुख्यमंत्री ने महावाणिज्य दूत से टॉमकॉम के माध्यम से व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने की अपील की। इस अवसर पर अमिता देसाई, डॉयचे बोर्स के सीआईओ/सीओओ डॉ. क्रिस्टोफ़ बोहम, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव अजित रेड्डी, विष्णुवर्धन रेड्डी और अन्य भी उपस्थित थे।

जेएनटीयू-हैदराबाद में बीफार्मेसी परीक्षाएं तय कार्यक्रम के अनुसार होंगी

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जेएनटीयू) हैदराबाद ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि प्रथम वर्ष की बीफार्मेसी परीक्षाएं पहले से घोषित कार्यक्रम के अनुसार ही आयोजित की जाएंगी। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो.के. वेंकटेश्वर राव ने बताया कि सुबह की परीक्षा पहले ही शुरू हो चुकी है और आगामी परीक्षाएं भी बिना किसी बाधा के संपन्न होंगी। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब फार्मेसी पाठ्यक्रम चलाने वाले निजी व्यावसायिक कॉलेज सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। कॉलेज प्रबंधन राज्य सरकार से 10,000 करोड़ रुपये की फीस प्रतिपूर्ति बकाया राशि में से 5,000 करोड़ रुपये तुरंत जारी करने की मांग कर रहे हैं।

पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रीत कला संगम, हैदराबाद, सचिव पी. पटनायक के मार्गदर्शन में और भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा प्रायोजित, भारत रत्न और पूर्व उप-प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक भव्य दो दिवसीय समारोह का आयोजन कर रहा है। यह कार्यक्रम 4 और 5 नवंबर, 2025 को दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक तेलुगु विश्वविद्यालय और रवींद्र भारती, हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा। इस स्मरणोत्सव का उद्देश्य राष्ट्रीय एकता में सरदार पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका और एकता के उनके दृढ़ दृष्टिकोण का सम्मान करना है। दो दिवसीय समारोह में शास्त्रीय नृत्य प्रदर्शन, संगीत प्रस्तुतियां, पुस्तक विमोचन और बौद्धिक चर्चाएं शामिल होंगी, जो "भारत के लौह पुरुष" के जीवन और विरासत पर आधारित होंगी। कुचिपुड़ी, ओडिसी और भरतनाट्यम के 300 से अधिक शास्त्रीय नर्तक, कर्नाटक और हिंदुस्तानी गायन कलाकारों के साथ, भारत की जीवंत सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन करेंगे।

बीआरएस नेता ने सीएम की आलोचना की

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेता शेख अब्दुल्ला सोहेल ने मंगलवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर तेलंगाना के मुस्लिम समुदाय से किए गए "दो साल के अधूरे वादों" से ध्यान हटाने के लिए पूर्व क्रिकेटर एमडी अजहरुद्दीन को मंत्री बनाकर 'परिवर्तन की बजाय दिखावटीपन' करने का आरोप लगाया। यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए, सोहेल ने कहा कि जुबली हिल्स उपचुनाव में रेवंत रेड्डी का अभियान प्रतीकात्मकता पर आधारित था, न कि ठोस आधार पर। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने अल्पसंख्यक घोषणापत्र के अपने वादों को ताक पर रखकर "पूरे समुदाय के साथ विश्वासघात" किया है। मुस्लिम मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व में दो साल की देरी को 'प्रायश्चित के रूप में राजनीतिक पाप' बताते हुए, सोहेल ने कहा, दो साल तक प्रतिनिधित्व से इनकार करना अन्याय था, अभी एक मंत्री की नियुक्ति कोई एहसान नहीं है- यह नुकसान की भरपाई है।

इमारत की पांचवीं मंजिल से गिरकर 11 वर्षीय बच्चे की मौत

मंचेरियल, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल जिले के एक 11 वर्षीय बच्चे की सोमवार को मंचेरियल के गौतमीनगर क्षेत्र में एक इमारत की पांचवीं मंजिल से गिरने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, खानपुर कस्बे के सरकारी शिक्षक राजशेखर और श्रुति का बेटा बालसंकुला सहर्ष अपने दोस्तों के साथ खेलते समय अचानक गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृदा परीक्षण से भूमि में पोषक तत्वों का प्रतिशत पता चलेगा : तुम्मला

मृदा परीक्षण रिपोर्ट वितरित करने का शुभारंभ

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि विभाग द्वारा प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाले रैतु नेस्थम कार्यक्रम के अंतर्गत आज आयोजित 74वें कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तेलंगाना के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने भाग लिया और किसानों को मृदा परीक्षण रिपोर्ट वितरित करने के कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर किसानों को संबोधित करते हुए मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने कहा कि मृदा परीक्षण करवाने से प्रत्येक किसान को अपनी भूमि में पोषक तत्वों का प्रतिशत पता चल जाएगा और इस प्रकार, फसल की खेती के लिए उपयोग किए जाने वाले उर्वरक की मात्रा का पता चल जाएगा। उन्होंने कहा कि इसलिए, मृदा परीक्षण रिपोर्ट के आधार पर उर्वरकों का उपयोग करने से न केवल किसानों के लिए उर्वरकों की लागत कम होगी बल्कि भूमि के स्वास्थ्य की भी रक्षा होगी। इसी प्रकार, पानी की पहुंच वाले प्रत्येक किसान को धान और कपास की फसलों के बजाय पाम ऑयल की खेती करनी चाहिए, क्योंकि इससे अधिक आय होगी, और सरकार पाम ऑयल की खेती के लिए सीडलिंग, ड्रिप और इंटरक्रॉपिंग की खेती को प्रोत्साहित कर रही है। इस अवसर पर महबूबाबाद जिले में पाम ऑयल की खेती कर रहे आर. गोपाल रेड्डी और नलगोंडा जिले के राम चंद्र रेड्डी की सफलता की कहानियां सभी किसानों के साथ साझा की गईं। कृषि विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक डॉ. माधवी ने मृदा परीक्षण पत्रों के परिणामों के माध्यम से उर्वरकों के प्रयोग की विधि समझाई। कृषि विभाग के निदेशक डॉ.बी. गोपी, बागवानी विभाग की निदेशक श्रीमती यास्मीन बाशा, विपणन विभाग की निदेशक श्रीमती लक्ष्मी बाई तथा कृषि, बागवानी, पशुपालन, विपणन विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और किसान इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

सीएम ने प्रकाशोत्सव पर शुभकामनाएँ दी

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने श्री गुरु नानक देवजी के 556वें प्रकाशोत्सव (जन्मोत्सव) के अवसर पर राज्यवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि यह अवसर समाज में विविधता में एकता की शानदार भावना को और मज़बूत करेगा। उन्होंने कहा, "प्रेम, करुणा और मानवता की उनकी दिव्य शिक्षाएँ हमें प्रकाशित करें और सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करें।" लोगों को अपने संदेश में, मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु नानक देवजी ने शांति, सद्भाव और धर्म का मार्ग दिखाया।

प्रेम, करुणा, सत्य और त्याग की गुरु जी की शिक्षाएँ शाश्वत प्रासंगिकता रखती हैं। उन्होंने कहा कि विचारों की शुद्धता, आचरण की उत्कृष्टता और सहनशील स्वभाव का उनका दिव्य संदेश समाज को बेहतर बनाने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

बस और ट्रैक्टर की टक्कर में 15 लोग घायल

करीमनगर, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार तड़के करीमनगर जिले के तिम्मापुर मंडल के रेनीगुंटा पुल के पास राजीव राहदारी पर एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें 15 लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना सुबह करीब पांच बजे हुई, जब हैदराबाद से करीमनगर आ रही मेटपल्ली डिपो की टीएसआरटीसी बस ने धान की बोरियों से लदे एक ट्रैक्टर को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रैक्टर पर लदी बोरियां सड़क पर बिखर गईं और कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। हादसे में बस के कई यात्री और ट्रैक्टर चालक घायल हो गए। सूचना मिलते ही एलएमडी पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को इलाज के लिए करीमनगर जिला अस्पताल भेजा। पुलिस ने सड़क से मलबा हटाकर यातायात बहाल कराया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

कार अनियंत्रित होकर दुकान में घुसी, बड़ा हादसा टला

करीमनगर, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार रात करीमनगर-वारंगल मुख्य मार्ग पर शंकरपट्टनम मंडल के केशवपट्टनम में एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक दुकान में घुस गई और वहां खड़ी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के समय कार चला रहे हुजूराबाद कस्बे के इंदिरानगर निवासी सॉफ्टवेयर इंजीनियर ओडेला महेंद्र अपनी शादी की तैयारियां पूरी कर निर्मल से लौट रहे थे। बताया गया कि अचानक स्टीयरिंग पर उनका नियंत्रण नहीं रहा, जिससे कार पहले बिजली के खंभे से टकराई और फिर पास की दुकान में जा घुसी। हादसे में एक दोपहिया वाहन और दुकान के सामने लगी लोहे की सीढ़ी क्षतिग्रस्त हो गई। दुकान मालिक भूपति प्रसाद को भारी आर्थिक नुकसान हुआ, जबकि चालक महेंद्र को कोई गंभीर चोट नहीं आई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन को थाने ले जाकर मामला दर्ज किया।

तेज रफ़्तार बस ने ट्रैक्टर को मारी टक्कर, चार लोग घायल

नलगोंडा, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा जिले के बुग्गा बाविगुडेम गांव के पास अडांकी-नारकेटपल्ली राजमार्ग पर मंगलवार तड़के एक निजी बस और ट्रैक्टर की टक्कर में चार लोग घायल हो गए। बताया गया कि तेज रफ़्तार से जा रही बस चालक का नियंत्रण खो बैठा और बस ने ट्रैक्टर को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे ट्रैक्टर पलट गया। हादसे में घायल हुए चारों लोग खेतिहर मजदूर बताए जा रहे हैं। सभी को मिर्यालगुडा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी हालत स्थिर बताई, लेकिन उन्हें निगरानी में रखा गया है। स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामला दर्ज किया और बस चालक को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया।

गांजा तस्करी मामले में महाराष्ट्र की महिला को 10 साल कैद

आदिलाबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद की एक अदालत ने मंगलवार को महाराष्ट्र की एक महिला को गांजा तस्करी के मामले में दोषी ठहराते हुए 10 साल कैद की सजा सुनाई और एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया। प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. शिवराम प्रसाद ने महाराष्ट्र के वाशिम जिले की मंगरुलपीर तहसील निवासी मोहिनी संतोष ठाकुर के खिलाफ फैसला सुनाया। अदालत ने पाया कि वह ओडिशा से महाराष्ट्र तक स्कूटर पर 28 किलोग्राम गांजा की तस्करी कर रही थी। यह मामला 2 फरवरी, 2024 का है, जब गुडीहाथनूर मंडल के मनकापुर में पुलिस ने चेकिंग के दौरान उसे रोका और उसके कब्जे से प्रतिबंधित पदार्थ जब्त किया। जांच और सुनवाई के बाद अदालत ने उसे दोषी करार देते हुए सजा सुनाई।

चेवेल्ला बस हादसे में युवा महिला की मौत पति ट्रेन से सफर पर थे सुरक्षित

हैदराबाद लौटते वक्त हुआ दर्दनाक हादसा, परिवार में छाया मातम

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सप्ताहांत पर अपने गृहनगर गई एक युवा महिला की वापसी यात्रा सोमवार सुबह दर्दनाक हादसे में बदल गई। तंडूर कस्बे के वाल्मीकि नगर निवासी 21 वर्षीय किष्टपुरम वेंकटम्मा चेवेल्ला बस दुर्घटना में उन 19 लोगों में शामिल थीं, जिनकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, वेंकटम्मा और उनके पति प्रसाद सप्ताहांत में परिवार से मिलने तंडूर आए थे। प्रसाद हैदराबाद की एक सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करते हैं, जबकि वेंकटम्मा स्थानीय सुपरमार्केट में कार्यरत थीं। सोमवार सुबह दोनों ने हैदराबाद लौटने की योजना बनाई थी। पहले वे तंडूर से सुबह 3:30 बजे चलने वाली ट्रेन से साथ जाने वाले थे, लेकिन वेंकटम्मा ने सुबह की यात्रा में असहजता महसूस कर बस से जाने का निर्णय लिया।

भोर में चेवेल्ला के मिर्जागुडा के पास बजरी से लदे ट्रक और आरटीसी बस की भीषण टक्कर में वेंकटम्मा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि प्रसाद ट्रेन से सुरक्षित हैदराबाद पहुंचे। पुलिस ने हादसे के बाद शव की पहचान कर उनके पति को सूचना दी। यह खबर सुनते ही परिवार में मातम छा गया। रिश्तेदारों ने बताया कि वेंकटम्मा ने कहा था कि वह थोड़ी देर बाद बस से आएंगी, लेकिन किसी ने नहीं सोचा था कि यह उनकी आखिरी यात्रा साबित होगी।

कॉलेज मालिकों ने शुल्क प्रतिपूर्ति जारी करने की मांग की

सरकार पर छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने का आरोप

मंचेरियल, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निजी सामान्य और व्यावसायिक डिग्री कॉलेजों के मालिकों ने राज्य सरकार पर पिछले पांच वर्षों से लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति की राशि जारी करने में देरी का आरोप लगाया और कहा कि इससे छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। मंगलवार को कॉलेज प्रबंधन से जुड़े लोगों ने डॉ.बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष ज्ञापन सौंपा और शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के तहत बकाया 1,200 करोड़ रुपये तुरंत जारी करने की माँग की।

कॉलेज मालिकों के संघ के जिला अध्यक्ष पी. उपेंद्र रेड्डी ने बताया कि सरकार ने दिवाली से पहले 1,200 करोड़ रुपये जारी करने का वादा किया था, लेकिन अब तक केवल 250 करोड़ रुपये ही जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने पहले बकाया राशि चुकाने का रोडमैप घोषित किया था, लेकिन अब उस पर अमल नहीं हो रहा है। संघ ने मांग की कि सरकार शैक्षणिक वर्ष 2021 से 2025 तक की लंबित 900 करोड़ रुपये की राशि तुरंत जारी करे। कॉलेज मालिकों ने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने जल्द कदम नहीं उठाया, तो वे अपना आंदोलन और तेज करेंगे। उन्होंने कहा कि अब तक बार-बार दिए गए अभ्यावेदन और अपीलों पर सरकार की ओर से कोई जवाब नहीं मिला है।

मणिकोंडा में गोलीबारी नहीं , महज पारिवारिक विवाद : पुलिस

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रायदुर्गम पुलिस ने मणिकोंडा में सामने आए एक पारिवारिक विवाद के मामले में स्पष्टीकरण जारी किया है। थाना प्रभारी, रायदुर्गम चौधरी वेंकन्ना ने बताया कि 14 साल पहले विवाहित एक जोड़ा पिछले एक साल से निजी कारणों से अलग रह रहा है। पिछले महीने की 25 अक्टूबर को, मणिकोंडा के पंचवटी कॉलोनी स्थित एक संपत्ति को लेकर दोनों परिवारों के बीच विवाद हो गया। इस संबंध में, दोनों पक्षों ने रायदुर्गम पुलिस से संपर्क किया और आरोप-प्रत्यारोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई। रायदुर्गम पुलिस को दोनों शिकायतें औपचारिक रूप से प्राप्त हो गई हैं। निष्पक्ष जाँच जारी है और निष्कर्षों के आधार पर कानून के अनुसार उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गोलीबारी की खबरों के संबंध में, रायदुर्गम पुलिस ने स्पष्ट किया कि ऐसी कोई घटना सामने नहीं आई है और अभी तक कोई सबूत नहीं मिला है। यदि कोई विश्वसनीय सबूत सामने आता है, तो कानूनी प्रावधानों के अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

शवों के अनादर पर केटी रामाराव ने जताया आक्रोश

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने सोमवार को तेलंगाना में मृतकों और उनके परिजनों के साथ हो रहे अमानवीय बर्ताव पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने चेवेल्ला बस हादसे के बाद शवों को ले जाने में एम्बुलेंस और शव वाहन जैसी बुनियादी सेवाओं की कमी को गंभीर मुद्दा बताया। सोशल मीडिया पर मुख्य सचिव को टैग करते हुए उन्होंने लिखा, मृत्यु में बुनियादी गरिमा का पूर्ण अभाव!!

क्या राज्य में एम्बुलेंस या शव वाहन नहीं हैं?

रामाराव ने इस बात की कड़ी आलोचना की कि शवों को ले जाने के लिए ठेलागाड़ी, ट्रैक्टर, कूड़ा उठाने वाली गाड़ियां और टोइंग वाहनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या मृतकों और उनके परिवारों को कुछ बुनियादी सम्मान नहीं मिलना चाहिए? यह कैसी अमानवीयता है? उन्होंने राज्य सरकार से तत्काल जवाबदेही तय करने और ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

मेदक में पुलिसकर्मियों की आत्महत्याओं की बढ़ती घटनाओं से चिंता

तनाव, पारिवारिक कलह और आर्थिक परेशानियां बन रहीं वजहें

संगारेड्डी, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती मेदक जिले में पुलिसकर्मियों द्वारा आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं ने विभाग और समाज दोनों में गंभीर चिंता पैदा कर दी है। जिन हथियारों का इस्तेमाल कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए किया जाता है, वही अब कई मामलों में पुलिसकर्मियों के आत्म-विनाश का माध्यम बनते जा रहे हैं।

पिछले कई वर्षों में जिले और आसपास के क्षेत्रों में कई पुलिसकर्मियों ने आत्महत्या की, जबकि कुछ मामलों में उन्होंने पहले अपने परिवार के सदस्यों की हत्या की और फिर खुद जान दे दी। इन घटनाओं की जांच में काम का तनाव, पारिवारिक कलह, मानसिक दबाव और आर्थिक परेशानियां मुख्य कारण बताए गए हैं।

अगस्त 2016 में कुकुनुरपल्ली थाने के सब-इंस्पेक्टर वुसतला रामकृष्ण रेड्डी ने अपने सरकारी आवास में खुद को गोली मार ली थी। उन्होंने एक सुसाइड नोट छोड़ा था, जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया गया था। उनके उत्तराधिकारी, सब-इंस्पेक्टर पी. प्रभाकर रेड्डी ने भी जून 2017 में व्यक्तिगत कारणों से आत्महत्या कर ली थी।

मार्च 2019 में दुब्बाक थाने के सब-इंस्पेक्टर जी. चित्तिबाबू ने विभागीय जांच से परेशान होकर अपनी पत्नी सरोजा की गोली मारकर हत्या करने के बाद खुद को भी गोली मार ली थी। अक्टूबर 2019 में एरावली में तैनात एक हेड कांस्टेबल ने शराब की लत और निजी समस्याओं के चलते 9 मिमी कार्बाइन से खुद को गोली मार ली।

दिसंबर 2023 में सिद्दीपेट कलेक्टर के गनमैन के रूप में कार्यरत एआर कांस्टेबल अकुला नरेश ने चिन्नाकोदुर मंडल के रामुनिपटला गाँव स्थित अपने आवास पर अपनी पत्नी और दो बच्चों की गोली मारकर हत्या करने के बाद खुद को भी गोली मार ली थी। ताजा घटना में, सिविल कांस्टेबल कोटारी संदीप कुमार ने संगारेड्डी के महबूब सागर के पास खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। इन सभी मामलों ने पुलिस विभाग में मानसिक स्वास्थ्य समर्थन और तनाव प्रबंधन तंत्र की कमी को उजागर किया है।

वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि लगातार काम के दबाव, छुट्टियों की कमी और व्यक्तिगत समस्याओं के कारण पुलिस बल में तनाव बढ़ रहा है, और ऐसे मामलों को रोकने के लिए अब विभाग के भीतर परामर्श सत्र और मानसिक स्वास्थ्य सहायता केंद्रों की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

MAHAVEER COOPERATIVE URBAN BANK LTD.,
REGD. NO. TA 1457, HYDERABAD.

NOTICE

All the Members of Mahaveer Cooperative Urban Bank Ltd.,. (Regd. No. TA 1457), Hyderabad are hereby informed that tentative list of eligible voters is prepared and displayed on the Notice Board of the Bank, duly calling for claims/ objections if any from members of the Bank for finalization of voters list to conduct elections to the Managing Committee of the Bank.

The members are hereby requested to submit their objections / claims along with proof of documentary evidence, if any, for omission/ commission to the list of eligible voters to the undersigned on or before 11-11-2025 up to 5 pm.

Sd/-
Deputy Registrar of Cooperative Societies,
Golconda, Hyderabad.
Mobile No. 9866999298

Dated: 04-11-2025

ननद की शादी के लिए घर में रखी थी 50 लाख रुपए की ज्वैलरी, भाभी ने चोरी करके अपने मायके भेजी, ऐसे खुली पोल

हाथरस, 4 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के हाथरस से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया। यहां एक घर में ननद की शादी के लिए 50 लाख रुपए की ज्वैलरी रखी थी। लेकिन भाभी ने इस ज्वैलरी पर हाथ साफ कर दिया और चोरी करके उन्हें अपने मायके भेज दिया। हालांकि ये मामला बहुत दिनों तक दबा नहीं रह सका और भाभी की पोल खुल गई। मामला हाथरस जिले के हाथरस गेट कोतवाली क्षेत्र का है।

यहां एक भाभी ने अपनी ननद से मनमुटाव के कारण, उसकी शादी के लिए रखे गए करीब 50 लाख रुपए के गहने चोरी कर लिए और फिर उन्हें अपने मायके भेज दिया। ननद की शादी इसी 11 नवंबर को होने वाली है। हालांकि भाभी की पोल खुल गई और पुलिस ने जेवर बरामद कर लिए हैं। अब इस मामले में पुलिस विधिक कार्रवाई कर रही है।

'गठबंधन सरकार बनने पर 14 जनवरी को खाते में डाले जाएंगे 30 हजार रुपये', तेजस्वी यादव का ऐलान

पटना, 4 नवंबर (एजेंसियां)। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार (04 नवंबर, 2025) को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस मौके पर तेजस्वी ने कहा कि पहले चरण के मतदान का प्रचार आज थम जाएगा, पूरा मूड महागठबंधन के पक्ष में है। हम जगह-जगह गए हैं, महिलाओं से बातचीत हुई है। 'माई बहिन मान' योजना को लेकर हर महिला उत्साहित है। महिलाओं का कहना है कि इससे उनको आर्थिक मजबूती मिलेगी।

तेजस्वी ने ऐलान किया कि सरकार बनते ही मकर संक्रांति के दिन 14 जनवरी को इस योजना के तहत एक साल का 30 हजार रुपया माताओं-बहनों के खाते में डालने का वे काम करेंगे। जो जीविका दीदियां हैं उन्हें स्थायी किया जाए। मानदेय बढ़ाया जाएगा। सभी दीदियों के लिए पांच लाख तक का बीमा हम लोग करने जा रहे हैं।

'ओल्ड पेंशन स्कीम को किया जाएगा लागू'

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान तेजस्वी यादव ने कहा कि सरकार बनते ही ओल्ड पेंशन स्कीम को लागू किया जाएगा। इसके अलावा उन्होंने किसानों के हित की बात की। कहा कि एमएसपी पर किसानों को भुगतान नहीं किया जाता है, सरकार बनते ही किसानों को हम लोग धान पर 300 रुपये प्रति क्विंटल बोनस के तौर पर देंगे। 400 रुपया प्रति क्विंटल गेहूं पर बोनस देंगे। किसानों को सिंचाई के लिए बिजली मुफ्त में देंगे।

पैक्स अध्यक्ष, व्यापार मंडल अध्यक्ष को जनप्रतिनिधि का दर्जा

आरजेडी नेता ने कहा कि अभी सरकार 55 पैसा प्रति यूनिट बिजली पर ले रही है, उसको जीरो कर दिया जाएगा। इसके अलावा उन्होंने ऐलान किया कि जो भी पैक्स अध्यक्ष हैं, व्यापार मंडल अध्यक्ष हैं, उनको जनप्रतिनिधि का दर्जा दिया जाएगा। पैक्स अध्यक्षों को मानदेय भुगतान करने का भी विचार हमारी सरकार करेगी। तेजस्वी ने यह भी कहा है कि सभी सरकारी कर्मचारियों का होम कैडर से 70 किलोमीटर की दायरे में ही ट्रांसफर पोस्टिंग हम लोग कराएंगे।

100 करोडी डीएसपी सस्पेंड

कानपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में पुलिस-प्रशासन के अफसरों के भ्रष्ट तरीकों से कमाए गए पैसों की फेहरिश्त में एक नया खुलासा हुआ है। यूपी पुलिस में दरोगा (सब-इंस्पेक्टर) के पद से भर्ती होकर पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) बनने वाले ऋषिकांत शुक्ला पर 100 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति अर्जित करने का गंभीर आरोप लगा है। यह सनसनीखेज खुलासा तब हुआ जब कानपुर नगर पुलिस आयुक्त की रिपोर्ट के आधार पर की गई एसआईटी (एसआईटी) जांच में उनकी आय के ज्ञात स्रोतों से कहीं अधिक बेनामी संपत्ति का पता चला। मामले की गंभीरता को देखते हुए शासन ने डीएसपी ऋषिकांत शुक्ला को निलंबित कर उनके खिलाफ सतर्कता (विजिलेंस) जांच के आदेश दे दिए हैं। वर्तमान में शुक्ला मैनपुरी जिले में डीएसपी के पद पर तैनात हैं। एसआईटी जांच में सामने आया है कि डीएसपी ऋषिकांत शुक्ला ने अपनी सेवाकाल के दौरान खासकर कानपुर नगर में तैनाती के समय बड़े पैमाने पर अवैध संपत्ति खड़ी की।

ऋषिकांत शुक्ला वर्ष 1998 से 2006 तक और फिर दिसंबर 2006 से 2009 तक, यानी 10 वर्षों से अधिक समय तक कानपुर नगर में उपनिरीक्षक (सब-इंस्पेक्टर) के पद पर तैनात रहे थे। एसआईटी जांच में यह पाया गया कि शुक्ला ने अपने परिवार, साझेदारों और करीबी सहयोगियों के नाम पर करीब 100 करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की है। उनकी बेनामी संपत्तियों में आर्यनगर स्थित 11 दुकानें भी शामिल हैं। ये दुकानें कथित तौर पर उनके सहयोगी देवेंद्र दुबे के नाम पर दर्ज हैं।

'आरजेडी की घोषणाएं सिर्फ झुनझुना हैं'

बिहार चुनाव से पहले विपक्ष पर जमकर बरसीं स्मृति ईरानी, कर दिया बड़ा दावा

पटना, 4 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने पटना में आरजेडी और विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बिहार में आरजेडी की नहीं, बल्कि एनडीए की सरकार बनेगी। स्मृति ईरानी ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वो कर दिखाया जो आरजेडी सरकार कभी नहीं कर पाई।

उन्होंने कहा कि जनधन योजना से बिहार की करीब 3 करोड़ महिलाएं लाभान्वित हुई हैं, हर घर में शौचालय बना है और उज्ज्वला योजना के तहत 1 करोड़ 16 लाख बहनों को स्वच्छ ईंधन मिला है। स्मृति ईरानी ने बताया कि महिला रोजगार योजना के तहत 1 करोड़ 30 लाख महिलाओं के खातों में 10 हजार रुपये भेजे गए हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को 33% आरक्षण मिला, जिससे राजनीति और प्रशासन दोनों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है।

महिलाओं के सशक्तिकरण पर क्या बोलीं स्मृति

स्मृति ईरानी ने कहा, "महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए एनडीए सरकार ने जो काम किया, वह ऐतिहासिक है। केवल सामाजिक नहीं, आर्थिक सशक्तिकरण भी महिलाओं को मिला है।" उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे बिहार में एनडीए सरकार बनाने में योगदान दें।

आरजेडी पर बोला हमला

आरजेडी पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि आरजेडी ने महिला रोजगार योजना के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत की है। यह साफ दिखाता है कि आरजेडी महिलाओं के खिलाफ मानसिकता रखती है। जो पार्टी महिलाओं की तरक्की से परेशान है, वो राज्य को पीछे ही ले जाएगी।

'राजद की घोषणाएं सिर्फ झुनझुना हैं'- स्मृति

तेजस्वी यादव के हालिया वादों पर प्रतिक्रिया देते हुए स्मृति ईरानी ने कहा, "राजद की घोषणाएं सिर्फ झुनझुना हैं, जनता अब इन खोखले वादों को स्वीकार नहीं करेगी। बिहार की जनता जान चुकी है कि विकास और सुरक्षा केवल एनडीए सरकार में संभव है।"

सहारनपुर में पकड़ी गई 1 करोड़ 8 लाख की हेरोइन, एक तस्कर गिरफ्तार, कमीशन पर करता था सप्लाई, सप्लायर की तलाश

सहारनपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। सहारनपुर पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 543 ग्राम हाई क्वालिटी की हेरोइन बरामद की है। इस सिलसिले में थाना गंगोह पुलिस ने एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस पकड़ी गई स्मैक की अनुमानित इंटरनेशनल कीमत 1 करोड़ 8 लाख रुपये बता रही है। पुलिस के अनुसार, स्मैक तस्कर थाना कैराना इलाके के गांव तितरवाड़ा का रहने वाला है, जो बरेली से स्मैक लाया था और कमीशन पर सहारनपुर में अलग-अलग स्थानों पर सप्लाई करता था।

पुलिस ने तस्कर का मोबाइल कब्जे में लेकर छानबीन शुरू कर दी है। साथ ही सप्लायर की तलाश की जा रही है। 'ऑपरेशन सवेरा' अभियान बता दें कि सहारनपुर पुलिस ने मादक पदार्थों, नशे के अवैध कारोबार और प्रतिबंन्धित दवाओं की तस्करी के खिलाफ अभियान चला रही। एसपी देहात सागर जैन ने बताया कि सहारनपुर मंडल के तीनों जनपदो सहारनपुर, शामली और मुजफ्फरनगर में 'ऑपरेशन सवेरा' के तहत कार्रवाई की जा

बृजभूषण शरण सिंह बोले

राहुल गांधी चौराहे के रंगबाज

गोंडा में कहा-भाजपा के स्टार प्रचारक हैं, बिहार में अनंत सिंह जीतने के लिए पैदा हुए

गोंडा, 4 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह ने राहुल गांधी के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा- राहुल गांधी की भाषा चौराहे के रंगबाज जैसी है। वह शहर के नहीं चौराहे के रंगबाज लगते हैं। राहुल गांधी भाजपा के स्टार प्रचारक हैं। यह दुर्भाग्य है कि जिस परिवार के तीन-तीन व्यक्ति प्रधानमंत्री रहे वह व्यक्ति प्रधानमंत्री पद की गरिमा को नहीं समझता है।

दरअसल, बुधवार को बिहार के मुजफ्फरपुर में चुनावी रैली में राहुल गांधी ने कहा था, उन्हें सिर्फ आपका वोट चाहिए। अगर आप कहोगे नरेंद्र मोदी जी आप ड्रामा करो तो वो कर देंगे। उनसे कहो हम आपको वोट देंगे और आप स्टेज पर आकर डांस करो तो वो डांस कर देंगे। चुनाव से पहले जो भी करवाना है, करवा लो। क्योंकि चुनाव के बाद नरेंद्र मोदी नहीं दिखाई देंगे।

अनंत सिंह जीतने के लिए पैदा हुए

बिहार विधानसभा चुनाव पर कहा कि अनंत सिंह पर हत्या का आरोप लगा है। लेकिन ऐना नहीं लगता कि अनंत सिंह ने हत्या की है। अब एफआईआर हुआ है तो गिरफ्तारी हुई है। इसमें सरकार का भी कोई रोल नहीं है। हमें लगता है कि इसका फायदा अनंत सिंह को ही मिलने वाला है। वहां अनंत सिंह जीते ही हैं। वह हारने के लिए थोड़ी पैदा हुए हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से घटना का विवरण दिया जा रहा है, वह तथ्यों से मेल नहीं खाता।

बताया गया कि दोनों काफिले अगल-बगल से निकल गए थे, लेकिन घटना का कोई स्पष्ट वीडियो किसी के पास नहीं है। उन्होंने कहा, "जिसकी मौत होती है, सहानुभूति स्वाभाविक रूप से उसी के पक्ष में रहती है, लेकिन सच सामने आना चाहिए। अनंत सिंह के काफिले पर पहले पथराव हुआ था, उसके बाद यह घटना हुई। अनंत सिंह करीब 50 गाड़ियां आगे थे, ऐसे में यह मानना मुश्किल है कि वह इतने आगे निकलने के बाद लौटकर गोली चला दें और फिर चले जाएं।

मुस्लिम बच्ची ने देवी-देवताओं को गाली देते वीडियो बनाया

इटावा, 4 नवंबर (एजेंसियां)। इटावा में रील के चक्कर में एक 12 साल की बच्ची खुद भी फंसी और अपने माता-पिता को जेल भिजवा दिया। सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाने के चक्कर में उसने हिंदू देवी-देवताओं को गालियां दी और वीडियो बनाकर पोस्ट कर दिए। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जिस पर हिंदू संगठनों ने एतराज जताया। तमाम सोशल मीडिया यूजर्स ने भी इटावा और यूपी पुलिस को टैग करते हुए शिकायत की।

पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेकर आरोपी लड़की, उसके एक दोस्त और माता-पिता पर केस दर्ज किया। लड़की को नारी निकेतन भेज दिया गया है। वहां जाने से पहले लड़की ने माफी मांगी। उसने कबूल किया कि वह फॉलोअर्स बढ़ाना चाहती थी। माता-पिता को जेल भेज दिया गया। मामला इटावा शहर का है। मामला थाना फ्रेंड्स कॉलोनी के मोहल्ला तकिया आजाद नगर टीला का है। यहां रहने वाले शाबिर और शबीना पर थाना फ्रेंड्स कॉलोनी में रविवार को एफआईआर दर्ज हुई।

बिहार में महागठबंधन की सरकार बनने पर होंगे चार डिप्टी सीएम

मुस्लिम-दलित और सवर्ण को भी मिलेगी जगह

पटना, 4 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर महागठबंधन की तरफ से सीएम फेस तेजस्वी यादव को घोषित किया गया है। वहीं डिप्टी सीएम के तौर पर मुकेश साहनी का नाम आगे किया गया है। इसके साथ ही अन्य जातियों को साधने के लिए भी महागठबंधन 4 डिप्टी सीएम के फॉर्मूले पर काम कर रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि अगर सरकार बनती है तो चार डिप्टी सीएम बनाए जा सकते हैं। महागठबंधन से ओबीसी तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित होने के साथ ही ईबीसी मुकेश सहनी डिप्टी सीएम उम्मीदवार घोषित किए गए हैं। इसी के साथ दलित, मुस्लिम और सवर्ण समाज में नुकसान का डर भी महागठबंधन को सताने लगा है। सूत्रों के मुताबिक, महागठबंधन ने तय किया है कि तेजस्वी सीएम के साथ ईबीसी मुकेश सहनी डिप्टी सीएम और मुस्लिम, दलित, सवर्ण समाज से भी तीन और डिप्टी सीएम बनाए जाएंगे।

महागठबंधन ने किया फॉर्मूला तय

महागठबंधन इसकी घोषणा कब करेगा इसे लेकर कन्फ्यूजनकी स्थिति जरूर है। क्योंकि, एक तबके को लगता है कि, एक साथ 4 डिप्टी सीएम की घोषणा से सत्ता के लालची होने का आरोप भी लग सकता है। इसलिए ऐलान कब हो इस पर मंथन जारी है, लेकिन फैसला हो चुका है। इसके बावजूद नेताओं और प्रवक्ताओं को इस सैद्धांतिक फैसले पर सकारात्मक जवाब देने को भी कहा गया है।

तेजस्वी कब देंगे फॉर्मूले पर जवाब

सूत्रों की मानें तो खुद तेजस्वी भी सवाल आने पर इसके बारे में सकारात्मक जवाब देंगे। मतलब साफ है कि तेजस्वी यादव बिहार में किसी भी जातीय समीकरण को बिगाड़ना नहीं चाहते हैं। यही वजह है कि महागठबंधन ने 4 डिप्टी सीएम का फैसला किया है। ऐसे में देखना होगा कि इस बात का ऐलान खुद तेजस्वी करते हैं या फिर महागठबंधन की तरफ से किया जाता है। खास बात ये भी है कि डिप्टी सीएम के इस फॉर्मूले का ऐलान कब होता है। इस पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं।

'जंगलराज' पर खेसारी लाल यादव ने योगी आदित्यनाथ को क्यों घेरा?

पटना, 4 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव (2025) को लेकर सियासी दलों के बीच जमकर बयानबाजी हो रही है। एनडीए के नेता बार-बार लालू के जंगलराज की बात कहकर आरजेडी के शासनकाल पर निशाना साध रहे हैं। इस पर छपरा से आरजेडी के प्रत्याशी खेसारी लाल यादव ने सीएम योगी का नाम लेते हुए बड़ा बयान दिया है। खेसारी लाल यादव ने एक सवाल पर कहा, आज कौन सुरक्षित है? आज भी तो हत्याएं हो रही हैं।

सबसे बड़ी चीज है कि एनडीए के किसी नेता से पूछिए कि वो जंगलराज छोड़कर अपना काम बताएं कि उन्होंने बिहार के लिए क्या किया है... बिहार को दिया क्या है? यूपी के मुख्यमंत्री के एक बयान पर खेसारी लाल यादव ने जवाब दिया कि योगी आदित्यनाथ हम सबके गार्जियन हैं। उन्होंने यूपी में बेहतर किया है कि नहीं किया है वो यूपी के लोग बेहतर जानते होंगे, लेकिन उनको (योगी) एक बार बिहार की हकीकत को जानना चाहिए।

वो भी किसी नेता के मुंह से जंगलराज सुन लिए हैं, क्योंकि वो तो कभी बिहार रहे नहीं... ना ही अभी रहते हैं। मुझे लगता है उनको छपरा आकर एक बार घूमना चाहिए। यहां की गलियों को देखना चाहिए। यहां के व्यापारियों का दर्द देखना चाहिए, तब शायद उनको पता चलेगा कि लोग क्यों सरकार बदलना चाहते हैं।

ट्रक कार भिड़ंत में कार सवार सभी आठ लोगों की मौत

बाराबंकी, 4 नवंबर (एजेंसियां)। बाराबंकी के देवा फतेहपुर मार्ग पर रात तेज रफ्तार ट्रक और अमेरिका में हुई भिड़ंत में छह लोगों की मौत हो गई थी जबकि दो लोगों ने रात में इलाज के दौरान ट्रामा सेंटर में दम तोड़ दिया। कार में सवार सभी आठ लोगों की मौत हो चुकी है। दो शवों का पोस्टमार्टम लखनऊ में किया जा रहा है जबकि छह शव पोस्टमार्टम हाउस में रखे गए हैं, जिनका पोस्टमार्टम शुरू किया गया। पुलिस के मुताबिक फतेहपुर कस्बे के भाजपा नेता गिरधर गोपाल की बिना नंबर की नई अर्टिगा कार लेकर कस्बे के ही मौलवीगंज निवासी प्रदीप रस्तोगी (55) अपने परिवार के साथ कानपुर के बिठूर में एक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे।

शाम को लौटते समय जैसे ही उनकी कार कल्याणी नदी पुल के करीब पहुंची, सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक से जोरदार टक्कर लगी। हादसे में प्रदीप रस्तोगी, इनकी पत्नी माधुरी रस्तोगी (52), पुत्र नितिन (35), पुत्र कृष्णा (15), कार चालक मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र खड़ेहरा गांव निवासी श्रीकांत (40) और महेंद्र मिश्र उर्फ बाला (45) की मौत हो गई थी। जबकि इंद्रकुमार मिश्र (50) और विष्णु नाग (15) की रात में इलाज के दौरान केजीएमयू के ट्रामा सेंटर में मौत हो गई। इस प्रकार अब तक सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई है।

आठ लोग एक ही कार में सवार थे। घटना के बाद आसपास के गांवों के लोग मौके पर दौड़ पड़े। बुरी तरह क्षतिग्रस्त कार में फंसे शवों को निकालने के लिए पुलिस को गैस कटर मंगवाना पड़ा। कुछ देर तक सड़क पर चीख-पुकार और सन्नाटा दोनों साथ-साथ रहे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक इतनी तेज रफ्तार से आ रहा था कि ड्राइवर ब्रेक भी नहीं लगा सका। टक्कर के बाद ट्रक कुछ दूर तक घिसटता चला गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है, जो मौके से फरार हो गया। एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि मृतकों की पहचान कर परिजनों को सूचना दी गई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

घर से निकलने मत दीजिए, ललन सिंह की बढ़ेंगी मुश्किल?

वायरल वीडियो पर चुनाव आयोग का नोटिस, एफआईआर दर्ज

पटना, 4 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव केंद्रीय मंत्री ललन सिंह और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने मोकामा में अनंत सिंह के समर्थन में प्रचार किया था। ललन सिंह का प्रचार के दौरान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ। इस पर आरजेडी ने भी सवाल उठाए थे और चुनाव आयोग से कार्रवाई की मांग की थी। पूरे मामले में अब चुनाव आयोग एक्शन लेते हुए एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। वायरल वीडियो पर चुनाव आयोग ने संज्ञान लेते हुए अब ललन सिंह को नोटिस भेजा है।

मोकामा से जेडीयू प्रत्याशी अनंत सिंह को दुलीचंद हत्याकांड मामले में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया। ऐसे में उनके समर्थन में जेडीयू और बीजेपी के कई नेता प्रचार करने पहुंचे थे। इसी दौरान केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने कहा था कि आप सब लोग कमान संभाल लीजिए। उन्होंने आगे कहा था कि एक दो नेता हैं उनको घर से निकलने मत दीजिए घर में ही पैक कर दीजिएगा। अगर बहुत हाथ पैर जोड़े तो अपने साथ ले जाकर सिर्फ वोट करवा दीजिए। इसके बाद घर बैठा दीजिए। ललन सिंह के इस बयान पर ही कई तरह के सवाल खड़े किए जा रहे थे। तमाम राजनीतिक दलों की तरफ से कार्रवाई की मांग भी चुनाव आयोग से की जा रही है।

आरजेडी ने उठाए थे सवाल

आरजेडी ने ललन सिंह के वीडियो को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए चुनाव आयोग पर हमला बोला था। इसमें लिखा कि केंद्रीय मंत्री ललन सिंह चुनाव आयोग की छाती पर बुलडोजर चढ़ाते हुए कह रहे कि गरीबों को वोटिंग के दिन घर से निकलने नहीं देना है! घर में बंद कर देना है, अगर ज्यादा हाथ पैर जोड़ेगा तो अपने साथ ले जा कर वोट गिराने देना है। कहां है मरा हुआ आयोग? चुनाव आयोग मामले को बढ़ता देख ललन सिंह को नोटिस भेज सकता है। इसके साथ ही पूरे मामले में जवाब दाखिल करने का आदेश भी दे सकता है।

खेसारी लाल ने एक पत्नी की बात की तो भड़के पवन सिंह

बोले- उन्होंने तो स्टार बनाने के नाम पर 500 जिंदगी बर्बाद कीं

पटना, 4 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले भोजपुरी सिनेमा के 2 बड़े सुपरस्टार पवन सिंह और खेसारी लाल यादव के बीच जुबानी जंग तेज होती जा रही है। ताजा मामला ये है कि पवन सिंह ने खेसारी लाल की टिप्पणी के बाद करारा पलटवार किया है। दरअसल भोजपुरी स्टार और आरजेडी नेता खेसारी लाल यादव ने पवन सिंह को लेकर कहा था, वह मेरे बड़े भाई हैं, उन्होंने हाल ही में कहा था, 'मैं एक पानी पे नहीं रहता' लेकिन मैं उनसे कहता हूं- 'मैं कम से कम एक बीवी के साथ तो रहता हूं।' खेसारी लाल के बयान पर पवन सिंह ने फिर पलटवार किया। पवन सिंह ने कहा, उनकी वास्तविकता जानता हूं। क्या मुझे कहना चाहिए कि उन्होंने स्टार बनाने के नाम पर 500 जिंदगियां बर्बाद कर दी हैं? मैं ऐसी बात नहीं कहना चाहता। इसके बारे में बाद में बात करूंगा। खेसारी लाल यादव बिहार के छपरा से आरजेडी के प्रत्याशी हैं।

पवन सिंह भी बिहार चुनाव में एनडीए के लिए प्रचार में जुटे हुए हैं। ऐसे में खेसारी लाल और पवन सिंह के बीच जुबानी जंग तेज हो रही है। अब देखने वाली बात ये होगी कि पवन सिंह के बयान पर खेसारी लाल क्या कहते हैं। क्योंकि एक तरह से पवन सिंह ने खेसारी पर अप्रत्यक्ष रूप से बड़ा हमला किया है, जो खेसारी की छवि के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है। बिहार राज्य में 2 चरणों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। पहले चरण की वोटिंग 6 नवंबर और दूसरे चरण की वोटिंग 11 नवंबर को होगी। वहीं, चुनाव के परिणाम 14 नवंबर को जारी किए जाएंगे।

बंगाल में एसआईआर पर बवाल तय

पहले चरण में ही उठ गए सवाल, 2002 की वोटर लिस्ट में मिले बस 32% नाम

कोलकाता, 4 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग (ईसीआई) ने वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर का पहला चरण मंगलवार से शुरू कर दिया। तीन चरणों वाले इस अभियान के तहत 2002 की वोटर लिस्ट और मौजूदा लिस्ट का मिलान किया है। दोनों सूचियों के बीच अब तक हुए 'मैपिंग और मैचिंग' के निष्कर्षों के अनुसार, मौजूदा मतदाता सूची में केवल 32.06 प्रतिशत नाम ही 2002 की मतदाता सूची में मौजूद हैं।

बंगाल में पिछली बार एसआईआर 2002 में आयोजित की गई थी और वर्तमान एसआईआर के लिए इसे आधार माना गया है। इसके तहत वोटर लिस्ट के नामों की 'मैपिंग और मैचिंग' जारी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के एक सूत्र ने बताया, 'पश्चिम बंगाल में मौजूदा मतदाता सूची में कुल मतदाताओं की संख्या लगभग 7.66 करोड़ है। अब तक किए गए 'मैपिंग और मैचिंग' के अनुसार, 2.46 करोड़ से भी कम ऐसे मतदाताओं के नाम मिले हैं, जिनके नाम या उनके माता-पिता के नाम 2002 की मतदाता सूची में थे।' हालांकि, उन्होंने आगे कहा कि 'मैपिंग और मैचिंग' का काम पूरी तरह पूरा होने के बाद अंतिम संख्या अलग हो सकती है। नियमों के अनुसार, मौजूदा सूची में शामिल जिन मतदाताओं के नाम या उनके माता-पिता के नाम 2002 की सूची में हैं, उन्हें खुद ब खुद असली मतदाता माना जाएगा और उन्हें नई वोटर लिस्ट में अपना नाम बनाए रखने के लिए विधिवत भरे हुए गणना फॉर्म के अलावा कोई अन्य सहायक दस्तावेज जमा नहीं करना होगा। हालांकि, जिन मतदाताओं के नाम 2002 की सूची में नहीं हैं, उन्हें चुनाव आयोग की ओर से अनिवार्य किए गए किसी भी दस्तावेज को प्रस्तुत करना होगा।

हालांकि आधार कार्ड को ऐसे दस्तावेजों की सूची में शामिल किया गया है, लेकिन चुनाव आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि केवल आधार कार्ड ही पर्याप्त नहीं होगा और संबंधित मतदाता को चुनाव आयोग की तरफ से बताए 11 अन्य दस्तावेजों में से कोई एक प्रस्तुत करना होगा। आधार को न तो नागरिकता प्रमाण माना जाएगा और न ही आयु प्रमाण। एसआईआर तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा। पहले चरण में, बीएलओ गणना प्रपत्र लेकर हर घर पहुंचेंगे और संबंधित मतदाताओं का विवरण एकत्र करेंगे। पहले चरण के अंत में, राज्य की मसौदा मतदाता सूची की घोषणा की जाएगी।

इसके बाद दूसरे चरण में, कोई भी राजनीतिक दल या व्यक्तिगत मतदाता मसौदा सूची पर अपनी शिकायतें दर्ज करा सकेगा, जिसका निपटारा चुनाव आयोग की ओर से किया जाएगा। इसके बाद, तीसरे और अंतिम चरण में, ईआरओ व्यक्तिगत राजनीतिक दलों या व्यक्तिगत मतदाताओं से प्राप्त शिकायतों का निपटारा करेंगे, जिसके बाद अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। पूरी प्रक्रिया अधिकतम मार्च 2026 तक पूरी होने की उम्मीद है। पश्चिम बंगाल में अगले साल तीन अन्य राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के साथ महत्वपूर्ण विधानसभा चुनाव होने हैं।

हाथों में मेंहदी लगाकर पहुंचीं छात्राएं

क्लास में नहीं दी गई एंट्री, मुंबई के स्कूल में विवाद, नोटिस जारी

मुंबई, 4 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुंबई के चेंबूर इलाके में स्थित एक स्कूल में मेंहदी लगाने पर विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि कुछ छात्राओं के हाथों में मेहंदी लगी थी, जिसकी वजह से उन्हें क्लास में एंट्री नहीं दी गई। ये मामला सेंट एंथनी गर्ल्स हाई स्कूल से सामने आया है। परिजन का आरोप है कि पिछले हफ्ते 10 से 15 छात्राओं को सिर्फ इसलिए कक्षा में बैठने नहीं दिया गया। क्योंकि उन्होंने अपने हाथों पर मेहंदी लगाई हुई थी। छात्राओं के पेरेंट्स ने मामले की लिखित शिकायत शिक्षा विभाग में दर्ज कराई।

शिकायत मिलने के बाद विभाग ने स्कूल प्रशासन को नोटिस जारी कर 4 नवंबर यानी आज मंगलवार तक जवाब देने के निर्देश दिए हैं। वहीं, स्कूल प्रशासन ने अभिभावकों के आरोपों को खारिज किया और सफाई देते हुए कहा कि छात्राओं को सिर्फ अनुशासन का पालन करने के लिए कहा गया था और किसी के साथ भेदभाव नहीं किया गया।

दो दिन तक कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश की संभावना, 6 नवंबर से बढ़ेगी ठंड

भोपाल, 4 नवंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के कई हिस्सों में अगले दो दिन तक हल्की बारिश, आंधी और गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी। इसके बाद 6 नवंबर से मौसम साफ होने की संभावना है।

मौसम विभाग की सीनियर वैज्ञानिक डॉ। दिव्या ई। सुरेंद्रन ने बताया कि पश्चिमी मध्यप्रदेश में एक चक्रवाती प्रणाली सक्रिय है, जिसका असर आने वाले दो दिनों तक कुछ जिलों में देखने को मिल सकता है। उत्तरी हवाएं चलने से रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट दर्ज की जाएगी, हालांकि दिन में पारा 30 डिग्री के पार रहेगा। मौसम विभाग ने भोपाल, गुना, विदिशा, रायसेन, राजगढ़, सीहोर, शाजापुर, देवास, सागर, नरसिंहपुर, जबलपुर, मंडला, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, बैतूल और पांढुर्णा में कहीं-कहीं हल्की बारिश की संभावना जताई है। शेष जिलों में मौसम शुष्क और धूप भरा रहेगा।

6 नवंबर के बाद साफ मौसम बढ़ेगी ठंड

दो दिन बाद प्रदेश में आसमान साफ रहेगा और दिन का तापमान 30 से 32 डिग्री के आसपास रहेगा। उत्तर से ठंडी हवाएं आने लगेंगी, जिससे रातें ठंडी महसूस होंगी। यह क्रम नवंबर के दूसरे सप्ताह तक जारी रहेगा। 15 नवंबर के बाद ठंड का असर और तेज हो जाएगा।

ओडिशा के युवक का सूडान में आरएसएफ ने किया अपहरण, परिवार ने राज्य सरकार से लगाई मदद की गुहार

भुवनेश्वर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। जगतनसिंहपुर जिले के आदर्श बेहेरा के माता-पिता ने राज्य सरकार से उनके सुरक्षित बचाव के लिए हस्तक्षेप करने की अपील की है। बताया जा रहा है कि आदर्श को सूडान के अर्धसैनिक संगठन रैपिड सपोर्ट फोर्सेस (आरएसएफ) ने बंधक बना लिया है। आदर्श की पत्नी सुष्मिता बेहेरा के अनुसार, सशस्त्र विद्रोहियों ने उनके पति का अपहरण कर लिया और उनका मोबाइल फोन व निजी सामान छीन लिया।अपहरण से पहले आदर्श ने अपनी पत्नी को एक ऑडियो संदेश भेजा था, जिसमें कहा था कि अगर राज्य और केंद्र सरकार दोनों हस्तक्षेप करें तो अपहर्ता उन्हें छोड़ सकते हैं।

सुष्मिता ने ओडिशा सरकार से अपने पति की रिहाई के लिए तुरंत कदम उठाने की अपील की है। आदर्श के पिता क्षेत्रबासी बेहेरा अपने बेटे के अपहरण की खबर सुनकर फूट-फूटकर रो पड़े।

ममता कुलकर्णी पर बढ़े विवाद के बाद टूट गया किन्नर अखाड़ा, अब बना सनातन किन्नर अखाड़ा

गोरखपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। किन्नर अखाड़े के गठन के दस साल बाद उससे अलग होकर सनातनी किन्नर अखाड़े का बुधवार को संगम नगरी प्रयागराज में विधिवत गठन हो गया। किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर और प्रदेश अध्यक्ष स्वामी कौशल्या नंद गिरी उर्फ टीना मां ने सनातनी किन्नर अखाड़े का गठन किया है। गठन से पहले वह अपने शिष्यों के साथ संगम तट पर पहुंची।

जहां पर उन्होंने त्रिवेणी में स्नान किया और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ उनका अभिषेक कराया गया। इसके बाद बैरहना स्थित दुर्गा पूजा पार्क में वैदिक ब्राह्मण ने मंत्रोच्चार के साथ विधि विधान से आचार्य महामंडलेश्वर के पद परपट्टा अभिषेक संपन्न कराया गया। पट्टा अभिषेक के बाद स्वामी कौशल्या नंद गिरी अब सनातनी किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर बन गई हैं। इस मौके पर काशी से आए डमरू वादकों ने डमरु बजाकर आरती कराई। जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया।

इस मौके पर किन्नरों ने नाचते गाते हुए जमकर खुशी मनाई। गौरतलब है कि किन्नर अखाड़े में महाकुंभ के दौरान महामंडलेश्वर बनाई गई पूर्व फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी उर्फ यामाई ममता नंद गिरी के किन्नर अखाड़े में बढ़ते वर्चस्व को लेकर किन्नरों में नाराजगी चल रही थी। इसके बाद गोरखपुर में ममता कुलकर्णी के अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम को लेकर दिए गए बयान ने आग में घी का काम किया। ममता कुलकर्णी को लेकर किन्नर अखाड़े में विवाद कितना बढ़ गया है कि किन्नर अखाड़े में दो फाड़ हो गया है।

आठ साल के दलित छात्र की पैंट में डाली बिच्छूबूटी, हेडमास्टर सहित तीन शिक्षक सस्पेंड

शिमला, 4 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के शिमला में एक दलित छात्र के साथ शर्मनाक हरकत सामने आ रही है। दरअसल, शिमला के एक स्कूल में शिक्षकों पर आठ साल के एक दलित लड़के के साथ बार-बार मारपीट करने और उसकी पैंट में बिच्छूबूटी रखने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। छात्र के पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवायी है।

शिमला जिले के रोहड़ू उप-मंडल के खड़ापानी इलाके में एक सरकारी प्राथमिक स्कूल में छात्र पहली क्लास में पढ़ता है। पिता ने हेडमास्टर देवेंद्र, शिक्षक बाबू राम और कृतिका ठाकुर पर लगभग एक साल से उनके बेटे के साथ अक्सर मारपीट करने का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता ने कहा कि लगातार पिटाई से बच्चे के कान से खून बहने लगा और उसके कान का पर्दा क्षतिग्रस्त हो गया।

अहमदाबाद हादसा, जिंदा बचे विश्वास बोले

रोज मर रहा हूं: पारिवारिक कारोबार ठप; वकील ने इलाज के लिए स्पेशल पैकेज देने की अपील की

अहमदाबाद, 4 नवंबर (एजेंसियां)। अहमदाबाद विमान हादसे को 6 महीना हो गया है, लेकिन हादसे में इकलौते बचे शख्स विश्वास कुमार भालिया इस त्रासदी के सदमे से उबर नहीं पाए हैं। उनके लिए बच जाना अब 'चमत्कार और सजा' दोनों बन गया है।

अब ब्रिटेन के लीसेस्टर लौट चुके विश्वास मानसिक परेशानी से गुजर रहे हैं। डॉक्टरों ने बताया है कि वे पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर (पीटीएसडी) से पीड़ित हैं। उन्हें चलने-फिरने में दिक्कत होती है, इसलिए उनकी पत्नी उनकी मदद करती हैं। परिवार के अनुसार, विश्वास रात में कई बार डरकर उठ जाते हैं और लगातार मनोवैज्ञानिक इलाज चल रहा है। विश्वास के परिवार का गुजरात के दीव में चल रहा मछली पालन का कारोबार भी बंद हो गया है। उनके वकील रैड सीगर ने एअर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन से मुलाकात कर परिवार की आर्थिक मदद के लिए विशेष राहत पैकेज देने की अपील की है। दरअसल, 12 जून को एअर इंडिया की अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई 171 क्रैश हो गई थी। प्लेन 230 यात्री सवार थे। बाकी 12 क्रू मेंबर्स थे। इनमें से 241 लोगों की मौत हो गई थी। इसमें विश्वास कुमार के भाई अजय भी शामिल थे। विश्वास फ्लाइट की सीट 11ए पर बैठे थे। हादसा होते ही विमान के खोल में बने एक छेद से बाहर निकलने में कामयाब रहे। उन्हें पैर, कंधे, घुटने और पीठ में गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद से वह न तो काम कर पाए हैं, न गाड़ी चला पाए हैं। विश्वास का कहना है कि उनके साथ परिवार भी हादसे के बाद उबर नहीं पा रहा है। उन्होंने बताया- अब मैं बस अपने कमरे में अकेला बैठा रहता हूं। पत्नी और बेटे से भी बात नहीं करता।

मां भी रोज दरवाजे पर बैठी रहती हैं, किसी से बात नहीं करतीं। हर दिन हमारे लिए दर्द से भरा है। एअर इंडिया, ने परिवार को 21,500 पाउंड (करीब 22 लाख रुपए) का अंतरिम मुआवजा दिया है, लेकिन विश्वास के वकील रैड सीगर का कहना है कि यह रकम उनके मानसिक और शारीरिक इलाज के लिए बहुत कम है। उन्होंने कहा- ब्रिटेन की नेशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस) भी उन्हें जरूरी विशेष चिकित्सा सहायता नहीं दे पा रही है। विश्वास की हालत बेहद नाजुक है। उन्हें शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की गंभीर मदद की जरूरत है।

चिप्स पैकेट और शैंपू में निकला 13 करोड़ का नशा

मुंबई एयरपोर्ट का हैरान करने वाला वीडियो

मुंबई, 4 नवंबर (एजेंसियां)। विदेश से नशे की तस्करी करने के लिए तस्कर कौन-कौन से हथकंडे नहीं अपनाते, लेकिन फिर भी पकड़े जाते हैं। नशे के इन सौदागरों को लगता है कि वह कस्टम की नाक के नीचे से बचकर निकल जाएंगे। लेकिन ऐसा हो नहीं पाता। ऐसा ही कुछ देखने को मिला मुंबई एयरपोर्ट पर।

यहां कस्टम विभाग की नजरों से बचाकर कुछ लोग 13 करोड़ रुपये की कीमत का नशा एयरपोर्ट से बाहर ले जाने की फिराक में थे। लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। कस्टम विभाग ने 3 नवंबर को मुंबई एयरपोर्ट पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 13.077 किलो हाइड्रोपोनिक वीड (नशीला पदार्थ) बरामद कर लिया। बाजार में इसकी कीमत करीब 13.07 करोड़ रुपये बताई जा रही है। यह ड्रग्स 4 अलग-अलग मामलों में पकड़ा गया है। हैरानी की बात यह है कि स्मगलर खुद को इतना शातिर समझ रहे थे कि वह इस नशे को चिप्स के पैकेट और शैम्पू की बोतलों में छिपाकर ले जा रहे थे। लेकिन कस्टम अधिकारियों ने उनक चालाकी को भाप लिया । इस मामले में 5 यात्रियों को गिरफ्तार किया गया है।

वहीं दूसरा मामला विदेशी करेंसी का है। खास सूचना के आधार पर दुबई से मुंबई आए एक यात्री को फ्लाइट नंबर एआई2201 से उतरते ही रोक लिया गया। जांच में यात्री के चेक-इन ट्रॉली बैग से 87 लाख रुपये के बराबर विदेशी करेंसी बरामद हुई।ये विदेशी करेंसी बैग में छिपाकर रखी गई थी। कस्टम्स अधिनियम 1962 के तहत यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया है।

स्वामी प्रसाद मौर्य पर उमा भारती का करारा पलटवार

कहा- तुच्छ व्यक्ति हैं, सिर्फ चर्चा चाहते हैं

भोपाल, 4 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने 'अपनी जनता पार्टी' के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य के उस बयान पर जोरदार पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने कहा कि 'जय श्री राम' का नारा अब अराजकता फैलाने का लाइसेंस बन गया है उमा भारती ने कहा कि ऐसे व्यक्ति सिर्फ चर्चाओं में बने रहने के लिए बयान देते हैं। उमा भारती ने कहा कि जिस व्यक्ति का आप नाम ले रहे हैं, वो अपने को चर्चाओं में लाने के लिए यह काम करते हैं। वो बहुत ही तुच्छ व्यक्ति हैं। वो अपने आप को खबर में लाने के लिए बात करते हैं और इससे वो देश का बहुत नुकसान करते हैं। उमा भारती ने 'गंगा स्वच्छता श्रद्धा संकल्प अभियान' को लेकर कहा कि संगम तट पर पूरे देश के कुछ सीमित संख्या में लोग आएंगे। 3 नवंबर को सामूहिक रूप से गंगा स्नान होगा, फिर उन 50 करोड़ श्रद्धालुओं से अपील करेंगे जो यहां महाकुंभ में स्नान करने आए और खुद को पवित्र करके गए, वो भी बड़ी तपस्या से यहां तक पहुंचे।

अब उनको अपील करेंगे कि आप भी अपने-अपने राज्य की तरफ से समूह बनाकर कभी आइए और गंगोत्री से गंगा सागर तक जहां गंगा आपके राज्य के नजदीक पड़े, वहां आएं और एक दिन की स्वच्छता का ऋण चुकाकर जाइए। महिला क्रिकेट विश्व कप में टीम इंडिया की जीत पर उमा भारती ने कहा कि हमें और हमारे देशवासियों को अपनी बेटियों पर गर्व है। यह कहना गलत है कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे रह सकती हैं। महिलाएं कभी पीछे नहीं रही हैं। महिलाएं ही सृष्टि का पालन-पोषण करती हैं। यह हमारी भ्रांति मात्र है कि महिलाएं अब आगे बढ़ने लगी हैं, वास्तव में, वे हमेशा से ही आगे रही हैं।

दिल्ली में एमसीडी का माली बना फर्जी सीएमओ

लोगों से करता था ठगी, लेटर हेड में मिली गलती से पकड़ा गया

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के सिविल लाइंस थाना की पुलिस टीम ने एक ऐसे जालसाज को गिरफ्तार किया है, जो खुद को मुख्यमंत्री कार्यालय का अधिकारी बताकर गरीब मरीजों से ठगी करता था। आरोपी न केवल नकली लेटरहेड पर आदेश जारी करता था बल्कि अस्पतालों से फोन पर संपर्क कर खुद को सीएम ऑफिस का अधिकारी बताकर मरीजों को फ्री ट्रीटमेंट दिलाने का नाटक करता था। पुलिस ने आरोपी से कई फर्जी दस्तावेज़, मोबाइल फोन और नकली नंबर प्लेट वाली मोटरसाइकिल बरामद की है। डीसीपी नॉर्थ राजा बांठिया के मुताबिक, मुख्यमंत्री कार्यालय के ओएसडी एससी। वशिष्ठ ने सिविल लाइंस थाने में इस मामले में शिकायत दर्ज कराई थी।

क्या बुरे फंसेंगे बीजेपी विधायक हंस राज

मुस्लिम युवती के आरोपों पर एसपी से रिपोर्ट तलब सुरक्षा देने के निर्देश

शिमला, 4 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के चुराह से भाजपा विधायक हंसराज एक बार फिर से विवादों में हैं। उनके खिलाफ मुस्लिम युवती की ओर से गंभीर आरोप लगाए गए हैं। अब उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। क्योंकि युवती ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर जान को खतरा होने की बात कही है। हालांकि, युवती का आरोप है कि चंबा पुलिस उसकी मदद नहीं कर रही है और इस वजह से अब वह दोबारा शिकायत नहीं करेगी। अब इस मामले में अब महिला आयोग में भी इस संज्ञान लिया है। महिला आयोग की अध्यक्ष विद्या नेगी ने बाकायदा एसपी चंबा को फोन कर इस मामले की रिपोर्ट तलब की है साथ ही युति को सुरक्षा देने के भी निर्देश दिए हैं। महिला आयोग की अध्यक्ष विद्या नेगी ने कहा कि युवती ने भाजपा विधायक हंसराज पर गंभीर आरोप लगाए हैं और अपने परिवार और अपनी जान को खतरा होने की बात कही है।

इस मामले को लेकर चंबा एसपी से बात की है और उनसे इस मामले की पूरी रिपोर्ट तलब की गई है। साथ ही जनवादी महिला समिति की ओर से भी एक शिकायत पत्र दिया गया है। महिला आयोग का कहना है कि शिकायत को भी चंबा एसपी को भेज दिया गया है। विद्या नेगी ने कहा कि एसपी से बात की गई है और युवती को अगर जान का खतरा है तो उसे सुरक्षा देने को कहा गया है।

एक्ट्रेस को भेजे अश्लील मैसेज और वीडियो पुलिस ने आरोपी को धर दबोचा

बेंगलुरु, 4 नवंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु की एक टीवी एक्ट्रेस को सोशल मीडिया पर बार-बार अश्लील मैसेज और वीडियो भेजने वाला आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। एक्ट्रेस ने इसे लेकर पुलिस ने शिकायत दर्ज कराई थी। एक्ट्रेस ने कहा था कि उनके कई बार चेतावनी देने के बाद भी शख्स उनको अश्लील मैसेज और वीडियो भेजता रहा। परेशान होकर उनको पुलिस से मदद की गुहार लगानी पड़ी। एक्ट्रेस की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को दी शिकायत में तेलुगु और कन्नड़ टीवी सीरियल्स में काम करने वाली एक्ट्रेस ने कहा था कि उनको करीब तीन महीने पहले नवीनज़ नाम के एक फेसबुक अकाउंट से फ्रेंड रिक्वेस्ट मिली थी।

हालांकि एक्ट्रेस ने रिक्वेस्ट एक्सेप्ट नहीं की, लेकिन उस शख्स ने उनको मैसेंजर के ज़रिए अश्लील मैसेज भेजना शुरू कर दिया। टीवी एक्ट्रेस ने जब उसे ब्लॉक कर दिया, तो उस शख्स ने कथित तौर पर उनको परेशान करने के लिए कई नए अकाउंट बना लिए। इन अकाउंट्स के जरिए उसने एक्ट्रेस को अपने प्राइवेट पार्ट के वीडियो भी भेजे। बार-बार चेतावनी देने के बावजूद वह नहीं मना। उसने अश्लील मैसेज और वीडियो भेजना जारी रखा। आरोपी ने 1 नवंबर को जब फिर से एक्ट्रेस को मैसेज किया, तो उन्होंने उसे मिलने के लिए नगरभावी सेकेंड स्टेड के नंदन पैलेस में बुलाया। एक्ट्रेस ने उस शख्स को समझाया कि वह ऐसा फिर न करे। लेकिन उस शख्स ने कथित तौर पर उनकी बात सुनने से इनकार कर दिया। एक्ट्रेस की शिकायत पर पुलिस ने यौन उत्पीड़न और ऑनलाइन एब्यूज का मामला दर्ज कर आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

गैंग रेप के तीनों आरोपी 'हाफ एनकाउंटर' के बाद गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

कोयंबटूर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के कोयंबटूर में एक कॉलेज छात्रा के साथ हुए गैंग रेप मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मंगलवार तड़के तीन आरोपियों को 'हाफ एनकाउंटर' के बाद गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान थवसी, कार्तिक और कालीस्वरन के रूप में हुई है, जिन्हें पैर में गोली लगने के बाद कोयंबटूर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गैंग रेप की जघन्य घटना के बाद पुलिस ने जांच के लिए 7 विशेष टीमों का गठन किया था। पीड़िता के पुरुष दोस्त की कार जहां से पीड़िता को किडनैप किया गया वहां से कुछ दूरी पर एक बाइक मिली थी, इसी बाइक से आरोपी वहां आए थे। इस बाइक और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने तीनों आरोपियों की पहचान की। स्थानीय खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस की स्पेशल टीम को पता चला कि आरोपी कोयंबटूर के उपनगर वेल्लईकणर इलाके में छिपे हुए हैं।

'तुम्हारे लिए अपनी पत्नी को मार डाला'

कातिल डॉक्टर पर बड़ा खुलासा कितने महिलाओं के टच में था?

बेंगलुरु, 4 नवंबर (एजेंसियां)। 'मैंने तुम्हारे लिए अपनी पत्नी को मार डाला...' यह वह संदेश है, जिसे पत्नी की हत्या के बाद डॉक्टर महेंद्र रेड्डी जीएस ने कई महिलाओं को भेजा था। जी हां, बेंगलुरु पुलिस ने डॉक्टर पत्नी कृतिका एम रेड्डी की हत्या को लेकर बड़ा खुलासा किया है। इस हत्या का आरोप पति महेंद्र रेड्डी पर है। वह पत्नी की हत्या के मामले में गिरफ्तार है। बेंगलुरु पुलिस ने खुलासा किया कि पत्नी की हत्या के बाद आरोपी महेंद्र ने यह संदेश कम से कम चार-पांच महिलाओं को भेजे थे, जिसमें लिखा था- मैंने तुम्हारे लिए अपनी पत्नी को मार डाला। आरोपी इन महिलाओं से एक साल से टच में था। जांचकर्ताओं ने अपनी जांच में पाया कि ये संदेश जुनूनी, अनियमित संचार के एक पैटर्न का हिस्सा थे। महेंद्र रेड्डी ने अपनी पत्नी की हत्या से पहले से ही महिलाओं को टच में था और कथित तौर पर पत्नी की हत्या के बाद भी मैसेज का भेजना जारी रहा। पुलिस सूत्रों ने बताया कि आरोपी डॉक्टर ने सोशल मीडिया और मैसेजिंग ऐप्स के जरिए कई महिलाओं से संपर्क किया, जिनमें से कुछ मेडिकल प्रोफेशनल भी थीं।

कथित तौर पर उसने अपने 'प्यार' को साबित करने के लिए अपनी पत्नी की हत्या करने का दावा किया और एक डिजिटल पेमेंड प्लेटफॉर्म के जरिए ऐसा ही एक संदेश भी भेजा। एक महिला ने अधिकारियों को बताया कि उसने उसे पहले ब्लॉक कर दिया था, लेकिन महीनों बाद उसे एक और संदेश मिला जिसमें दावा किया गया था कि उसने एक कार दुर्घटना में अपनी मौत का नाटक किया था और उसके लिए वापस आया था। जांचकर्ताओं का मानना है कि आरोपी डॉक्टर शादीशुदा होते हुए भी कई महिलाओं के साथ ऑनलाइन संबंध बना रहा था। 24 अप्रैल को उसकी पत्नी डॉ। कृतिका रेड्डी के संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए जाने के बाद शुरुआत में यह मामला आत्महत्या का लग रहा था। लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट और डिजिटल साक्ष्यों में विसंगतियों के कारण जल्द ही आरोपी डॉक्टर महेंद्र रेड्डी तक पहुंच गए।

पुलिस ने क्या कहा?

पुलिस का आरोप है कि उसने घटना को अंजाम देने से पहले अपनी चिकित्सा विशेषज्ञता का इस्तेमाल बेहोशी की दवा की घातक खुराक देने के लिए किया था। अक्टूबर के बीच में उडुपी जिले के मणिपाल में उसकी गिरफ्तारी के बाद अधिकारियों ने उसका फोन और लैपटॉप बरामद किया। इन उपकरणों से ही ये सारी चीजें बाहर आई हैं।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 5 नवंबर- 2025

मोकामा चुनाव ने गरमाया पूरे बिहार का राजनीतिक माहौल

अशोक भाटिया

बिहार के पटना से करीब 100 किलोमीटर दूर मोकामा में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले टाल क्षेत्र के बड़े बाहुबली दुलारचंद यादव की हत्या ने पूरे प्रदेश की राजनीतिक माहौल को गरमा दिया है। 30 अक्टूबर की शाम दुलारचंद यादव की हत्या मोकामा के तारतर गांव में हुई थी। इस मामले में बाहुबली व जेडीयू के मोकामा प्रत्याशी अनंत सिंह को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। यह सिर्फ एक सीट की कहानी नहीं, बल्कि बिहार की राजनीति में अपराध की गहरी जड़ों और बाहुबली परिवारों की अगली पीढ़ी के उदय की तस्वीर है। एक राजनीतिक विश्लेषक के शब्दों में, 'मोकामा सीट एक तरह से कह सकते हैं कि राजनीति का वध स्थल है। देश की जो पॉलिटिकल पार्टीस है। इन लोगों ने वहाँ पे बिल्कुल मस्तक झुका दिया है कि यही सच है, हम कोई प्रयोग नहीं कर सकते।' इस चुनाव में अनंत सिंह जेडीयू से तो सूरजभान की पत्नी आरजेडी से मैदान में हैं। यह हाल सिर्फ मोकामा का नहीं, बल्कि पूरे बिहार का है जहां शहाबुद्दीन, आनंद मोहन और मुन्ना शुक्ला जैसे बाहुबलियों के बेटे-बेटियां और पत्नियां सत्ता के खेल में अपनी विरासत संभाल रही हैं, जिन्हें जेडीयू , आरजेड और बीजेपी जैसे प्रमुख दलों ने टिकट दिया है। बिहार विधानसभा चुनाव में पहले फेस का चुनाव गुरुवार को हो रहा है यानि मोकामा का चुनाव भी गुरुवार को है और सबसे अधिक चर्चा मोकामा सीट की हो रही है। पटना जिले के अंदर आने वाला मोकामा इसबार हॉट सीट होगा, ये तभी तय हो गया था जब जेडीयू से चुनाव लड़ रहे बाहुबली अनंत सिंह के खिलाफ इलाके के दूसरे बाहुबली सूरजभान सिंह की पत्नी वीणा देवी को आरजेडी ने मैदान में उतार दिया। दो बाहुबलियों का मोकामा में आमने–सामने आना इस बात का संकेत था कि इस बार का बिहार चुनाव खास होगा। वोटिंग से ठीक 6 दिन पहले दुलारचंद यादव की हत्या हुई तो मोकामा एकबार फिर सुर्खियों में आ गया। दुलारचंद की हत्या का आरोप अनंत सिंह और उनके समर्थकों पर लगा। अब इसी मामले में अनंत सिंह जेल के अंदर हैं। जिस दुलारचंद यादव की हत्या हुई वह जन सुराज पार्टी के समर्थक बताए जा रहे हैं। उनकी हत्या के बाद लगभग 36 घंटे तक मोकामा से लेकर बाढ़ तक के इलाके में बवाल होता रहा। यह बवाल शांत नहीं होता अगर अनंत सिंह की गिरफ्तारी नहीं की जाती। दुलारचंद यादव की हत्या के मामले में अनंत सिंह की गिरफ्तारी के बाद प्रशासन ने मोकामा में चुनावी हिंसा को नियंत्रित करने का प्रयास किया है। राज्य के डीजीपी खुद कह रहे हैं कि इस मामले में दूसरे पक्ष के आरोपियों की भी गिरफ्तारी होगी।

दुलारचंद यादव की हत्या के बाद मोकामा में जो तूफान मचा था उसको नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने भले ही कदम उठाए हों, लेकिन चुनावी हिंसा के बाद मोकामा में जातीय समीकरण नई तस्वीर गढ़ सकता है। मोकामा को भूमिहार बहुल सीट माना जाता है। शायद यही वजह है कि आजादी के बाद से लेकर अब तक हर विधानसभा चुनाव में यहां से जीत का सेहरा भूमिहार जाति से आने वाले किसी न किसी नेता के माथे पर ही बंधा है। मोकामा में कुल मतदाताओं का 30 फीसदी भूमिहार जाति से हैं। इस सीट पर लगभग 82 हजार भूमिहार वोटर्स हैं। यहां जाति के लिहाज से दूसरी सबसे बड़ी संख्या यादवों की है। मोकामा में 20 फीसदी यादव यानी लगभग 61 हजार वोटर्स हैं।अन्य सवर्ण जातियों में राजपूत और ब्राह्मण वोटर्स की संख्या को मिला दें तो उनकी तादाद लगभग 28 हजार है। मोकामा में तीसरी बड़ी आबादी कुर्मी और उसकी ही उपजाति कहे जाने वाली धानुक वोटर्स की है। कुर्मी और धानुक वोटर्स की तादाद यहां लगभग 47 हजार है। माना जाता है कि धानुक जाति के वोटर्स मोकामा में निर्णायक भूमिका अदा करते हैं। इसके अलावा दलित–महादलित वोटर्स तकरीबन 25 से 28 हजार और मुस्लिम वोटर्स की संख्या लगभग 11 हजार है। पिछले 20 साल से मोकामा विधानसभा सीट पर बाहुबली अनंत सिंह का कब्जा रहा है। दो दशक में अनंत सिंह जेडीयू के टिकट पर चुनाव जीते और निर्दलीय भी। उनकी पत्नी नीलम देवी ने पिछले उपचुनाव में आरजेडी के टिकट से जीत हासिल की थी।

अनंत सिंह एक बार फिर से जेडीयू के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। मोकामा में अनंत सिंह जिस जातीय समीकरण को साधते हुए लगातार जीत हासिल करते रहे हैं उसके पीछे भूमिहार और धानुक जाति के वोटर के गठजोड़ के अलावे अति पिछड़ी जातियों की गोलबंदी बड़ी वजह मानी जाती है। यही वजह है कि अनंत सिंह के खिलाफ भूमिहार जाति से आने वाले दूसरे उम्मीदवारों को हार का मुंह देखना पड़ता है। मोकामा में इस बार अनंत सिंह और सूरजभान सिंह की पत्नी वीणा देवी के बीच टक्कर है। ये दोनों भूमिहार जाति से आते हैं। दो भूमिहार उम्मीदवारों की टक्कर के बीच जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार पीयूष प्रियदर्शी की एंट्री ने जातीय समीकरण को ट्वीस्ट दे दिया है। एक तरफ सूरजभान सिंह की पत्नी वीणा देवी अनंत सिंह को जहां आरजेडी के आधार वोट के जरिए चुनौती दे रही हैं, वहीं दूसरी तरफ धानुक जाति के वोट बैंक में पीयूष प्रियदर्शी भी सेंध लगा सकते हैं।दुलारचंद यादव पीयूष प्रियदर्शी को समर्थन दे रहे थे और अब उनकी हत्या के बाद मोकामा में नए जातीय समीकरण बनने की आशंका है। बिहार का चुनावी इतिहास बताता है कि यादव और धानुक जाति के वोटर कभी जातीय गोलबंदी के साथ एकजुट होकर मतदान नहीं करते हैं। यादवों का समर्थन जिस तरफ होता है, धानुक जाति के वोटर्स उसके खिलाफ ही वोटिंग करते रहे हैं। यही वजह है कि बिहार में नीतीश कुमार गैर यादव पिछड़ा और अति पिछड़ा मतदाताओं की गोलबंदी के सहारे दो दशक से शासन में हैं। नीतीश की सोशल इंजिनियरिंग में धानुक जाति के मतदाताओं की भूमिका बेहद खास रही है। नीतीश के विरोधी भी इस बात को भली भांति समझते हैं और यही वजह रही कि तेजस्वी यादव ने 2024 के लोकसभा चुनाव में कुछ नए प्रयोग के जरिए नीतीश के इस सोशल इंजीनियरिंग को साधने की कोशिश की थी।

नीतीश के लव-कुश समीकरण को तोड़ने के लिए तेजस्वी यादव ने बीते लोकसभा चुनाव में कुशवाहा जाति के कई उम्मीदवार मैदान में उतारे थे। तेजस्वी ने यह प्रयोग इसबार भी जारी रखा है। आरजेडी ने कई कुशवाहा उम्मीदवारों को टिकट दिया है। तेजस्वी की नजर बीते लोकसभा चुनाव में भी धानुक वोटर्स को नीतीश से अलग करने की थी। इसीलिए मुंगेर लोकसभा सीट पर आरजेडी ने धानुक जाति के मतदाताओं को साधने के लिए अशोक महतो की पत्नी को उम्मीदवार बनाया था, लेकिन ललन सिंह ने नीतीश की सोशल इंजीनियरिंग के फार्मूले पर चलते हुए तेजस्वी के इस प्रयोग को विफल कर दिया था। धानुक वोटर्स को साधने में तेजस्वी भले ही फेल रहे थे लेकिन इस बार प्रशांत किशोर ने शायद उनका काम आसान कर दिया। जन सुराज पार्टी ने मोकामा जैसी सीट पर धानुक जाति से आने वाले पीयूष प्रियदर्शी को उम्मीदवार बनाकर एनडीए के जातीय समीकरण को तोड़ने की कोशिश की है। हालांकि दुलारचंद यादव की हत्या के बाद अगर धानुक वोटर्स वाकई अनंत सिंह का साथ छोड़ते हैं तो इसका फायदा प्रशांत किशोर के उम्मीदवार से ज्यादा आरजेडी के उम्मीदवार को मिल सकता है। दुलारचंद यादव की हत्या के बाद मोकामा में जातीय गोलबंदी के लिए यह मैसेज देने का प्रयास भी किया गया कि अनंत सिंह से धानुक जाति के पीयूष प्रियदर्शी को बचाने के लिए यादव जाति के दुलारचंद ने अपनी जान दे दी।

बिहार में वादों की बरसात

मंगलवार की सुबह राजद नेता तेजस्वी यादव ने पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक बार फिर वादों की झडी लगा दी। यदि उनकी सरकार बनी तो मकर संक्रांति के दिन पूरे साल भर का 30 हजार रुपए महिलाओं के खाते में ट्रांसफर करेंगे। 5 साल के दौरान कुल डेढ़ लाख मिलेंगे। राज्य की जीविका दीदियों को स्थायी किया जाएगा। उन्हें 30,000 प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा। इसके पहले मुजफ्फरपुर में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव जब एक साथ मंच पर दिखे, तब भी दोनों ने वादों की झडी लगाने में कोई परहेज नहीं किया। इसके पहले सीटों के तालमेल को लेकर दोनों के बीच रस्साकशी चलती रही थी जिसे लेकर समर्थकों में निराशा स्पष्टरूप से देखी जा रही थी। इस बार बिहार का चुनाव इसलिए भी खास है क्योंकि इससे दो दशकों से राज्य का चेहरा रहे सीएम नीतीश कुमार का भविष्य तय होना है। इसलिए दोनों गठबंधनों की तरफ से एक जैसी राजनीतिक चालें चली जा रही हैं। लोकलुभावन घोषणाएं करने में कोई भी दल पीछे नहीं है। महागठबंधन ने पहले 'तेजस्वी प्रण' घोषित किया। कांग्रेस, राजद और दूसरे सहयोगी दलों ने बीते दिनों में जो चुनावी वादे किए, उन्हें ही इसमें शामिल किया गया है। दोनों ही दलों की तरफ से वादों की लिस्ट बेहद लंबी है। शुरुआत नीतीश सरकार की तरफ से हुई। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 10 हजार रुपये, 125 यूनिट फ्री बिजली, एक करोड़ नौकरियों का वादा, महिलाओं को नौकरी में आरक्षण, बढ़ी पेंशन से नीतीश ने चुनावी अभियान की शुरूआत की। तो जवाब में महागठबंधन ने 200 यूनिट फ्री बिजली, हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी, महिलाओं को हर महीने ढाई हजार, और भी बहुत कुछ देने का वादा कर मतदाताओं को भ्रम में डाल दिया है। तेजस्वी का दावा है कि वादों को पूरा कैसे किया जाएगा इसका कैलकुलेशन किया जा चुका है। नीति आयोग के अनुसार देश की जनसंख्या में बिहार का हिस्सा 9% से ज्यादा है, पर जीडीपी में योगदान 2021-22 में घटकर 2.8% रह गया। बिहार की प्रति व्यक्ति आय देश की औसत प्रति व्यक्ति आय का केवल 30% है, जबकि बेरोजगारी इससे कहीं ज्यादा। 2022-23 में राज्य की जीडीपी की तुलना में ऋण का अनुपात 39.6फीसद था। बिहार के सामने सबसे बड़ी समस्या है आय के साधन जुटाने की। राज्य में आमदनी अठन्नी है तो खर्चा रुपया है। कुल कमाई में उसका अपना टैक्स रेवेन्यू केवल 23% है और केंद्र की तरफ से अनुदान का हिस्सा 21%। जन सुराज पार्टी प्रमुख पीके का दावा है कि मुफ्त की योजनाओं को पूरा करने के लिए 33 हजार करोड़ चाहिए होंगे। इस आंकड़े को सच मान लें तो राज्य के कुल बजट में से रोजमर्रा के कामकाज व योजनाओं का खर्च निकालने के बाद करीब 40 हजार करोड़ रुपये बचते हैं। तो सवाल है कि क्या रेवडियां बांटने का वादा इससे पूरा होगा? ऐसे में एनडीए और महागठबंधन, दोनों ही एक-दूसरे की घोषणाओं पर सवाल उठा रहे हैं। जबकि दोनों को हकीकत बताना चाहिए कि वे किस तरह रेवडियां बांटने का वादा पूरा करेंगे।

जब प्रभु स्वयं मनुष्य बनकर बोले-वही थे नानक

आरके जैन

कभी-कभी इतिहास में ऐसे क्षण आते हैं, जब एक व्यक्तित्व मात्र व्यक्ति नहीं, बल्कि युग बन जाता है- विचारों का, करुणा का, और जागृति का युग। ऐसा ही युग 15वीं शताब्दी में आया, जब तलवारों और तर्कों के बीच एक कोमल आवाज़ ने मानवता को पुकारा-"ना कोई हिंदू, ना कोई मुसलमान, सब एक ही ज्योति से उपजे हैं।" यह आवाज़ थी-सतगुरु नानक देव जी की। गुरुनानक देव जी का जन्म 1469 में तलवंडी (अब पाकिस्तान में ननकाना साहिब) में हुआ। उस समय समाज जात-पात, धार्मिक कट्टरता और अंधविश्वास की जंजीरों में जकड़ा था। लेकिन उस बालक नानक ने, बचपन से ही, प्रश्नों से दुनिया को हिलाना शुरू कर दिया था। उनके शब्दों में प्रश्न नहीं, चेतना थी; उनके मौन में विरोध नहीं, सृजन था।

"नाम जपो, किरत करो, वंड छको"-जीवन का त्रिवेणी सूत्र

गुरुनानक ने किसी नई धर्म-संस्था की नींव नहीं रखी, बल्कि मानव धर्म को उसकी मूल आत्मा में लौटाया। उन्होंने तीन सरल पर गूढ़ सूत्र दिए: नाम जपो-ईश्वर के नाम का स्मरण करो, क्योंकि वही आत्मा की शुद्धि का प्रथम सोपान है। किरत करो-ईमानदारी से श्रम करो, क्योंकि कर्म ही भक्ति का सच्चा रूप है। वंड छको-जो कुछ प्राप्त हो, उसे बाँटो; क्योंकि साझा करना ही सच्ची संपदा है। ये तीन वाक्य केवल उपदेश नहीं, बल्कि समाज के पुनर्निर्माण का घोषणापत्र थे। जब संसार वर्गों में बँट रहा था, तब नानक का संदेश था-"सब में एक ही ज्योति है।" जब धर्म दीवारें खड़ी कर रहे थे, तब उन्होंने रास्ते खोले-संवाद के, प्रेम के, और समानता के।

जाति-पाँति के परे, समानता की साधना

गुरुनानक देव जी ने स्पष्ट कहा-"एक नूर ते सब जग उपज्या, कौन भले कौन मंदे।" उन्होंने समाज को आईना दिखाया कि ईश्वर के सामने न तो कोई ऊँचा है, न नीचा; न ब्राह्मण श्रेष्ठ, न शूद्र तुच्छ। हर व्यक्ति, हर आत्मा, एक ही स्रोत की संतान है। उनके इस विचार ने न केवल आध्यात्मिक क्रांति की, बल्कि सामाजिक आंदोलन भी खड़ा किया। लंगर की परंपरा -जहाँ अमीर-गरीब, राजा-रंक, सब एक पंक्ति में बैठकर भोजन करते हैं- इस समानता का जीवंत प्रतीक बन गई। आज भी हर गुरुद्वारे में यह परंपरा उसी भाव से चल रही है, जैसे नानक ने शुरू की थी: सेवा, विनम्रता और साझा आनंद।

यात्राएँ नहीं, मानवता की तीर्थयात्रा

गुरुनानक देव जी ने लगभग 30 वर्ष तक यात्रा की -भारत से लेकर अफगानिस्तान, तिब्बत, श्रीलंका, मक्का-मदीना तक , जिन्हें ₹उदासी₹ कहा जाता है। पर उनकी ये यात्राएँ केवल धर्म-प्रचार नहीं थीं; वे मानवता की खोज थीं। हर भाषा, हर भूगोल, हर परंपरा में उन्होंने सत्य के बीज बोए। उन्होंने कहा-"सचु कहो, ओहु साचा नांव।" उनकी वाणी में किसी पंथ की नहीं, बल्कि विश्व-मानव धर्म की गूँज थी।

विचारों की क्रांति, करुणा की ज्योति

जब सत्ता तलवार से चल रही थी और धर्म भय से, तब नानक ने कहा-"भय में प्रेम नहीं, प्रेम में भय नहीं।" उन्होंने भय-मुक्त समाज का स्वप्न देखा, जहाँ ईश्वर कोई डंडा नहीं, बल्कि दया का सागर हो। उनके शब्दों ने सत्ता को चुनौती दी, पर विद्रोह के बजाय उन्होंने सुधार का रास्ता चुना। उनकी क्रांति तलवार से नहीं, कविता से हुई; उनकी लड़ाई शत्रु से नहीं, अहंकार से थी।

आज के युग में गुरुनानक का संदेश

आज जब दुनिया फिर से धर्म, भाषा और जाति की दीवारों में उलझ रही है, जब इंसान इंसान से दूर होता जा रहा है-ऐसे समय में गुरुनानक का संदेश और भी प्रासंगिक हो उठा है। उन्होंने हमें सिखाया कि सच्ची पूजा मंदिरों, मस्जिदों या गुरुद्वारों में नहीं, बल्कि उस क्षण में होती है जब हम किसी भूखे को भोजन देते हैं, किसी दुखी को सांत्वना देते हैं।

पाखंड पर प्रहार, समानता का प्रचार, ऐसे थे गुरु नानक

योगेश कुमार गोयल

सिख धर्म के आदि संस्थापक और सिखों के पहले गुरु हैं गुरु नानक देव, जो केवल सिखों में ही नहीं वरन् अन्य धर्मों में भी उतने ही सम्माननीय हैं। उनका जन्म तलवंडी (जो भारत-पाक बंटवारे के समय पाकिस्तान में चला गया) में सन् 1469 में हुआ था। प्रतिवर्ष कार्तिक मास की पूर्णिमा को गुरु नानक जयंती मनाई जाती है, जिसे 'प्रकाश पर्व' भी कहा जाता है और इस बार 5 नवम्बर को गुरु नानक का 556वां प्रकाश पर्व मनाया जा रहा है। हालांकि अब तक इसका कारण ज्ञात नहीं है कि गुरु नानक जयंती किसी एक निर्धारित तिथि को न मनाकर कार्तिक मास की पूर्णिमा को ही क्यों मनाई जाती है? नानक जब केवल पांच साल के थे, तभी धार्मिक और आध्यात्मिक वार्ताओं में गहन रूचि लेने लगे थे। अपने साथियों के साथ बैठकर वे परमात्मा का कीर्तन करते और अकेले में घंटों कीर्तन में मग्न रहते। दिखावे से कोसों दूर वे यथार्थ में जीते थे। जिस कार्य में उन्हें दिखावे अथवा प्रदर्शन का अहसास होता, उसकी वास्तविकता जानकर वे विभिन्न सारगर्भित तर्कों द्वारा उसका खंडन करने की कोशिश करते।नानक जब 9 वर्ष के हुए तो उनके पिता कालूचंद खत्री, जो पटवारी थे और खेती-बाड़ी का कार्य भी करते थे, ने उनका यज्ञोपवीत संस्कार कराने के लिए पुरोहित को बुलाया। पुरोहित ने यज्ञोपवीत पहनाने के लिए नानक के गले की ओर हाथ बढ़ाया तो नानक ने उनका हाथ पकड़कर पूछा कि आप यह क्या कर रहे हैं और इससे क्या लाभ होगा? पुरोहित ने कहा कि बेटे, यह जनेऊ है, जिसे पहनने से मोक्ष की प्राप्ति होती है और इसे पहने बिना मनुष्य शूद्र की श्रेणी में रहता है। तब नानक ने उनसे पूछा कि पुरोहित जी, सूत का बना यह जनेऊ मनुष्य को भला मोक्ष कैसे दिला सकता है क्योंकि मनुष्य का अंत होने पर जनेऊ तो उसके साथ परलोक में नहीं जाता। नानक के इन शब्दों से सभी व्यक्ति बहुत प्रभावित हुए और आखिरकार पुरोहित को कहना पड़ा कि बेटा, तुम सत्य कह रहे हो, वास्तव में हम अंधविश्वासों में डूबे हैं। गुरु नानक का विवाह 19 वर्ष की आयु में गुरदासपुर के मूलचंद खत्री की पुत्री सुलखनी के साथ हुआ किन्तु धार्मिक प्रवृत्ति के नानक को गृहस्थाश्रम रास नहीं आया और वे सांसारिक मायाजाल से दूर रहने का प्रयास करने लगे। पिता ने उन्हें व्यवसाय में लगाना चाहा किन्तु व्यवसाय में भी उनका मन न लगा। एक बार पिता ने कोई काम-धंधा शुरू करने के लिए उन्हें कुछ धन दिया लेकिन नानक ने सारा धन साधु-संतों और जरूरतमंदों में बांट दिया और एक दिन घर का त्याग कर परमात्मा की खोज में निकल पड़े। पाखंडों के घोर विरोधी रहे गुरु नानक की यात्राओं का वास्तविक उद्देश्य लोगों को परमात्मा का ज्ञान कराना किन्तु बाह्य आडम्बरों एवं पाखंडों से दूर रखना ही था। वे सदैव छोटे-बड़े का भेद मिटाने के लिए प्रयासरत रहे और उन्होंने निम्न कुल के समझे जाने वाले लोगों को सदैव उच्च स्थान दिलाने के लिए प्रयास किया।

गुरु नानक को एक बार भागो मलिक नामक एक अमीर ने भोजन के लिए अपने घर आमंत्रित किया लेकिन नानक जानते थे कि वह गरीबों पर बहुत अत्याचार करता है, इसलिए उन्होंने भागो का निमंत्रण स्वीकार नहीं किया और एक मजदूर के निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार कर लिया। भागो ने इसे अपना अपमान मानते हुए गुरु नानक को खूब खरी-खोटी सुनाई तथा अपमानजनक शब्द कहे लेकिन नानक ने सरल शब्दों में उसे कहा कि तेरी कमाई पाप की कमाई है जबकि इस मजदूर की कमाई मेहनत की कमाई है। भागो यह सुनते ही भड़क उठा और गुस्से में फुफकारते हुए कहने लगा कि तुम अव्वल दर्जे के पाखंडी और नीच कुल के हो, तभी तो नीच कुल वालों का ही निमंत्रण स्वीकार करते हो। इस पर गुरु नानक ने जवाब दिया कि मैं वह भोजन कदापि ग्रहण नहीं कर सकता, जो गरीबों का खून चूसकर तैयार किया गया हो।

भागो ने गुस्से से उबलते हुए सवाल किया कि मेरे स्वादिष्ट व्यंजनों से तुम्हें खून निकलता दिखाई देता है और उस मजदूर की बासी रोटियों से ...? ''दूध। और अगर तुम्हें विश्वास न हो तो स्वयं आजमाकर देख लो।'' नानक ने कहा। घमंड व क्रोध से सराबोर भागो ने अपने घर से स्वादिष्ट व्यंजन मंगवाए और नानक ने उस मजदूर के घर से बासी रोटी। तब नानक ने एक हाथ में भागो के स्वादिष्ट व्यंजन लिए और दूसरे में मजदूर के घर की बासी रोटी और दोनों हाथों को एक साथ दबाया। जब वहां उपस्थित लोगों ने देखा कि मजदूर की बासी रोटी से दूध की धार निकल रही है जबकि भागो के स्वादिष्ट व्यंजनों से खून की धार तो उनके आश्चर्य का ठिकाना न रहा। यह देख भागो का अहंकार चूर-चूर हो गया और वह गुरु नानक के चरणों में गिरकर क्षमा याचना करने लगा।

गुरु नानक एक बार हरिद्वार पहुंचे तो उन्होंने देखा कि बहुत से लोग गंगा में स्नान करते समय अपनी अंजुली में पानी भर-भरकर पूर्व दिशा की ओर उलट रहे हैं। उन्होंने विचार किया कि लोग किसी अंधविश्वास के कारण ऐसा कर रहे हैं। तब उन्होंने लोगों को वास्तविकता का बोध कराने के उद्देश्य से अपनी अंजुली में पानी भर-भरकर पश्चिम दिशा की ओर उलटना शुरू कर दिया। जब लोगों ने काफी देर तक उन्हें इसी प्रकार पश्चिम दिशा की ओर पानी उलटते देखा तो उन्होंने पूछ ही लिया कि भाई तुम कौन हो और पश्चिम दिशा में जल देने का तुम्हारा क्या अभिप्राय है? नानक ने उन्हीं से पूछा कि पहले आप लोग बताएं कि आप पूर्व दिशा में पानी क्यों दे रहे हैं?लोगों ने कहा कि वे अपने पूर्वजों को जल अर्पित कर रहे हैं ताकि उनकी प्यासी आत्मा को तृप्ति मिल सके। इस पर नानक ने पूछा कि तुम्हारे पूर्वज हैं कहां? लोगों ने जवाब दिया कि वे परलोक में हैं लेकिन तुम पश्चिम दिशा में किसे पानी दे रहे हो? गुरु नानक बोले कि यहां से थोड़ी दूर मेरे खेत हैं। मैं यहां से अपने उन्हीं खेतों में पानी दे रहा हूं। लोग आश्चर्यचकित होकर पूछने लगे, ''खेतों में पानी! पानी खेतों में कहां जा रहा है? यह तो वापस गंगा में ही जा रहा है और यहां पानी देने से आपके खेतों में पानी जा भी कैसे सकता है?''गुरु नानक ने उनसे पूछा कि यदि पानी नजदीक में ही मेरे खेतों तक नहीं पहुंच सकता तो इस प्रकार आप द्वारा दिया जा रहा जल इतनी दूर आपके पूर्वजों तक कैसे पहुंच सकता है? लोगों को अपनी गलती का अहसास हुआ और वे गुरु जी के चरणों में गिरकर प्रार्थना करने लगे कि उन्हें सही मार्ग दिखलाएं ताकि जिससे उन्हें परमात्मा की प्राप्ति हो सके। गुरु नानक सदैव मानवता के लिए जीए और जीवनपर्यन्त शोषितों व पीड़ितों के लिए संघर्षरत रहे। उनकी वाणी को लोगों ने परमात्मा की वाणी माना और इसीलिए उनकी यही वाणी उनके उपदेश एवं शिक्षाएं बन गई। ये उपदेश किसी व्यक्ति विशेष, समाज, सम्प्रदाय अथवा राष्ट्र के लिए ही नहीं बल्कि चराचर जगत एवं समस्त मानव जाति के लिए उपयोगी हैं।

यूक्रेन युद्ध से वैश्विक तबाही की आहट सन्निकट

संजीव ठाकुर

रूस-यूक्रेन युद्ध अब केवल दो देशों का संघर्ष नहीं रह गया है, बल्कि यह सम्पूर्ण विश्व के लिए संभावित विनाश का संकेत बन चुका है। यह युद्ध आधुनिक सभ्यता के सामने एक ऐसी चुनौती प्रस्तुत कर रहा है जिसमें मानवीय संवेदनाएँ, वैश्विक शांति और राजनीतिक संतुलन सब कुछ दांव पर लगा हुआ है। रूस की बौखलाहट, अमेरिका और नाटो देशों के हस्तक्षेप के साथ मिलकर इस युद्ध को तीसरे विश्वयुद्ध की दहलीज़ पर ला खड़ा कर चुकी है। रूस ने अमेरिका को खुले शब्दों में चेताया है कि यदि पश्चिमी देश इसी तरह यूक्रेन की आर्थिक और सामरिक मदद करते रहे तो उसे परमाणु या जैविक हथियारों के प्रयोग पर विवश होना पड़ सकता है। यह चेतावनी केवल शब्दों का खेल नहीं बल्कि आने वाले संकट का संकेत है, क्योंकि कीव पर हाल में किए गए रूस के बमवर्षक हमलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पुतिन अब अपनी हार छिपाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। अमेरिकी अरबपति निवेशक जॉर्ज सोरस ने दावोस में अपने वार्षिक संबोधन में कहा था कि रूस और चीन का सीमा-विहीन गठबंधन वैश्विक शांति के लिए अत्यंत खतरनाक है। यदि पुतिन, शी जिनपिंग और उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन के बीच यह रणनीतिक गठबंधन गहराता गया तो विश्वयुद्ध की संभावना को टाला नहीं जा सकेगा। सोरस के अनुसार यह संघर्ष अगर अनियंत्रित हुआ तो हमारी सभ्यता इसे झेल नहीं पाएगी और यह युद्ध समस्त मानवीय मूल्यों को मलबे में बदल देगा। पुतिन और शी जिनपिंग ने अपने हालिया संयुक्त बयान में स्पष्ट कर दिया था कि उनके संबंधों और सहयोग की कोई सीमा नहीं है। यह बयान एक नई ध्रुवीय विश्व व्यवस्था का संकेत है जिसमें चीन और रूस एक साथ पश्चिमी प्रभुत्व को चुनौती देने की तैयारी में हैं। पुतिन ने शी जिनपिंग को यूक्रेन पर विशेष सैन्य अभियान की जानकारी भी पहले ही दे दी थी, जिससे स्पष्ट है कि यह सब एक सुनियोजित रणनीति के अंतर्गत हुआ था। इसी बीच रूस के एक राजदूत ने इस्तीफा देकर पुतिन की कार्रवाई का विरोध किया, वहीं युद्ध में मारे गए सैनिकों के परिवारों ने भी देश के भीतर असंतोष प्रकट किया है। यूक्रेन पर आक्रमण के समय पुतिन को यह भ्रम था कि यूक्रेन में रहने वाले रूसी भाषा-भाषी नागरिक उनका समर्थन करेंगे, परंतु हुआ इसके ठीक विपरीत—उन्होंने यूक्रेन पर हमले की निंदा करते हुए रूस से नाता तोड़ लिया। यह पुतिन के लिए सबसे बड़ा झटका था जिसने उनके आत्मविश्वास को हिला दिया। अब उन्हें यह एहसास होने लगा है कि उन्होंने एक ऐतिहासिक भूल की है और इसी कारण वे संघर्ष-विराम की संभावनाएं तलाशने में जुटे हैं, किंतु वर्तमान परिदृश्य में विश्व समुदाय का विश्वास रूस से उठ चुका है। अब स्थिति यह बनती जा रही है कि या तो पुतिन अपनी राजनीतिक विफलता स्वीकार कर पद छोड़ दें या फिर चीन के सहयोग से इस संघर्ष को और गहराकर विश्व युद्ध की दिशा में ले जाएँ। रूस-यूक्रेन युद्ध अब तक लगभग तीस लाख करोड़ रुपए निगल चुका है और इसका अंत अभी दूर-दूर तक दिखाई नहीं देता। अमेरिका और नाटो देशों ने यूक्रेन को लगातार हथियार, आर्थिक सहायता और युद्धक रणनीतियाँ मुहैया कराकर उसे एक मज़बूत प्रतिरोधक शक्ति में बदल दिया है। इस सहायता से यूक्रेन न केवल टिके रहने में सफल रहा है बल्कि उसने रूस के कई मोर्चों पर पलटवार भी किया है। दूसरी ओर, रूस के सैनिकों और कमांडरों का मनोबल टूटने लगा है, जबकि रूसी नागरिकों में युद्ध के खिलाफ असंतोष बढ़ता जा रहा है। अब यूक्रेन के पास न धन की कमी है, न हथियारों की। उसके नागरिक अपने राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ पूरी निष्ठा और उत्साह से खड़े हैं।

डंकी रूट से लूट: युवाओं के सपनों की तस्करी

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत के अनेक इलाकों में, विशेषकर हरियाणा, पंजाब, गुजरात और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में, एक नया और खतरनाक चलन तेज़ी से फैल रहा है — "डंकी रूट" के ज़रिये विदेश पहुंचने का सपना। यह शब्द 'डंकी' अंग्रेज़ी के donkey से लिया गया है, जिसका मतलब है 'बिना अनुमति या अवैध रास्ते से जाना'। सुनने में यह किसी फिल्मी कहानी जैसा लगता है, पर हकीकत इससे कहीं ज़्यादा भयावह है। इस रूट ने न केवल युवाओं के भविष्य को निगल लिया है, बल्कि समाज और प्रशासन के सामने एक गंभीर मानवीय और आर्थिक संकट भी खड़ा कर दिया है।

भारत के ग्रामीण और अर्धशहरी इलाकों में 'विदेश जाना' अब सिर्फ़ एक आकांक्षा नहीं, बल्कि सफलता का प्रतीक बन गया है। नौकरी, मान-सम्मान, और बेहतर जीवन की तलाश में अनेक युवा अपना सब कुछ दांव पर लगा देते हैं। एजेंट उन्हें सुनहरे सपने दिखाते हैं — "बस कुछ दिनों में अमेरिका की जमीन पर खड़े होंगे", "डॉलर में सैलरी मिलेगी", "वहां का जीवन स्वर्ग जैसा है।"

पर सच यह है कि इन सपनों की कीमत कई बार ज़िंदगी होती है। डंकी रूट पर निकलने वाले अधिकांश युवाओं को यह नहीं बताया जाता कि यह यात्रा महीनों तक चल सकती है, जिसमें रेगिस्तान, समुद्र और खतरनाक जंगलों से होकर गुजरना पड़ता है। रास्ते में भूख, प्यास, ठंड और हिंसा का सामना करना पड़ता है। कई लोग तो इस सफ़र में लापता ही हो जाते हैं, जिनकी कोई खबर नहीं मिलती।

डंकी रूट का पूरा कारोबार एक संगठित नेटवर्क के तहत चलता है, जिसमें फर्जी ट्रैवल एजेंट, पासपोर्ट दलाल, स्थानीय मुखिया, और विदेशी गिरोह शामिल होते हैं। एक अनुमान के अनुसार, भारत में हर साल लगभग 5000 से अधिक युवा अवैध रूप से विदेश जाने की कोशिश करते हैं, जिनसे एजेंट 15 से 25 लाख रुपये तक वसूलते हैं।

अमर उजाला की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2019 से 2025 तक 3053 फर्जी ट्रैवल एजेंट गिरफ्तार किए गए। पर असल संख्या इससे कहीं अधिक है, क्योंकि अधिकांश पीड़ित डर या शर्म के कारण शिकायत ही नहीं करते। एजेंट अक्सर बेरोजगारी और गरीबी से जूझते परिवारों को निशाना बनाते हैं, जो यह सोचते हैं कि बेटा 'विदेश में सेट हो जाएगा'। लेकिन परिणाम होता है कर्ज़, बर्बादी और टूटे सपने। भारत से शुरू होकर यह रूट पाकिस्तान, ईरान, तुर्की, ग्रीस, इटली, फ्रांस, और अंततः मैक्सिको के रास्ते अमेरिका तक जाता है। इस सफर में लोग कई बार समुद्र में नावों में ठूंसे जाते हैं, मरुस्थल पार करते हैं, या बर्फ़ीले जंगलों में फंस जाते हैं। कई मानवाधिकार संगठनों ने रिपोर्ट दी है कि इस यात्रा में हर साल सैकड़ों भारतीय मारे जाते हैं या लापता हो जाते हैं।

फरवरी 2023 में गुजरात के दो युवकों की मौत तुर्की के पास हुई थी। वे यूरोप की सीमा पार करने की कोशिश में थे। ऐसी घटनाएं अब सामान्य बन चुकी हैं। यह न सिर्फ एक अपराध है बल्कि मानवता पर कलंक भी।

अवैध प्रवासन के मामलों में अमेरिका और यूरोपीय देशों ने अब निगरानी तेज़ कर दी है। 2022 के बाद अमेरिका ने भारत के साथ 'डेटा शेयरिंग' समझौता किया है, जिससे डंकी रूट से पहुंचने वाले लोगों की तुरंत पहचान हो सके। पकड़े जाने पर उन्हें डीपोर्ट (वापस भेजा जाना) किया जाता है, और कई बार महीनों जेल में रहना पड़ता है।

दूसरी ओर, यूरोपीय यूनियन ने भी सख्त वीज़ा और एंट्री नियम लागू किए हैं। इसका असर यह हुआ है कि अब एजेंट और भी खतरनाक रास्ते अपनाने लगे हैं — जैसे समुद्री मार्ग या जंगलों से पार करवाना, जिससे जान का खतरा और बढ़ गया है।

डंकी रूट सिर्फ एक अपराध नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर भी एक बड़ा बोझ है। युवा वर्ग का एक बड़ा हिस्सा खेती और स्थानीय रोजगार से हटकर विदेश भागने के चक्कर में अपनी जमीन तक बेच देता है। गांवों में यह मानसिकता बन चुकी है कि "जो विदेश नहीं गया, वो सफल नहीं।"

इस प्रवृत्ति का परिणाम यह है कि गांवों की श्रमशक्ति घट रही है, परिवार कर्ज़ में डूब रहे हैं और युवाओं का विश्वास वैधानिक रोजगार प्रणालियों से उठ रहा है। यह स्थिति दीर्घकाल में भारत की जनसांख्यिकीय शक्ति को कमजोर करती है।

भारत सरकार ने ट्रैवल एजेंटों के लिए रजिस्ट्रेशन और सत्यापन को अनिवार्य किया है। विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर ई-माइग्रेट पोर्टल भी शुरू किया गया है, जहां से वैध एजेंटों की सूची देखी जा सकती है। इसके बावजूद जागरूकता की कमी और भ्रष्ट तंत्र के कारण फर्जी एजेंट अब भी सक्रिय हैं।

कानून मौजूद है — इमिग्रेशन एक्ट 1983 और पासपोर्ट एक्ट 1967 — पर इनकी प्रभावी क्रियान्विति नहीं हो पा रही। छोटे कस्बों में एजेंट खुलेआम "विदेश भेजने" के विज्ञापन लगा देते हैं, और पुलिस की नज़र उन पर तब पड़ती है जब कोई बड़ी दुर्घटना होती है।मीडिया ने इस मुद्दे पर समय-समय पर जागरूकता बढ़ाने की कोशिश की है। अमर उजाला जैसे अख़बारों ने यह दिखाया कि कैसे "डंकी रूट से लूट" का धंधा हरियाणा, पंजाब, और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सैकड़ों गांवों में फैल चुका है।

काशी : दीपों के समंदर में गंगा करती हैं आराधना

सुरेश गांधी

देवताओं के देव महादेव की नगरी काशी, जहां हर सांस में अध्यात्म की सुगंध है, हर घाट में इतिहास की गहराई और हर लहर में अनादि काल का संगीत। जब कार्तिक पूर्णिमा की रात आती है, तब यह नगरी किसी और लोक में परिवर्तित हो जाती है। गंगा की लहरों पर तैरते दीपों की झिलमिलाहट, घाटों की सीढ़ियों पर सजे दीपमालाओं की सुव्यवस्थित कतारें, और उनके बीच बहती जन-धारा, सब मिलकर ऐसा दृश्य रचते हैं कि लगता है जैसे स्वर्ग उतर आया हो। काशी के घाटों की वह रात केवल उजास नहीं, अनुभूति है। मां गंगा के आंचल में जब लाखों दीप टिमटिमाते हैं, तो लगता है मानो देवताओं ने अपनी दीप्ति स्वयं काशी को अर्पित कर दी हो। अर्द्धचंद्राकार घाटों पर सजी दीपमालाएं जब गंगा की धारा से मिलती हैं, तो धरती और आकाश के बीच कोई भेद शेष नहीं रह जाता। गंगा के जल पर झिलमिलाते दीप, जैसे आकाशगंगा स्वयं उतर आई हो।

कहते है एक समय काशी में त्रिपुर नामक असुर ने देवताओं का प्रवेश वर्जित कर दिया था। देवता साधुवेश में पंचगंगा घाट पर गंगा स्नान करने आते और शीघ्र लौट जाते। जब त्रिपुरासुर का अत्याचार असहनीय हो गया, तब भगवान शिव ने उसका वध किया। देवताओं की विजय पर स्वर्गलोक में दीप जलाकर उत्सव मनाया गया, वही दिन देव दीपावली कहलाया। तब से कार्तिक पूर्णिमा के दिन काशी में दीपोत्सव मनाने की परंपरा चली आ रही है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन देवता स्वयं पृथ्वी पर उतरकर मां गंगा के घाटों पर आराधना करते हैं। गंगा की धार में जलता प्रत्येक दीप, देवताओं के आगमन का प्रतीक बन जाता है।

एक अन्य कथानुसार, जब महर्षि विश्वामित्र ने अपने तपोबल से त्रिशंकु को स्वर्ग भेजा, तो देवता क्रोधित हो गए और उसे अधर में लटका दिया। फिर विश्वामित्र ने नई सृष्टि रचने का संकल्प लिया। देवताओं ने जब उन्हें प्रसन्न किया, तब सर्वत्र दीप जलाकर प्रसन्नता व्यक्त की, वही प्रसंग देव दीपावली के रूप में पूजित हुआ। इसी प्रकार, वामन अवतार के बाद जब भगवान विष्णु स्वर्गलोक पहुंचे, तब देवताओं ने दीप प्रज्वलित कर उनका स्वागत किया। वही दिन कार्तिक पूर्णिमा का था। और जब त्रिपुरासुर का वध हुआ, तो देवताओं ने दीपों से स्वर्ग में उल्लास मनाया। इन सब घटनाओं ने मिलकर इस पर्व को "देवताओं की दीपावली" बना दिया।

काशी की देव दीपावली का सबसे मोहक दृश्य दशाश्वमेध घाट की भव्य गंगा आरती है। यहां जब 11 ब्राह्मण, 108 दीपों से आराधना करते हैं, तब हर आरती पात्र की लौ हवा के साथ झूमती हुई जैसे नृत्य करती है। घंटा-घड़ियाल, शंखध्वनि, पुष्पवर्षा और अगरबत्तियों की सुगंध, सब मिलकर एक अलौकिक वातावरण बनाते हैं। गंगा की लहरें उस क्षण स्वयं ताल देती हैं, और आकाश में झिलमिलाता चन्द्रमा इस आरती का साक्षी बनता है। श्रद्धालु नावों और घाटों से भावविभोर होकर मां गंगा की वंदना करते हैं। यह वह क्षण होता है जब लगता है, गंगा की लहरों पर देवता नृत्य कर रहे हैं, और पूरी काशी उनके आनंद में झूम रही है। संध्या ढलते ही घाटों पर दीपों का सागर उमड़ पड़ता है। घाटों से लेकर रेत के पार तक, हर ओर दीयेकृमानो धरती पर तारों की वर्षा हो रही हो। माँ गंगा की धारा पर तैरते दीप जैसे जल की नहीं, प्रकाश की लहरें बन जाती हैं। जब सैकड़ों नावें घाटों के बीच तैरती हैं, तो लगता है जैसे नक्षत्रों की पूरी माला गंगा में तैर रही हो। गंगा की गोद में बैठा हर व्यक्ति उस क्षण भक्त से कवि बन जाता है। हवा में मंत्रोच्चार, आरती की ध्वनि और दीपों की लौ, सब मिलकर ऐसा सामंजस्य रचते हैं जो केवल काशी में संभव है। यह केवल उत्सव नहीं, आत्मा का जागरण है, देवत्व का दर्शन। देव दीपावली की परंपरा धर्मपरायण महारानी अहिल्याबाई होल्कर से भी जुड़ी है। उन्होंने पंचगंगा घाट पर पत्थरों से बना हजारा दीप स्तंभ स्थापित कराया था, जो आज भी इस परंपरा का साक्षी है। आधुनिक स्वरूप में यह आयोजन बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में नये आयाम पाता गया। 1989 से देव दीपावली सभी चौरासी घाटों पर मनाई जाने लगी, और देखते ही देखते यह महोत्सव वैश्विक पहचान बन गया। आज देव दीपावली केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक है। देश-विदेश से पर्यटक यहां आते हैं, घाटों की सीढ़ियां महीनों पहले से सजाई जाती हैं, और गंगा सेवा निधि, देव दीपावली महासमिति जैसी संस्थाएं महीनों पहले से तैयारियां शुरू कर देती हैं। कोई दीप देता है, कोई तेल, कोई आयोजन की थीम तय करता है। यह केवल पर्व नहीं, बल्कि जन-भागीदारी का संगम है।

देवताओं का नगर, दीपों का सागर

कहते हैं देव दीपावली की रात 33 करोड़ देवी-देवता काशी में अवतरित होते हैं। गंगा के दोनों तटों पर लाखों दीप जलते हैं, जल में, रेत पर, घाटों पर, मंदिरों में। उस समय ऐसा लगता है जैसे हर दीप में देवता विराजमान हैं। काशी के चौरासी घाटों में 15 लाख दीपों का समुद्र लहराता है। किसी घाट पर आरती, किसी पर संगीत, किसी पर नृत्य और किसी पर ध्यान, हर घाट अपनी कथा कहता है। इन दीपों के बीच बैठकर गंगा का प्रवाह देखना, स्वयं देवत्व से संवाद करने जैसा है।

गंगा आराधना और सांस्कृतिक समन्वय

गंगा आरती केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की जीवंत अभिव्यक्ति है। यहां शास्त्र, कला, संगीत, नृत्य और दर्शन, सबका अद्भुत संगम होता है। आरती के दौरान पंडितों की गतियों में नृत्य की लय, हाथों में लहराते दीपों में कला की आभा, और गंगा की धार में बहते दीपों में दार्शनिक गहराई झलकती है। विदेशी पर्यटक जब इस दृश्य को देखते हैं, तो उनके चेहरे पर आश्चर्य के साथ श्रद्धा भी दिखाई देती है। उनके लिए यह एक आध्यात्मिक कला का जीवंत प्रदर्शन है; हमारे लिए यह आत्मा की साधना।

संस्कृति से वैश्विक पहचान तक

आज देव दीपावली केवल काशी की नहीं, पूरे भारत की पहचान बन चुकी है। गंगा के तीन किमी क्षेत्र में फैले घाटों पर जगमगाते दीपों का दृश्य किसी चमत्कार से कम नहीं। यही कारण है कि इसे देखने के लिए महीनों पहले से होटल, धर्मशालाएं, नौकाएं, बजड़े तक बुक हो जाते हैं। कोई आयोजन विश्व के किसी देश में ऐसा नहीं जहां एक नदी के दोनों तटों पर एक साथ लाखों दीप जलाकर स्वर्ग का रूप धर लिया जाए। यह आयोजन न केवल धार्मिक है, बल्कि पर्यावरण, पर्यटन, और लोककला का भी पर्व बन चुका है।

जहां जीवन और मृत्यु दोनों उत्सव हैं

काशी केवल मोक्ष की नगरी नहीं, यह जीवन की पूर्णता की नगरी है। यहां मृत्यु भी उतनी ही पवित्र है जितना जीवन। यही कारण है कि देव दीपावली में केवल पूजा नहीं होती, बल्कि जीवन की निरंतरता का उत्सव मनाया

जब दीप में झलकता देवत्व

दीप केवल मिट्टी का नहीं होता, वह प्रतीक होता है ज्ञान का, सत्य का, ईश्वर से मनुष्य के संबंध का। जब हम दीप जलाते हैं, तो उस लौ में अपना अहंकार पिघलाते हैं। गंगा की लहरों पर तैरता दीप हमें यह याद दिलाता है कि जीवन भी एक प्रवाह है, जो देने में सुंदर है, जलने में नहीं मिटता, और प्रकाश बांटने में अमर होता है। काशी की देव दीपावली में हर दीप केवल एक ज्योति नहीं, बल्कि एक प्रार्थना है, हमारे भीतर भी वह दिव्यता जागे, जो देवताओं को पृथ्वी पर खींच लाती है।

मैं स्वयं देवलोक हूं

देव दीपावली की रात काशी सचमुच बोल उठती है, यहां केवल मंदिर और आरती नहीं, यहां देवता उतरते हैं। यहां स्वर्ग नहीं, स्वयं देवत्व वास करता है। गंगा की लहरों पर झिलमिलाते दीप, घाटों पर नृत्य करती आरतियां, आकाश में चांदनी और मन में श्रद्धा, यह दृश्य केवल काशी में संभव है। क्योंकि काशी वह स्थान है जहां आस्था नदी बनकर बहती है, प्रकाश पर्व बनकर जगमगाती है, और देवत्व बनकर हर आत्मा को छू जाती है। जब गंगा की लहरों पर दीप तैरते हैं, देवता झूमते हैं, और काशी आलोकित होती है, तो सचमुच लगता है, स्वर्ग यहीं है, काशी में, मां गंगा की गोद में। काशी की यह परंपरा उतनी ही प्राचीन है जितनी स्वयं गंगा। अहिल्याबाई होल्कर द्वारा स्थापित पंचगंगा घाट का हजारा दीप स्तंभ इस परंपरा का साक्षी है। देव दीपावली के इस आयोजन में समाज का हर वर्ग सहभागी होता है, नाविक से लेकर पुष्प विक्रेता तक। कोई दीप लाता है, कोई तेल, कोई आरती की थीम तय करता है। गंगा सेवा निधि और देव दीपावली महासमिति जैसे संगठन महीनों पहले से जुट जाते हैं, ताकि यह उत्सव अपनी पूर्णता को प्राप्त कर सके।

गंगा स्नान के बाद जरूर करें इन चीजों का दान

हर साल कार्तिक पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान किया जाता है, जो इस बार 5 नवंबर, बुधवार को रहेगा। इस दिन गंगा स्नान करने से बेहद पुण्य फल की प्राप्ति होती है और मनुष्य को मोक्ष मिल सकता है। ऐसी मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान करने से अनजाने में किए गए पापों से मुक्ति मिल सकती है। वहीं, गंगा स्नान के बाद दान करने का भी खास महत्व होता है।

7 प्रकार के अनाज का दान करें

कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान करने के बाद आप किसी जरूरतमंद या गरीब व्यक्ति के

सात प्रकार के अनाज का दान कर सकते हैं। गेहूं, चावल, जौ, बाजरा, मूंग आदि ऐसे सात अलग-अलग प्रकार के अनाजों का दान करने से बेहद पुण्य फल प्राप्त होता है और जातक को कभी भी धन-धान्य की कमी नहीं होती है। साथ ही, इस उपाय को करने से ग्रहों को शांत करने में सहायता मिलती है और जीवन में खुशहाली दस्तक देने लगती है।

ऊनी वस्त्र करें दान

गंगा स्नान करने के पश्चात आप किसी जरूरतमंद व्यक्ति को वस्त्रों का दान भी कर सकते हैं। अब सर्दियों का मौसम शुरू हो रहा है। ऐसे में ऊनी व गर्म वस्त्रों का दान करने से बेहद उत्तम फल प्राप्त होता है और जीवन में आने वाली समस्याओं से भी आपको मुक्ति मिल सकती है। अगर आप श्रद्धापूर्वक गंगा स्नान करने के बाद ऊनी वस्त्रों का दान करते हैं तो इससे करियर में भी उन्नति प्राप्त हो सकती है और कार्य में आने वाली बाधाएं भी धीरे-धीरे कम होने लगती हैं।

पूजा की सामग्री करें दान

कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान करने के बाद आप पूजा की सामग्री जैसे धूप-दीप, आरती की थाली आदि भी दान कर सकते हैं। लेकिन इस बात का ख्याल रखें की इन वस्तुओं का दान किसी ऐसे व्यक्ति को करना चाहिए, जो धार्मिक और इनका सम्मान करता हो। इस प्रकार पूजा की सामग्री दान करने से जातक के जीवन में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है। साथ ही, घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और सौभाग्य में भी वृद्धि हो सकती है।

सोना, चांदी या बर्तन करें दान

ऐसी मान्यता है कि सोना और चांदी दान करने से जातक को कई गुना फल प्राप्त होता है। ऐसे में अपने सामर्थ्य के अनुसार, आप किसी जरूरतमंद या गरीब को सोने या चांदी की कोई वस्तु दान कर सकते हैं।

हालांकि, इस समय सोना-चांदी के दाम बहुत ज्यादा बढ़ गए हैं। ऐसे में आप बर्तन दान कर सकते हैं। ऐसा करने से व्यक्ति के आर्थिक संकट से राहत मिल सकती है और धन-धान्य में वृद्धि होती है। लेकिन इस बात का ख्याल रखें की कभी भी किसी को प्लास्टिक के बर्तन नहीं देने चाहिए। ऐसा करना अच्छा नहीं माना जाता है।

देव दीपावली पर इन 5 स्थानों पर जरूर जलाएं दीपक

देव दिवाली यानी देवताओं की दीपावली। इस बार देव दिवाली 5 नवंबर को मनाई जाएगी। इस दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर नामक दैत्य का वध किया था। इसके बाद सभी देवताओं ने धरती पर आकर दीपक जलाएं थे। देव दिवाली पर गंगा स्नान करके दीपक जलाने से सभी देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है साथ ही माता लक्ष्मी की कृपा से कभी भी धन धान्य की कमी नहीं होती है। इस दिन वैसे को गंगा के किनारे जाकर दीप दान करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर पा रहे हैं तो अपने घर पर ही 5 स्थानों पर दीप जरूर जलाएं। आइए जानते हैं देव दिवाली के दिन किन 5 स्थानों पर दीपक जलाना शुभ रहता है।

1) देव दीपावली के दिन घर के मुख्य द्वार पर एक दीपक जरूर जलाएं।

2) देव दीपावली की रात दूसरा दिया अपने रसोई घर में पानी के स्थान के पास रखें।

3) देव दीपावली पर तीसरा दिया तुलसी के पास जरूर रखें।

4) वहीं, देव दीपावली पर चौथा दिया अपने घर के पास किसी शिव मंदिर में जाकर जरूर जलाएं।

5) देव दीपावली के मौके पर पांचवा दिया अपने घर के ईशान कोण यानी उत्तर पूर्व दिशा में जलाएं। इसको जलाने से घर से नकारात्मक ऊर्जा बाहर होती है और सकारात्मकता का वास होता है।

देव दीपावली पर दीप दान के लाभ

देव दीपावली की रात इन 5 स्थानों पर दीपक जलाने से घर परिवार में सुख समृद्धि बनी रहती है साथ ही धन धान्य की भी कोई कमी नहीं रहती है। वहीं, देव कृपा से आपके सभी काम आसानी से बन जाते हैं।

देव दीपावली पर कितने दिए जलाएं ?

देव दीपावली के दिन प्रदोष में करीब 5,7,11,21, 51 या फिर 101 दीपक जला सकते हैं। इसी के साथ प्रदोष काल में भगवान शिव की उपासना करें के साथ 8 या 12 मुख वाला दीपक जलाना बेहद शुभ माना जाता है। बता दें कि इस दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में किसी पवित्र नदी में जाकर स्नान करना चाहिए अगर आप ऐसा नहीं कर पा रहे हैं तो घर पर ही गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं। इस दिन गंगा स्नान करने का भी विशेष महत्व शास्त्रों में बताया गया है।

गुरुनानक जयंती : नानक जी की सीख- बुरी आदतें धीरे-धीरे बदलती हैं

कार्तिक पूर्णिमा है, इसी तिथि गुरुनानक देव जी की जयंती भी मनाई जाती है। गुरुनानक से जुड़े कई ऐसे किस्से हैं, जिनमें जीवन को सुखी और सफल बनाने के सूत्र बताए गए हैं। इन सूत्रों को अपनाने से हमारी सभी समस्याएं दूर हो सकती हैं। यहां जानिए गुरुनानक का एक ऐसा किस्सा, जिसमें बुरी आदतें छोड़ने का तरीका बताया है।

गुरु नानक देव जी के प्रवचन सुनने कई लोग रोज आते थे। इन लोगों में एक डाकू भी शामिल था। वह चुपचाप नानक जी के प्रवचन सुनता। एक दिन प्रवचन खत्म होने के बाद, वह डाकू नानक जी के पास पहुंचा और बोला कि गुरुदेव, मैं एक डाकू हूं। आपके वचन सुनता हूं, तो लगता है कि मुझे ये बुरा काम छोड़ देना चाहिए। लेकिन मैं क्या करूं? ये बुराई मैं छोड़ नहीं पा रहा हूं। आप बताइए, मैं कर सकता सकता हूं?

गुरु नानक जी ने कहा कि बुराई छोड़ने का एक उपाय है- संकल्प। तुम संकल्प करो कि मुझे यह बुराई छोड़नी है। मन को समझाओ कि ये रास्ता गलत है। धीरे-धीरे तुम ये बुरी आदत छोड़ दोगे। डाकू ने नानक जी के सामने बुराई छोड़ने का संकल्प लिया और चला गया।

कुछ दिन बाद वह फिर आया। उसके चेहरे पर उदासी थी। उसने कहा कि गुरुदेव, मैंने बहुत कोशिश की, लेकिन आदत नहीं छोड़ पा रहा हूं। मौका मिलते ही मैं डकैती कर लेता हूं।

नानक जी बोले कि ठीक है, आप एक काम और करो, जब भी कोई बुरा काम करो, उसे छिपाना मत। अपनी हर गलती, हर पाप को करीबी लोगों के

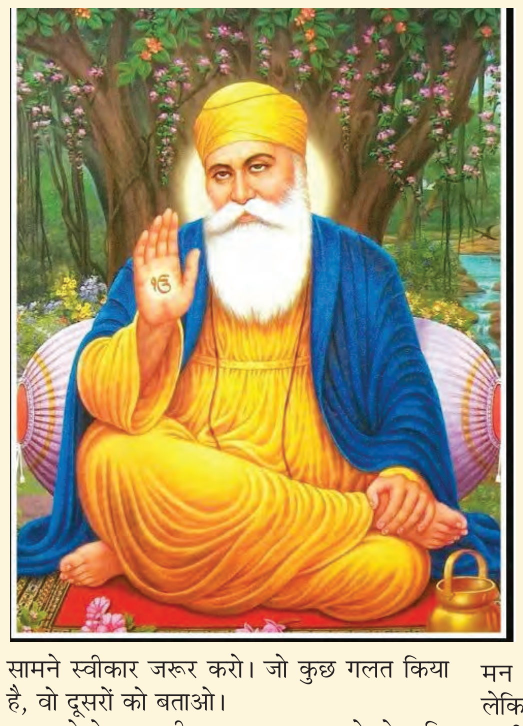

सामने स्वीकार जरूर करो। जो कुछ गलत किया है, वो दूसरों को बताओ।

डाकू को ये उपाय भी आसान लगा। उसने सोचा कि यह तो बड़ा सीधा तरीका है। मैं अपना काम करता रहूंगा, बस लोगों को बता दूंगा।

जब उस डाकू ने ये तरीका अपनाना शुरू किया, तो बात कुछ और ही निकली। जब भी वह गलत काम करता और किसी को बताने की सोचता, उसका ही मन उसे रोक लेता, अब ये बात कहूंगा तो सब क्या सोचेंगे? लोग मुझसे डरेंगे, नफरत करेंगे। धीरे-धीरे उसका मन बुराई से दूर होने लगा। उसे एहसास हुआ कि बुराई को छिपाना और स्वीकारना, दोनों में बड़ा फर्क है। एक दिन उसने दृढ़ संकल्प ले लिया कि मैं इस बुराई को छोड़ दूंगा? न रहेगा अपराध, न रहेगा बोझ। और उस दिन से डाकू ने हमेशा के लिए डकैती छोड़ दी।

जब वह फिर गुरु नानक जी के पास पहुंचा, तो उसके चेहरे पर शांति थी। उसने कहा कि गुरुदेव, आपने जो उपाय बताया था, उसने मुझे बदल दिया। जब भी मैं अपनी गलतियां बताने की कोशिश करता, मन भारी हो जाता था। फिर एक दिन मन ने ही कहा कि अब ये सब छोड़ दो और मैंने छोड़ दिया।

गुरु नानक जी ने कहा कि मनुष्य के भीतर जो चलता है, वही बाहर दिखाई देता है। जब तुम अपने सत्य को मन से अपनाते हो तो वह शुद्ध हो जाता है। अपने पापों को स्वीकारना आत्मा की सफाई का सबसे बड़ा साधन है। जब तक मन में छिपाव रहेगा, बुराई पलती रहेगी, लेकिन जैसे ही मन पारदर्शी बनता है, बुराई दूर हो जाती है।

गुरु नानक की सीख

इस कथा में जीवन प्रबंधन के सूत्र छिपे हैं। मनुष्य अपने जीवन को तभी सच्चे अर्थों में संभाल सकता है, जब वह अपने भीतर की बुराइयों का ईमानदारी से सामना करता है।

बुराई को स्वीकारेंगे तो बदलाव आएगा

बुराई या गलती को स्वीकार करना ही परिवर्तन की शुरुआत है। जब हम अपने मन से ये कह देते हैं कि हाँ, मुझसे गलती हुई है, तब ही सुधार की प्रक्रिया शुरू होती है। छिपाने से मन भारी होता है, स्वीकारने से हल्का, इस सूत्र को अपनाने से जीवन में सकारात्मक बदलाव आता है।

बुराई छोड़ने के लिए दृढ़ संकल्प करें

कोई भी बुरी आदत एक दिन में नहीं जाती, लेकिन दृढ़ संकल्प से मन को दिशा दी जा सकती है। हर दिन ये दोहराइए कि मैं बदलना चाहता हूँ। धीरे-धीरे ये विचार आपके अवचेतन मन में बैठ जाएगा और मन बुराई से दूर होने लगेगा।

खुद से झूठ न बोलें

हम दूसरों से झूठ बोल सकते हैं, लेकिन खुद से नहीं। जब आप खुद के सामने सच्चे होते हैं, तब ही मन की सफाई संभव है। डाकू ने जब खुद से सवाल पूछे, तभी परिवर्तन शुरू हुआ। खुद से झूठ न बोलें, अपनी बुराई को ईमानदारी से स्वीकार करें।

बुरी आदतें उजागर करें

मन की बुराई भी तब खत्म होती है जब हम उसे उजागर करते हैं। गलतियों को स्वीकारना आत्मिक शुद्धि का श्रेष्ठ उपाय है। अपराध-बोध को दबाने से मन अशांत होता है, लेकिन उसे स्वीकारकर छोड़ देने से मन शांत हो जाता है।

परिवर्तन धीरे-धीरे होता है

बुराई का अंत धीरे-धीरे होता है। कोई भी व्यक्ति रातोंरात संत नहीं बनता, लेकिन हर दिन छोटे-छोटे कदम सही दिशा में उठाने से बड़ा बदलाव आता है। परिवर्तन धीरे-धीरे ही आता है।

मनोज बाजपेयी के साथ हिंदी फिल्म में काम करेंगे राणा दग्गुबाती

'बाहुबली' फेम अभिनेता व निर्माता राणा दग्गुबाती की प्रोडक्शन कंपनी 'स्पिरिट मीडिया' ने अपनी पांच आगामी फिल्मों की घोषणा कर दी है। सबसे खास बात कि इस लिस्ट में राणा दग्गुबाती के प्रोडक्शन हाउस की पहली हिंदी फिल्म भी शामिल है। इसमें बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता मनोज बाजपेयी नजर आएंगे।

बेन रेखी करेंगे निर्देशन

राणा दग्गुबाती के स्पिरिट मीडिया की पहली हिंदी फिल्म अरविंद अडिगा के लोकप्रिय उपन्यास 'लास्ट मैन इन टावर' का रूपांतरण होगी। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी प्रमुख भूमिका में होंगे। इस फिल्म का निर्देशन अमेरिकी निर्देशक बेन रेखी करेंगे, जिन्होंने पहले आश्रम (2018) और वॉच लिस्ट (2019) का निर्देशन किया था। फिल्म की कहानी भारत की पृष्ठभूमि में नैतिक समझौतों, महत्वाकांक्षाओं और मानवीय रिश्तों की नाजुकता को दर्शाती है।

राणा दग्गुबाती ने जताई खुशी

अपने प्रोडक्शन हाउस की पहली हिंदी फिल्म और मनोज बाजपेयी के साथ करने पर राणा दग्गुबाती ने कहा कि मुझे 'लास्ट मैन इन टावर' के रूपांतरण के साथ स्पिरिट के हिंदी प्रोडक्शन की शुरुआत की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है। हमारी पहली हिंदी फिल्म के लिए इससे बेहतर टीम नहीं हो सकती थी। 'कांथा', 'लास्ट मैन इन टावर' का रूपांतरण और अन्य फिल्में जिन्हें हम अलग-अलग क्षमताओं में सहयोग दे रहे हैं, इन सभी ने हमें अलग-अलग क्रिएटिव टीमों निर्देशकों, लेखकों और प्रोड्यूसर्स के साथ काम करने का मौका दिया है।

मनोज बाजपेयी ने की राणा दग्गुबाती की तारीफ

मनोज बाजपेयी ने फिल्म को लेकर कहा कि राणा दग्गुबाती के स्टूडियो के साथ इसके पीछे उद्देश्य और समर्थन की एक मजबूत भावना है। ईमानदार कहानी कहने में उनका विश्वास फिल्म को वह जगह और आत्मविश्वास देता है, जिसकी वह हकदार है। बेन रेखी के साथ काम करना एक बहुत ही संतोषजनक अनुभव रहा है।

14 नवंबर को रिलीज स्पिरिट मीडिया की पहली फिल्म 'कांथा'

मनोज बाजपेयी स्टारर इस हिंदी फिल्म की घोषणा स्पिरिट मीडिया की पहली होम प्रोडक्शन फिल्म 'कांथा' की रिलीज से पहले हुई है। जिसमें दुलकर सलमान होंगे और इसका निर्देशन सेल्वामणि सेल्वराज ने किया है। तमिल पीरियड-ड्रामा थ्रिलर 'कांथा' 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। स्पिरिट मीडिया की लिस्ट में तीन तेलुगु फिल्में भी शामिल हैं। इनमें 'डार्क चॉकलेट', 'साइके सिद्धार्थ' और 'प्रेमंते' भी शामिल हैं।

दर्शकों को झूमने पर मजबूर करेगी एआर रहमान और मोहित चौहान की जोड़ी? अभिनेता राम चरण के पोस्ट से लगी अटकलें

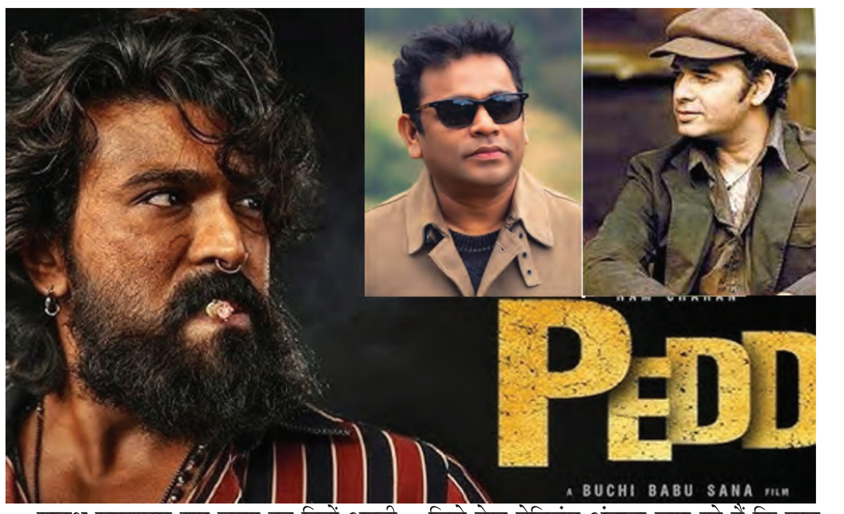

साउथ सुपरस्टार राम चरण इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'पेद्दी' की वजह से चर्चा में हैं। अभिनेता ने हाल ही में अपने एक पोस्ट से दर्शकों को उत्साहित कर दिया है। इसमें उन्होंने मोहित चौहान और एआर रहमान की झलक दिखाई है, जिसे देख नेटिजंस अंदाजा लगा रहे हैं कि कुछ धमाकेदार आने वाला है।

राम चरण के पोस्ट ने खींचा ध्यान

अभिनेता राम चरण ने अपने एक्स अकाउंट पर एक ट्वीट किया है। साझा किए गए तस्वीर में निर्देशक बुचिबाबू सना, संगीतकार ए. आर. रहमान और गायक मोहित चौहान नजर आ रहे हैं। इसमें रहमान प्यानो के सामने बैठे हुए हैं और बैकग्राउंड में हिमालय और नदी का दृश्य है। इस पोस्ट को शेयर करते हुए एक्टर राम चरण ने कैप्शन में लिखा, 'क्या आने वाला है दोस्तों?

नेटिजंस हुए उत्साहित

इस पोस्ट के आते ही नेटिजंस काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'मोहित चौहान की आवाज, एआर रहमान का जादू और राम चरण का धमाका। भाई जल्दी रिलीज करो, अब इंतजार नहीं हो रहा है।' वहीं दूसरे यूजर ने कहा, 'कुछ धमाकेदार आने वाला है।'

फिल्म 'पेद्दी' के बारे में

फिल्म 'पेद्दी' का निर्देशन बुचिबाबू सना द्वारा किया जा रहा है। यह फिल्म 27 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को सभी भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। 'पेद्दी' में राम चरण और जान्हवी कपूर के अलावा दिव्येंदु शर्मा, शिव राजकुमार और जगपति बाबू भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

गोविंदा नहीं देते पत्नी सुनीता आहूजा को पैसे, पूजा-पाठ पर कर देते हैं लाखों रुपये खर्च, पति की टीम को बताया मूर्ख

बॉलीवुड एक्टर गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा बेशक लाइमलाइट से दूर रही हों. मगर अब वह अक्सर हैडलाइन्स में बनी रहती हैं. कुछ समय पहले तक वह गोविंदा संग अपने रिश्ते के उतार-चढ़ाव को लेकर चर्चा में थीं. अब सुनीता आहूजा ने अपना यूट्यूब चैनल शुरू किया है जहां वह व्लॉग शेयर करती हैं. अब सुनीता आहूजा ने पति गोविंदा को लेकर खुलासा किया है कि वह उन्हें पैसे नहीं देते हैं. जबकि लाखों रुपये पूजा-पाठ में उड़ा देते हैं.

एक इंटरव्यू में सुनीता आहूजा ने ये बात कही. उन्होंने बताया कि गोविंदा पूजा-पाठ के लिए अपने पंडित को 2 लाख रुपये तक दे देते हैं. जबकि वह उन्हें इतने पैसे नहीं देते हैं.

सुनीता आहूजा को पैसे नहीं देते गोविंदा

इंटरव्यू के दौरान सुनीता आहूजा ने कहा, 'हमारे घर पर भी एक गोविंदा के पंडित हैं. वह कहते हैं कि पूजा करवाओ और 2 लाख रुपये दो. मैं उनसे कहती हूं कि आप पूजा पाठ और दान-पुण्य का काम खुद किया करो. दूसरों से करवाया हुआ पूजा पाठ काम नहीं आने वाला है. भगवान आपकी खुद की प्रार्थना को स्वीकार करते हैं. मैं तो इसी में विश्वास रखती हूं. अगर कोई दान भी करती हूं तो अपने हाथ से करती हूं.'

आगे सुनीता आहूजा ने कहा कि अब चीची अपने वेट लूज पर ध्यान देंगे. उन्हें पहले से भी अच्छा दिखना होगा. उनकी स्किन खराब हो रही है. वह तो पति के लिए यही चाहती हैं. सुनीता ने कहा कि गोविंदा ने उनसे कहा था कि वह 3-4 फिल्में बना रहे हैं लेकिन दिक्कत ये है कि उन्हें अच्छी टीम नहीं मिलती है. वह जिस मंडली में रहते हैं वहां मूर्ख लेखक हैं.

सुनीता का कहना है कि उनकी टीम एक्टर को बेवकूफ बनाती हैं और घटिया सलाह देती हैं. उन्हें अच्छे लोग नहीं मिलते हैं. वह सब सुनीता को इसलिए पसंद भी नहीं करते क्योंकि वह हमेशा सच कहती हैं. मंडली के दोस्त एक्टर के कान तक भरते हैं.

गोविंदा के अफेयर पर क्या बोलीं सुनीता

सुनीता आहूजा ने इस दौरान एक बार फिर गोविंदा के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर पर भी रिएक्ट किया. उन्होंने कहा कि वह जब तक अपनी आंखों से नहीं देख लेतीं तब तक किसी की बात का विश्वास नहीं करेंगी.

सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीत शामला हमजा ने दी प्रतिक्रिया

बोलीं- 'मुझे समझ में नहीं आ रहा कि मैं क्या कहूं'

केरल स्टेट अवॉर्ड 2025 के विजेताओं की घोषणा बीते दिन सोमवार को हुई। इसमें अभिनेत्री शामला हमजा को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के तौर पर सम्मानित किया गया है। फिल्म 'फेमिनिची फातिमा' के लिए इस उपलब्धि पाकर एक्ट्रेस ने अपनी खुशी जाहिर की। पढ़िए उन्होंने क्या कहा।

शामला हमजा ने कहा- मैं बहुत उत्साहित हूं

शामला हमजा ने कहा, यह मेरी दूसरी फिल्म है और मैं बहुत खुश और उत्साहित हूं कि मुझे सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का केरल राज्य फिल्म पुरस्कार मिला। मुझे इस फिल्म में काम करने का मौका केवल फिल्म '1001 नुनाकल' की वजह से मिला। मैं वास्तव में टीम और निर्देशक फासिल मुहम्मद की आभारी हूं।

'मुझे समझ में नहीं आ रहा कि क्या कहूं'

अभिनेत्री शामला हमजा को पुरस्कार मिलने के बाद से उन्हें बधाइयां मिल रही हैं। इस कड़ी में साउथ सुपरस्टार ममूटी ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं। इसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, मुझे सच में समझ नहीं आ रहा कि क्या कहूं। उनका संदेश देखकर मैं बहुत खुश हूं। उन्होंने बस इतना कहा, 'बधाई हो' और मेरे लिए खुश होने के लिए यही काफी है।

'फेमिनिची फातिमा' ने बटोरी सुर्खियां

मलयालम फिल्म 'फेमिनिची फातिमा' के लिए फासिल मुहम्मद को बेस्ट डेब्यू डायरेक्टर का अवॉर्ड मिला। हाल ही में यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म 'फेमिनिची फातिमा' 29वें केरल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिव में भी खूब सराही गई।

इन्हें भी किया गया सम्मानित

मलयालम अभिनेता ममूटी को फिल्म 'ब्रह्मयुगम' के लिए मिला बेस्ट एक्टर अवॉर्ड मिला। वहीं 'मंजुमल बॉयज' को केरल स्टेट अवॉर्ड 2025 में बेस्ट फिल्म और बेस्ट डायरेक्टर का अवॉर्ड मिला है। रैपर वेदान को इस के फिल्म गाने 'कुथांथ्रम' के लिए बेस्ट लिरिसिस्ट का अवॉर्ड मिला।

जैकी श्रॉफ ने तब्बू को 54वें बर्थडे पर दी बधाई, पुरानी यादों को किया ताजा

हॉरर कॉमेडी फिल्म 'फोन भूत' को रिलीज हुए तीन साल पूरे हो गए. इस मौके पर मंगलवार को अभिनेता जैकी श्रॉफ ने पुरानी यादों को फिर से ताजा किया.

जैकी श्रॉफ ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का एक क्लिप शेयर किया. उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'फिल्म फोन भूत के रिलीज के 3 साल पूरे हो गए हैं.'जैकी श्रॉफ ने अपने करियर में हर तरह के रोल निभाए हैं. अपने अब तक करियर में वह कई हिट और सुपरहिट फिल्मों में नजर आ चुके हैं. जल्द ही वह अपनी अगली फिल्मों में भी नजर आने वाले हैं.

दिल जीतने वाली है कहानी

इस फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया था. इसमें कैटरीना कैफ, सिद्धांत चतुर्वेदी, ईशान खट्टर, जैकी श्रॉफ और शीबा चड्ढा मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे. कहानी दो दोस्तों मेजर (सिद्धांत चतुर्वेदी) और गुल्लू (ईशान खट्टर) के इर्द-गिर्द घूमती है, जिन्हें भूतों से बड़ा शौक होता है. उनके घर का हर कोना और दीवारें किसी भूतिया जगह जैसी लगती हैं.एक दिन दोनों भूतिया थीम वाली पार्टी आयोजित करते हैं. पार्टी के दौरान उन्हें करंट लग जाता है, जिसके बाद उन्हें भटकती आत्मा रागिनी (कैटरीना कैफ) दिखाई देती है. रागिनी, तांत्रिक आत्माराम (जैकी श्रॉफ) से अपने प्रेमी को बचाने में मदद मांगती है. साथ ही वह दोनों दोस्तों को पैसे और शोहरत का लालच देकर 'फोन भूत' हेल्पलाइन शुरू करने की सलाह देती है.गुल्लू और मेजर उसकी बात मान जाते हैं और भूत पकड़ने का यह अनोखा बिजनेस शुरू कर देते हैं. लेकिन कहानी में ट्विस्ट तब आता है जब उन्हें पता चलता है कि रागिनी दरअसल आत्माराम से बदला लेने के लिए उनके पास आई थी, क्योंकि उस तांत्रिक ने उसकी जिंदगी बर्बाद कर दी थी.

इस फिल्म में आएंगे नजर

जैकी श्रॉफ अब तक करीब 220 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके हैं. अब वे समीर विद्वांस की अपकमिंग फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा' में नजर आएंगे. इस फिल्म में उनके साथ नीना गुप्ता, कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे भी दिखेंगे. धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी यह फिल्म 25 दिसंबर को रिलीज होगी.

'मेरे लिए दर्शक ही सबसे बड़ा पुरस्कार', नॉमिनेशन के बाद अवॉर्ड न मिलने पर यामी गौतम ने दी प्रतिक्रिया

अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'हक' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। 'हक' अपनी रिलीज के करीब है और यामी फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। 'विकी डोनर' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने वाली यामी गौतम ने अपने करियर में कई सराहनीय भूमिकाएं भी निभाई हैं। अब यामी ने कई बड़े अवॉर्ड्स में नामित होने के बावजूद उन्हें जीत न पाने पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बताया कि नॉमिनेशन मिलने के बाद अवॉर्ड न मिलने पर उन्हें कैसा महसूस होता है।

यामी ने भगवत गीता का किया जिक्र

यामी ने कोई बड़ा अवॉर्ड न जीत पाने पर कहा कि इन पुरस्कारों को खोना उन्हें परेशान नहीं करता। इस दौरान भगवत गीता का जिक्र करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि जितना मैंने भागवत गीता को समझा है, भगवान कृष्ण ने अर्जुन से जो कहा वह सच है। ऐसा नहीं है कि मैं सबसे आदर्श इंसान की तरह इतनी अलग हो गई हूं, लेकिन अगर आपमें सफलता और हारने के डर से अलग होने या किसी और के नजरिए से मान्यता पाने की क्षमता है, तो आप ठीक हैं। मैंने किसी से किसी भी तरह की मान्यता लेना बंद कर दिया है। अगर अवॉर्ड मिलता है तो मैं बहुत अच्छी एक्ट्रेस हूं, वरना शायद नहीं हूं। ऐसा मेरे साथ बिल्कुल भी नहीं है।

दर्शक मुझे प्यार करते हैं, और क्या चाहिए

साल 2013 में आई अपनी पहली फिल्म 'विकी डोनर' के लिए यामी ने बेस्ट डेब्यू फीमेल के कई अवॉर्ड जीते थे। लेकिन उसके बाद कई बड़े अवॉर्ड्स में नामित होने के बाद भी, यामी उन्हें जीत नहीं पाईं। इस पर अभिनेत्री ने कहा कि अब वह दर्शकों की प्रतिक्रिया से अपनी मान्यता लेती है। मेरे दर्शक मुझे प्यार करते हैं, कुछ निर्देशक और निर्माता मुझ पर दांव लगाने को तैयार हैं, इससे बड़ा पुरस्कार मेरे लिए क्या है। बाकी सब आना जाना है। लेकिन अगर यह किसी को खुश करता है, तो बढ़िया।

शाह बानो केस पर आधारित है 'हक'

वर्कफ्रंट की बात करें तो यामी गौतम जल्द ही इमरान हाशमी के साथ कोर्ट रूम ड्रामा 'हक' में नजर आएंगी। शाह बानो केस से प्रेरित इस फिल्म में यामी एक मुस्लिम महिला की भूमिका में हैं, जो देश के कानून को चुनौती देती है और तलाक के बाद अदालत में अपने लिए गुजारा भत्ता मांगती है। सुपर्ण एस वर्मा द्वारा निर्देशित यह फिल्म 7 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

'किंग' में दीपिका से रोमांस करेंगे शाहरुख फिल्म को लेकर एसआरके बोले- 'आप इसकी आलोचना कर सकते हैं'

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'किंग' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में शाहरुख के 60वें जन्मदिन के मौके पर फिल्म से उनका लुक और टाइटल रिवील किया गया। इसने सामने आते ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया और व्यूज के मामले में रिकॉर्ड स्थापित कर दिए। वहीं जन्मदिन पर एक फैन मीट के दौरान शाहरुख ने फिल्म से जुड़े कई सवालों के भी जवाब दिए। इसी दौरान शाहरुख ने इशारों-इशारों में ये भी कंफर्म कर दिया कि फिल्म में उनका और दीपिका का लव एंगल होगा।

धीरे-धीरे आपको फिल्म के बारे में मिलेगी जानकारी

फैन मीट के दौरान एक प्रशंसक ने शाहरुख से 'किंग' के कॉन्सेप्ट के बारे में पूछा। हालांकि, इस पर शाहरुख ने साफ कहा कि मैं फिल्म के बारे में अभी ज्यादा कुछ भी आपको नहीं बता सकता हूं। जैसे-जैसे और भी चीजें सामने आएंगी, आपको फिल्म के बारे में अधिक पता चलेगा। फिल्म में कई किरदार हैं। फिल्म का मकसद यह है कि जब हम चीजों को व्यक्तिगत रूप से लेते हैं, तो हम बड़े फैसले लेते हैं। हमें सोचना चाहिए कि हम जो कर रहे हैं वह सही है या नहीं। साथ ही हम 'किंग' में किसी का पक्ष नहीं लेंगे। अगर आपको हमारा आइडिया पसंद आए, तो इसे जरूर अपनाएं। या फिर आप इसकी आलोचना भी कर सकते हैं।

फिल्म में होगा शाहरुख-दीपिका का लव एंगल

इस इवेंट के दौरान एक प्रशंसक ने चिल्लाकर कहा कि उनके मन में शाहरुख के लिए बहुत सारा प्यार है। इस पर तुरंत ही शाहरुख ने मजेदार अंदाज में कहा कि मेरे साथ फिल्म में दीपिका पादुकोण भी हैं। इसलिए प्यार तो जरूर ही होगा। शाहरुख के इस बयान के बाद ही ऐसे कयास लगाए जाने लगे हैं कि फिल्म में दीपिका और शाहरुख के बीच लव एंगल दिखाया जाएगा। फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

साउथ और बॉलीवुड फिल्मों को लेकर सोनाक्षी सिन्हा ने किया बड़ा खुलासा, काम के घंटों को लेकर कही ये बात

साउथ अभिनेता सुधीर बाबू अभिनीत आगामी फिल्म 'जटाधरा' में सोनाक्षी सिन्हा अहम भूमिका में नजर आने वाली हैं। अभिनेत्री की यह पहली साउथ फिल्म होने वाली है। एक्ट्रेस ने साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री में काम के तरीके पर चर्चा की है। चलिए जानते हैं उन्होंने क्या कहा।

काम के घंटो को लेकर क्या बोलीं सोनाक्षी सिन्हा?

सोनाक्षी सिन्हा ने पीटीआई से बातचीत की। इस दौरान उनसे हिंदी और तेलुगु इंडस्ट्री के काम करने के तरीके में अंतर के बारे में पूछा गया। इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'ज्यादा अंतर नहीं हैं लेकिन उनकी (साउथ) टाइमिंग बहुत अच्छी है, बहुत व्यवस्थित है। वे सिर्फ कुछ खास घंटों के लिए ही काम करते हैं। वहां वर्क-लाइफ बैलेंस बहुत अच्छा है, जो हम उनसे जरूर सीख सकते हैं।' आगे उन्होंने काम के घंटों के लेकर कहा, 'साउथ में अगर आप 9 बजे शूट के लिए आते हैं, तो आप 6 बजे के बाद शूट नहीं कर सकते। आपको इजाजत नहीं है। मुझे लगता है कि यह उस बारे में सच में बहुत अच्छी बात है। मैं कहूंगी कि यह थोड़ा ज्यादा अनुशासित है।'

अलग-अलग भाषाओं में फिल्म करना चाहती हैं अभिनेत्री

अभिनेत्री ने आगे बातचीत करते हुए कहा, 'मैंने पहले एक तमिल फिल्म (लिंगा) की है और अब यह तेलुगु फिल्म कर रही हूं। मैं इसके लिए बहुत खुले दिल वाली हूं। मुझे नहीं लगता कि अब भाषा कोई रुकावट है। मैं और भी भाषाओं को एक्सप्लोर करना चाहूंगी। ऐसा नहीं था कि मैं 'ना' कह रही थी। मुझे अलग-अलग भाषाओं में कई रीजनल फिल्मों के ऑफर मिले हैं, लेकिन मैं यहां (हिंदी सिनेमा) अपनी कमिटमेंट्स में व्यस्त थी।'

निर्देशकों के विजन को फॉलो करती हैं एक्ट्रेस

सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, 'मैं अपने निर्देशकों के विजन को फॉलो करती हूं क्योंकि वे फिल्म के साथ ज्यादा समय तक रहे हैं। वे राइटिंग प्रोसेस का हिस्सा रहे हैं, इसलिए उन्हें आइडिया होता है। और एक एक्टर के तौर पर, यह मेरा काम है कि मैं उसे पूरा करूं। अगर मुझे लगता है कि मेरे इनपुट की जरूरत है, अगर मैं इसे किसी खास तरीके से निभाना चाहती हूं या कुछ अलग करना चाहती हूं, तो मैं कहती हूं। लेकिन ज्यादातर, मैं वही करने की कोशिश करती हूं, जो मेरे डायरेक्टर का विजन होता है।'

कब रिलीज होगी सोनाक्षी की फिल्म 'जटाधरा'?

यह फिल्म 7 नवंबर 2025 को हिंदी और तेलुगु में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें दिव्या खोसला, सोनाक्षी सिन्हा, सुधीर बाबू और शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, नवीन नेनी और रोहित पाठक जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माणा जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा ने मिलकर किया है। इस फिल्म का निर्देशन वेंकट कल्याण और अभिषेक जायसवाल ने मिलकर किया है।

रिलेशनशिप में फॉलो करें ये गोल्डन रूल्स पार्टनर कभी नहीं छिपाएगा कोई भी बात

जब हम किसी रिश्ते में जाते हैं तो आपसी विश्वास, प्यार और भरोसा रिलेशनशिप को मजबूत बनाने का काम करता है. कई रिलेशनशिप में यह देखने को मिलता है कि समय के साथ उनके बीच की आपसी अंडरस्टैंडिंग कम होने लगती है और धीरे धीरे एक दूसरे का साथ बोझ बनने लगता है. लोग एक दूसरे में कमियां निकालने लगते हैं और कई बातें शेयर करना छोड़ देते हैं जो रिश्तों की मजबूती के लिए जरूरी होता है. लेकिन जब आपको यह महसूस होने लगता है कि आपका पार्टनर कोई बात छिपा रहा है या आपको बताना नहीं चाहता है तो ये आपके लिए चिंता की बात हो सकती है. अगर आप भी रिलेशनशिप में ये अनुभव कर रहे हैं तो यहां बताए गए गोल्डन रूल्स को फॉलो कर पार्टनर के छिपाने की आदत को दूर कर

सकते हैं. ।

गुस्सा न करना

इस बात का रूल बनाएं कि अगर पार्टनर कोई बात बताए तो गुस्सा नहीं करना है. दरअसल कई बार लोग पार्टनर से इसलिए बात छिपाते हैं कि वो गुस्सा हो जाएगा और इस बात को छिपाने के लिए वे एक के बाद एक झूठ बोलते चले जाते हैं.

हर बात बताने का करें वादा

रिश्ते में कपल एक-दूसरे से हर बात शेयर करते हैं. ये आदत उनके बीच भरोसा जगाए रखने का काम करती है. लेकिन अगर समय के साथ ये आदत में बदलाव आने लगा है तो आप अपने पार्टनर के साथ वादा करें कि आप दोनों हर वो बात साझा करेंगे जो एक दूसरे से जुड़ी हो.

साथ निभाने का वादा

आप साथ में ये वादा करें कि आप हमेशा एक दूसरे का साथ देंगे और दुनिया में पहले आपकी बात पर यकीन करेंगे. अगर आप ऐसा करेंगे तो यकीन मानिए कि आपका पार्टनर हर स्थिति में आपसे हर बात शेयर करेगा और अपने सीक्रेट को सेफ समझेगा.

करें प्यार का वादा

अपने पार्टनर को हमेशा इस बात का वादा करें कि आप उससे कितना भी नाराज हो जाएं लेकिन प्यार सबसे ज्यादा उसे ही करेंगे. ये वादा उन्हें कभी भी गलत करने से रोकेगा और वह हर स्थिति में आप पर भरोसा बनाए रखेगा.

साथ प्रॉब्लम सॉल्व करने का वादा

अगर आप चाहते हैं कि आपका पार्टनर हर बात आपके साथ शेयर करे तो उसे भरोसा दिलाएं कि आप किसी भी हाल में पार्टनर पर शक नहीं करेंगे और हर तरह की समस्या से निकालने में उसकी मदद करेंगे. ना कि जज करेंगे.

रोज ये गलतियां करते हैं मां-बाप, संवारने की जगह बिगाड़ लेते हैं अपने ही बच्चे का भविष्य

मां-बाप अपने बच्चे की परवरिश को लेकर बहुत ज्यादा सतर्क रहते हैं जबकि इसमें उनसे भी कुछ गलतियां हो जाती हैं। अगर पैरेंट्स इन गलतियों से बच जाएं, तो वो अपने बच्चे के हेल्दी विकास में अहम योगदान दे सकते हैं।

अगर आप भी एक पैरेंट हैं, तो कहीं न कहीं इस बात से जरूर सहमत होंगे कि बच्चों की परवरिश करने का काम बहुत चुनौतीपूर्ण होता है। इसमें ऐसा कोई भी एक तरीका नहीं है जो हर बच्चे के लिए फिट बैठता हो। मां-बाप को अपने बच्चे के हिसाब से अपने पैरेंटिंग स्टाइल में बदलाव करते रहना पड़ता है। बच्चों की परवरिश में मां-बाप से भी कुछ गलतियां हो जाती हैं जो कि बहुत नॉर्मल बात है। हम गलतियों से ही सीखते हैं लेकिन हमें बार-बार एक ही तरह की गलती करने से खुद को रोकना भी होता है। इस आर्टिकल में हम आपको ऐसी पैरेंटिंग मिस्टेक्स के बारे में बता रहे हैं जिन्हें करने से पैरेंट्स को बचना चाहिए।

बच्चे को लेकर ओवरप्रोटेक्टिव होना

मां-बाप लाड-प्यार में अपने बच्चे को ओवरप्रोटेक्ट करने लगते हैं। वो अपने बच्चे को हर तरह के खतरे, मतभेद या निराशा से बचाने की कोशिश करते हैं जो असल में बच्चे के भावनात्मक और सामाजिक

विकास में बाधा बन सकते हैं। ऐसा कर के पैरेंट्स अपने बच्चे को कमजोर बना रहे हैं। इन बच्चों में जिंदगी की चुनौतियों का सामना करने की ताकत और क्षमता विकसित ही नहीं हो पाती है। आप बच्चे को मार्गदर्शन

और सपोर्ट दें लेकिन उसके साथ ही उसे गलतियां भी करने दें। इससे बच्चे का आतमविश्वास बढ़ता है।

सिर्फ पढ़ाई पर ध्यान देना

आज की प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान दिया जाने लगा है जबकि बाकी लाइफ स्किल्स को इग्नोर किया जा रहा है। कुछ पैरेंट्स अपने बच्चे के ऊपर बहुत ज्यादा प्रेशर डाल देते हैं और उनसे उम्मीद करते हैं कि उनका बच्चा पढ़ाई में अव्वल आए। इस चक्कर में बच्चे के भावनात्मक, सामाजिक और शारीरिक विकास को नजरअंदाज कर दिया जाता है। बच्चों पर पढ़ाई को लेकर दबाव बनाने से उनमें एंग्जायटी, तनाव जैसी परेशानियां देखी जा सकती हैं। इससे बचने के लिए आप अपने बच्चे को उसकी पसंद की चीजें करने के लिए बढ़ावा दें।

पर्सनल ग्रोथ को इग्नोर करना

पैरेंट्स अक्सर अपने बच्चे की जरूरतों को ऊपर रखते हैं और अपनी खुद की देखभाल और पर्सनल ग्रोथ को इग्नोर कर देते हैं। मां-बाप के लिए अपने बच्चे को पहले रखना नैचुरल रहना है लेकिन जब आप खुद को इग्नोर करने लगते हैं, तो इससे आपमें थकान, स्ट्रेस आदि आने लगता है। जब आप खुद स्वस्थ रहेंगे, तभी आपका परिवार स्वस्थ और खुशहाल रह पाएगा।

बहुत ज्यादा पनिशमेंट देना

कुछ पैरेंट्स अपने घर में बहुत सख्त डिसिप्लिन लेकर चलते हैं जैसे कि बच्चों को डांटना, पीटना या उन पर चिल्लाना आदि। मां-बाप के लिए अपने बच्चे के व्यवहार को कंट्रोल करने के यही तरीके दिखते हैं। बच्चों को अनुशासन सिखाना जरूरी है लेकिन उन्हें बहुत ज्यादा पनिशमेंट देने से पैरेंट और बच्चे का रिश्ता खराब होने का डर रहता है और इसका बुरा असर बच्चे की भावनात्मक सेहत पर भी पड़ सकता है। आप बच्चे को पनिशमेंट देने की बजाय उससे प्यार से बात करें और उसे सही और गलत के बीच फर्क समझाएं।

पहली डेट पर जाने से पहले इन बातों का रखें ख्याल

आमतौर पर किसी स्पेशल रिलेशनशिप की शुरूआत डेट से होती है. नए रिश्ते में बंधने से पहले ज्यादातर लोग अपने पार्टनर को जानने और समझने के लिए डेट पर जाना पसंद करते हैं. वहीं डेट पर जाना आजकल कपल्स के बीच काफी आम ट्रेंड बन चुका है. पहली डेट सभी के लिए बेहद खास होती है. इस दिन को यादगार बनाने के लिए भी लोग हर संभव प्रयास करते हैं. फर्स्ट टाइम डेट पर जाने वाले लोग अक्सर कुछ अहम बातों को नजरअंदाज कर देते हैं. जिसके चलते आपकी डेट स्पॉइल हो सकती है. तो आइए हम आपको बताते हैं पहली बार डेट पर जाने के कुछ टिप्स, जिसे फॉलो करके आप अपनी डेट को बेस्ट बना सकते हैं.

जल्दबाजी में फैसले लेने से बचें

पहली बार पार्टनर के साथ डेट पर जाते समय हर कदम सोच समझ कर उठाएं. ऐसे में जल्दबाजी बिल्कुल न करें. डेट के दौरान पेशेंस के साथ पार्टनर की बातें सुने और उन्हें समझने की कोशिश करें. ध्यान रहे कि जल्दबाजी में फैसला लेने से पार्टनर पर आपका गलत इंप्रेशन पड़ सकता है.

एक्स को करें अवॉयड

बेशक आपके पास्ट के बारे में पार्टनर को सब कुछ जानने का अधिकार होता है. मगर फर्स्ट डेट पर अपने एक्स की बातें बिल्कुल न करें. खासकर हर बात में एक्स का जिक्र करने से आपका पार्टनर हर्ट हो सकता है. इसलिए डेट पर एक्स से जुड़ी बातों को अवॉयड करना ही बेहतर रहता है.

एक्स से कंपेयर न करें

कई बार पहली डेटिंग के दौरान कुछ लोग अपने पार्टनर की तुलना एक्स से करने लग जाते हैं. बेशक आप अपने पार्टनर का पॉजिटिव कंपेयर कर रहे हों, मगर आपका ये बरताव आपके नए पार्टनर को दुखी कर सकता है. इसलिए डेट पर अपने पार्टनर की तुलना एक्स से बिल्कुल न करें.

खामियां न तलाशें

कपल्स में अक्सर काफी चीजें सेम होने के बावजूद कई आदतें डिफरेंट होती हैं. ऐसे में कुछ कपल्स छोटी-छोटी बातों पर अपने पार्टनर से झगड़ा करना शुरू कर देते हैं. मगर डेट के दौरान अपने पार्टनर की खामियां तलाशने से बेहतर होगा कि आप उनकी अच्छाईयों पर फोकस करें.

माफी मांगते समय कभी न करें ये गलतियां, वरना और बिगड़ सकता है आपका रिश्ता

अगर आप माफी मांगने के साथ ही 'लेकिन' शब्द का इस्तेमाल कर रहे हैं तो यह ऐसा लगेगा कि आप अपनी गलतियों को सही बताने की कोशिश कर रहे हैं. इसलिए कभी भी माफी मांगते वक्त सॉरी के साथ 'लेकिन' शब्द का इस्तेमाल न करें.

सॉरी एक छोटा सा शब्द है लेकिन इस शब्द को कहने के लिए काफी हिम्मत की जरूरत होती है. अगर आपका अपना कोई रूठ गया है और उसे आप मनाना चाहते हैं तो यह जरूरी है कि आप अपने अंदर के दंभ को छोड़कर मन से अपनी गलतियों को स्वीकारें और यह एहसास दिलाएं कि आप सच में अपने किए पर शर्मिंदा हैं. साइकेट्रिस्ट एमिली एच सेंडर ने अपने इंस्टाग्राम पर माफी मांगने के सही तरीके के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मांफी मांगते समय कुछ जरूरी बातों को ध्यान में रखना बहुत ही जरूरी है. ऐसा ना करने पर आपके

बीच रिश्ता सुधरने की बजाय और भी बिगड़ सकता है. यहां उन्होंने 6 ऐसी बातें बताई है जिसे कभी भी किसी से माफी मांगने के दौरान नहीं करनी चाहिए.

मांफी मांगते समय न करें ये 6 गलतियां

जरूरत से ज्यादा माफी मांगना

अगर आपने अपनी गलतियों को माना है और सॉरी बोल रहे हैं तो सही तरीके से माफी मांगे. ऐसा करने से आपका पार्टनर आपको माफ कर देगा, लेकिन अगर आप हर वक्त उन गलतियों को लेकर बात कर रहे हैं तो यह किसी को भी आहत कर सकता है. उसे यह लग सकता है कि आप उसे अच्छा महसूस कराने के लिए बस कहने के लिए माफी मांग रहे हैं. इसलिए ऐसी गलती बिलकुल ना करें.

'लेकिन' शब्द का प्रयोग

अगर आप माफी मांगने के साथ ही 'लेकिन' शब्द का इस्तेमाल कर रहे हैं तो यह मैसेज देगा कि आप अपनी गलतियों को सही बताने की कोशिश कर रहे हैं. इसलिए कभी भी माफी मांगते वक्त सॉरी के साथ 'लेकिन' शब्द का इस्तेमाल ना करें.

माफी मांगते वक्त लड़ना

अगर आप किसी से सच में माफी मांग रहे हैं तो ये बहुत जरूरी है कि आप अपनी भावनाओं को सही दिशा में रखते हुए चुपचाप माफी मांग लें. अगर आप चिल्लाकर या गुस्से में माफी मांगेगे तो ये आपके रिश्ते को सुधारने की बजाय और भी बिगाड़ने का काम कर देगा.

बुरा महसूस कराना

अगर आप जिससे माफी मांग रहे हैं उसका बुरा करने वाले लोगों के साथ लगातार संपर्क बनाए हुए हैं या उनके साथ आप अच्छा व्यवहार कर रहे हैं तो आपका ये बर्ताव किसी को भी बुरा महसूस करा सकता है.

दोबारा वैसी ही गलतियों को दोहराना

अगर आप जिस बात की माफी मांगे हैं उस काम को दोबारा से कर रहे हैं तो आपका ये तरीका किसी को भी बुरा लग सकता है. ऐसे में दोबारा वो काम ना करें जिससे आपका अपना आहत हो.

जबरदस्ती न करें

अगर सामने वाला आपको माफ नहीं कर रहा तो आप उससे जबरदस्ती ना करें. याद रखें कि अगर आप किसी के साथ गलत बर्ताव किए हैं और उससे मांफी की उम्मीद कर रहे हैं तो ये पूरी तरह से आपके बिहेव पर निर्भर करता है.

जीवनसाथी से पसंद-नापसंद न मिलती हो तो क्या करें?

हर इंसान की पसंद और नापसंद अलग-अलग होती है। हालांकि जब दो अलग अलग विचारधाराओं के लोग एक दूसरे के करीब आते हैं या एक रिश्ते में बंध जाते हैं तो हो सकता है कि उनके बीच आपसी तालमेल बैठाने में दिक्कत आए। जीवनसाथी से पसंद-नापसंद न मिलने की समस्या आम हो सकती है। खाने-पीने की छोटी छोटी बातों से लेकर जीवन जीने के सलीके तक कपल एक दूसरे से अलग हो सकते हैं। ऐसे में उनके बीच क्लेश होना भी लाजमी हो सकता है।

रिश्ते में लोग उम्मीद करते हैं कि साथी उनकी पसंद को अपनाएं और अपने जीवनशैली में उनके अनुरूप बदलाव करे। हालांकि रिश्ते में बदलाव बगावत का काम भी कर सकता है। ऐसे में जीवनसाथी से अलग पसंद होने पर रिश्ते को बिना किसी परेशानी के निभाने के लिए कई कदम उठाए जा सकते हैं। इस लेख के जरिए जानिए अगर जीवनसाथी से पसंद-नापसंद न मिलती हो तो क्या करना चाहिए।

संवाद करें

पहले तो, आपको अपने जीवनसाथी के साथ बातचीत करनी चाहिए। खुलकर बात करने से समस्या के कारण का पता चलता है, साथ ही दोनों को एक दूसरे को अच्छे से समझने का मौका मिलता है। जीवनसाथी की पसंद और नापसंद को समझकर रिश्ते को निभाने में आसानी हो सकती है।

समझें और समझाएं

अपने जीवनसाथी के दृष्टिकोण और आपके दृष्टिकोण को समझने का प्रयास करें। क्योंकि कभी-कभी, यह दोनों के बीच होने वाली समस्याओं का कारण हो सकता है। ये जानने का प्रयास करें कि जीवनसाथी आपसे क्या उम्मीद रखता है या आपकी क्या आशाएं पार्टनर से हैं, ये भी उन्हें बताएं।

समाधान की तलाश करें

हर समस्या को खत्म करने के लिए उसका कोई न कोई समाधान होता है, जिसे आपको तलाशना होगा। आप दोनों के बीच आपसी तालमेल बिठाने के लिए समस्या का समाधान तलाशें। अगर आप दोनों के विचारों और मूल्यों के असहमति है तो समाधान ढूंढने के लिए समझौता करने का प्रयास करें।

सहानुभूति और सहयोग

एक दूसरे के साथ सहानुभूति रखें और सहयोग का प्रयास करें। एक दूसरे की मदद करें, अगर आपको जीवनसाथी की कोई बात या विचार पसंद नहीं तो उन्हें संयम और शांति से ये बात बताएं, लेकिन उनके विचारों पर अपनी पसंद को थोपने का प्रयास न करें।

शादी के बाद पहली यात्रा को ऐसे बनाएं यादगार

शादी के बाद अगर आप पहली बार साथी के साथ यात्रा पर जा रही हैं तो कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखकर अपनी यात्रा को आरामदायक और यादगार बना सकती हैं। जीवन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण मोड़ होता है विवाह। शादी में दो व्यक्तित्व साथ जीने के लिए एक नए जीवन में प्रवेश करते हैं। ऐसे में एक-दूसरे को समझने के लिए साथ-साथ क्वालिटी टाइम बिताना, युगल का सपना भी होता है और जरूरत भी। सामान्यतः लाइफ पार्टनर जिंदगी के सफर की शुरुआत कुछ यात्राओं के साथ करते हैं। जीवनसाथी के साथ पहले सफर पर सबसे खास पल होता है। दंपत्ति अपनी इस यात्रा के लिए अत्यंत उत्साहित होते हैं। वे इसे यादगार बनाना चाहते हैं, चाहते हैं कि एक-दूसरे को कुछ खास अनुभव दे सकें। लेकिन कई बार अनजाने में कुछ ऐसा कर बैठते हैं कि यात्रा का आनंद खत्म हो जाता है और मन में परस्पर स्वभाव के बारे में कुछ गलतफहमियां बैठ

जाती हैं। अगर आप अपने साथी के साथ पहली बार सफर पर जा रही हैं तो कुछ बातों का विशेष ध्यान रखें, ताकि नवजीवन की यह प्रथम यात्रा यादगार बन जाए।

पसंद का ध्यान

पहली यात्रा में केवल अपनी पसंद की ही चीजें ना करें बल्कि साथी की पसंद को भी प्राथमिकता दें। मसलन, उन्हें क्या खाना और कहां घूमने जाना पसंद है। इससे आप दोनों घूमने के साथ एक-दूसरे को अच्छे से समझ भी सकेंगे। अगर आप सिर्फ अपनी पसंद के काम ही करेंगी तो संभव है कि आपके साथी को लगे कि आप दबंग स्वभाव की हैं। यह गलतफहमी जीवन के रंग में भंग का काम कर सकती है।

पैनिक न हों

अक्सर कुछ लोग यात्रा के दौरान छोटी-छोटी बातों से पैनिक हो जाते हैं। इससे कई बार उनकी तबियत बिगड़ जाती है और यात्रा का आनंद खत्म हो जाता है। या फिर चीजें पसंद की नहीं हों, तो लोगों का मूड खराब हो जाता है। ऐसे में वे अपने साथी पर झल्लाने या चिड़चिड़ाने लगते हैं, आप भूलकर भी ऐसी गलती न करें।

साथ वक्त बिताएं और घूमने भी जाएं

जीवनसाथी के साथ पहली यात्रा में केवल होटल में ही न बैठी रहें, बल्कि पार्टनर के साथ बाहर घूमने भी जाएं। आस-पास के नजारों और बाजारों को भी देखें। इससे नए अनुभव मिलेंगे और उन पर बातचीत में दोनों को एक-दूसरे का नजरिया भी समझ में आएगा। हां, घूमने के साथ आराम का भी ध्यान रखें। ऐसा न हो कि इतना घूम लें कि शाम को आप पर थकान हावी हो जाए।

खाने की चीजें और दवाएं

घर से बाहर सफर में अनेक चीजों की जरूरत होती है। ऐसे में पैकिंग करते वक्त जरूरत की चीजों के साथ ही खाने-पीने की चीजें और कुछ सामान्य दवाइयां भी रखें। जब सफर में भूख लगे तो आप आराम से खा सकें और साथी को भी खिला सकें। इसके अलावा सफर की थकान या हल्के सिरदर्द में दवाई के लिए परेशान न होना पड़े। इससे जीवनसाथी को आपका केयरिंग नेचर भी समझ में आएगा।

सामान उठाने में मदद

जब आप दोनों साथ पहले सफर पर हैं तो ऐसा न करें कि स्वयं मस्ती से घूमें और सारा सामान केवल पति ही उठाते रहें। आपको खुद से पहल करके सामान उठाने में पति की मदद करनी चाहिए। इससे जीवन के बोझ को मिलकर उठाने का संदेश भी आप उन्हें दे सकेंगी।

हर पल पूरा ख्याल रखें

फैमिली रिलेशनशिप काउंसलर शोभना कहती हैं पति-पत्नी जीवन की गाड़ी के दो पहिए हैं। दोनों को समान रूप से परस्पर प्रेम, समर्पण देने के साथ ही जीवन के फैसलों में एक-दूसरे की राय को महत्व देना चाहिए।

विवाह के बाद जीवनसाथी के साथ पहली यात्रा, एक नए जीवन की यात्रा का शुभारंभ होती है। इसके अनुभव जिंदगीभर दोनों को रोमांचित करते हैं। इसलिए इस यात्रा में प्रत्येक पल दूसरे का पूरा ख्याल रखें।

टूट रही भारत और चीन के बीच की दीवार

चाइनीज सामान से हटेंगी बंदिशें, क्या है सरकार की तैयारी?

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और चीन के बीच रिश्ते सुधरने के संकेत मिल रहे हैं और व्यापार की दीवार टूटती नजर आ रही है। इसी कड़ी में भारत सरकार अब चीन और दूसरे देशों से आने वाले इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स, जूते, रोजमर्रा के घरेलू सामान, स्टील और कच्चे माल जैसे सामानों के आयात से जुड़े लंबित प्रस्तावों को जल्द ही मंजूरी देने की तैयारी कर रही है। यह फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि साल 2020 की शुरुआत में चीन के साथ सीमा पर हुई झड़पों के बाद भारत ने ऐसे आयात पर रोक लगा दी थी। लेकिन अब जब रिश्ते बेहतर हो रहे हैं और हाल ही में जीएसटी में कटौती के बाद कई उपभोक्ता वस्तुओं की मांग बढ़ी है। इस कारण सरकार ने यह कदम उठाने का फैसला किया है। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार इस प्रक्रिया के तहत चीन और अन्य देशों में बने सामानों को भारत में लाने के लिए वहां की कंपनियों को जरूरी सर्टिफिकेशन (प्रमाणन) दिया जाएगा, जिससे निर्यात तेजी से हो सकेगा। पिछले हफ्ते उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने निर्माताओं से उन कंपनियों का कंपनी-वार विवरण मांगा है जहां विदेशी निर्माताओं के सर्टिफिकेशन स्कीम में देरी हो रही है (वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत आने वाले इस विभाग ने सभी जरूरी जानकारी और वर्तमान स्थिति भी मांगी है। इसी तरह का एक मैसेज उद्योग निकायों और संघों को भी भेजा गया है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा, 'हम जल्द ही चीन सहित कई देशों के सप्लायर्स के लिए लाइसेंस जारी करना और उनका नवीनीकरण करना शुरू कर देंगे। हम इस प्रक्रिया को शुरू करेंगे और आवेदनों का मूल्यांकन हर मामले के आधार पर करेंगे।' केंद्र सरकार उद्योगों को सप्लाई बढ़ाने और त्योहारी सीजन की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद करना चाहती है। 22 सितंबर से टैक्स में कमी का फायदा ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए कंपनियों ने कीमतें कम कीं, जिसके बाद कारों और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी कई उपभोक्ता वस्तुओं की बिक्री में भारी उछाल आया। इस वजह से कई सामानों का स्टॉक खत्म हो गया।

22 साल की उम्र में अरबपति बन गए तीन दोस्त

मार्क जकरबर्ग को पीछे छोड़ा, दो का कनेक्शन भारत से

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। कोई शख्स कितनी उम्र में अरबपति बन सकता है? यह एक ऐसा सवाल है, जिसका सही-सही जवाब देना आज के समय बड़ा मुश्किल है। कोई शख्स 25 साल की उम्र तक अरबपति बन जाता है तो कोई 60 साल के बाद भी नहीं बन पाता। यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि उस शख्स का कारोबार कैसा है। लेकिन अगर कोई 22 साल की उम्र में ही अरबपति बन जाए तो इसे आप क्या कहेंगे? 22 साल के तीन युवा दोस्तों ने ऐसा ही कर दिखाया है। आदर्श हिरेमठ और सूर्या मिधा अपने हाई स्कूल के दोस्त ब्रेंडन फूडी के साथ दुनिया के सबसे कम उम्र के सेल्फ-मेड अरबपति बन गए हैं। इनमें आदर्श हिरेमठ और सूर्या मिधा भारतवंशी हैं। इन्होंने मेटा (फेसबुक) के को-फाउंडर मार्क जकरबर्ग को पीछे छोड़ दिया है। मार्क 23 साल की उम्र में इस मुकाम पर पहुंचे थे। जकरबर्ग साल 2008 में 1.5 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ सबसे कम उम्र के सेल्फ-मेड अरबपति थे। वह उस साल फोर्ब्स वर्ल्ड्स बिलेनियर लिस्ट में 1,125 अन्य लोगों के साथ शामिल थे।

क्या है इनका काम?

हिरेमठ, मिधा और फूडी ने सैन फ्रांसिस्को स्थित एआई रिक्रूटिंग प्लेटफॉर्म मर्कोर की स्थापना की। इस कंपनी ने हाल ही में 10 बिलियन डॉलर के मूल्यांकन पर 350 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। प्रत्येक फाउंडर के पास कंपनी में लगभग 22% हिस्सेदारी है, जिससे उनकी व्यक्तिगत संपत्ति करीब 2 अरब डॉलर हो जाती है। मर्कोर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फूडी के एक ब्लॉग पोस्ट के अनुसार, इस फंडिंग का नेतृत्व अमेरिका स्थित फेलिसिस वेंचर्स ने किया। इस फंडिंग ने कंपनी का मूल्यांकन फरवरी में हुए पिछले फंडिंग राउंड की तुलना में पांच गुना बढ़ा दिया।

दिल्ली से जुड़ा है रिश्ता

कर्नाटक के रहने वाले हिरेमठ मर्कोर के चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर हैं। वह दिल्ली के परिवार से ताल्लुक रखने वाले मिधा बोर्ड के चेयरमैन हैं।

तीनों ने अपनी उद्यमिता की यात्रा सैन जोस, कैलिफोर्निया के बेलरमाइन कॉलेज प्रिपरेटरी में शुरू की थी। हाई स्कूल के बाद फूडी ने जॉर्जटाउन से अर्थशास्त्र की पढ़ाई की, हिरेमठ ने हार्वर्ड से कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई की और मिधा ने जॉर्जटाउन से फॉरेन सर्विस की पढ़ाई की।

क्या है मर्कोर का काम?

तीनों को-फाउंडर ने साल 2023 में सिलिकॉन वैली में अपना स्टार्टअप मर्कोर शुरू किया। मर्कोर एआई लैब्स को फाउंडेशनल एआई मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए एक्सपर्ट से जोड़ता है। इस साल फरवरी में स्टार्टअप ने फेलिसिस के नेतृत्व में 100 मिलियन डॉलर की फंडिंग जुटाई थी, जिसने इसे 2 बिलियन डॉलर का मूल्यांकन दिया था। सिर्फ आठ महीनों में स्टार्टअप की वैल्यूएशन बढ़कर 10 अरब डॉलर हो गई।

लाल निशान पर बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार

सेंसेक्स 519 अंक टूटा, निफ्टी 25600 के नीचे

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और एशियाई व यूरोपीय बाजारों में कमजोर रुख के बीच मंगलवार को शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 519.24 अंक या 0.62 प्रतिशत गिरकर 83,459.15 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 565.72 अंक या 0.67 प्रतिशत गिरकर 83,412.77 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 165.70 अंक या 0.64 प्रतिशत गिरकर 25,597.65 अंक पर बंद हुआ।

विदेशों में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के कारण मंगलवार को रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर से उबरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 11 पैसे की बढ़त के साथ 88.66 (अंतिम) पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में पावर ग्रिड, इटर्नल, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, मारुति और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख रूप से पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल रहे। वहीं, टाइटन, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा और भारतीय स्टेट बैंक को लाभ हुआ।

यूरोपीय बाजारों में दिखी गिरावट

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। सोमवार को यूरोप के बाजार नकारात्मक दायरे में कारोबार कर रहे थे, जबकि अमेरिकी बाजार अधिकतर बढ़त के साथ बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव घटकर 64.02 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.34 प्रतिशत घटकर 64.02 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 1,883.78 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने पिछले कारोबार में 3,516.36 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। सोमवार को सेंसेक्स 39.78 अंक या 0.05 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 83,978.49 पर बंद हुआ। निफ्टी 41.25 अंक या 0.16 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 25,763.35 पर बंद हुआ।

दैनिक पंचांग

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 06-18
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त. 17-41
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - कार्तिक शुक्ल पक्ष बुधवार 05 Nov
तिथि - पूर्णिमा 18-49 तक उपरान्त प्रतिपदा
नक्षत्र - अश्विनी 09-40 तक उप भरणी
योग - सिद्धि 11-28 तक उप व्यतिपात
करण - विष्टी (भद्रा) 08-44 तक उप बव
व्रत पूर्णिमा व्रत,कार्तिक स्नान
त्योहार चातुर्मास पूर्णता

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य - तुला	में	तुला---	05-00 बजे
चंद्र - मेष	में	वृश्चिक...	07-09 बजे
मंगल- वृश्चिक	में	धनु......	09-23 बजे
बुध - वृश्चिक	में	मकर...	11-30 बजे
गुरु - कर्क	में	कुंभ....	13-20 बजे
शुक्र - तुला	में	मीन....	14-58 बजे
शनि - मीन	में	मेष.....	16-34 बजे
राहु - कुंभ	में	वृष....	18-19 बजे
केतु - सिंह	में	मिथुन..	20-19 बजे
		कर्क...	22-32 बजे
		सिंह---	00-44 बजे
		कन्या---	02-50 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 11-59 से 13-25 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया	रात का चौघडिया
लाभ 06-18 - 07-43 शुभ	उत्पात 17-41 - 19-16 अशुभ
अमृत 07-43 - 09-08 शुभ	शुभ. 19-16 - 20-51 शुभ
काल 09-08 - 10-34 अशुभ	अमृत 20-51 - 22-25 शुभ
शुभ 10-34 - 11-59 शुभ	चंचल 22-25 - 23-59 शुभ
रोग 11-59 - 13-25 अशुभ	रोग 23-59 - 01-34 अशुभ
उत्पात 13-25 - 14-51 अशुभ	काल 01-34 - 03-09 अशुभ
चंचल 14-51 - 16-16 शुभ	लाभ 03-09 - 04-43 शुभ
लाभ 16-16 - 17-41 शुभ	उत्पात 04-43 - 06-13 अशुभ

सरकारी दुकान में हो रहा था गोरखधंधा

छापा पड़ा तो 'इंपोर्टेड महंगी शराब' की खाली बोतलों में यह काम हो रहा था

नई दिल्ली,4 नवंबर (एजेंसियां)। कहते हैं गम का दौर हो या हो खुशी, शामें बांधती है शराब। लेकिन जब शराब ही नकली हो तो शामें कैसे बंधे? जी हां, दिल्ली में ऐसा ही कुछ मामला पकड़ में आया है। दिल्ली सरकार की शराब दुकान के कर्मचारी ही ऐसा कर रहे थे।

ये कर्मचारी ग्लेनलिवेट, सिवाज रीगल, जॉनी वॉकर गोल्ड लेबल, ब्लैक डॉग, हेनरिक्स जिन और गोडावन जैसे प्रीमियम विदेशी ब्रांडों की खाली बोतलों में घटिया, लोकल लीकर भर रहे थे। इन बोतलों को सरकारी दुकानों से प्रीमियम इंपोर्टेड लिकर कह कर बेचा जा रहा था। दिल्ली के आबकारी विभाग ने बीते गुरुवार को इस मामले का भंडाफोड़ किया। विभागीय अधिकारियों ने एक गुप्त सूचना के आधार पर नरेला के एक मॉल में स्थित डीएसआईआईडीसी के इंपोर्टेड लीकर शॉप पर छापा मारा।

अधिकारियों ने पाया कि दुकान के कर्मचारी महंगी व्हिस्की, जिन और वोडका की खाली बोतलों में सस्ती शराब और पानी भरकर उन्हें प्रीमियम ब्रांड बताकर बेच रहे थे। यह सब दिल्ली स्टेट इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉर्पोरेशन (डीएसआईआईडीसी) की शराब की दुकान में हो रहा था। इस दुकान को अब सील कर दिया गया है और अधिकारी इस बड़े शराब घोटाले की जांच कर रहे हैं। आबकारी विभाग के अधिकारी जब वहां पहुंचे तो दुकान थोड़ी खुली हुई दिखी। अंदर चार कर्मचारियों को कथित तौर पर बोतलें भरते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। 'कर्मचारी कबाड़ियों से खाली बोतलें खरीदते थे, उन्हें भरते थे और फिर नकली बारकोड लगाकर महंगी शराब के तौर पर बेचते थे। डीएसआईआईडीसी को सूचित कर दिया है और सख्त कार्रवाई की मांग की है।' मॉल के बाहर खड़ी एक कार की भी तलाशी ली गई, जिसमें खाली बोतलों से भरा एक बैग मिला। इनमें से कुछ बोतलों का इस्तेमाल इस अवैध काम में हो रहा था। नरेला थाने की पुलिस को मौके पर बुलाया गया और मामला दर्ज किया गया है।

सोना 861 गिरकर 1.20 लाख प्रति 10 ग्राम हुआ

चांदी 3,500 फिसलकर 1.46 लाख किलो बिक रही, कैरेट के हिसाब से देखें गोल्ड की कीमत

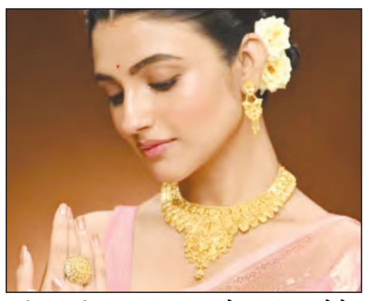

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 4 नवंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम सोना 861 रुपए गिरकर 1,19,916 रुपए पर आ गया है।

इससे पहले सोने की कीमत 1,20,777 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, चांदी 3,500 रुपए कम होकर 1,45,800 रुपए प्रति किलोग्राम आ गई है। इससे पहले इसकी कीमत 1,49,300 प्रति किलोग्राम थी। 17 अक्टूबर को सोने ने 1,30,874 रुपए और चांदी ने 1,78,100 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।आईबीजेए की सोने की कीमतों में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल आरबीआई सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है।

कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

इस साल अब तक सोने की कीमत 43,754 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,19,916 रुपए हो गया है।चांदी का भाव भी इस दौरान 59,783 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,45,800 रुपए प्रति किलो हो गई है।

एसबीआई ने यस बैंक की 13% हिस्सेदारी बेची

प्रॉफिट 10% बढ़कर 20,160 करोड़ हुआ, शेयर 959 के ऑल-टाइम हाई पर पहुंचा

मुंबई,4 नवंबर (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े सरकारी लेंडर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) को वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में 20,160 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ। सालाना आधार पर यह 10% बढ़ा है। पिछले साल की समान तिमाही में एसबीआई को 18,331 करोड़ का प्रॉफिट हुआ था। एसबीआई के इस मुनाफे में यस बैंक की 13.18% हिस्सेदारी बेचने से मिले 4,593.22 करोड़ का प्रॉफिट भी शामिल है। जुलाई-सितंबर (क्यू 2 एफ वाई26) तिमाही में स्टेट बैंक की टोटल इंटरेस्ट इनकम यानी ब्याज आय 1.20 लाख करोड़ रुपए रही। पिछले साल की समान तिमाही में यह 1.13 लाख करोड़ रुपए थी। सालाना आधार पर यह 5.08% बढ़ी है। वहीं दूसरी तिमाही में एसबीआई की स्टैंड-अलोन नेट इंटरेस्ट इनकम 42,984 करोड़ रुपए रही। पिछले साल की समान तिमाही में यह 41,620 करोड़ रुपए थी। सालाना आधार पर यह 3.28% बढ़ी है। दूसरी तिमाही (क्यू 2एफवाई26) के दौरान बैंक का नेट एनपीए यानी नॉन परफॉर्मिंग एसेट 9.04% कम होकर 18,460 करोड़ रुपए रह गया है। जुलाई-सितंबर 2025 के दौरान यह 20,294 करोड़ रुपए था। एसबीआई ने 17 सितंबर 2025 को यस बैंक में अपनी 13.18% हिस्सेदारी 21.50 प्रति शेयर के भाव पर बेची थी, जिससे बैंक को 4,593.22 करोड़ का मुनाफा हुआ था। बैंक ने इस मुनाफे को एक्सेप्शनल इनकम यानी असाधारण आय माना है, जिसे कैपिटल रिजर्व में डाला जाएगा। हिस्सेदारी बेचने के बाद 30 सितंबर 2025 तक एसबीआई की यस बैंक में हिस्सेदारी घटकर 10.78% रह गई है। हालांकि, एसबीआई को अब भी निवेश सहयोगी यानी एसोसिएट कंपनी के रूप में माना जाएगा।

एयर टिकट बुकिंग से 48 घंटे के भीतर फ्री कैंसिलेशन मिलेगा

डीजीसीए जल्द ला सकता है हवाई यात्रा के नए नियम, 30 नवंबर तक सुझाव मांगे

नई दिल्ली,4 नवंबर (एजेंसियां)। अब एयर पैसेंजर्स को टिकट बुक करने के 48 घंटे के अंदर बिना किसी एक्स्ट्रा चार्ज के कैंसिल या चेंज करने का मौका मिल सकता है। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने इन नियमों को लाने के लिए एक ड्राफ्ट जारी किया है। डीजीसीए ने लोगों से इसके लिए 30 नवंबर तक सुझाव मांगे हैं। अगर सब ठीक रहा तो जल्द ही नियम बनेगा, लेकिन ये कब से लागू होंगे, ये अभी तय नहीं हुआ है।बुकिंग के बाद 48 घंटे का 'लुक-इन' पीरियड मिलेगा। यानी सोचो-समझो, पसंद न आए तो टिकट कैंसिल कर दो। नाम में कोई एरर हो तो 24 घंटे के अंदर फ्री में सुधार करा सकते हैं। मेडिकल इमरजेंसी में भी एयरलाइन रिफंड दे सकती है। पैसेंजर ने टिकट एयरलाइंस की वेबसाइट से डायरेक्ट बुक की हो या ट्रैवल एजेंट या किसी पोर्टल से, रिफंड की जिम्मेदारी एयरलाइन की होगी। ऐसा इसलिए क्योंकि एजेंट उनका ही एक्सटेंशन है। रिफंड 21 वर्किंग दिनों में देना होगा। अगर टिकट में अमेंडमेंट कर रहे हैं, तो सिर्फ नए फ्लाइट का फेयर डिफरेंस लगेगा। लेकिन ये सुविधा तभी मिलेगी, जब फ्लाइट की डिपार्चर डेट बुकिंग से कम से कम 5 दिन (डोमेस्टिक) या 15 दिन (इंटरनेशनल) दूर हो। फिलहाल भारत में एयर टिकट कैंसिलेशन के लिए कोई स्टैंडर्ड 48 घंटे का ग्रेस पीरियड नहीं है। ज्यादातर एयरलाइंस अपनी पॉलिसी के मुताबिक फीस लगाती हैं।रिफंड प्रोसेस भी धीमा है, और पैसेंजर्स को परेशानी होती है। खासकर ट्रैवल एजेंट्स या पोर्टल्स से बुकिंग में रिफंड में देरी आम बात है। डीजीसीए का ये प्रपोजल इन प्रॉब्लम्स को सॉल्व करने के लिए है, ताकि पैसेंजर्स को क्लियर गाइडलाइंस मिलें।इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का मानना है कि ये चेंज पैसेंजर्स को एम्पावर करेगा और ट्रस्ट बढ़ाएगा।

कम कीमतों से जूझ रहा स्टील सेक्टर; 150 यूनिट्स ने बंद किया उत्पादन

सरकार के विस्तार लक्ष्य पर खतरा

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। स्टील की कम कीमतें छोटी कंपनियों के लिए समस्या बन सकती हैं। इस्पात सचिव संदीप पौंड्रिक ने यह संभावना जताई। उन्होंने कहा कि कम कीमतों के कारण करीब 150 छोटे स्टील उत्पादकों ने उत्पादन बंद कर दिया है। स्टील समिट 2025 को संबोधित करते हुए पौंड्रिक ने बताया कि पांच साल पहले स्टील की कीमतें जरूरत से अधिक थीं, लेकिन आज ये जरूरत से कम स्तर पर हैं, जिससे बाजार में असंतुलन पैदा हो गया है।

कम कीमतें सरकार के क्षमता बढ़ाने के लक्ष्य पर डाल सकती हैं असर

पौंड्रिक ने कहा कि छोटे उद्योगों के लिए मौजूदा कीमतें एक बड़ी चुनौती बन गई हैं, खासकर ऐसे समय में जब सरकार अगले पांच से सात वर्षों में स्टील क्षेत्र की क्षमता बढ़ाने की योजना पर काम कर रही है। आपने अभी सभी कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजे देखे हैं, लगभग सभी के मुनाफे में कमी आई है। लेकिन कीमत एक समस्या है, खासकर तब जब हमें अगले पांच से सात वर्षों में 100 मिलियन टन क्षमता में निवेश करने की जरूरत है।

अधिशेष उत्पादन विश्वभर के लिए समस्या

सचिव ने यह भी बताया कि विश्वभर में, विशेषकर चीन में, अधिशेष उत्पादन और उसके परिणामस्वरूप डंपिंग एक वास्तविक समस्या है, न केवल हमारे लिए, बल्कि प्रत्येक देश के लिए।

पौंड्रिक ने कहा कि सरकार ने आयातित स्टील पर अस्थायी रूप से सुरक्षा शुल्क लगाया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि घरेलू स्टील उद्योग को किसी समस्या का सामना न करना पड़े। अच्छी खबर यह है कि स्टील की खपत बढ़ रही है, क्षमता बढ़ रही है। बढ़ती खपत को पूरा करने के लिए पिछले 10 वर्षों में नई क्षमताएं विकसित की जा रही हैं। सचिव ने कहा कि देश की दीर्घकालिक आत्मनिर्भरता के लिए स्टील उद्योग को संरक्षित करने की आवश्यकता है।

यह एक रणनीतिक क्षेत्र है, इस अर्थ में कि अगर आप आयात पर निर्भर हो जाते हैं, तो आपको भू-राजनीतिक कारणों से समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, जैसा कि हम आज विश्व में देख रहे हैं।इस्पात उद्योग पर 3-4 बड़ी कंपनियों के प्रभुत्व की धारणा को खारिज करते हुए पौंड्रिक ने कहा कि भारत में 47 प्रतिशत इस्पात का उत्पादन 2,200 मध्यम स्तर की इस्पात उत्पादक कंपनियों द्वारा किया जाता है।

मेहली मिस्त्री पर टाटा ग्रुप की नजर

ट्रस्ट से हटाए जाने के बाद क्या होगा अगला कदम?

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। टाटा ग्रुप के अंदर इन दिनों सबकी निगाहें एक ही शख्स पर टिकी हैं और वो हैं मेहली मिस्त्री। टाटा ट्रस्ट्स से हटाए जाने के बाद भी वे समूह के कई अहम चैरिटेबल संस्थानों में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। यही वजह है कि ग्रुप के भीतर और बाहर, दोनों जगह यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि मिस्त्री अब आगे क्या कदम उठाएंगे।हाल ही में टाटा संस में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी रखने वाले दो मुख्य ट्रस्ट, सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट ने मेहली मिस्त्री को दोबारा ट्रस्टी के रूप में नियुक्त करने का प्रस्ताव खारिज कर दिया। इस फैसले के बाद उनका सीधा प्रभाव खत्म हो गया है, क्योंकि इन्हीं ट्रस्टों के पास टाटा समूह में नियंत्रण की सबसे बड़ी ताकत है। फिर भी, मिस्त्री अभी पूरी तरह सिस्टम से बाहर नहीं हुए हैं। वे टाटा एजुकेशन एंड डेवलपमेंट ट्रस्ट, कोलकाता के टाटा मेडिकल सेंटर, और मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में अभी भी बोर्ड सदस्य हैं। इन संस्थानों का सामाजिक और शैक्षिक क्षेत्र में बड़ा योगदान है। टीईडीटी की स्थापना लगभग दस साल पहले हुई थी। यह लगभग 5,000 करोड़ के फंड की देखरेख करता है और उच्च शिक्षा, स्कॉलरशिप और स्किल डेवलपमेंट से जुड़े प्रोजेक्ट्स पर काम करता है। इस ट्रस्ट के बोर्ड में नोएल टाटा, वेणु श्रीनिवासन, विजय सिंह, मेहली मिस्त्री और जहांगीर मिस्त्री शामिल हैं। दिलचस्प बात यह है कि टीईडीटी को विदेशों में भी चैरिटेबल कामों के लिए फंड देने का अधिकार है, जो इसे बाकी टाटा ट्रस्ट्स से अलग बनाता है। ईटी की एक रिपोर्ट में सूत्रों के मुताबिक बताया गया कि अगर मेहली मिस्त्री अपने हटाए जाने को अदालत में चुनौती देते हैं, तो टीईडीटी में उनकी पोजीशन पर भी असर पड़ सकता है। फिलहाल उन्होंने महाराष्ट्र के चैरिटी कमिश्नर से अपील की है कि ट्रस्टियों की लिस्ट में कोई बदलाव करने से पहले उनकी राय सुनी जाए.दक्षिण मुंबई का प्रतिष्ठित ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल भी मिस्त्री के प्रभाव वाले संस्थानों में से एक है। वे 2004 से इसके ट्रस्टी हैं। हाल ही में टाटा ग्रुप ने इस अस्पताल को अपने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी फंड से 500 करोड़ का दान दिया है। इसने अस्पताल की सुविधाओं को और बेहतर बनाया है, और मिस्त्री की उपस्थिति यहां अब भी बनी हुई है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,) आज आपकी किसी से कोई महत्वपूर्ण बातचीत होने के आसार हैं । टकराव की स्थिति भी बन सकती है या साधारण बातचीत भी हो सकती है । लेकिन यह जो भी हो,इससे आपको सोचने के लिए काफी कुछ मिलेगा और आप पूरे दिन इसी में व्यस्त रहेंगे । आप आज कोई विकर्षण सहन नही करेंगे फिर भी आपको यह महसूस होगा कि इस घटना पर अधिक सोचकर कुछ हासिल नही होगा ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) आज आपके भावनाओं में बहने की उम्मीद थोड़ी ज्यादा है । किसी छोटी सी बात पर भी आप उदास हो जायेंगे या पुराने बेहतर समय को याद करने लगेंगे । किसी पुराने दोस्त से संपर्क साधने की कोशिश कर सकते हैं । आज आप अपनी वर्तमान समस्या को सुलझाने के लिए कोई संतोषजनक समाधान खोजने या किसी की तरफ दोस्ती का हाथ बढाने के मूड में हैं ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) आज आप अधिकार जताने के मूड में हैं । आप सबसे आगे रहकर अपना अधिकार जताना चाहते हैं । इस बारे में सावधान रहें कि आपको अभिमानी न समझा जाए । आप न चाहते हुए भी किसी को परेशान कर सकते हैं । अगर आपको लगता भी है कि आप सब जानते हैं और सबसे बेहतर कर सकते हैं तब भी कार्य में औरों का सहयोग लेने की कोशिश करें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) भौतिक सुविधाओं की ओर ध्यान देने के लिए यह काफी अच्छा समय है । अपने सामाजिक जीवन का आनंद उठायें और ऐसे दोस्तों और परिचितों से भी बात करें जिनके सम्पर्क में आप लम्बे समय से नही रहे हैं । आज अपने जाग्रति स्तर में भी बदलाव महसूस करेंगे,जो आपको अचानक ही अनुभव होगा । इस समय अपने मन की बात सुनना ही उचित होगा ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) आपकी शांतिपूर्ण मन स्थिति में औरों के सवालों से बाधा पहुचेगी । वे सब यह जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं कि आपकी निजी और व्यव्सायिक जिंदगी में क्या चल रहा है । आपके किसी करीबी ने ही उन लोगों तक आपकी भविष्य की योजनाओं की जानकारी पहुचाई है लेकिन आप इन सबकी उपेक्षा कर दें और केवल अपने काम पर ध्यान दें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) आपको समय फिलहाल रेंगता हुआ महसूस हो रहा है । लेकिन धीरज रखें और अपनी उत्सुकता भी बनाये रखें । हालाँकि आपको अपने किसी वादे या किसी निजी सम्बन्ध की खातिर कुछ समय के लिए अपने लक्ष्यों को एक तरफ करना पड़ सकता है । अपने साथी के साथ विवादों और गलतफहमियों से बचें ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) आज आप अनुभव करेंगे कि आप सामान्य से कुछ अधिक बोल रहे हैं । आप पिछले कुछ समय से चालाकी भरा व्यवहार कर रहे हैं लेकिन आज आप इससे खुद ही परेशानी अनुभव करेंगे । आज आप वह सच्चाई नही उगलना चाहते जो शायद कईयों को अच्छी नही लगेगी । आज के लिए किसी एकान्त कार्यकलाप की योजना बनाएं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा और बहुत से लोग आपको आपकी दयनीय स्थिति से निकालने के लिए हाथ बढ़ाएंगे । लेकिन आप इस स्थिति में किसी और की गलती की वजह से फंसें हैं,अबकी बार ऐसे लोगों से सावधान रहें । आज आपको अपनी जीत का जश्न मनाना चाहिए ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) आज का दिन कुछ अजीब सा रहेगा । कोई ऐसी घटना घट सकती है जिसकी आपने कभी कल्पना भी ना की होगी । आप गृहों से मिलने वाली ऊर्जा का ध्यान रखें और यह समझने की कोशिश करें कि वे आपको किस दिशा में ले जाना चाहती हैं ।जीवन के इस मोड़ पर आपको सही रास्ता मिलना ही आपका आगे का भविष्य तय करेगा ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) आप अपने गुस्से के कारण तुरंत प्रतिक्रिया देने के मूड में हैं । लेकिन आपके लिए सुझाव यह है कि अपने दिमाग को शांत रखकर गंभीरता से सोचें । आपके पास अच्छी संचार-कुशलता है और इसे अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करें । तनाव घटाने के लिए,किसी साहसिक यात्रा पर जा सकते हैं लेकिन शारीरिक आनंद के चक्कर में न पड़ें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) अपने घर से जुडी किसी अच्छी खबर के लिए तैयार रहें । निवास स्थान में बदलाव संभव है या नया घर खरीदने की योजना को अंतिम रूप दे सकते हैं । अपनी सकारात्मक ऊर्जा का लाभ उठायें । अगर आप कुछ समय से अपने घर या इसके किसी हिस्से को को नया रूप देने के बारे में सोच रहे हैं तो यह समय इसके लिए बहुत अच्छा है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) आप किसी करीबी को कोई सलाह देंगे और वह इसे बहुत कृतज्ञता के साथ स्वीकार करेगा । आप आज बहुत अच्छे और नरम मूड में हैं ,आज का दिन अपने पुराने दोस्तों से सम्पर्क स्थापित करने के लिए बहुत अच्छा है । अपने किसी पुराने स्कूल के दोस्त से फोन पर बाते क्र लें,आपको बहुत अच्छा लगेगा । पिछले मतभेदों को भुलाकर आगे बढने के लिए भी अच्छा समय है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

मेडिकल एंट्रेंस में 2 बार फेल अब वर्ल्ड-चैंपियन टीम की फिजियो

छत्तीसगढ़ की आकांक्षा इंडियन विमेंस टीम की हीलिंग हैंड, बॉलीवुड सेलिब्रिटी को दे चुकीं ट्रेनिंग

रायपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने विमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया है। इस ऐतिहासिक जीत के पीछे छत्तीसगढ़ की बेटी आकांक्षा सत्यवंशी का भी अहम रोल रहा है। टीम में बतौर मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव और फिजियो एक्सपर्ट आकांक्षा ने वर्ल्ड कप सीरीज के दौरान खिलाड़ियों को पूरा सपोर्ट किया है।

आकांक्षा के संघर्ष की कहानी केवल टीम इंडिया की फिजियो एक्सपर्ट बनने की ही नहीं बल्कि, उस समय से है जब वो दो बार मेडिकल एंट्रेंस में फेल हो गई और उनके डॉक्टर बनने का सपना टूट चुका था। इसके बाद आकांक्षा ने फिजियोथेरेपी की राह चुनी।

मेहनत और जुनून ने आखिर रंग दिखाया और आज आकांक्षा क्रिकेट वर्ल्ड चैंपियन टीम के खिलाड़ियों के फिजिकल कंडीशन का खास ख्याल रख रही हैं। आकांक्षा सत्यवंशी बॉलीवुड सेलिब्रिटी को भी ट्रेनिंग दे चुकी हैं।

कैसे छत्तीसगढ़ की आकांक्षा ने नाकामियों को अपनी ताकत बनाकर टीम इंडिया की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाई। **उनकी जज्बे, मेहनत और हौसले की कहानी:**

आकांक्षा के बड़े भाई अभिनव सत्यवंशी ने बताया कि दो बार एमबीबीएस एंट्रेंस एग्जाम में आकांक्षा का सिलेक्शन नहीं हो पाया था। एडमिशन के लिए आखिरी साल बचा था, ऐसे में उसने रिसर्च करने के बाद फिजियोथैरेपी का कोर्स करने का फैसला लिया।

कोर्स में एडमिशन लेने के बाद भी आकांक्षा कुछ मायूस थी, क्योंकि डॉक्टर बनने का उसका सपना अधूरा रह गया था। उस समय मैंने उसे मोटिवेट करते हुए कहा था कि बीसीसीआइ में इंडियन टीम के साथ एक फिजियोथैरेपिस्ट भी होता है, और तुझे वहीं तक पहुंचना है।

देशभर में टीम इंडिया के खिताब जीतने के बाद जश्न का माहौल है, वहीं आकांक्षा के घर में भी सेलिब्रेशन का दौर जारी है। परिवार के लोग लगातार फोन कॉल कर आकांक्षा के माता-पिता को बधाई दे रहे हैं। फाइनल मैच जीतने के बाद टीम इंडिया ने जमकर सेलिब्रेशन किया।

आकांक्षा ने अपने परिवार से तुरंत बात नहीं की, लेकिन सोमवार की शाम उसने वीडियो कॉल के जरिए पहले अपने परिवार को स्टेडियम दिखाया और फिर अपना मैडल दिखाया। इस दौरान पूरा परिवार खुशी से झूम उठा। यह पहली बार है कि छत्तीसगढ़ की बेटी ने वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम के सपोर्ट स्टाफ में जगह बनाई है। मैदान में जब खिलाड़ी विकेट गिराते हैं या चौके-छक्के लगाते हैं, तो तालियां उनके लिए बजती हैं। लेकिन जब कोई खिलाड़ी इंजरी के बाद फिट होकर मैदान में उतरता है, उस पल के पीछे आकांक्षा जैसी फिजियोथैरेपिस्ट का महीनों का परिश्रम छिपा होता है।

महादेव बेटिंग केस: आरोपी रवि उप्पल लापता

दुबई में गिरफ्तारी के 2 साल बाद गायब, सौरभ-रवि ने मिलकर शुरू किया था सट्टे का कारोबार

रायपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। दुबई में दिसंबर 2023 में गिरफ्तार किए गए महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप घोटाले के मुख्य आरोपी रवि उप्पल का अब कोई सुराग नहीं है। इंटरपोल की तरफ से जारी रेड कॉर्नर नोटिस के आधार पर हुई गिरफ्तारी के बाद माना जा रहा था कि उसे जल्द भारत प्रत्यर्पित किया जाएगा। लेकिन दो साल बाद अब वह लापता है। उसका प्रत्यर्पण "स्थगित" कर दिया गया है।

सूत्रों के अनुसार, भारतीय एजेंसियों को बताया गया है कि, रवि उप्पल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से किसी अज्ञात देश के लिए रवाना हो गया है। उसकी वर्तमान लोकेशन या गंतव्य के बारे में कोई जानकारी साझा नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि यूएई ने प्रत्यर्पण प्रक्रिया को अस्थायी रूप से रोकने का प्रस्ताव दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूएई ने अनौपचारिक रूप से भारत के प्रत्यर्पण अनुरोध को ठुकरा दिया, क्योंकि आवश्यक दस्तावेज समय पर नहीं पहुंचे। हालांकि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस दावे को

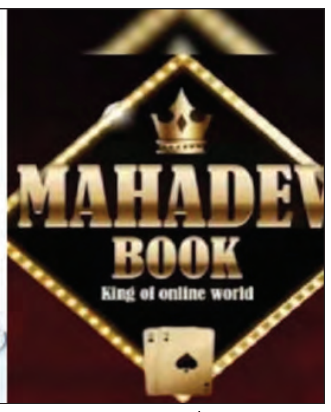

खारिज करते हुए कहा कि सभी दस्तावेज समय पर जमा किए गए थे और प्रक्रिया में भारत की कोई चूक नहीं हुई। रवि उप्पल का यूएई से लापता होना ईडी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि एजेंसी उप्पल और उसके सहयोगी सौरभ चंद्राकर की जांच कर रही है। चंद्राकर को दिसंबर 2024 में दुबई में गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल वह हाउस अरेस्ट में है। भारत ने उसके प्रत्यर्पण की भी मांग की थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, रवि उप्पल के पास वानूआतू नामक साउथ पैसफिक द्वीप देश का पासपोर्ट है। यह देश भारत के साथ प्रत्यर्पण समझौते में शामिल नहीं है। बताया गया है कि उप्पल और चंद्राकर ने वानूआतू में संपत्तियां खरीदीं और वहां से अपने नेटवर्क को फैलाने की योजना बनाई थी।

सौरभ चंद्राकर: रिपब्लिक ऑफ वानूआतू की नागरिकता सौरभ ने ली है। पासपोर्ट नंबर- आरवी0165645 बताया गया है। यह 6 मई 2022 से 5 मई 2032 तक का जारी हुआ है। इसमें सौरभ का हस्ताक्षर भी है। पासपोर्ट में सौरभ ने 13 जनवरी 1995 को भिलाई में जन्म होना बताया है।

रवि उप्पल: सौरभ की तरह रवि ने भी रिपब्लिक ऑफ वानूआतू की नागरिकता ले ली है। पासपोर्ट नंबर- आरवी0168309 है। रवि के पासपोर्ट में 30 सितंबर 1980 को जन्म तारीख बताया है। 28 जून 2022 से 27 जून 2032 तक पासपोर्ट दिखाया गया है। इसमें रवि का हस्ताक्षर है।

महादेव बेटिंग ऐप घोटाले की शुरुआत 2018 में हुई थी। जिससे रोजाना करोड़ों का दांव लगता है। इस अवैध नेटवर्क के 3,200 पैनल देशभर में सक्रिय थे। दुबई, छत्तीसगढ़, मलेशिया और थाईलैंड में चल रहे कॉल सेंटरों से इसका संचालन किया जाता था। चंद्राकर और उप्पल के पुलिस, नौकरशाहों और नेताओं से करीबी संबंध थे, जिससे जांच एजेंसियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

मोबाइल चलाने से मना करने पर छात्रा ने किया सुसाइड

देर-रात फोन पर बात कर रही थी, बहन ने टोका तो नदी में कूदी

बिलासपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सोमवार की रात करीब 1.30 बजे 9वीं की छात्रा ने अरपा नदी से कूदकर सुसाइड कर लिया। छात्रा देर रात तक मोबाइल देख रही थी। जिसे परिजनों ने मना किया, तो गुस्से में दौड़कर नदी के पास पहुंची और छलांग लगा दी। इस दौरान उसके परिजन भी पीछा करते हुए वहां पहुंचे। बड़ी बहन ने शोर मचाकर लोगों से मदद मांगी। देखते ही देखते वहां लोगों की भीड़ जुट गई। रात के अंधेरे में दो युवकों ने नदी में पानी के अंदर तक जाने की कोशिश की। लेकिन, उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है।

पुलिस के अनुसार, राजकिशोर नगर स्थित ब्रम्हाकुमारी आश्रम के पीछे रहने वाले अरूण कठौते प्राइवेट जॉब करते हैं। उसकी छोटी बेटी अदिति कठौते (14) घर में रात करीब 1.30 बजे तक मोबाइल देख रही थी। जिसे उसकी बड़ी बहन चेतना कठौते ने चलाने से मना किया।

वो बोली कि देर रात मोबाइल देख रही है, अब सो जा। इतने में अदिति गुस्से में घर से बाहर निकल गई। दौड़ते हुए अरपा नदी स्थित छठघाट पहुंची। चेतना ने अदिति के घर से बाहर निकलने की जानकारी अपने पिता अरुण कमल कठौते को दी। जिसके बाद दोनों दौड़ते हुए अदिति का पीछा करने लगे।

इस दौरान चेतना और उसके पिता चिल्ला-चिल्लाकर उसे रोकने के लिए आवाज लगाते रहे। लेकिन, वो नहीं रूकी। देखते ही देखते अदिति अरपा नदी स्थित छठघाट पहुंच गई, जहां उसने बहन और पिता के सामने नदी में छलांग लगा दी। अपनी आंखों के सामने अदिति को नदी में छलांग लगाते देखकर बड़ी बहन चेतना हैरान रह गई। उसने शोर मचाकर लोगों से मदद मांगी। देखते ही देखते वहां लोगों की भीड़ जुट गई। इस दौरान रात के अंधेरे में दो युवक नदी में पानी के अंदर तक जाने की कोशिश की। लेकिन, गहराई अधिक होने के कारण वो ज्यादा दूर नहीं जा सके। लोगों ने इस घटना की सूचना तत्काल सरकंडा पुलिस को दी। जिसके बाद थाना प्रभारी प्रदीप आर्या, एएसआई देवेंद्र तिवारी मौके पर पहुंच गए। लेकिन, देर रात होने की वजह से रेस्क्यू नहीं किया जा सका।

आज मंगलवार की सुबह से पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान छात्रा का रेस्क्यू किया गया। वहीं, रेस्क्यू के लिए एसडीआरएफ टीम और स्थानीय गोताखोरों की मदद ली गई।

राज्योत्सव में फिशरीज डिपार्टमेंट का एक्जिबिशन

शर्मिली शार्क, मेन-मेड फ्लावर हॉर्न, करंट मारने वाली स्टिंग-रे, खतरनाक पिराना और एरोवान मछली मौजूद

रायपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। राज्योत्सव में इस बार फिशरीज डिपार्टमेंट ने 21 से अधिक प्रजातियों की मछलियों का एक्जिबिशन लगाया गया है। इनमें पिराना-स्टिंग रे जैसी खतरनाक मछलियों के साथ गोल्ड फिश और कलर ट्रेटा जैसी शांत और आकर्षित करने वाली मछलियां भी हैं। इसके अलावा शर्मीली प्रजाति की मछली भी है।

एक्जिबिशन में 5 रुपए से 50 हजार तक की मछलियां हैं। इसके अलावा एरोवान जैसी रेयर स्पीशीज की मछलियां भी हैं, जिनकी कीमत विदेशी बाजारों में करोड़ों तक जा सकती है। खास बात ये है कि इन सभी मछलियों को आप घर के एक्वा टैंक में पाल सकते हैं।

इन 21 में से कुछ खास मछलियों का जिक्र हम अपनी खबर में कर रहें हैं। इनमें से कुछ रेयर हैं और कुछ खतरनाक भी, लेकिन कुछ एक्स्ट्रा केयर के साथ

आप इन्हें घर पर रख सकते हैं।

इसमें सबसे पहला नंबर आता है एरोवान फिश का। ये बहुत प्रीमियम, दुर्लभ और शुभ मानी जाने वाली एक्वेरियम मछली है। इसे कई देशों में लग्जरी फिश कहा जाता है और खासकर एशिया में इसे लकी ड्रैगन फिश भी कहा जाता है।

फेंगशुई में इसे समृद्धि, सौभाग्य और बिजनेस ग्रोथ का प्रतीक माना जाता है।

बाकी मछलियां बड़ी संख्या या पेयर में दिख जाएगी। लेकिन से राज्योत्सव में सिर्फ एक ही आई है। इंडियन मार्केट में इसकी कीमत 20,000 से 3,00,000 तक हो सकती हैं। लेकिन प्रीमियम सर्टिफाइड वेराइटी विदेश में करोड़ों तक जाती है।

ये मछली बेहद शाही और रॉयल लुक वाली मानी जाती हैं। सतह के पास तैरती है और बुद्धिमान भी होती है। अपने मालिक को पहचान आसानी से कर सकती है।

आमतौर पर दक्षिण अमेरिका की नदियों में पाई जाने वानी पिराना मछली भी इस राज्योत्सव में आपको देखने को मिलेगी। इनके दांत आसानी से मांस काटने और चीरने में सक्षम हैं। एक अध्ययन में पाया गया कि पिराना 320 न्यूटन का बाइट फोर्स जनरेट कर सकती है।

इस फोर्स को यदि उसके शरीर के भार से अनुपात में देखा जाए, तो यह लगभग अपने शरीर वजन का 30 गुना है। हालांकि, यह जरूरी नहीं कि हर पिराना इतनी ताकत से काटे। भारतीय बाजार में इसकी कीमत बहुत ज्यादा नहीं है और आसानी से मिल जाती है।

मुख्य रूप से दक्षिण अमेरिका के नदियों में पाई जाने वाली स्टिंग रे मछलियां भी यहां मौजूद हैं। जो देखने में काफी आकर्षक हैं।

प्रसूता की मौत डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप

आक्रोशित परिजन शव लेकर अस्पताल पहुंचे, हंगामा, डॉक्टर-स्टाफ फरार

धनबाद, 4 नवंबर (एजेंसियां)। धनबाद में एक निजी अस्पताल की कथित लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। बाघमारा थाना क्षेत्र के डुमरा हीरक रोड स्थित अवनित हेल्थ केयर अस्पताल से डिस्चार्ज होने के तुरंत बाद एक प्रसूता की रास्ते में मौत हो गई। घटना से आक्रोशित परिजन और ग्रामीण शव लेकर अस्पताल पहुंचे और जमकर हंगामा किया। हंगामा बढ़ता देख अस्पताल के डॉक्टर और स्टाफ मौके से फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, गीता देवी नामक प्रसूता को 26 अक्टूबर को प्रसव के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसी दिन उनकी डिलीवरी परिजन शव लेकर अस्पताल पहुंचे, सोमवार रात डॉक्टरों ने उन्हें डिस्चार्ज कर दिया।

लिट्टी और चावल खा कर पूरा परिवार हुआ बीमार

फूड पॉइजनिंग का मामला, पांच लोग बीमार, सदर अस्पताल में चल रहा इलाज

कोडरमा, 4 नवंबर (एजेंसियां)। कोडरमा जिले के डोमचांच प्रखंड अंतर्गत बेहराडीह गांव में एक ही परिवार के पांच लोगों के फूड पॉइजनिंग का शिकार होने का मामला सामने आया है। सभी को कोडरमा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका इलाज जारी है। पीड़ित परिवार ने चावल और लिट्टी खाया था। खाना खाने के कुछ देर बाद ही सभी की तबीयत बिगड़ने लगी। उन्हें उल्टी-दस्त की शिकायत हुई। परिवार के लोगों ने पहले घर पर ही घरेलू इलाज किया, लेकिन जब स्थिति बिगड़ने लगी तब अस्पताल पहुंचे। बीमार पड़ी 18 वर्षीय रीना कुमारी ने बताया कि खाना खाने के तुरंत बाद उन्हें पेट में दर्द और उल्टी की समस्या शुरू हो गई।

तोमर बंधुओं की जमानत याचिका खारिज, पत्नी-भतीजे को बेल

कहा- आर्गेनाइज क्राइम में परिवार को फंसा रही पुलिस, सरकारी वकील बोले- भाइयों का आपराधिक रिकॉर्ड लंबा

बिलासपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने रायपुर में ब्लैकमेलिंग और सूदखोरी के केस में हिस्ट्रीशीटर रोहित तोमर और वीरेंद्र तोमर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। वहीं, दोनों की पत्नियों और भतीजे की अग्रिम जमानत मंजूर की है।

सरकारी वकील ने अदालत में तोमर बंधुओं की अग्रिम जमानत का विरोध किया। सरकारी वकील ने बताया कि दोनों भाइयों का आपराधिक रिकॉर्ड लंबा है और उन पर लगभग 16 मामले दर्ज हैं। पुलिस छापेमारी में उनके घर से कई ब्लैंक चेकबुक, हथियार और कारतूस बरामद हुए। इसके अलावा वे बिना लाइसेंस के अवैध सूदखोरी भी करते पाए गए।

सरकारी वकील के तर्क सुनने के बाद हाईकोर्ट ने तोमर बंधुओं की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। याचिका खारिज होने के बाद तोमर बंधु के वकील ने कहा कि वे अन्य कानूनी विकल्पों का सहारा लेंगे, क्योंकि इसी मामले में अन्य आरोपियों को जमानत मिल चुकी है और इन्हें भी राहत मिलने की उम्मीद है।

इधर, दोनों की पत्नियों और भतीजे को जमानत मिलने पर राहत मिली है। याचिका में आरोप लगाया गया कि साधारण मारपीट के केस में पुलिस आर्गेनाइज क्राइम में परिवार को फंसा रही है।

दरअसल, रायपुर के तेलीबांधा और पुरानी बस्ती थाने में वीरेंद्र तोमर और उसके भाई रोहित तोमर पर एक्सटॉर्शन और सूदखोरी का केस दर्ज किया गया है। मामले में जब पुलिस ने उनके घर में दबिश दी थी, तब कैश, चेक और जमीनों के दस्तावेज मिले थे। पुलिस ने जांच के बाद

दावा कि मामला आर्गेनाइज क्राइम से जुड़ा हुआ है। लिहाजा, पुलिस ने तोमर बंधुओं के खिलाफ अलग-अलग 7 एफआईआर दर्ज कर सख्ती से कार्रवाई शुरू कर की।

इस कार्रवाई के दौरान वीरेंद्र तोमर और रोहित तोमर पुलिस की गिरफ्तारी के डर से फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, रोहित ने अपनी पत्नी भावना के नाम से ऑफिस खोला था। जहां से सूदखोरी का धंधा ऑपरेट करता था। घटना के बाद से पुलिस दोनों भाइयों की तलाश कर रही है। साथ ही दोनों हिस्ट्रीशीटर भाइयों की जानकारी देने पर रायपुर पुलिस ने इनाम भी घोषित किया है। फरार रोहित तोमर को जब पुलिस पकड़ नहीं पाई, तब उसकी पत्नी भावना तोमर को हिरासत में लिया गया। आरोप है कि पुलिस ने भावना के साथ ही वीरेंद्र की पत्नी शुभ्रा और परिवार के सदस्यों को आर्गेनाइज क्राइम जैसे गंभीर अपराधों में शामिल बताकर आरोपी बना दिया। पुलिस की गिरफ्तारी के बाद पत्नी और परिवार के सदस्यों को कोर्ट से जमानत मिल गई।

तोमर बंधु की पत्नी और परिवार के सदस्यों की तरफ से हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। पूर्व महाधिवक्ता सतीश चंद वर्मा के माध्यम से दायर याचिका में बताया गया कि साधारण मारपीट के केस को पुलिस ने आर्गेनाइज क्राइम बना दिया है। इस मामले में रोहित के खिलाफ केस दर्ज किया गया।

झारखंड में ठंड ने पकड़ी रफ्तार

उत्तर-पश्चिमी हवाओं ने बदला मौसम, रांची में 24 घंटे में 2 .5 डिग्री गिरा पारा, प्रदेश में बढ़ी ठिठुरन

रांची, 4 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड में नवंबर की शुरुआत के साथ ही सर्दी ने दस्तक दे दी है। राजधानी रांची समेत राज्य के ज्यादातर जिलों में तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। पिछले 24 घंटे में रांची का न्यूनतम तापमान 2.5 डिग्री सेल्सियस नीचे आया है।

सोमवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 26.8 डिग्री और न्यूनतम 18.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ेगी। सुबह और रात के समय सर्द हवाएं लोगों को कंपा रही हैं, वहीं दोपहर की धूप में भी ठंडक महसूस हो रही है। पूरे झारखंड में तापमान में तेज गिरावट दर्ज की जा रही है। जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री और न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस, जबकि दुमका में अधिकतम 31 डिग्री और न्यूनतम 18.5 डिग्री रहा। बोकारो में पिछले 24 घंटे में 3.1 डिग्री की गिरावट के साथ अधिकतम तापमान 28.1 डिग्री और न्यूनतम 19.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं गिरिडीह में तापमान में 2.8 डिग्री की कमी आई है। चाईबासा में भी न्यूनतम तापमान 20.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। राज्यभर में सुबह-शाम ठंडी हवाओं के असर से लोग गर्म कपड़ों का इस्तेमाल करने लगे हैं। कई इलाकों में अब रजाइयां और कंबल भी निकलने लगे हैं। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि उत्तर-पश्चिमी हवाओं के सक्रिय होने से राज्य में तापमान तेजी से नीचे जा रहा है। अगले दो से तीन दिनों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में तीन से चार डिग्री तक की और गिरावट संभव है।

2.8 किलो अफीम के साथ 5 तस्कर गिरफ्तार

गोसाईडीह में 13 लाख की अफीम बरामद, दिल्ली भेजी जानी थी खेप

चतरा, 4 नवंबर (एजेंसियां)। चतरा पुलिस ने अवैध अफीम के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गोसाईडीह क्षेत्र से पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 2.800 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद हुई है, जिसकी अनुमानित कीमत 13 लाख रुपए बताई जा रही है। यह अफीम दिल्ली भेजी जानी थी।

एसपी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। इस टीम ने गोसाईडीह के पास वाहनों की सघन जांच शुरू की। जांच के दौरान, दो मोटरसाइकिलों पर सवार पांच व्यक्तियों को रोका गया। तलाशी लेने पर उनके पास से कुल 2.800 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद हुई। पुलिस ने संदीप कुमार, कपिल यादव, गौतम कुमार, ललन यादव और प्रवीण यादव को गिरफ्तार किया है। इनके पास से अफीम के अलावा दो मोटरसाइकिल और स्मार्ट मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों में गौतम कुमार और ललन यादव का पहले भी गंभीर आपराधिक इतिहास रहा है। हंटरगंज थाना में एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस इस रैकेट में शामिल अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। इधर, चतरा एसपी के निर्देशानुसार, पुलिस ने अवैध अफीम के कारोबार से अर्जित संपत्ति पर कड़ा प्रहार किया है।

अवैध कोयला तस्करी पर एक्शन

कबरीबाद कोलियरी में छापेमारी, 20 टन कोयला जब्त, पांच बाइक बरामद

गिरिडीह, 4 नवंबर (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले में अवैध कोयला तस्करी पर नकेल कसने के लिए मंगलवार को पुलिस और प्रशासन ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई की। एसडीएम श्रीकांत यशवंत विस्पुते और एसडीपीओ जीतवाहन उरांव के नेतृत्व में सुबह से ही सीसीएल कोलियरी क्षेत्र के कबरीबाद और आसपास के इलाकों में छापेमारी की गई।

इस दौरान टीम ने मौके से 20 टन से अधिक अवैध कोयला और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही पांच मोटरसाइकिलें जब्त कीं। सभी जब्त वाहनों को मुफस्सिल थाना लाया गया है। हालांकि पुलिस की भनक लगते ही तस्कर मौके से फरार हो गए। प्रशासन ने कई संदिग्धों की पहचान कर ली है और जल्द गिरफ्तारी की उम्मीद जताई है। जानकारी के अनुसार, बीते कुछ दिनों से कबरीबाद और उसके आसपास के क्षेत्रों में अवैध खनन और कोयला चोरी का धंधा तेजी से बढ़ रहा था। स्थानीय स्तर पर कई छोटे-बड़े गिरोह सक्रिय थे, जो रात के अंधेरे में कोयला निकालकर ट्रैक्टर, बाइक और छोटे वाहनों से उसकी तस्करी करते थे। प्रशासन को लगातार इसकी गुप्त सूचनाएं मिल रही थीं। इसके बाद पुलिस और सीसीएल प्रबंधन ने मिलकर यह संयुक्त अभियान चलाया।

बोकारो स्टील प्लांट में फिर हुआ हादसा

एसएमएस-2 में पोकलेन मशीन में लगी आग ऑपरेटर की सूझबूझ से बची जान, बड़ा हादसा टला

बोकारो, 4 नवंबर (एजेंसियां)। बोकारो स्टील प्लांट के स्टील मेल्टिंग शॉप-2 (एसएमएस-2) में सोमवार देर रात अचानक आग लगने की घटना से अफरातफरी मच गई। कन्वर्टर क्षेत्र में खड़ी एक पोकलेन मशीन अचानक धुएं और आग की लपटों में घिर गई।

रात करीब 11 बजे हुई इस घटना में मशीन पूरी तरह जलकर खाक हो गई, लेकिन ऑपरेटर की फुर्ती और सूझबूझ से एक बड़ी दुर्घटना टल गई। जानकारी के अनुसार, आग लगते ही ऑपरेटर ने समय रहते मशीन से कूदकर अपनी जान बचा ली। तत्काल अधिकारियों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही बीएसएल की फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। तब तक पूरी पोकलेन मशीन राख में बदल चुकी थी। राहत की बात रही कि इस हादसे में कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ।

घटना की जानकारी मिलते ही बीएसएल के सुरक्षा अधिकारी, एसएमएस-2 के डीजीएम और संबंधित विभागों के पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने मौके का निरीक्षण किया और आग लगने के कारणों की जांच के आदेश दिए। शुरुआती जांच में संभावना जताई जा रही है कि आग पोकलेन मशीन के इंजन सिस्टम में आई तकनीकी खराबी के कारण लगी होगी।

बोकारो स्टील प्लांट में पिछले कुछ महीनों से हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। बीते पांच महीनों में यहां कई घटनाएं हो चुकी हैं। सितंबर में एसएमएस-2 में हॉट मेटल गिरने की दो घटनाओं में तीन ठेका मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए थे।

वहीं 30 सितंबर को ब्लास्ट फर्नेस-04 में एक मजदूर का हाथ मशीन में फंसकर कट गया था। अगस्त में उप मुख्य कारखाना निरीक्षक की रिपोर्ट में यह भी सामने आया था कि बीएसएल दो वर्षों से सेफ्टी ऑडिट रिपोर्ट जमा नहीं कर रहा है।

मेक्सिको में ड्रग माफिया पर एयर स्ट्राइक करेगा अमेरिका

खुफिया एजेंसी सीआइए भी शामिल होगी सेना भेजने पर जल्द फैसला लेंगे ट्रम्प

वॉशिंगटन, 4 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ड्रग तस्करी से निपटने के लिए मेक्सिको में अमेरिकी सेना और खुफिया अधिकारियों को भेजने की तैयारी कर रहे हैं।

रिपोर्ट में दो मौजूदा और दो रिटायर्ड अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि इस मिशन में सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआइए) भी शामिल हो सकती है। इन अधिकारियों के मुताबिक ट्रम्प प्रशासन ने मेक्सिको में ड्रग कार्टेल्स को निशाना बनाने के लिए इस ऑपरेशन की प्लानिंग पर काम शुरू कर दिया है।

अधिकारियों ने यह भी बताया कि इस संभावित मिशन से जुड़ी शुरुआती ट्रेनिंग शुरू हो चुकी है। प्लान के मुताबिक, मेक्सिको की जमीन पर भी ऑपरेशन हो सकता है, लेकिन अभी सेना भेजने का अंतिम फैसला नहीं लिया गया है।

इस ऑपरेशन में अमेरिका की ज्वाइंट स्पेशल ऑपरेशंस कमांड (जेएसओसी) की टीमें शामिल हो सकती हैं, जो सीआइए के अधिकार क्षेत्र में काम करेंगी।

मिशन के तहत ड्रग लैब्स और कार्टेल सरगनाओं को निशाना बनाने के लिए ड्रोन स्ट्राइक की योजना है। कई ड्रोन ऐसी हैं जिनके संचालन के लिए जमीन पर भी ऑपरेटर्स की जरूरत पड़ती है। फरवरी में, अमेरिकी विदेश विभाग ने 6 मेक्सिकन कार्टेल्स, एमएस-13 गैंग और वेनेज़ुएला के 'ट्रेन डे अरागुआ' को विदेशी आतंकी संगठन घोषित किया था। इससे अमेरिकी सेना और सीआइए को गुप्त ऑपरेशंस करने की खुली छूट मिल जाती है। ट्रम्प पहले भी कह चुके हैं कि उन्होंने वेनेज़ुएला में सीआइए को कार्रवाई की मंजूरी दी थी और जरूरत पड़ने पर वे कार्टेल्स को जमीन पर भी निशाना बनाएंगे।

मेक्सिको दुनिया के सबसे बड़े ड्रग तस्करी नेटवर्क का गढ़ माना जाता है, जहां से कोकीन, हेरोइन, मेथ और फेंटेनाइल जैसे बेहद खतरनाक ड्रग अमेरिका तक पहुंचते हैं। अमेरिकी एजेंसियों के मुताबिक, देश में ड्रग की सबसे बड़ी सप्लाई मेक्सिकन कार्टेल्स के जरिए होती है।

अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा ड्रग मार्केट है। हर साल लाखों लोग नशे की लत के शिकार होते हैं और फेंटेनाइल जैसी दवाओं से हजारों मौतें होती हैं। अमेरिकी सरकार पर लगातार दबाव रहता है कि ड्रग तस्करी पर सख्त कदम उठाए जाएं और इसी वजह से उसकी नजर मेक्सिको में मौजूद कार्टेल्स पर रहती है।

दूसरी तरफ, कार्टेल्स मेक्सिको में इतने शक्तिशाली बन चुके हैं कि कई इलाकों में वे पुलिस और सरकार को चुनौती देते हैं। हथियारबंद गिरोह, धमकी, भ्रष्टाचार और हिंसा के चलते स्थानीय प्रशासन भी कई बार उन्हें रोक नहीं पाता। कई कार्टेल्स तो अपने को शेडो गवर्मेंट की तरह चलाते हैं। अमेरिकी सेना ने इतिहास में कुछ ही बार मेक्सिको में प्रवेश किया है।

सरकार खुद पहुंचा रही 'एडिक्ट' लोगों तक अफीम

आरटीआई के जवाब में सामने आई चौंकाने वाली जानकारी

भोपाल, 4 नवंबर (एजेंसियां)। भारत सरकार अभी भी पंजीकृत अफीम के आदी लोगों को दवा के तौर पर अफीम मुहैया करा रही है। यह जानकारी सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स (सीबीएन), ग्वालियर से आरटीआई के जवाब में सामने आई है। सरकार इन लोगों को नियंत्रित मात्रा में अफीम देती है ताकि वे सरकारी चैनलों के ज़रिए मदद पा सकें। यह व्यवस्था उन लोगों के लिए है जो आधिकारिक तौर पर अफीम पर निर्भर हैं। सीबीएन ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 में छह राज्यों को अफीम का कोटा आवंटित किया गया था। इनमें तमिलनाडु, ओडिशा, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र और पंजाब शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए, तमिलनाडु को 7.763 किलोग्राम, ओडिशा को 14.628 किलोग्राम और हिमाचल प्रदेश को 0.624 किलोग्राम अफीम दी गई।

चुनाव से पहले सियासत तेज

जमात-ए-इस्लामी ने पिछली गलतियों के लिए देशवासियों से मांगी माफी

ढाका, 4 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की राजनीतिक पार्टी जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) के अमीर शफीकुर रहमान ने अपनी पार्टी की 'पुरानी गलतियों' के लिए बिना शर्त माफी मांगी है। फरवरी 2026 में होने वाले आम चुनावों से पहले यह माफी कई राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गई है। जेईआई चीफ शफीकुर रहमान ने 22 अक्तूबर को न्यूयॉर्क में पत्रकारों से कहा, '1947 से अब तक, जिन-जिन लोगों को हमारी वजह से कोई कष्ट या नुकसान हुआ, हम उनसे दिल से माफी मांगते हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि यह माफी सभी के लिए है, 'किसी एक दिन या घटना के लिए नहीं, बल्कि हर उस समय के लिए जब किसी को हमारी वजह से पीड़ा मिली।'

आलोचकों ने कहा- माफी अधूरी और अस्पष्ट

वहीं शफीकुर रहमान के इस माफीनामे की कुछ लोग जमकर आलोचना कर रहे हैं, आलोचकों का कहना है कि यह माफी अधूरी

और अस्पष्ट है। इसमें यह साफ नहीं किया गया कि पार्टी किस अपराध या गलती के लिए माफी मांग रही है। खासतौर पर 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान किए गए अपराधों और नरसंहारों का कोई सीधा उल्लेख नहीं है।

बता दें कि 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जमात-ए-इस्लामी ने पाकिस्तान के साथ मिलकर काम किया था। उस समय 'अल-बदर', 'अल-शम्स' और 'रजाकार' नाम के अर्धसैनिक संगठन बने, जिन पर स्वतंत्रता सेनानियों, महिलाओं और आम नागरिकों की हत्या के गंभीर आरोप हैं। इन संगठनों को जमात से ही जोड़ा जाता है। जेईआई चीफ ने माफी मांगने के बाद कहा कि पार्टी पहले भी कई बार माफी मांग चुकी है, 'प्रोफेसर गुलाम आजम ने माफी मांगी थी, मौलाना मतीउर रहमान ने भी मांगी थी, और मैंने भी पहले माफी मांगी थी।' विशेषज्ञों का मानना है कि यह माफी पार्टी की राजनीतिक वापसी की कोशिश का हिस्सा है। अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद जमात पर लगा प्रतिबंध हटा लिया गया था। इसके बाद से पार्टी फिर सक्रिय हो गई है, छात्र संघ चुनावों में हिस्सा ले रही है और दूसरे इस्लामी दलों के साथ गठजोड़ बना रही है।

वहीं आलोचनाओं पर जवाब देते हुए रहमान ने कहा, 'किसी ने कहा कि माफी का तरीका ऐसा नहीं होना चाहिए था। मैंने बिना किसी शर्त के माफी मांगी है, इससे आगे क्या कहा जा सकता है?' उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई पार्टी यह दावा करे कि उसने कभी गलती नहीं की, तो जनता उसे स्वीकार नहीं करेगी। रहमान के इस बयान को कई लोग चुनावी रणनीति मान रहे हैं।

भारत अगला सुपरपावर, यूएनएससी में मिले सदस्यता, नहीं तो संयुक्त राष्ट्र होगा कमजोर

दुनिया के इस राष्ट्रपति ने दी बड़ी चेतावनी

हेलसिंकी, 4 नवंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की दावेदारी को एक बार फिर से बड़ा समर्थन मिला है। फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने कहा है कि भारत अमेरिका और चीन के साथ अगला सुपरपावर होगा। स्टब ने कहा कि भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अनवार्य रूप से स्थायी सदस्यता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर भारत को सदस्यता नहीं मिलती है तो संयुक्त राष्ट्रपति लगातार कमजोर होता रहेगा। रूस से लेकर ब्रिटेन तक खुलकर भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परषिद में स्थायी सदस्यता देने का समर्थन कर रहे हैं लेकिन सिर्फ एक देश की वजह से भारत की दावेदारी रुक रही है। इस देश का नाम चीन है। चीन और पाकिस्तान मिलकर भारत के खिलाफ अभियान चला रहे हैं।

स्टब ने फर्स्ट पोस्ट को दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'मैं भारत का बड़ा प्रशंसक रहा हूं और मैं समझता हूं कि भारत अमेरिका और चीन के साथ अगला सुपरपावर बनेगा।' फिनलैंड के राष्ट्रपति ने कहा कि भारत इस समय दुनिया की किसी एक ताकत के साथ रिश्ते बनाने की बजाय सभी प्रमुख देशों के साथ अच्छे रिश्ते बना रहा है। यह पूरी तरह से समझ आता है। भारत के आकार, देशों के साथ संबंध और क्षमता को स्वीकार करते हुए स्टब ने कहा कि भारत जो करता है, वह दुनिया के लिए काफी मायने रखता है। फिनलैंड के राष्ट्रपति ने कहा कि फिनलैंड के लिहाज से वश्वि व्यवस्था की बात करें तो उनका मानना है कि बहुपक्षवाद और भारत का संयुक्त राष्ट्र में भूमिका बढ़ाना जरूरी है।

नेपाल में बर्फ का पहाड़ टूटा, 7 पर्वतारोहियों की मौत

5,630 मीटर ऊंची चोटी पर हादसा, लापता लोगों की तलाश जारी

काठमांडू, 4 नवंबर (एजेंसियां)। नेपाल के उत्तर-पूर्वी हिस्से में यालुंग री नाम की चोटी पर सोमवार को बर्फ का पहाड़ टूटने से 7 लोगों की मौत हो गई जबकि 4 लोग घायल हो गए।

यह हादसा उस समय हुआ जब हिमस्खलन 5,630 मीटर ऊंची चोटी के बेस कैंप पर आ गया। हादसे के बाद 4 लोग लापता हैं। मृतकों में 3 अमेरिकी, 1 कनाडाई, 1 इतालवी और 2 नेपाली नागरिक शामिल हैं। यह जानकारी डोलखा जिले की पुलिस ने दी है। यह इलाका बागमती प्रांत के रोलवालिंग वैली में आता है।

पुलिस और रेस्क्यू टीमें अभी भी लापता लोगों की तलाश कर रही हैं।

मौसम खराब होने की वजह से रेस्क्यू में देरी

नेपाली वेबसाइट हिमालयन टाइम्स के मुताबिक यह हादसा सुबह करीब 9 बजे हुआ। 15

लोगों की एक टीम गौरीशंकर और यालुंग री की ओर बढ़ रही थी। इस दौरान एवलॉन्च ने बेस कैंप के पास ही उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय वार्ड अध्यक्ष निंगगेली शेरपा ने बताया कि सुबह से ही प्रशासन को कई बार मदद के लिए सूचना दी गई, लेकिन बचाव अभियान देर से शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि रोलवालिंग क्षेत्र प्रतिबंधित इलाका होने के कारण हेलिकॉप्टर को उड़ान की अनुमति मिलने में देरी हुई, जिससे रेस्क्यू ऑपरेशन और भी धीमा पड़ गया। पुलिस के मुताबिक नेपाल आर्मी, नेपाल पुलिस और आर्म्ड पुलिस फोर्स को खोज और बचाव अभियान में लगाया गया है। एक हेलिकॉप्टर भी भेजा गया, लेकिन मौसम खराब होने के कारण वह हादसे वाली जगह तक नहीं पहुंच सका। यालुंग री नेपाल-चीन सीमा के नजदीक है। यह इलाका कम भीड़ वाला और तकनीकी तौर पर मुश्किल ट्रैकिंग जोन माना जाता है। इस क्षेत्र में ट्रैकिंग के लिए विदेशी यात्रियों को खास परमिट लेना होता है। यालुंग री एवलॉन्च-प्रोन इलाका है, यानी यहां पहले भी हिमस्खलन की घटनाएं हो चुकी हैं। 2019 में भी इसी क्षेत्र में एक फ्रेंच पर्वतारोहियों की टीम फंसी थी, जबकि 2015 के भूकंप के बाद भी इस रूट पर कई पर्वतारोही मारे गए थे।

बर्फ या पत्थर के पहाड़ की ढलान से तेजी से नीचे गिरने को हिमस्खलन या एवलांच कहते हैं। हिमस्खलन के दौरान बर्फ, चट्टान, मिट्टी और अन्य चीजें किसी पहाड़ से नीचे की ओर तेजी से फिसलती हैं। हिमस्खलन आम तौर पर तब शुरू होता है, जब किसी पहाड़ की ढलान पर मौजूद बर्फ या पत्थर जैसी चीजें उसके आसपास से ढीली हो जाती हैं।

पूर्व अमेरिकी उपराष्ट्रपति डिक चेनी का निधन

सबसे ताकतवर उपराष्ट्रपति कहलाए, चेनी की सलाह पर ही इराक पर हमला हुआ था

वॉशिंगटन, 4 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व अमेरिकी उपराष्ट्रपति डिक चेनी का 84 साल की उम्र में निधन हो गया है। परिवार ने मंगलवार को बयान जारी कर कहा कि डिक चेनी का निधन निमोनिया और दिल से जुड़ी बीमारी की वह से हुआ।

चेनी 2001 से 2009 तक राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश के कार्यकाल में पद पर रहे। उन्हें अमेरिका का सबसे ताकतवर उपराष्ट्रपति कहा जाता था। उन्होंने ही दावा किया था कि इराक के पास घातक हथियार हैं। उनकी सलाह पर ही राष्ट्रपति बुश ने इराक पर हमला करने का आदेश दिया है। आखिरी कुछ सालों में वे पार्टी में अलग-थलग पड़ गए थे क्योंकि उन्होंने ट्रम्प को 'कायर' और अमेरिका के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया था। 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में उन्होंने विपक्षी पार्टी की नेता कमला हैरिस को वोट दिया था। चेनी लगभग अपनी पूरी जिंदगी में दिल से जुड़ी समस्याओं से जूझते रहे। उन्हें 1978 से 2010 के बीच 5 बार दिल के दौरे पड़े। पहली बार उन्हें 37 साल की उम्र में अटैक आया था। आखिरी बार 2010 में उन्हें अटैक आया था जिसके बाद 2012 में उनका हार्ट ट्रांसप्लांट हुआ।

महागठबंधन पर बरसे राजनाथ सिंह

नौकरी के वादे पर पूछा- धन कहां से आएगा?

वैशाली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन कायम हुआ है और इतने वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद उनके खिलाफ भ्रष्टाचार का एक भी मामला नहीं है। बिहार के वैशाली में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने लोगों से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के पक्ष में मतदान की अपील की और कहा कि राजग सरकार ने बिहार के सर्वांगीण विकास के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं। राजनाथ सिंह ने कहा, "बिहार को आगे बढ़ाने की सोच सिर्फ राजग

ही रख सकता है। हमें मिलकर 'विकसित बिहार' बनाना है।" उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले भारत की अर्थव्यवस्था विश्व में 11वें स्थान पर थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश अब पांचवे स्थान पर पहुंच गया है और जल्द तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा।

रक्षा मंत्री ने केंद्र की पूर्ववर्ती संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, "संप्रग शासन के दौरान केंद्र सरकार ने बिहार को मात्र दो लाख करोड़ रुपये दिए थे, जबकि मोदी जी की सरकार ने पिछले 10 वर्षों में पंद्रह लाख करोड़ रुपये जारी किए हैं।" उन्होंने कहा कि राजग ने बिहार को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने का काम किया है। राजनाथ सिंह ने विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा, "वे हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का वादा कर रहे हैं, लेकिन यह नहीं बता पा रहे कि इसके लिए धन कहां से आएगा।" उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के नेता जनता से झूठ न बोलें, उन्हें सच बोलना चाहिए।" सभा के अंत में उन्होंने लोगों से कहा कि राज्य में एक बार फिर राजग की सरकार बनेगी तो बिहार विकास की नई राह पर अग्रसर होगा।

शी जिनपिंग खिलखिलाकर हंसते हुए दिखे

चीनी सरकार ने सोशल मीडिया से तस्वीरें हटवाईं

बीजिंग, 4 नवंबर (एजेंसियां)। व्हाइट हाउस ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ हंसते हुए कुछ तस्वीरें जारी की हैं। ये तस्वीरें 30 अक्टूबर को दक्षिण कोरिया में हुए एशिया-पैसिफिक इकनॉमिक कोऑपरेशन (एपीईसी) सम्मेलन की है। हालांकि इन तस्वीरें को चीन के लोग नहीं देखा पाए, क्योंकि वहां इन तस्वीरों को इंटरनेट से सेंसर कर दिया गया।

आमतौर पर शी जिनपिंग को चीन में एक गंभीर और सख्त नेता के रूप में दिखाया जाता है। सरकारी मीडिया में उनकी छवि बहुत सोच-समझकर बनाई जाती है, जहां वे ज्यादातर गंभीर चेहरों के साथ दिखाई देते हैं।

बेगुनाह भारतीय 43 साल अमेरिकी जेल में रहा

बरी होते ही देश छोड़ने का फरमान था, अब अदालतों ने रोक लगाई

वॉशिंगटन, 4 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में 43 साल तक गलत आरोप में जेल में रहे भारतीय मूल के सुब्रमण्यम वेदम को फिलहाल राहत मिली है। दो अलग-अलग अदालतों ने फिलहाल उनके डिपोर्टेशन यानी भारत भेजने पर रोक लगा दी है।

सबसे पहले एक इमिग्रेशन जज ने सोमवार को उनकी डिपोर्टेशन पर स्टे (स्थगन) दिया है, जब तक कि बोर्ड ऑफ इमिग्रेशन अपील (बीआइए) यह तय न कर ले कि क्या उनका मामला दोबारा सुना जाए या नहीं। दूसरी तरफ यू॰एस॰ डिस्ट्रिक्ट कोर्ट पेनसिल्वेनिया में ने भी उसी दिन उनके डिपोर्टेशन प्रक्रिया को हटाने का आदेश दिया।

अब मामला इमिग्रेशन अपील बोर्ड में जाएगा, जिसका फैसला आने में कुछ महीने लग सकते हैं। 64 साल के वेदम को इसी साल

3 अक्टूबर को रिहा किया गया था। वे अमेरिकी राज्य पेंसिलवेनिया के स्थायी निवासी हैं। 1980 में उनपर अपने क्लासमेट की हत्या का आरोप लगा था।

हालांकि, वेदम ने हमेशा अपनी बेगुनाही का दावा किया, फिर भी उन्हें 1983 और 1988 में दो बार दोषी ठहराया गया और बिना पैरोल के आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। रिहाई के बाद जेल से निकलते ही इमिग्रेशन डिपार्टमेंट ने उन्हें फिर हिरासत में ले लिया था। वेदम अभी लुइजियाना के एक डिपोर्टेशन सेंटर में बंद हैं।

सुब्रमण्यम वेदम और थॉमस किंसर दोनों 1980 में पेनसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी के छात्र थे। दोनों की उम्र लगभग 19 साल थी और वे एक-दूसरे को जानते थे।

रिपोर्ट के मुताबिक वेदम ने थॉमस किंसर से कहा कि उसे ड्रग्स खरीदने के लिए कही जाना है। उन्होंने किंसर से लिफ्ट मांगी। इसके बाद दोनों साथ निकले। किंसर को आखिरी बार जिंदा उसी समय देखा गया था।

कुछ दिनों बाद, किंसर की वैन उसके अपार्टमेंट के बाहर खड़ी मिली, लेकिन वह खुद गायब था। 9 महीने बाद, कुछ पैदल यात्रियों को एक जंगली इलाके में एक शव मिला, जो बाद में थॉमस किंसर का निकला। उसे गोली मारी गई थी। चूंकि किंसर को आखिरी बार वेदम के साथ देखा गया था और पुलिस के मुताबिक वेदम हत्या के बाद कुछ संदिग्ध व्यवहार करते नजर आए थे, इसलिए सीधे वेदम को संदिग्ध बना दिया।

लेकिन इस मामले में कोई गवाह नहीं था। कोई सीधा सबूत नहीं था। इसके बावजूद, वेदम पर हत्या का आरोप लगाया गया और उन्हें दोषी ठहराया गया।

किंसर की हत्या के मामले में इस साल अगस्त में नया सबूत सामने आया। जांच से यह पता चला कि हत्या में चली गोली उस बंदूक से नहीं चली थी, जो वेदम से जुड़ी बताई गई थी।

आंख निकाल लेंगे-उंगली और जुबान काट देंगे तेजस्वी के लिए एआईएमआईएम नेता के बिगड़े बोल

बहादुरगंज, 4 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर एआईएमआईएम सुप्रीमो असदुद्दीन ओवैसी किशनगंज में डेरा डाले हुए है। उनके द्वारा अपने प्रत्याशियों के समर्थन में ताबड़तोड़ सभाएं की जा रही हैं। जहां वो महागठबंधन और आरजेडी पर हमला करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ रहे हैं। उनकी पार्टी के बहादुरगंज विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी तौसीफ आलम भी उन्हीं की तरह हमलावर हैं। वो लगातार भड़काऊ और विवादित बयान दे रहे हैं। तौसीफ आलम ने टेढ़ागाछ प्रखंड के नया लोचा हाट में फिर से विवादित बयान दिया।

तौसीफ ने तेजस्वी यादव की आंख निकालने, उंगली और जुबान काटने की धमकी दे डाली। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि चारा चोर का बेटा तेजस्वी यादव हमारे नेता असदुद्दीन ओवैसी को चरमपंथी बोल रहा है, लेकिन तेजस्वी यादव यह भूल गया कि जब उसका बाप लालू यादव मुख्यमंत्री था उस समय भागलपुर में मुसलमानों का नरसंहार हुआ।

उन्होंने आगे कहा कि चारा चोर का बेटा मुंह में लगाम लगाकर बोलो, वरना तुम्हारी उंगली और जुबान काट लेंगे, क्योंकि असदुद्दीन ओवैसी मुसलमानों की आवाज हैं गौरतलब हो कि तौसीफ आलम चार बार कांग्रेस पार्टी से विधायक रह चुके हैं और इस बार वो मजलिस पार्टी से चुनाव लड़ रहे हैं।

रविवार को ही उनका ऊपर सभा में पैसे बांटने का वीडियो वायरल होने के बाद बहादुरगंज थाना में मुकदमा दर्ज किया गया।

ग्वादर से गल्फ तक, समंदर में पाकिस्तान कैसे चलाता है ड्रग्स का अथाह कारोबार

खाड़ी देशों तक बनाया कॉरिडोर

इस्लामाबाद, 4 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान, पश्चिमी और खाड़ी देशों की नजर में खुद को महान साबित करने के लिए समुद्र में फर्जी ऑपरेशन चला रही है। इसमें वो खुद ड्रग्स की तस्करी करवाती है और खुद तस्करों को पकड़ती है और वाहवाही लूटने की कोशिश करती है। दरअसल, पाकिस्तान की समुद्री सीमा, खासकर बलूचिस्तान के मकरान तट से सटा इलाका, पिछले एक दशक से दुनिया के सबसे बड़े नार्को-ट्रांजिट कॉरिडोर में बदल चुका है। इसी रास्ते से हेरोइन, क्रिस्टल मेथ और अन्य मादक पदार्थ अरब सागर के जरिए खाड़ी देशों और अफ्रीका तक पहुंचाए जाते हैं।

संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एजेंसी (यूएनओडीसी), भारतीय

नौसेना और संयुक्त समुद्री बल (सीएमएफ) की कई रिपोर्टों ने, ड्रग्स की इन बरामदगियों को सीधे पाकिस्तान के तटीय इलाकों जैसे ग्वादर और पसनी पोर्ट से जोड़ा है। यानि, खुद इन बंदरगाहों के जरिए पाकिस्तान की नौसेना ड्रग्स की तस्करी करती है और बाद में खुद को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पीड़ित की तरह पेश करती है, जैसे की वो खुद ड्रग्स तस्करी का शिकार है। जबकि हकीकत ये है पाकिस्तान ही इस ड्रग्स तस्करी का मास्टरमाइंड है। लेकिन अब पाकिस्तान के पाखंड की पोल खुल चुकी है और उसका सच बेनकाब हो चुका है। पाकिस्तान ड्रग्स तस्करी के जरिए अथाह पैसे भी कमा रहा है। खुफिया जानकारी के मुताबिक, ड्रग्स तस्करी का ये कारोबार किसी तस्करी गिरोह की तरह नहीं, बल्कि पूरी तरह से संगठित गिरोह की तरह चलाया जाता है, जिसमें सेना की भागीदारी होती है। खाड़ी देशों की खुफिया रिपोर्टों में बार-बार यह बात सामने आई है कि हाई क्वालिटी वाली मेथ की तस्करी में पाकिस्तानी गिरोहों का दबदबा है, जो बिना झंडे वाली नौकाओं से अरब, ओमान और पूर्वी अफ्रीका तक माल भेजते हैं। इन जहाजों की पहचान करना मुश्किल होता है और और यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। पाकिस्तान की नौसेना और सुरक्षा बल एक तरफ मादक पदार्थ विरोधी अभियान चलाने का दावा करते हैं, जबकि दूसरी तरफ, उन्हीं पर इस व्यापार को संरक्षण देने के आरोप लगते हैं। ऐतिहासिक रूप से कई अदालतों और अखबारी रिपोर्टों में दर्ज है कि 1990 और 2000 के दशक में इन्हीं इलाकों से तस्करी सरकार के शह पर होती थी। आज पाकिस्तान नौसेना संयुक्त समुद्री बल के साथ समंदर में ड्रग्स तस्करों के खिलाफ चलाए गये अभियानों की तस्वीरें शेयर करती है और अपना पीठ ठोकते नजर आती है।

बिहार की सड़कें अमेरिका जैसी बनाऊंगा, सारण में बोले नितिन गडकरी

पटना, 4 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में चुनावी प्रचार के दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि मैं बिहार की सड़कों को अमेरिका जैसी बना दूंगा। सारण में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मैं बिहार के राष्ट्रीय राजमार्गों को वर्ल्ड स्टैंडर्ड के बनाकर दूंगा। 3 नवंबर को रैली में उन्होंने कहा कि अब वो दिन दूर नहीं जब मैं बिहार की सड़कों को अमेरिका के बराबर बना दूंगा। ये मेरा वचन है। मैं एक से एक ब्रिज बना दूंगा। कोई कठिनाई नहीं है। कुछ भी किया जा सकता है। मैं आप पर कोई एहसान नहीं कर रहा हूं। ये आपका पैसा है। आप मालिक हैं और हम नौकर। हम ईमानदारी से आपकी सेवा करते हैं। इसीलिए आपने हमें चुना है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री गडकरी ने आगे कहा कि ये जो कुछ भी हुआ है, इसका श्रेय मुझको है, नीतीश जी को है, मोदी जी को है, नहीं। इसका श्रेय किसी को है तो जनता को है। अगर आप जनार्दन सिंह को नहीं जिताते, एनडीए को जीत मिली मिलती, मोदी जी प्रधानमंत्री नहीं बनते तो मैं मंत्री नहीं बनता। ये आपने बनाया है। मैं आपके कारण बना हूं। इसलिए मैं आपको विश्वास दिलाना चाहता हूं कि बिहार को सुखी, संपन्न और शक्तिशाली बनाना है। गडकरी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि बिहार के मांझी विधानसभा क्षेत्र से एनडीए के प्रत्याशी श्री रणधीर सिंह जी के समर्थन में आज जनसभा को संबोधित किया। गंगा और घाघरा नदियों के संगम पर स्थित मांझी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि पर आधारित है।

सरकार लाएगी 12 और नई पॉलिसी, होंगे बड़े फायदे

जयपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में लगातार नीतिगत बदलाव का दौर चल रहा है। पहले 22 पॉलिसी में बड़े बदलाव के बाद अब राज्य सरकार 12 और नई पॉलिसी लाने जा रही है। इसमें कृषि से एयरोस्पेस और एआइ से ग्रीन ग्रोथ तक के सेक्टर शामिल हैं।डिफेंस और एयरो स्पेस के कल-पुर्जे भी यहीं बनें, इसके लिए 'आत्मनिर्भर भारत डिफेंस नीति' के तहत डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग पर टारगेट किया है।

इसमें देश-विदेश की बड़ी कंपनियों को राजस्थान में लाने पर फोकस रहेगा। इसी तरह एआइ और मशीन लर्निंग पर फोकस करते हुए राज्य को ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर का नया केंद्र बनाने की दिशा भी तय की जा रही है, ताकि युवाओं को बेंगलूरु, हैदराबाद आदि स्थानों पर न जाना पड़े।

मॉनिटरिंग जरूरी...

विशेषज्ञों का मानना है कि भजनलाल सरकार लगातार नई नीति जारी करने से लेकर बड़े बदलाव तो कर रही है, लेकिन इसका लाभ सही तरीके से सही लोगों तक पहुंचे, इसकी मॉनिटरिंग भी जरूरी है। इसके लिए फीडबैक और मूल्यांकन तंत्र बने।

12 प्रस्तावित पॉलिसीः भविष्य का ब्लूप्रिंट

1. एग्रीकल्चर एवं फूड प्रोसेसिंगः किसानों की आय बढ़ाने और एग्री-बेस्ड इंडस्ट्री को प्रोत्साहन देने पर जोर।

2. नई औद्योगिक नीतिः मैन्युफैक्चरिंग को सशक्त बनाकर बड़े निवेश को आकर्षित करने की योजना।

3. एआइ और मशीन लर्निंगः नई तकनीक, रिसर्च और स्टार्टअप्स को बढ़ावा। युवाओं को एआइ, डेटा साइंस और ऑटोमेशन जैसी तकनीक के लिए तैयार करेंगे।

4. ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटरः बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए राजस्थान को नया 'नॉलेज हब' बनाना। मल्टीनेशनल कंपनियों के आने से बड़े टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और सपोर्ट सेंटर खुल सकेंगे।

5. नई पर्यटन नीतिः राजस्थान की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विविधता को नए रूप में पेश करने की कोशिश। हैरिटेज, ईको और ग्रामीण पर्यटन को प्राथमिकता।

6. ग्रीन ग्रोथ क्रेडिट नीतिः पर्यावरण अनुकूल प्रोजेक्ट्स को प्रोत्साहन, इनमें सौर ऊर्जा, जैविक खेती और हरित उद्योगों पर फोकस।

7. स्पोर्ट्स नीतिः नई प्रतिभाओं के लिए अवसर, विश्वस्तरीय ढांचे का विकास। प्रशिक्षण केंद्र और प्रतिभावान खिलाड़ियों के लिए बेहतर अवसरों पर फोकस।

8. एग्रो फॉरेस्ट्रीः सस्टेनेबल तरीके से भूमि का उपयोग हो सकेगा और ग्रामीण रोजगार पर फोकस रहेगा। खेती और वन संरक्षण के बीच संतुलन की दिशा में कदम।

9. आइटी आउटसोर्सिंग और फॉरेस्ट नीतिः ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीकी और पर्यावरणीय विकास किया जाएगा। तकनीकी रोजगार बढ़ेंगे और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती मिलेगी।

10. ट्रेड प्रमोशन नीतिः स्थानीय व्यापार को बढ़ाने और सुविधाजनक बनाने के साथ ही दूसरे राज्यों के निवेशकों को आकर्षित करना, औद्योगिक प्रतिस्पर्धा में सुधार।

11. सेमीकंडक्टर पॉलिसीः न केवल हाईटेक निवेश के द्वार खुलेंगे, बल्कि सेमीकंडक्टर डिजाइन, पैकेजिंग और परीक्षण के क्षेत्र में भी दिशा तय होगी।

12. स्पेस और एयरो डिफेंस नीतिः रक्षा और एयरोस्पेस उद्योगों में निवेश की नई दिशा देना। इससे राज्य में हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग, अनुसंधान और रक्षा निवेश के नए द्वार खुलेंगे।

वसुंधरा राजे का बड़ा बयान

बोलीं- धनबल नहीं, जनबल करेगा जीत का फैसला, नरेश मीणा पर बरसे चांदना

जयपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। अंता विधानसभा उपचुनाव को लेकर राजस्थान की सियासत में सरगर्मी तेज हो गई है। आज भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में बारां पहुंची पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने मीडिया के साथ बातचीत में कहा कि अंता का चुनाव धनबल बनाम जनबल की सीधी लड़ाई है और उन्हें पूरा विश्वास है कि जीत हमेशा जनता की ताकत की होती है।

राजे ने कहा कि अंता के लोगों की लंबे समय से स्थानीय उम्मीदवार की मांग थी, जिसे ध्यान में रखते हुए पार्टी ने मोरपाल सुमन को टिकट दिया है। उन्होंने कहा कि मोरपाल आपका अपना है, घर का व्यक्ति है, इसलिए उसे सपोर्ट करने में कोई कमी न रखें।

पूर्व सीएम ने यह भी कहा कि मोरपाल की जीत से अंता को तीन प्रतिनिधि मिलेंगे- मोरपाल सुमन, सांसद दुष्यंत सिंह, और वे स्वयं। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रत्याशी को टिकट देकर जनता ने जो विश्वास जताया है, वह उनके लिए एक कर्जा है, जिसे वे हर हाल में चुकाएंगी।

राजे ने विश्वास जताया कि यह चुनाव केवल मोरपाल का नहीं बल्कि पूरे भाजपा परिवार के कार्यकर्ताओं की लड़ाई है और उनकी जीत हर कार्यकर्ता की जीत होगी।

इस दौरान वसुंधरा राजे ने सांसद कार्यालय बारां में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक ली और उन्हें जीत का मंत्र दिया। बैठक में चुनाव प्रभारी सांसद दुष्यंत सिंह भी मौजूद रहे।

इधर उपचुनाव में प्रचार करने पहुंचे कांग्रेस नेता अशोक चांदना निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा पर जमकर बरसे। लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि एक दिन तो आप किरोड़ीलालजी की जिंदाबाद लगाते हो, अगले दिन उन्हीं को गाली दे देते हो। टिकट के लिए हरीश मीणा से राम-राम कर लेते हो, गहलोतजी को जाके मिलने लग जाते हो फिर उनको गाली देते हो। यदि गाली देने ही वोट मिलने लगते तो आजादी के बाद से अब तक सभी गालियां ही देते रहते।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो का बड़ा एक्शन

पूर्व महापौर मुनेश गुर्जर और उनके पति सुशील कुमार पर केस दर्ज

जयपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की बड़ी कार्रवाई। जयपुर नगर निगम हेरिटेज की पूर्व महापौर मुनेश गुर्जर और उनके पति सुशील गुर्जर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले में एसीबी ने केस दर्ज किया है। 2 साल तक लम्बी जांच के बाद एसीबी ने यह कदम उठाया है।

वैध आय से 315 प्रतिशत अधिक हुआ इजाफा

मुनेश गुर्जर 10 नवंबर 2020 से 4 अगस्त 2023 तक जयपुर नगर निगम हेरिटेज महापौर रहीं। इस 33 माह में मुनेश गुर्जर और उनके पति सुशील कुमार गुर्जर ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित की। एसीबी की जांच में खुलासा हुआ कि मुनेश और उनके पति की कुल आय (वेतन और ब्याज सहित) लगभग 50.57 लाख थी। पर अपने कार्यकाल में उन्होंने कुल 2.09 करोड़ रुपए की संपत्ति बना ली। यह उनकी वैध आय से 315 प्रतिशत अधिक है।

मेयर बनने से पहले मुनेश के पास लगभग 23.84 लाख की संपत्ति थी। मुनेश गुर्जर 'पट्टे देने के एवज में रिश्वत' लेने के मामले में भी फंसी थीं।

सुशील कुमार गुर्जर पर मामला दर्ज

एसीबी ने आय से अधिक संपत्ति का यह मामला सुशील कुमार गुर्जर पर भी दर्ज किया है। एसीबी की जांच में खुलासा हुआ कि सुशील गुर्जर के कई बैंक अकाउंट में बड़े लेन-देन हुए हैं। मामले की आगे की जांच ASP संदीप सारस्वत को सौंपी गई है।

हरमाड़ा दुर्घटना की गाज ट्रैफिक पुलिस पर; इंचार्ज राजकिरण

एएसआई और कांस्टेबल सस्पेंड

जयपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। हरमाड़ा हादसे की गाज आखिर ट्रैफिक पुलिस पर गिर गई। देर रात सरकार ने इस घटना को लेकर ट्रैफिक पुलिस इंचार्ज व एएसआई को सस्पेंड कर दिया। जिस डंपर के कुचलने से 14 लोगों की मौत हो गई वो अलंकार कंस्ट्रक्शन कंपनी के नाम पंजीकृत है। इस कंपनी का ऑफिस जयपुर में विद्याधर नगर के बालाजी टॉवर में स्थित है। डंपर का रजिस्ट्रेशन 15 फरवरी 2023 को हुआ था।

प्रत्यक्ष दर्शियों के के अनुसार एक्सीडेंट से पहले डंपर चालक करीब 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से डंपर को दौड़ा रहा था, जबकि यह रोड बहुत ज्यादा व्यस्त रहता है। गाड़ियों को टक्कर मारने से पहले डंपर चालक का एक कार सवार से विवाद हुआ था। इसके बाद डंपर चालक लोहामंडी से रॉन्ग साइड घुस गया।यहां सबसे पहले उसने गजराज मैरिज गार्डन के पास एक बाइक को टक्कर मारी। इसके बाद उसके रास्ते में जो आया उसे रौंदता हुआ वह आगे बढ़ गया।

नो एंट्री जोन में भारी वाहन आने पर हो सख्त कार्रवाई

हादसे के बाद ट्रैफिक व्यवस्थाओं को लेकर हुई रिव्यू मीटिंग में सीएम भजनलाल शर्मा ने पुलिस को निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में नो एंट्री जोन में गलत समय पर भारी वाहन आने पर सख्त कार्रवाई की जाए तथा नो एंट्री जोन के क्षेत्र व समय की पुनः समीक्षा की जाए। उन्होंने जयपुर पुलिस आयुक्त को रात्रि के समय ट्रैफिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ व प्रभावी बनाने के लिए कार्ययोजना बनाकर शीघ्र मुख्यमंत्री कार्यालय भिजवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जयपुर की यातायात व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए यातायात पुलिस के संख्याबल को आवश्यकतानुसार बढ़ाया जाए।

ओवरस्पीड के बार-बार चालान होने पर लाइसेंस हो निरस्त

मुख्यमंत्री ने परिवहन और पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि शराब पीकर वाहन चलाने और ओवरस्पीड के बार-बार चालान होने पर वाहन चालक का लाइसेंस निरस्त किया जाए। उन्होंने सड़क सुरक्षा अभियान के तहत प्रदेश में चिन्हित ब्लैक स्पॉटों को शीघ्र ठीक करवाने एवं राष्ट्रीय व राज्य राजमार्गों पर अवैध कट को शीघ्र बंद करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने जयपुर-कोटा, जयपुर-दिल्ली, जयपुर-अजमेर व जयपुर-भरतपुर हाईवे पर वाहन चालकों के लिए नवीन आरामस्थलों के लिए जमीन चिन्हित कर बनवाने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि हादसे के दौरान डंपर चालक ने भी शराब पी रखी थी।

शर्मा ने एनएचएआई के अधिकारियों को राजस्थान में भारतमाला राष्ट्रीय राजमार्ग और दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर के किनारे समस्त अवैध निर्माणों को शीघ्र हटाने के निर्देश दिए।

100 फीट की ऊंचाई पर चला हाई वोल्टेज ड्रामा

2 घंटे के बाद युवक को नीचे उतारा

जयपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर के हरमाड़ा थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक युवक मोबाइल टॉवर पर चढ़ गया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। लोहामंडी स्थित पेट्रोल पंप के पास जीओ कंपनी का करीब 100 फीट ऊंचा टॉवर है। सुबह करीब साढ़े दस बजे एक युवक सीढ़ी के सहारे ऊपर चढ़ गया और टॉवर की चोटी पर पहुंचकर जोर-जोर से चिल्लाने लगा। उसकी हरकतें देखकर मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई और इसकी सूचना पुलिस को दी। नीचे उतरते समय युवक बार-बार कहता रहा- जैसे चढ़ा हूं, वैसे ही उतर जाऊंगा। पुलिसकर्मियों ने किसी तरह समझाइश कर फायर ब्रिगेड की मदद से उसे 2 घंटे के बाद नीचे लाया।

सरकारी कर्मचारियों की मुफ्त इलाज योजना में फर्जीवाड़ा

छुट्टी पर थी डॉक्टर, उनके नाम से बनी लाखों की दवा पर्चियां; चूरू में कंप्यूटर ऑपरेटर गिरफ्तार

चूरू, 4 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सरकारी कर्मचारियों के मुफ्त इलाज के लिए बनी राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम में फर्जीवाड़ा सामने आया है। चूरू में डॉक्टर और मेडिकल स्टोर वाले मिलकर फर्जी बिल बनाकर उन दवाइयों का भुगतान उठा रहे थे, जो कभी बेची ही नहीं गई। चूरू सीएमएचओ ने तीन महीने पहले 9 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था।

जांच के बाद कोतवाली पुलिस ने फर्जीवाड़ा करने के आरोप में मंगलवार को पहली गिरफ्तारी की है। चूरू में शिवम आयुर्वेदिक ड्रग्स स्टोर पर काम करने वाले कंप्यूटर ऑपरेटर जितेंद्र स्वामी निवासी रतननगर (चूरू) को पकड़ा है। आरोपी के कब्जे से सरकारी हॉस्पिटल की 16 बंडल पर्चियां भी बरामद की हैं।

आरोप है कि जितेंद्र ने जिला हॉस्पिटल की डॉ. पूजा रोहिल्ला के अवकाश के दौरान उनके नाम से फर्जी पर्चियां पोर्टल पर अपलोड कीं, जिनके आधार पर लाखों रुपए का भुगतान उठा लिया गया।

इससे पहले प्रदेश में जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल में कार्यरत एक सरकारी डॉक्टर द्वारा निजी क्लिनिक से ओपीडी की 500 से ज्यादा पर्चियां तैयार की गई। उन पर लिखी दवाइयों का दो फार्मा शॉप ने करोड़ों रुपए का फर्जी बिल बनाया और भुगतान के लिए भेजने का मामला सामने आया था। वित्त विभाग ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से पकड़ा था। कोतवाली एएसआई वीरेंद्र सिंह ने बताया कि सीएमएचओ डॉ. मनोज शर्मा की रिपोर्ट पर अगस्त 2025 में इस मामले में दो आयुर्वेद डॉक्टरों डॉ. पवन जांगिड़, डॉ. कविता धनकड़ सहित नौ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। जांच में सामने आया कि सरकारी अस्पताल की परामर्श पर्चियों का उपयोग बाहर के मेडिकल स्टोर पर किया जा रहा था।

जयपुर में एक और बड़ा हादसा टला

पूर्व आईएएस का परिवार बचा; बस ने कार को मारी टक्कर

जयपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर में हरमाड़ा के बाद आज एक और बड़ा हादसा टल गया। पंजाब रोडवेज की बस ने पूर्व आईएएस की फॉर्च्यूनर को टक्कर मार दी। हादसे में पूर्व आईएएस और उनकी पत्नी बाल-बाल बच गई। हादसा मंगलवार दोपहर जेएलएन मार्ग पर गणेश मंदिर के चौराहे का है। कॉन्स्टेबल कंवर सिंह ने बताया- जयपुर के गणेश मंदिर चौराहे पर बस ने फॉर्च्यूनर को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि गाड़ी का बोनट क्षतिग्रस्त हो गया। गाड़ी में पूर्व आईएएस अशोक संपत राम, उनकी पत्नी सिमरत कौर और ड्राइवर कुलदीप थे

पूर्व आईएएस अशोक संपतराम स्वास्थ्य समस्या के चलते संतोकबा दुर्लभजी अस्पताल में भर्ती थे। उनकी पत्नी सिमरत कौर और ड्राइवर उन्हें हॉस्पिटल से घर लेकर लौट रहे थे। इस दौरान पंजाब रोडवेज की तीन बसें जा रही थी।

एक बस ने अचानक कार को साइड से दबाते हुए टक्कर मार दी।

बस ड्राइवर घटना के बाद आगे बढ़ने लगा, ऐसे में पूर्व आईएएस की पत्नी खुद कार से उतरी और दौड़कर बस को रोका। उन्होंने न केवल बस को रुकवाया बल्कि ड्राइवर से चाबी भी ले ली। इस दौरान उन्होंने कई बार ट्रैफिक पुलिस और स्थानीय पुलिस को कॉल किया, लेकिन करीब आधे घंटे तक कोई मौके पर नहीं पहुंचा।

सिमरत कौर ने कहा- एक दिन पहले ही जयपुर के हरमाड़ा में बड़ा हादसा हुआ है, मुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों को सड़क सुरक्षा पर सख्त रहने के निर्देश दिए हैं, लेकिन फिर भी राजधानी में इस स्तर की लापरवाही चौंकाने वाली है। उन्होंने कहा कि वह अपने पति को हॉस्पिटल से डिस्चार्ज करवाकर घर ले जा रही थी। सड़क पर गड्ढों से बचते हुए गाड़ी चलवा रही थी, ताकि उन्हें किसी तरह का धक्का न लगे, ऐसे में बस की यह हरकत बेहद डरावनी थी।

वरिष्ठ अधिकारियों को कॉल करने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने बस को जब्त किया और ड्राइवर-कंडक्टर से पूछताछ शुरू की। सिमरत कौर ने कहा - नुकसान की भरपाई नहीं चाहिए, लेकिन चिंता सिस्टम की है, जो इस तरह की स्थितियों में भी सक्रिय नहीं दिखता। सिमरत कौर ने आरोप लगाया कि वहां तैनात कॉन्स्टेबल कंवर सिंह ने मामले में समझाइश कर सुलझाने की बात कही।

शादी समारोह में सिलेंडर ब्लास्ट

11 झुलसे, 8 को गंभीर हालत में जोधपुर रेफर किया

जोधपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। जोधपुर में शादी समारोह में सिलेंडर ब्लास्ट हो गया। हादसे में 11 लोग झुलस गए। 8 घायलों में जोधपुर रेफर किया है। इनमें 2 की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसा बावड़ी के पास हरढाणी में मंगलवार शाम हुआ। हादसे की सूचना फिलहाल जोधपुर के एमजीएच हॉस्पिटल प्रशासन को नहीं मिली है। हालांकि, हॉस्पिटल अधीक्षक डॉ. फतेहसिंह ने बताया कि डॉक्टर्स की टीम हर वक्त अलर्ट मोड पर रहती है। ताकि, झुलसे लोगों के जोधपुर पहुंचते ही उनका तत्काल उपचार शुरू किया जा सके। बावड़ी चौकी प्रभारी एएसआई धर्मेंद्र ने बताया- एक घर में शादी की तैयारी के बीच सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। झुलसे लोगों को बावड़ी सीएचसी लाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद निजी वाहनों से सभी को जोधपुर रेफर किया गया।

कॉन्स्टेबल ने सर्विस रिवॉल्वर से की आत्महत्या

पुलिस महकमे में सनसनी, एफएसएल टीम जांच में जुटी

बूंदी, 4 नवंबर (एजेंसियां)। नैनवा रोड स्थित पोस्ट ऑफिस में रविवार रात ड्यूटी के दौरान एक पुलिस कॉन्स्टेबल ने सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची कोतवाली थाना पुलिस ने घटनास्थल को सील कर जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान जयपुर के दूदू निवासी किशनलाल मीणा के रूप में हुई, जो बूंदी पुलिस लाइन में तैनात था और इन दिनों पोस्ट ऑफिस में आंसर शीट की सुरक्षा के लिए गार्ड ड्यूटी पर था। कोतवाली थानाधिकारी भंवर सिंह ने बताया कि रविवार रात करीब आठ बजे पोस्ट ऑफिस में ड्यूटी दे रहे दो कॉन्स्टेबल टीवी देख रहे थे। इसी दौरान किशनलाल बाथरूम गया, तभी अचानक गोली चलने की आवाज आई। साथी कॉन्स्टेबल जब अंदर पहुंचा तो किशनलाल खून से लथपथ जमीन पर पड़ा था और उसके हाथ में सरकारी रिवॉल्वर थी। गोली सिर में लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना स्थल से किसी प्रकार का सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया और मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया। परिजनों के आने के बाद शव उन्हें सौंप दिया गया।

एफएसएल टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल की बारीकी से जांच की और साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने मृतक का मोबाइल जब्त कर कॉल रिकॉर्ड्स की जांच शुरू कर दी है, ताकि आत्महत्या के पीछे के कारणों का पता लगाया जा सके। किशनलाल की 2021 में बूंदी में पोस्टिंग हुई थी। एक साल की ट्रेनिंग के बाद वह पिछले तीन वर्षों से बूंदी पुलिस लाइन में ही कार्यरत था। वह अपने शांत और जिम्मेदार स्वभाव के लिए जाना जाता था।

अन्तर्राज्यीय 'मोग्या गैंग' के चार सदस्य गिरफ्तार

डेढ़ दर्जन से अधिक वारदातों का खुलासा

सवाई माधोपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर जिले में लगातार हो रही चोरी और नकबजनी की घटनाओं पर बड़ी कार्रवाई करते हुए सवाई माधोपुर पुलिस ने अन्तर्राज्यीय नकबजन गिरोह 'मोग्या गैंग' के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई का खुलासा पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनिवाल ने मानटाउन थाना परिसर में आयोजित प्रेसवार्ता में किया। उन्होंने बताया कि गिरोह के इन सदस्यों ने जिले के बौंली, सुरवाल, बहरावंडा कला और चौथ का बरवाड़ा थाना क्षेत्रों में करीब डेढ़ दर्जन से अधिक वारदातों को अंजाम दिया था।

एसपी बेनिवाल ने बताया कि बढ़ती चोरी की वारदातों पर लगाम लगाने के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें पुलिस ने तकनीकी सहायता और मुखबिर तंत्र के सहयोग से आरोपियों की पहचान की। इसके बाद टीम ने घेराबंदी कर आरोपियों को जाट बड़ौदा (गंगापुर सिटी) और बनास नदी पक्का बंधा (टोंक) क्षेत्र से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में जोधाराम उर्फ चाच्या उर्फ जोधा मोग्या, रामफूल मोग्या (दूधिया बालाजी, पक्का बंधा टोंक निवासी) तथा मुकेश उर्फ समान मोग्या और गुड्डू मोग्या (रतनपुरा बड़ा गांव, दौसा निवासी) शामिल हैं।

एसपी ने बताया कि जोधाराम उर्फ चाच्या मोग्या गिरोह का सरगना है, जो लंबे समय से चोरी और नकबजनी की वारदातों में शामिल रहा है। गिरफ्तार सभी आरोपियों के खिलाफ सवाई माधोपुर, करौली और दौसा जिलों के विभिन्न थानों में डेढ़ दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी वारदात से पहले इलाके की रैकी करते, फिर मौका देखकर नकबजनी और चोरी की घटनाओं को अंजाम देकर फरार हो जाते थे।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में गिरोह के अन्य साथियों के नाम भी सामने आ रहे हैं। पुलिस अब उनकी तलाश में दबिश दे रही है और चोरी का माल बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है।

मार्बल की थप्पियों से भरे ट्रेलर में लगी आग

गहरी नींद में सो रहा ड्राइवर जिंदा जला

अजमेर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। मदनगंज-किशनगढ़। मार्बल एरिया के हरमाड़ा रोड स्थित एक पार्किंग में मार्बल की थप्पियों से भरे ट्रेलर में आग लग गई। हादसे में ट्रेलर के केबिन में सो रहे चालक की जलने से मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंचे अग्निशमन दस्ते ने आग बुझाई।

पुलिस के अनुसार हरमाड़ा रोड के पास स्थित पार्किंग में मार्बल की थप्पियों से भरा ट्रेलर खड़ा था। इसमें अचानक आग लग गई और कुछ ही देर में ट्रेलर और केबिन लपटों से घिर गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि केबिन में एक जना था। वह केबिन से बाहर नहीं निकल सका और जिंदा जल गया।

सूचना मिलने पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

पुलिस ने ट्रेलर की केबिन से शव निकाला है। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में ट्रेलर मालिक ने चालक का नाम कुचील के बासड़ा मेहरान निवासी मुकेश रेगर (35) बताया है।

पुलिस के अनुसार, आग लगने के कारणों का फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट या किसी तकनीकी खराबी की आशंका जताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गैंगस्टर के घर पहुंची पुलिस तो पिता का छलका दर्द

बोले- 5 साल पहले घर छोड़ा, फिर कभी नहीं लौटा

जयपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। रोहित गोदारा गैंग से जुड़े वांटेड अपराधी योगेश स्वामी (28) के पिता शिवचंद स्वामी ने बेटे की करतूतों पर दुख जताते हुए कहा कि वे अब पूरी तरह बेबस और लाचार महसूस कर रहे हैं. योगेश श्रीगंगानगर जिले के मटीलीराठान का रहने वाला है. हाल ही में पुलिस ने उसके घर पर छापा मारा, जहां उसका परिवार मौजूद था. पुलिस को देखते ही पिता की आंखों में दर्द और पछतावे के भाव साफ झलक रहे थे.

शिवचंद स्वामी ने बताया, करीब 4-5 साल पहले बेटे से झगड़ा हुआ था, जिसके बाद वह घर छोड़कर चला गया. उस समय पुलिस उसे थाने ले गई थी, लेकिन पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया. इसके बाद उसने परिवार से सारे रिश्ते तोड़ लिए और अब तक कोई संपर्क नहीं किया. उन्होंने बताया क जिब भी पुलिस किसी को धमकी देने का आरोप लगाती है, हमारे घर पहुंच जाती है. हमें ही दुख और परेशानी झेलनी पड़ती है. "

उन्होंने कहा कि कानून के नियम ऐसे हो गए हैं कि अगर बेटा किसी को धमकाता है तो पुलिस घर वालों को ही पूछताछ में घसीट लेती है. उन्होंने कहा, "हम लोग आम नागरिक हैं, लेकिन फिर भी परेशान हो रहे हैं. हमने उसे समझाया भी कि गलत रास्ता छोड़कर सरेंडर कर दे, वरना यह जिंदगी बर्बाद हो जाएगी. " शिवचंद स्वामी ने बताया कि बेटे की वजह से परिवार का सामाजिक जीवन भी प्रभावित हो गया है. उन्होंने बताया, हमारी बेटी 26-27 साल की है, अच्छे रिश्ते आ नहीं रहे. लोग हमारे घर आने से डरते हैं. लड़का भी शादी की उम्र का है, लेकिन उसकी पढ़ाई और करियर दोनों पर असर पड़ा है.

समाज हमें ही दोषी मान रहा है

उन्होंने कहा कि बेटा अगर अपराध के रास्ते पर चला गया है तो इसमें परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं है. उन्होंने कहा, हम मेहनत-मजदूरी करते हैं, ईमानदारी से जीते हैं, लेकिन उसके कारण समाज में हमें ही दोषी माना जा रहा है. पहले रिश्तेदार और पड़ोसी हमारी मदद को आ जाते थे, अब सबने दूरी बना ली है.

लूटपाट करने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बेगमपेट पुलिस ने परेड ग्राउंड के पास रात के समय मारपीट और जबरन वसूली में शामिल छह सदस्यीय गिरोह के चार आरोपियों और एक सीसीएल (किशोर) को गिरफ्तार करके 24 घंटे के भीतर दो डकैती के मामलों का खुलासा किया। पुलिस उपायुक्त, उत्तरी क्षेत्र, हैदराबाद शहर सुश्री एस. रश्मि पेरुमल ने बताया कि ए. कल्याण (20 वर्ष), पिकेट, मरेडपल्ली, हैदराबाद में रहते हैं। बीते 3 नवंबर को मध्यरात्रि लगभग 12:00 बजे, अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद, वह अपने सहयोगी तरुण के साथ अपने घर के लिए निकले। वे लगभग रात 12 .50 बजे सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पहुँचे, जहाँ उनका दोस्त गोपी उन्हें होंडा एक्टिवा पर लेने आया।

जब वे क्लॉक टॉवर के पास पहुँचे, तो वाहन का पेट्रोल खत्म हो गया। इसके बाद, शिकायतकर्ता और उनके सहयोगी घर की ओर पैदल चलने लगे, जबकि गोपी ने वाहन को आगे बढ़ाया। जब वे 1.20 बजे जेबीएस बस स्टैंड की ओर मेट्रो पिलर संख्या 918 के पास पहुँचे, तो छह व्यक्तियों को ले जा रहा एक ऑटो उनके सामने रुका। उसमें सवार लोग अचानक उतर गए, शिकायतकर्ता पर हमला किया और पैसे की मांग की। डर के मारे, तरुण मौके से भाग गया। हमलावरों में से एक ने शिकायतकर्ता की जेब से जबरन 8,500 नकद निकाल लिए और उसी ऑटो में जेबीएस की तरफ भाग गए। इसी क्रम में गुलफाम अंसारी (24 वर्ष) हेयर स्टाइलिस्ट, प्रकाश नगर, बेगमपेट में रहते हैं और मूल रूप से रामपुर जिला, उत्तर प्रदेश के निवासी हैं। उन्होंने बताया कि 2 नवंबर को रात लगभग 9:30 बजे, तिरूमलगिरी में अपने दोस्त के घर जाने के लिए परेड ग्राउंड बस स्टॉप पर बस का इंतज़ार करते समय, छह अज्ञात व्यक्तियों ने उन्हें घेर लिया, चाकू दिखाकर धमकाया और जबरन 6,000 रुपए नकद, एक फायर-बोल्ट काली कलाई घड़ी छीन ली, और उनके फ़ोन पे खाते से 1,500 भी निकाल लिए।

गिरोह ने उनके चेहरे, पेट और सिर पर भी हमला किया, जिससे उन्हें चोटें आईं और वे घटनास्थल से भाग गए। डर और बाहरी होने के कारण, उन्होंने तुरंत मामले की सूचना नहीं दी। अगले दिन, उन्होंने अपने सैलून मालिक, मार्टिन को सूचित किया, जो उनके साथ शिकायत दर्ज कराने पुलिस स्टेशन गए। डीसीपी ने बताया कि सभी छह आरोपी दोस्त हैं और सिकंदराबाद के मडफोर्ट, सिख विलेज और पिकेट इलाकों के निवासी हैं। वे शराब पीने के आदी हैं और अक्सर बोवेनपल्ली में इकट्ठा होते थे। बीते 3 नवंबर की शाम को, शराब पीने के बाद, उन्होंने डकैती करने और रात में चलते हुए निर्दोष लोगों से जबरन वसूली करने की योजना बनाई। अपनी योजना के अनुसार, उन्होंने आरोपी राजेश के एक ऑटो का इस्तेमाल किया और बेगमपेट की सीमा के भीतर दोनों अपराध किए। गिरफ्तार आरोपियों में वन्नम राजेश (18), ऑटो चालक, निवासी मडफोर्ट, सिख विलेज, कारखाना, सिकंदराबाद , बोया नरसिम्हा (18), जीएचएमसी कचरा उठाने वाला कर्मचारी, निवासी सिख विलेज, सिकंदराबाद, बूरवती कार्तिक (18), मजदूर, निवासी पिकेट, जेबीएस, परशुराम (20), मजदूर, निवासी मडफोर्ट, सिकंदराबाद, एक अन्य किशोर शामिल है। एक आरोपी शिवा, निवासी मडफोर्ट, सिकंदराबाद फरार है।

बालाजी राजस्थानी भवन में अन्नकूट प्रसाद 6 को

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अमीरपेट स्थित बालाजी राजस्थानी भवन में राजपुरोहित युवा वाहिनी अमीरपेट सदस्यों के सानिध्य में अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम गुरुवार 6 नवंबर शाम 7.15 बजे पुजा-अर्चनाकर महाआरती के पश्चात् भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा।

प्रेस विज्ञप्ति में युवा वाहिनी कार्यकर्ताओं ने बताया कि हर वर्ष की भांति समस्त राजपुरोहित समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद, राजपुरोहित युवा वाहिनी अमीरपेट के सानिध्य में अन्नकूट प्रसाद का भव्य आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में राजपुरोहित युवा वाहिनी अमीरपेट के सभी सदस्यों व कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहेगा। समाज बन्धुओं व भक्तों से निवेदन है समय पर सपरिवार, ईष्टमित्रों सहित पधारकर अन्नकूट प्रसाद का लाभ लेवे।

लॉरी की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, एक घायल

मंचेरियल, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जन्नाराम मंडल के चिंतागुडा और महबूबाबाद गांवों के बीच मंगलवार को एक तेज रफ्तार लॉरी ने दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी, जिससे एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया।

जन्नाराम की उप-निरीक्षक जी अनुषा ने बताया कि मृतक की पहचान सिंगरायपेट गांव निवासी 25 वर्षीय अदायी मारुति के रूप में की गई है। टक्कर लगने के बाद उसे गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसी गांव के कोमराम नागराजू को हादसे में मामूली चोटें आईं। पुलिस को संदेह है कि दुर्घटना ट्रक चालक की लापरवाही के कारण हुई। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

सरकारी अस्पताल की नर्स ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भूपलपल्ली, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भूपलपल्ली के सरकारी जनरल अस्पताल में कार्यरत एक स्टाफ नर्स ने मंगलवार को कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान मुलुग जिले के तड़वई निवासी 25 वर्षीय अनीता के रूप में हुई है, जो भूपलपल्ली में किराए के मकान में अकेली रहती थी। मकान मालिकों ने जब उसके कमरे का दरवाजा काफी देर तक बंद देखा, तो उन्होंने झांककर देखा और अनीता को फंदे से लटका पाया। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। भूपलपल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सांसद लक्ष्मण ने युवाओं से 'सरदार एकता मार्च' में शामिल होने की अपील की

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यसभा सांसद डॉ.के. लक्ष्मण ने युवाओं से सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 31 अक्टूबर से 25 नवंबर तक तेलंगाना भर में आयोजित होने वाले 'सरदार@150 एकता मार्च' (पदयात्रा) में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया है। मंगलवार को कवडीगुडा स्थित सीजीओ टावर्स में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, डॉ. लक्ष्मण ने पूर्ववर्ती हैदराबाद राज्य को भारतीय संघ में एकीकृत करने में सरदार पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। तेलंगाना का सरदार पटेल के साथ एक विशेष संबंध है, जिनके निर्णायक नेतृत्व ने हैदराबाद का भारत में विलय सुनिश्चित किया और देश की एकता और संप्रभुता को बनाए रखा। भाजपा सांसद ने कहा, जाति या धर्म से परे, सरदार पटेल का नेतृत्व राष्ट्रीय एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता था। अखंड भारत के उनके दृष्टिकोण को कायम रखना हमारा सामूहिक कर्तव्य है। लक्ष्मण ने आगे कहा कि पदयात्राओं का उद्देश्य 'तेलंगाना के स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान' करना और युवाओं में देशभक्ति की भावना जगाना है, उन्हें एकता, स्वदेशी और नशामुक्त भारत के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करना है, साथ ही '2047 तक विकसित भारत' के विजन को साकार करने के लिए काम करना है। इस अवसर पर, डॉ. लक्ष्मण ने जिला स्तरीय पदयात्रा पोस्टर का अनावरण किया। कार्यक्रम में राज्य संयोजक माधवी कोल्ली, 'सरदार@150 एकता मार्च' की राज्य सदस्य समाला पवन रेड्डी, एनएसएस की जिला युवा अधिकारी सईदा नायक और एमवाई भारत हैदराबाद की जिला युवा अधिकारी श्रीमती खुशबू गुप्ता उपस्थित थीं।

मिधानि में संपन्न सतर्कता जागरूकता सप्ताह

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) में केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के निर्देशानुसार सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह में मिधानि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एस.वी.एस. नारायण मूर्ति द्वारा सत्यनिष्ठा शपथ दिलाने के साथ शुरू हुआ। उद्घाटन कार्यक्रम में श्रीमती के. मधुबाला, निदेशक (वित्त), पड़विट्टा बाबू, निदेशक (उत्पादन एवं विपणन), श्रीमती स्पूर्ति रेड्डी, आईआरएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी और मिधानि के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

सप्ताह के दौरान अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा चअनुशासनात्मक कार्यवाही के संचालन हेतु ई-प्लेटफॉर्म का शुभारंभ किया गया। सप्ताह के दौरान कर्मचारियों के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ऑनलाइन माध्यम से विभिन्न प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। सीवीसी के निर्देशानुसार, समाज के सभी हितधारकों को भ्रष्टाचार के विरूद्ध लड़ने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु विक्रेता सम्मेलन, ग्राहक शिकायत निवारण सत्र (ऑनलाइन) और मिधानि के हैदराबाद संयंत्र और रोहतक संयंत्र के आसपास के क्षेत्र में 4 किलोमीटर की वॉकथॉन, तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले के सिंगापुरम गांव में ग्रामसभा का आयोजन किया गया। सप्ताह के दौरान आउटरीच गतिविधियों के एक भाग के रूप में मिधानि के आवास परिसर में स्थित बीपीडीएवी स्कूल के छात्रों के लिए पोस्टर तैयार करने, वाक् और नारा लेखन प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं।

सप्ताह का समापन पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। समापन कार्यक्रम में वी.वी. लक्ष्मीनारायण, आईपीएस (सेवानिवृत्त), पूर्व संयुक्त निदेशक, सीबीआई ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति थे। कार्यक्रम में पड़विट्टान बाबू, निदेशक (उत्पादन एवं विपणन), श्रीमती स्पूर्ति रेड्डी, आईआरएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी और मिधानि के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। श्रीमती स्पूर्ति रेड्डी ने संगठन में सतर्कता कार्यों के प्रत्येक कार्यक्षेत्र पर जोर दिया और बताया कि यह समय के साथ विकसित हुआ है और प्राथमिकताएं दंडात्मक सतर्कता से निवारक सतर्कता में स्थानांतरित हो गई हैं।

वी.वी. लक्ष्मीनारायण ने अपने मुख्य भाषण में विषय पर अपने व्यावहारिक विचार साझा किए। सतर्कता विभाग की गृह पत्रिका जागृति का विमोचन किया गया और सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

खाड़ी क्षेत्र के एक कर्मचारी का 5 साल बाद बहरीन में होगा अंतिम संस्कार

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जगित्याल जिले के मेटपल्ली निवासी श्रीपद नरेश, जिनकी पाँच साल पहले बहरीन में मृत्यु हो गई थी, का उनके परिवार की सहमति के बाद वहीं अंतिम संस्कार किया जाएगा। मृतक की पत्नी श्रीपद लता (मुनिकोटा नागमणि) ने एक अनापत्ति प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे बहरीन में अंतिम संस्कार संभव हो गया है, क्योंकि भारतीय दूतावास ने पुष्टि की है कि स्वदेश वापसी संभव नहीं है। कोरुतला विधायक डॉ. कलवकुंटा संजय ने मृतक के भाई आनंद के साथ मंगलवार को यहाँ प्रजा भवन में मुख्यमंत्री प्रवासी प्रजावाणी प्रभारी डॉ. जी. चिन्ना रेड्डी और एनआरआई सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष मंदा भीम रेड्डी को नोटरीकृत हलफनामा सौंपा। विधायक ने अंतिम संस्कार के लिए भारतीय दूतावास के साथ राज्य समन्वय का अनुरोध किया। एनआरआई सलाहकार समिति के सदस्य और भारत व बहरीन के सामाजिक कार्यकर्ता, जिनमें डी.वी. शिवकुमार, कोटागिरी नवीन कुमार और नोमुला मुरली शामिल हैं, व्यवस्थाओं में सहयोग कर रहे हैं। मृतक के भाई धर्मपुरी आनंद अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए बहरीन जाएँगे।

पवन कल्याण की जेएसपी ने जेएच उपचुनाव में भाजपा को समर्थन दिया

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम में, जन सेना पार्टी (जेएसपी) ने 11 नवंबर को होने वाले जुबली हिल्स उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार को अपना पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की है। जन सेना तेलंगाना के अध्यक्ष शंकर गौड़ ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव और केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी से मुलाकात की और भाजपा उम्मीदवार लंकाला दीपक रेड्डी को औपचारिक रूप से समर्थन दिया। जन सेना के नेता भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ चुनाव प्रचार में भी हिस्सा लेंगे।

भाजपा ने मंत्री विवेक के बयान की निंदा की

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा के आधिकारिक प्रवक्ता एन.वी. सुभाष ने मंगलवार को श्रम एवं रोजगार मंत्री जी. विवेक वेंकटस्वामी की उस टिप्पणी की कड़ी निंदा की, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि 'बीआरएस और भाजपा मिलीभगत से काम कर रहे हैं'। सुभाष ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस मंत्री पर 'अवसरवादी राजनीति' करने का आरोप लगाया और याद दिलाया कि विवेक खुद अतीत में कई पार्टियों के साथ संबंध रख चुके हैं। सुभाष ने आरोप लगाया, "राजनीतिक लाभ के लिए कांग्रेस में जाने से पहले, विवेक भाजपा में रहते हुए भी अन्य पार्टियों के साथ मिले हुए थे।" भाजपा नेता ने आगे कहा कि विवेक ने भाजपा में रहते हुए कांग्रेस और बीआरएस के खिलाफ कई टिप्पणियां की थीं, लेकिन अब उन्होंने अपना रुख बदल लिया है। सुभाष ने चुटकी लेते हुए कहा, "जब कोई राजनेता दो से ज़्यादा पार्टियाँ बदलता है, तो उसे 'आया राम गया राम' कहा जाता है। विवेक ने सिर्फ़ राजनीतिक लाभ के लिए तीन पार्टियाँ बदली हैं।" भाजपा के मजबूत प्रदर्शन की भविष्यवाणी करते हुए सुभाष ने कहा कि पार्टी ने मतदाताओं के समर्थन से कई संसदीय सीटें जीती हैं और उन्होंने जुबली हिल्स उपचुनाव में भी यही प्रदर्शन दोहराने का विश्वास जताया।

पूर्व तट रेलवे

पलासिंगी पैसेंजर हॉल्ट पर टिकटों की बिक्री के लिए पैसेंजर हॉल्ट एजेंट की नियुक्ति

अधिसूचना सं. WCM/2/PLSG PH — दिनांक : 30.10.2025

नौपाड़ा रेलवे स्टेशन द्वारा सेवा प्रदायी पलासिंगी पैसेंजर हॉल्ट में कमिशन एजेंट की नियुक्ति हेतु इच्छुक स्थानीय अभ्यर्थी (जहाँ पैसेंजर हॉल्ट अवस्थित है, उसी स्थान का स्थायी निवासी होना चाहिए) से आवेदन आमंत्रित किया जाता है। ''प्रारंभिक ठेका अवधि 05 वर्षों के लिए होगी, जिसे दो चरणों में यानि प्रत्येक 2 एवं 1/2 वर्ष के अंतराल में अगले 05 वर्षों तक बढ़ाया जा सकता है, जो कि कमिशन एजेंट के रूप में संतोषजनक कार्य निष्पादन एवं सही समय पर रेलवे देय भुगतान पर निर्भर करता है।'' हॉल्ट ठेकेदारों को प्रदानयोग्य कमिशन नीचे दिए गए अनुसार होगा :

मासिक टिकट बिक्री की मात्रा एवं प्रदेय कमिशन :
* ₹ 1/- से 15,000/- : 15%, * ₹ 15,001/- से 50,000/- : 12%,
* ₹ 50,001/- से 1,00,000/- : 9%, * ₹ 1,00,001/- से 2,00,000/- : 6%,
* ₹ 2,00,000/- और उससे अधिक : 3%.

महीने के अंत में हॉल्ट ठेकेदार को महीने के दौरान प्रत्येक दिन अर्जित कमिशन के आधार पर कमिशन भुगतान किया जायेगा।

पैसेंजर हॉल्ट के लिए आवेदनपत्र में अभ्यर्थी का नाम, पिता का नाम, स्थायी पता, आयु सीमा, शैक्षणिक अर्हता और अनुभव, क्या वे एक सेवानिवृत्त रेल कर्मचारी हैं, तथा अन्य प्रासंगिक विस्तृत विवरण अवश्य उल्लेखित होना चाहिए। हॉल्ट ठेकेदार कम से कम 10 वीं कक्षा परीक्षा में उत्तीर्ण होने के साथ-साथ उसके पास सरल अंग्रेजी का कार्यसाधक ज्ञान होना चाहिए। अभ्यर्थी को संबंधित पुलिस स्टेशन से प्राप्त चरित्र पूर्ववृत्त (Character Antecedents) से संबंधित प्रमाणपत्र, स्कूल / सरकारी अधिकारी से प्राप्त आचरण प्रमाणपत्र (Conduct Certificate) तथा स्थानीय पंचायत द्वारा जारी शोधन क्षमता (Solvency) और अनुभव से संबंधित प्रमाणपत्रों संलग्न करना होगा।

पैसेंजर हॉल्ट के लिए चयनित अभ्यर्थी को रु. 2,000/- (रुपये दो हजार मात्र) की सुरक्षा जमा राशि दाखिल करने के साथ-साथ रेलवे के साथ एक समझौता भी करना होगा। चयनित अभ्यर्थी को किसी सरकारी अस्पताल से चिकित्सा प्रमाणपत्र जमा करना होगा, जिसमें यह उल्लेख होना चाहिए कि संबंधित व्यक्ति सक्रिय रूप से सेवा प्रदान करने के लिए पूरी तरह से सक्रिय है और किसी भी तरह की संक्रामक बीमारी से मुक्त है। मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व तट रेलवे, दोण्डापर्थि, विशाखापट्टनम के कार्यालय में रखे गये बॉक्स में आवेदन स्वीकार करने की अंतिम तिथि दिनांक 27.11.2025 को 1100 बजे तक है।

यह अधिसूचना वेबसाइट www.eastcoastrail.indianrailways.gov.in ➲ About us ➲ Division ➲ Waltair Division ➲ Tenders, Notifications and Announcements पर उपलब्ध है। किसी भी कारण दर्शाए बिना किसी भी आवेदन को निरस्त करने का अधिकार रेलवे के पास सुरक्षित है।

PR-760/Q/25-26 — वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक / वाल्टियर

होमगार्डों के परिजनों को मिला सहायता राशि

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद कमिश्नरेट के सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले दो होमगार्ड इम्मादी रघुपति, एन. सिम्हाचलम के परिवारवालों को सहायता राशि सौंपी गई।

दोनों मृतक होमगार्ड एचडीएफसी बैंक में अपने वेतन खाते रखते थे, जो अपने खाताधारकों को दुर्घटना मृत्यु बीमा कवरेज प्रदान करता है। इस लाभ के सम्मान में, एचडीएफसी बैंक के अधिकारियों ने स्वाति लाकड़ा, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (संगठन एवं होमगार्ड्स), तेलंगाना की उपस्थिति में आज डीजीपी टीजी के कार्यालय में मृतक होमगार्ड्स के नामांकित व्यक्तियों को चेक सौंपे।

इम्मादी रघुपति के परिवारवालों को 30 लाख और एन. सिम्हाचलम के परिवारवालों को 38 लाख रुपये की राशि का चेक प्रदान किया। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों ने कहा कि तेलंगाना का गृह विभाग शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है और एचडीएफसी बैंक द्वारा अपनी दुर्घटना बीमा लाभ योजना के तहत समय पर प्रदान की गई वित्तीय सहायता की सराहना करता है।

बिना बताए अधिकारियों ने सेवानिवृत किया

मदनूर, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मदनूर मंडल गोजेगांव की निवासी गायकवाड़ राजाबाई पत्नी माधवराव ने तहसीलदार को एक अर्जी देते हुए बताया कि गोजेगांव गांव में आंगनवाड़ी केंद्र पर 38 वर्षों से आयाम्मा पद पर काम कर रही हूं। लेकिन 2024 में राज्य सरकार द्वारा तय किए गए सेवानिवृत्ति नियमों के अनुसार मुझे बिना किसी सबूत के सेवानिवृत्त कर दिया गया। मैंने सेवानिवृत्ति के फैसले के संबंध में कई बार जिला केंद्र के प्रजावाणी, जिला बाल कल्याण अधिकारियों और मंडल अधिकारियों से संपर्क किया, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। मैं 38 वर्षों से इस प्रणाली के आधार पर अपने परिवार का पालन कर रही हूं, लेकिन 15 महीने तक काम करने के बावजूद, मेरे परिवार का भरण-पोषण बहुत बोझिल हो गया है क्योंकि मुझे कोई वेतन और भत्ते नहीं मिल रहे हैं।

शिक्षण अधिकारी लापरवाही के कारण छह माह से पाठशाला बंद

मदनूर, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार शैक्षणिक क्षेत्र को सहयोग देकर निजी पाठशाला के मुकाबले में सरकारी पाठशालाओं को चलाकर छात्रों को अच्छी शिक्षण देना चाहती है लेकिन मदनूर मंडल ऋषेगाव में तो एक दम निराला ही दृश्य देखने को मिल रहा है। गांव के लोगों ने बताया कि मंडल शिक्षण अधिकारी के लापरवाही के वजह से छह माह से पाठशाला बंद रहने से बच्चों को पढ़ाई करने में समस्या का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि उनके बच्चों को निजी पाठशाला में पढ़ाने के लिए उनकी क्षमता नहीं है। गांव में हर रोज समयानुसार पाठशाला में अध्यापक आकर बच्चों को पढ़ाते तो अच्छा होता। आज हमारे बच्चे सड़क पर नहीं होते इस गांव में हमारी आवाज सुननेवाला कोई नहीं है। कई बार स्थानिक अधिकारियों को बताने पर भी कोई फरक नहीं पड़ा। इस विषय के बारे में मंगलवार के दिन मंडल शिक्षण अधिकारी को समाधान पूछने पर बताते हैं कि पाठशाला में बच्चे नहीं आने से पाठशाला बंद किया गया है। इसी के साथ साथ बांसवाड़ा डिविजन उप जिला अधिकारी किरणमई को स्थानिक जनता ने फोन पर बताया कि मंडल शिक्षण अधिकारियों की लापरवाही के कारण ही छह माह से गांव की पाठशाला बंद है। उप जिला अधिकारी किरणमई ने बताया कि मैं एक अधिकारी को आपके गांव को जांच पड़ताल कर के लिए भेज रही हूं। गांव के जनता को इस समस्या से समाधान करने का उन्होंने आश्वासन भी दिया।

जेसीबी की चपेट में आने से 70 वर्षीय महिला की मौत

संगारेड्डी, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कंडी मंडल मुख्यालय के लक्ष्मी नगर में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसे में 70 वर्षीय महिला की अर्थमूवर (जेसीबी) की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान इगावे लक्ष्मीबाई के रूप में हुई है, जो आरटीए कार्यालय के पास सड़क पार कर रही थी। उसी दौरान जेसीबी चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसे कुचल दिया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए संगारेड्डी के सरकारी अस्पताल भेज दिया है और आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है।

कपास की खरीद किसानों को बिना किसी परेशानी के की जाए : वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि कपास की खरीद प्रक्रिया किसानों को बिना किसी परेशानी के पूरी की जानी चाहिए। मंगलवार को जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित बैठक में जिला अपर कलेक्टर (राजस्व) डेविड ने जिला कृषि, विपणन, परिवहन, अग्निशमन एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों, सीसीआई अधिकारियों और जिनिंग मिल मालिकों के साथ कपास खरीद, जिनिंग मिलों में व्यवस्थाओं, कपास किसान मोबाइल ऐप के प्रबंधन-किसानों में जागरूकता और जिनिंग मिलों में सुरक्षा उपायों की समीक्षा की।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि जिनिंग मिल मालिक, सीसीआई और विपणन अधिकारी 2025-26 सीजन की कपास खरीद के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर लें। उन्होंने कहा कि इस सीजन में जिले में 3 लाख 30 हजार एकड़ में कपास की खेती की गई है और 38 लाख क्विंटल कपास की पैदावार होने की संभावना है, और उस दिशा में व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कपास का समर्थन मूल्य 8 हजार 110 रुपये तय किया गया है, और सीसीआई के तत्वावधान में जिले में 24 जिनिंग मिलों के माध्यम से कपास की खरीद के लिए कदम उठाए जाने चाहिए।

उन्होंने कहा कि कृषि अधिकारी और कृषि विस्तार अधिकारी किसानों को मोबाइल ऐप के उपयोग के बारे में शिक्षित करें ताकि वे कपास किसान ऐप के माध्यम से स्लॉट बुक कर सकें और समय पर खरीद केंद्रों पर ला सकें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिनिंग मिल में अग्निशमन विभाग के तत्वावधान में निरीक्षण किए जाने चाहिए और सुरक्षा व्यवस्था की जांच की जानी चाहिए, और मिल प्रबंधकों को उचित निर्देश दिए जाने चाहिए।

महिलाओं की सुरक्षा हमारा मुख्य मिशन है : जी. सुधीर बाबू

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रचकोंडा शी टीम्स ने सार्वजनिक स्थानों और ऑनलाइन महिलाओं और लड़कियों को परेशान करने के आरोप में मात्र 15 दिनों में 127 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। 16 से 31 अक्टूबर, 2025 के बीच 194 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 40 फोन के जरिए, 74 सोशल मीडिया के जरिए और 80 सीधे उत्पीड़न की शिकायतें शामिल हैं। पीछा करने और जबरन वसूली के प्रमुख मामलों में, एक युवक ने एक महिला को ऑनलाइन परेशान किया और 10 लाख रुपये की मांग की, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। साइबर उत्पीड़न के मामले में, एक सॉफ्टवेयर पेशेवर को मॉर्फ्ड तस्वीरों से धमकाया गया, आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। एक अन्य युवक को यदागिरिगुट्टा बस स्टैंड पर सार्वजनिक उपद्रव मचाने के आरोप में पकड़ा गया और उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया। लगभग 76 जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से 11,900 से ज्यादा लोगों को जागरूक किया गया। मेट्रो ट्रेनों के महिला डिब्बों में यात्रा करते हुए छह अपराधी पकड़े गए। शी टीमों से व्हाट्सएप नंबर 8712662111 पर या राचकोंडा कमिश्नरेट की स्थानीय हेल्पलाइनों पर संपर्क करें।

एसएफआई कार्यकर्ताओं ने मंत्री पोन्नम प्रभाकर के घर घेरने की कोशिश की

शुल्क प्रतिपूर्ति में देरी के विरोध में करीमनगर में प्रदर्शन, कई कार्यकर्ता हिरासत में

करीमनगर, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को करीमनगर में परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर के मनकम्माथोटा स्थित आवास पर धावा बोलने की कोशिश की। यह विरोध राज्य सरकार द्वारा शुल्क प्रतिपूर्ति निधि जारी करने में हो रही देरी के खिलाफ किया गया।

प्रदर्शनकारियों का समूह नारेबाजी करते हुए मंत्री के घर की ओर बढ़ा, लेकिन पुलिस ने पहले ही बैरिकेड लगाकर उन्हें रोक लिया और उनके घुसने के प्रयास को विफल कर दिया। इसके बाद पुलिस ने सभी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया। धरना स्थल पर एसएफआई नेताओं ने कहा कि शुल्क प्रतिपूर्ति राशि जारी न होने से छात्रों को गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जबकि सरकार और मंत्री इस मुद्दे पर उदासीन बने हुए हैं। उन्होंने छात्रों के हितों की रक्षा के लिए लंबित धनराशि तुरंत जारी करने की मांग की।

दो छात्रों ने कीटनाशक पीकर आत्महत्या का किया प्रयास

प्रिंसिपल की फटकार और पिटाई से आहत होकर उठाया कदम

करीमनगर, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जम्मीकुंटा में सोमवार देर रात एक निजी स्कूल के नौवीं कक्षा के दो छात्रों ने कथित तौर पर कीटनाशक पीकर आत्महत्या का प्रयास किया। दोनों छात्रों को गंभीर हालत में शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उनका इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार, रामचरण और चरण कुमार नाम के दोनों छात्र वीणावंका के रहने वाले हैं और जम्मीकुंटा के मास्टर एसवी स्कूल में पढ़ते हैं। दोनों स्कूल के छात्रावास में रह रहे थे।

सूत्रों के मुताबिक, दोनों छात्र अक्सर हॉस्टल से चुपके से बाहर जाकर सिगरेट पीते थे। इस बात का पता चलने पर स्कूल प्रशासन ने उन्हें फटकार लगाई और सोमवार को उनके अभिभावकों को बुलाने के लिए कहा। बताया जा रहा है कि फटकार और कथित पिटाई से आहत होकर दोनों ने उसी रात कीटनाशक पी लिया। छात्रों ने अस्पताल ले जाने से पहले अपने साथियों को बताया कि उन्होंने यह कदम प्रिंसिपल की डांट और पिटाई के कारण उठाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं. eT-WAT-SOUTH-24-2025
दिनांक : 30.10.2025

कार्य का नाम : सहायक मंडल अभियंता / ट्रैक / वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन पार्श्व नालियों को साफ करके एवं समय-समय पर जंगल की सफाई सहित ट्रैक के पार्श्व नालियों की मरम्मत और सेस की साफ-सफाई।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 68,09,600.00, EMD : ₹ 1,36,200.00, कार्य पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 24.11.2025 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर
PR-759/Q/25-26

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

एसीसी राइजिंग स्टार्स एशिया कप, इंडिया-ए टीम का ऐलानः जितेश शर्मा कप्तानी करेंगे

नमन धीर उप कप्तान होंगे; 14 नवंबर से होगा टूर्नामेंट

मुंबई, 4 नवंबर (एजेंसियां)। एसीसी राइजिंग स्टार्स एशिया कप के लिए इंडिया-ए टीम का ऐलान हो गया है। सीनियर मेंस सिलेक्शन कमिटी ने मंगलवार को टीम का ऐलान किया। यह टूर्नामेंट 14 से 23 नवंबर, 2025 तक दोहा के वेस्ट एंड इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

राइजिंग स्टार्स एशिया कप के लिए इंडिया-ए टीम

जितेश शर्मा (कप्तान, विकेटकीपर), नमन धीर (उप-कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, नेहल वढ़ेरा, सूर्यांश शेडगे, रमनदीप सिंह, हर्ष दुबे, आशुतोष शर्मा, यश ठाकुर, गुरजपनीत सिंह, विजय कुमार वैशाक, युधवीर सिंह चरक, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), सुयश शर्मा।

स्टैंड-बाय प्लेयर्सः गुरनूर सिंह बरार, कुमार कुशाग्र, तनुष कोटियन, समीर रिजवी, शेख रशीद।

टूर्नामेंट का महामुकाबला यानी भारत-पाकिस्तान मैच 16 नवंबर को खेला जाएगा। सभी मुकाबले कतर के दोहा शहर में होंगे। एसीसी ने शुक्रवार को टूर्नामेंट के शेड्यूल का ऐलान किया। इसमें आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप-ए में अफगानिस्तान, बांग्लादेश, हॉन्ग कॉन्ग और श्रीलंका हैं, जबकि ग्रुप-बी में भारत, ओमान, पाकिस्तान और यूएई हैं।

ह टूर्नामेंट जिसे पहले एसीसी इमर्जिंग टीम्स एशिया कप के नाम से जाना जाता था, टी-20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। इसमें अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका की 'A' टीमें हिस्सा लेंगी। तीन एसोसिएट टीमें, हॉन्ग कॉन्ग, ओमान और यूएई अपनी मेन टीमें मैदान में उतारेंगी।

14 नवंबर से 19 नवंबर तक हर दिन दो मैच खेले जाएंगे, जिसके बाद 21 नवंबर को सेमीफाइनल और 23 नवंबर को फाइनल खेला जाएगा।

इमर्जिंग टीम्स टूर्नामेंट 2013 में शुरू हुआ था और अब तक इसके छह एडिशन हो चुके हैं। टूर्नामेंट का यह सातवां सीजन होगा। यह पहले अंडर-23 टूर्नामेंट के तौर पर शुरू हुआ था, बाद में इसे 'ए' टीमों के बीच होने वाले कॉम्पिटिशन में बदल दिया गया।

पाकिस्तान और श्रीलंका टूर्नामेंट की सबसे सफल टीमें हैं। दोनों ने दो-दो खिताब जीते हैं। जबकि भारत और अफगानिस्तान ने एक-एक बार जीता है। मौजूदा चैंपियन अफगानिस्तान है। अफगानिस्तान ने पिछला एडिशन 2024 में ओमान में जीता था, फाइनल में श्रीलंका को सात विकेट से हराया था।

रणजी ट्रॉफी में यशस्वी जायसवाल का 17वां शतक

120 गेंदों में सेंचुरी की; टूर्नामेंट में 1000 रन पूरे

जयपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। रणजी ट्रॉफी के तीसरे राउंड के चौथे दिन मंगलवार को राजस्थान के खिलाफ यशस्वी जायसवाल ने मुंबई की ओर से दूसरी पारी में शतक जड़ा। उन्होंने इस पारी के दौरान इस टूर्नामेंट में अपने 1,000 रन भी पूरे कर लिए हैं। इस मुकाबले की पहली पारी में यशस्वी ने फिफ्टी लगाई थी।

यशस्वी ने 120 गेंदों में 11 चौकों की मदद से अपना शतक पूरा किया। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में यह उनका 17वां शतक है। वे नाबाद हैं। रेड बॉल क्रिकेट की पिछली चार पारियों में जायसवाल ने तीन फिफ्टी प्लस स्कोर किए हैं, जिनमें दो शतक शामिल हैं।

राजस्थान ने पहली पारी में 617 रन बनाए थे

राजस्थान ने पहली पारी में 6 विकेट के नुकसान पर 617 रन बनाए थे। जवाब में मुंबई की पहली पारी 254 रन पर समाप्त हो गई। फॉलोऑन खेलते हुए मुंबई ने चौथे दिन लंच ब्रेक तक 2 विकेट पर 193 रन बना लिए हैं। राजस्थान अभी भी 170 रन से आगे है। पहले विकेट के लिए उन्होंने ने मुशीर खान (63) के साथ मिलकर 209 गेंदों में 149 रन की साझेदारी निभाई।

पहली पारी में यशस्वी ने 67 रन बनाए थे

मुंबई के लिए पहली पारी में यशस्वी जायसवाल ने 67 और मुशीर खान ने 49 रन बनाए। इसके अलावा शम्स मुलानी ने 32, तुषार देशपांडे ने नाबाद 25, हिमांशु सिंह ने 25 और कप्तान शार्दुल ठाकुर ने 18 रन बनाए। सरफराज खान 15 रन बनाकर आउट हुए। सिद्धेष लाड 8, आकाश आनंद 5 और अजिंक्य रहाणे 3 रन बनाकर आउट हुए। राजस्थान के लिए अजय कूकना ने 4 और अशोक शर्मा ने 3 विकेट लिए।

जायसवाल आईसीसी टेस्ट बैटिंग रैंकिंग में टॉप-5 में शामिल

जायसवाल आईसीसी टेस्ट बैटिंग रैंकिंग में अभी पांचवें स्थान पर हैं। उनके 791 अंक है। वो टेस्ट क्रिकेट में 45 सालों में सबसे बेहतरीन औसत रखने वाले ओपनर हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में कम से कम 2000 टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाजों के बीच यशस्वी जायसवाल साल 1980 से अब सबसे बेहतरीन औसत वाले ओपनर हैं। उनका औसत 52.60 का है। इस मामले में जायसवाल ने ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू हेडन को पीछे छोड़ा है, जिनका औसत 50.73 का रहा है।

बिग बैश लीग में नहीं खेलेंगे आर अश्विन

लगा 2.45 करोड़ का तगड़ा झटका ! कारण आया सामने

चेन्नई, 4 नवंबर (एजेंसियां)। रविचंद्रन अश्विन ने कुछ महीनों पहले आईपीएल से संन्यास का ऐलान कर दिया था. इसके बाद अश्विन ने बताया था कि वो दुनिया भर में होने वाली अलग-अलग क्रिकेट लीग का हिस्सा बनेंगे. वो बीबीएल 2025-26 का हिस्सा बनने वाले थे और उन्हें सिडनी थंडर टीम में जगह मिली थी. हालांकि, अश्विन ने अब खुद ऐलान कर दिया है कि वो ये टूर्नामेंट नहीं खेलने वाले हैं. चोटिल होने के चलते वो प्रतियोगिता से बाहर हो चुके हैं और उन्हें 2.45 करोड़ का तगड़ा झटका लगा है.

आर अश्विन हुए बीबीएल से बाहर

अश्विन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालते हुए फैंस को बुरी खबर दी और बताया कि चोटिल होने के कारण वो बीबीएल के अगले सीजन में सिडनी थंडर्स के लिए खेलते हुए नजर नहीं आएंगे. उन्होंने कहा, 'चेन्नई में आने वाले सीजन के लिए ट्रेनिंग के दौरान मेरे घुटने में चोट आ गई. मेरी जांच हुई और नतीजा ये है कि मैं बीबीएल 15 मिस करूंगा. मैं उस ग्रुप का हिस्सा बनने को लेकर उत्साहित था. अब मैं ठीक होकर बेहतर तरीके से वापसी करने की कोशिश करूंगा. टीम को धन्यवाद, जिन्होंने मुझे एक भी गेंद डालने से पहले घर जैसा महसूस कराया. मैं हर एक गेम देखूंगा और मेंस-वुमेंस टीम के लिए चीयर करूंगा. अगर डॉक्टर्स खुश रहे, तो फिर मैं आगे सीजन में खेलना पसंद करूंगा. कोई वादा नहीं कर रहा हूं. ये सिर्फ मेरा इरादा है.'

अश्विन को मिलने वाले थे 2.45 करोड़ रूपये

आर अश्विन को बिग बैश लीग का अगला सीजन खेलते हुए देखने के लिए फैंस बहुत उत्साहित थे. उन्हें सिडनी थंडर टीम ने साइन किया था और रिपोर्ट्स के अनुसार उन्हें 2.45 करोड़ रूपये मिलने वाले थे. अब अश्विन टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं और उन्हें करोड़ों का नुकसान हुआ है. हालांकि, चोट से ठीक होना इस समय महत्वपूर्ण है, तभी वो आने वाली क्रिकेट लीग में खेलते हुए नजर आ पाएंगे. देखना होगा कि अश्विन कब और किस लीग द्वारा वापसी करेंगे.

वर्ल्ड कप 2025 में नहीं खेला एक भी मैच

फिर भी चैंपियन बनी अरुंधति रेड्डी

मुंबई, 4 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट के लिए 2 नवंबर का दिन काफी यादगार रहा. भारतीय महिला टीम सालों के इंतजार के बाद पहली बार महिला वनडे वर्ल्ड कप जीतने में कामयाब रही. भारत की इस ऐतिहासिक जीत में कई खिलाड़ियों का अहम योगदान रहा, जिसके चलते टीम इंडिया ने खिताब अपने नाम किया. बीसीसीआई ने महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 के लिए कुल 15 खिलाड़ियों का स्क्वॉड चुना था. जिसमें एक से बढ़कर एक खिलाड़ी थीं. लेकिन इनमें से एक खिलाड़ी को पूरे टूर्नामेंट खेलने का मौका नहीं मिला. वह एक बार भी प्लेइंग 11 में शामिल नहीं की गई, फिर भी वह वर्ल्ड चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया. भारतीय महिला टीम के स्क्वॉड में शामिल तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी को महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला. टीम कॉम्बिनेशन को ध्यान में रखते हुए प्लेइंग 11 में ज्यादा बदलाव नहीं किए गए, जिसके चलते अरुंधति रेड्डी पूरे टूर्नामेंट में बेंच पर बैठी रहीं.

अरुंधति रेड्डी का हालिया प्रदर्शन काफी शानदार रहा है. वह टीम इंडिया के लिए अभी तक 11 वनडे और 38 टी20 मैच खेले हैं. इस दौरान उन्होंने वनडे में 15 विकेट और टी20 में 34 विकेट चटकाए हैं, उन्हें टूर्नामेंट से पहले चोट का भी सामना करना पड़ा था. हालांकि, वह जल्द ही फिट हो गई थीं और टीम में भी चुनी गईं थीं. अरुंधति रेड्डी को महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 के वॉर्म अप मैचों में खेलने का मौका मिला था. वह दो मुकाबलों में 3 विकेट चटकाने में कामयाब रही थीं. लेकिन मेन टूर्नामेंट में वह एक भी मुकाबला नहीं खेल सकीं. इन सब के बावजूद वह चैंपियन टीम का हिस्सा बनने में कामयाब रहीं.

विश्वकप के दूसरे दौर में पहुंचे ग्रैंडमास्टर नारायणन

भारतीय खिलाड़ी ने पेरू के स्टीवन को दी मात

पणजी (गोवा), 4 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के एसएल नारायणन ने पेरू के स्टीवन रोजास को हराकर शतरंज विश्वकप 2025 के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। वह टाई ब्रेकर के जरिए राउंड ऑफ-128 में पहुंचने वाले पहले गैरवरीय खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने पेरू के ग्रैंडमास्टर स्टीवन रोजास को 3-1 से मात दी।

पहले दो मुकाबले ड्रॉ रहने के बाद उन्होंने शानदार खेल दिखाया और दो मुकाबले अपने नाम किए। अब उनका मुकाबला इंग्लैंड के निकिता वित्यूगोव से होगा। उनके बाद भारत के दिप्तायन घोष ने चीन के पेंग शियोंगजियन से दोनों टाई-ब्रेकर गेम जीतकर क्वालिफाई किया। वह दूसरे दौर में अमेरिकी इयान नेपोम्नियाची से भिड़ेंगे। वी प्रणव ने अल्जीरिया के अला एद्दिने बौलरेन्स को 2-0 से, रौनक साधवानी ने डेनियल बैरिश को 1.5-0.5 से, एम प्रणेश ने सतबेक अख्मेदिनोव को 1.5-0.5 से मात दी। एजेंसी

पहले ही दौर में हारकर बाहर हुईं दिव्या देशमुख

विश्वकप में एकमात्र महिला खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख पहले दौर में ही हारकर बाहर हो गईं। उन्हें पहले दौर में ग्रीस के ग्रैंडमास्टर स्टामाटिस कौरकौलोस-आर्दितिस से दोनों मुकाबले हारकर बाहर हो गईं। भारत के अन्य शीर्ष खिलाड़ी डी.गुकेश, आर प्रगनानंदा, अर्जुन एरिगैसी, विदित गुजराती को पहले दौर में बाय मिला है। वह अगले दौर में खेलते नजर आएं

डब्ल्यूपीएल 2026 से आरसीबी के कोचिंग स्टाफ में फेरबदल

इंग्लैंड की अन्या श्रब्सोल बनीं नई गेंदबाजी कोच; रंगराजन को सौंपी हेड कोच की कमान

बेंगलुरु, 4 नवंबर (एजेंसियां)। विमेंस प्रीमियर लीग 2026 सीजन से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपने सपोर्ट स्टाफ में बड़ा बदलाव किया है। इंग्लैंड की पूर्व तेज गेंदबाज अन्या श्रब्सोल को टीम का नया बॉलिंग कोच नियुक्त किया गया है

उनके साथ तमिलनाडु के पूर्व स्पिनर मालोलन रंगराजन अब टीम के हेड कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। यह बदलाव इसलिए किया गया है क्योंकि पिछले कोच ल्यूक विलियम्स इस सीजन में उपलब्ध नहीं रहेंगे। वे ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में एडिलेड स्ट्राइकर्स टीम के साथ व्यस्त रहेंगे।

डब्ल्यूपीएल का कार्यक्रम भी इस बार थोड़ा बदला गया है। टूर्नामेंट 8 जनवरी 2026 से शुरू होकर फरवरी की शुरुआत तक चलेगा।

रंगराजन आरसीबी के साथ पहले से जुड़े हैं

रंगराजन आरसीबी के साथ पहले दिन से जुड़े हैं। उन्होंने कोच बेन सॉयर, माइक हेसन और ल्यूक विलियम्स के साथ काम किया है। 2024 में उनकी मौजूदगी में आरसीबी ने अपना पहला डब्ल्यूपीएल खिताब जीता था।

अन्या श्रब्सोल पहली बार डब्ल्यूपीएल में कोचिंग करेंगी

इंग्लैंड की वर्ल्ड कप विजेता गेंदबाज अन्या श्रब्सोल के लिए यह डब्ल्यूपीएल में पहली कोचिंग जिम्मेदारी होगी। वे 2017 में इंग्लैंड को वनडे वर्ल्ड कप जिताने वाली टीम का हिस्सा थीं। श्रब्सोल ने 2022 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था और अपने करियर में 200 से ज्यादा विकेट लिए हैं।

रिटायरमेंट के बाद उन्होंने इंग्लैंड की सदर्न वाइपर्स टीम में खिलाड़ी और सहायक कोच के तौर पर काम किया। अब वे आरसीबी में सुनैत्रा परांजपे की जगह लेंगी, जो पहले बॉलिंग कोच थीं।

टीम के बाकी सपोर्ट स्टाफ में बदलाव नहीं

आरसीबी के बाकी सपोर्ट स्टाफ में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। आर. मुरलीधर बल्लेबाजी कोच बने रहेंगे। नवनीता गौतम टीम की हेड फिजियो के रूप में काम जारी रखेंगी।

खिलाड़ियों का रिटेंशन रंगराजन के सामने पहली चुनौती

नए हेड कोच रंगराजन की पहली जिम्मेदारी होगी टीम के रिटेंशन तय करना। आरसीबी को 5 नवंबर तक यह तय करना है कि किन खिलाड़ियों को अगले सीजन के लिए रखना है। सूत्रों के मुताबिक, टीम स्मृति मंधाना को कप्तान और पहली रिटेंशन के रूप में बरकरार रखेगी। इसके अलावा एलिसे पेरी, ऋचा घोष, सोफी मोलिन्यू और श्रेयांका पाटिल के साथ भी बातचीत चल रही है। डब्ल्यूपीएल मेगा ऑक्शन 26 नवंबर को नई दिल्ली में होने की संभावना है।

टॉम मूडी एलएसजी के नए ग्लोबल डायरेक्टर बने

2013 से 2019 तक एसआरएच के कोच रहे

लखनऊ, 4 नवंबर (एजेंसियां)। लखनऊ सुपर जायंट्स ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर टॉम मूडी को अपना ग्लोबल डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट नियुक्त करने का फैसला किया है। इस पद पर मूडी न सिर्फ आईपीएल की लखनऊ टीम बल्कि एसए20 लीग की डरबन सुपर जायंट्स और इंग्लैंड की द हंड्रेड लीग की मैनचेस्टर टीम की भी देखरेख करेंगे। इसके साथ ही वे टीम के मौजूदा हेड कोच जस्टिन लैंगर और हाल ही में नियुक्त रणनीतिक सलाहकार केन विलियम्सन के साथ मिलकर काम करेंगे। टॉम मूडी पिछले दो दशकों में इंटरनेशनल और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में कई टीमों को सफलता दिलाई है। हाल ही में उन्होंने इंग्लैंड की ओवल इनविंसिबल्स टीम को लगातार तीसरी बार द हंड्रेड लीग का खिताब जिताया। इसके अलावा, वे आईएलटी 20 लीग की डेजर्ट वाइपर्स टीम के भी हेड कोच रहे हैं, जिसने 2023 और 2025 में रनर-अप का स्थान हासिल किया था। वहीं, सनराइजर्स हैदराबाद के लिए साल 2013 से 2019 के बीच बतौर कोच अपनी सेवाएं दे चुके हैं। 2021 में उन्हें डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट नियुक्त किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंग्लैंड की सरे काउंटी और मुंबई इंडियंस की मालिक कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड भी मूडी को अपने साथ बनाए रखना चाहती थीं।

यूएसए के बल्लेबाज ने विराट कोहली को छोड़ा पीछे

वनडे में सबसे ज्यादा बैटिंग औसत का बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

वाशिंगटन, 4 नवंबर (एजेंसियां)। यूएसए के बल्लेबाज मिलिंद कुमार ने वनडे क्रिकेट में इतिहास रचा है. उन्होंने बैटिंग औसत का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है. कम से कम 20 वनडे पारियां खेलने वाले दुनिया भर के बल्लेबाजों के बीच वो अब तक की सबसे बेहतरीन बैटिंग औसत हासिल करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. मतलब, 34 साल के बल्लेबाज मिलिंद कुमार ने इस मामले में उस मुकाम को छुआ है, जहां आज तक कोई और बल्लेबाज नहीं पहुंचा है. मिलिंद कुमार ने रेयान टेन डेशकाटे और विराट कोहली जैसे 50 ओवर फॉर्मेट के माहिर बल्लेबाजों को पीछे छोड़ते हुए ये कामयाबी हासिल की है.

67.73 का औसत... मिलिंद कुमार ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

विराट कोहली और रेयान टेन डेशकाटे से आगे निकलकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाले यूएसए के बल्लेबाज मिलिंद कुमार का बैटिंग औसत अब 67.73 का हो गया है. मिलिंद ने इस मुकाम को 3 नवंबर को यूएसए और यूएसए के बीच खेले वनडे मुकाबले में अपनी 123 रन की नाबाद पारी के दौरान हासिल किया. ये लगातार चौथी इनिंग थी, जिसमें उन्होंने फिफ्टी नहीं बल्कि 70 प्लस स्कोर किया था, जिसमें से दो इनिंग 70-70 रन की नेपाल के खिलाफ आई. जबकि एक इनिंग यूएसए के खिलाफ ही उन्होंने 71 रन की खेली.

वनडे क्रिकेट में आज तक कोई भी बल्लेबाज 67.73 की बैटिंग औसत तक नहीं पहुंचा है. ये आंकड़ा उन बल्लेबाजों का है, जिन्होंने कम से कम 20 पारियां 50 ओवर फॉर्मेट में खेली हैं. इससे पहले 67 की औसत के साथ ये रिकॉर्ड नेदरलैंड्स के रेयान टेन डेशकाटे का था. विराट कोहली 57.71 की बैटिंग औसत के साथ इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं. वहीं शुभमन गिल 56.36 की बैटिंग औसत के साथ चौथे नंबर पर.

अब सवाल है कि मिलिंद कुमार हैं कौन? विराट कोहली का पीछे छोड़ने वाला ये खिलाड़ी उन्हीं का पुरान साथी है. मिलिंद कुमार दिल्ली के लिए रणजी क्रिकेट और आरसीबी से आईपीएल भी खेल चुके हैं. इसी वजह से वो विराट कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम भी शेयर करते दिखे हैं.

यूएसए और यूएईके बीच खेले मैच की बात करें तो उसमें जीत और हार का अंतर 243 रन का रहा है. मिलिंद कुमार और साईतेजा मुक्कामल्ला के शतक की बदौलत यूएसए ने पहले खेलते हुए 294 रन बनाए. जवाब में यूएई की पारी सिर्फ 49 रन पर सिमट गई.

टिम सीफर्ट वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 सीरीज से बाहर

खेल डेस्क, 4 नवंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज टिम सीफर्ट उंगली में चोट लगने के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी20 घरेलू सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह मिचल हे को टीम में शामिल किया गया है, जो टीम के साथ जुड़ चुके हैं।

यह जानकारी न्यूजीलैंड के क्रिकेट बोर्ड ने एक सोशल पोस्ट के जरिए दी। सीरीज का पहला मुकाबला 5 नवंबर से खेला जाएगा।

सीफर्ट खेले गए फोर्ड ट्रॉफी मैच में अपनी घरेलू टीम नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के लिए बल्लेबाजी कर रहे थे। इस दौरान वेलिंगटन फायरबर्ड्स के खिलाफ एक गेंद उनके दाहिने हाथ की अंगुली पर लगी। चोट लगने के बाद वह दर्द के कारण तुरंत रिटायर्ड हर्ट हो गए। बाद में कराए गए एक्स-रे में उंगली में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई।

न्यूजीलैंड टीम के कोच रॉब वॉल्टर ने सीफर्ट की चोट पर अफसोस जताते हुए कहा,कि हम सब टिम के लिए दुखी हैं। वह हमारी टी-20 टीम के अहम सदस्य हैं। बल्लेबाजी में पावरप्ले के ओवरों में उनकी भूमिका और विकेटकीपिंग दोनों ही टीम के लिए जरूरी हैं। हाल की सीरीज में उन्होंने बेहतरीन फॉर्म दिखाई थी, इसलिए उनका बाहर होना निराशाजनक है।

पति के अपहरण की साजिश रचने वाली महिला समेत 10 गिरफ्तार

पैसे और संपत्ति के लिए महिला ने उठा लिया था खौफनाक कदम

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अंबरपेट पुलिस ने फिरौती के लिए अपहरण का मामला सुलझाने का दावा किया है। पुलिस इस मामले में 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया अंबरपेट पुलिस ने मुख्य आरोपी एम. माधवी लता को गिरफ्तार किया, जो अपने ही पति एम. श्याम और अन्य के अपहरण की मुख्य आरोपी है। उसके पास से 3 (एर्टिगा, क्रेटा, फ्रोंक्स) कारें, 2 दोपहिया वाहन (एक्टिवा), 6 मोबाइल फोन आदि जब्त किए गए।

पुलिस ने इस मामले में एम. माधवी लता, पत्नी एम. श्याम, निवासी बंदलागुडा जागीर, आर.आर. जिला, वुंडी दुर्गा विनय पुत्र. सुब्रमण्यम, निवासी पटेलनगर, अंबरपेट, हैदराबाद, कट्टा दुर्गा प्रसाद, निवासी रामनगर, हैदराबाद, कटामोनी पुरूषोत्तम पुत्र स्वर्गीय नरसिम्हा, निवासी विद्यानगरम, हैदराबाद, सैंडोलू नरेश कुमार उर्फ नानी पुत्र। स्वर्गीय श्रीनिवास, उम्र: 29 वर्ष, निवासी पुराना पूल, हैदराबाद, जी. प्रीति पत्नी जी.अजय कुमार, निवासी कुकटपल्ली, हैदराबाद, एल. सरिता पत्नी एल. श्रीहरि, निवासी मलकपेट, हैदराबाद, खोशाकोलू पवन कुमार, निवासी अगापुरा, हैदराबाद, नारायण ऋषिकेश सिंह पुत्र स्वर्गीय जयराज सिंह, निवासी मंगलहाट, हैदराबाद, पिल्ली विनय पुत्र पी. बलराज, निवासी पटेलनगर, अंबरपेट, हैदराबाद को गिरफ्तार किया है। बीते 29 अक्टूबर को डीडी कॉलोनी निवासी मंत्री श्याम के गुमशुदगी की शिकायत प्राप्त हुई, जिसमें आरोप लगाया गया था कि अज्ञात व्यक्तियों ने उसका अपहरण कर लिया है। अंबरपेट पुलिस ने तुरंत अपहरण का मामला दर्ज किया, विशेष टीमें गठित कीं, तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए और गहन जाँच शुरू की। 31 अक्टूबर को पीड़ित, मंत्री श्याम, अपने अपहरणकर्ताओं और साथियों से बच निकला, जबकि अंबरपेट पुलिस अपहरणकर्ताओं की तलाश में थी। पुलिस ने बंजारा हिल्स में पीड़ित का पता लगा लिया। पीड़ित ने पुलिस के सामने एक विस्तृत बयान दिया। उसने अपनी पत्नी एम. माधवी लता पर कथित तौर पर अपहरण करने का आरोप लगाया। श्याम ने पुलिस को बताया कि 29 अक्टूबर को डीडी कॉलोनी, हैदराबाद से पीड़ित का अपहरण कर लिया। पीड़ित के अनुसार उसकी पत्नी षड्यंत्रकारियों को 1 करोड़ रुपये देने का वादा किया था। अपहरणकर्ता उसे कई वाहनों में विजयवाड़ा ले गए और 30 अक्टूबर को उसकी रिहाई के लिए 10 लाख रुपये की मांग की। 31 अक्टूबर को वे उसे बंजारा हिल्स स्थित एक बैंक से फिरौती निकालने के लिए हैदराबाद लौटा लाए, लेकिन फिरौती मिलने से पहले ही पीड़ित भाग निकला। पुलिस ने 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जांच जारी है।

आईटी, फार्मा और खेल जगत में सहयोग के लिए तैयार : श्रीधर बाबू

मंत्री ने क्यूबा के राजदूत से मुलाकात की

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने कौशल आदान-प्रदान और द्विपक्षीय सहयोग के माध्यम से साझा प्रगति की दिशा में मिलकर काम करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार 'तेलंगाना-क्यूबा' के बीच अच्छे संबंधों को बढ़ाने के लिए तैयार है। उन्होंने मंगलवार को डॉ. बीआर अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय में क्यूबा के राजदूत जुआन कार्लोस मार्सन एगुइलेरा और प्रथम सचिव मिकी डियाज पेरेज के साथ एक विशेष बैठक की। जैव प्रौद्योगिकी, फार्मा, स्वास्थ्य सेवा, आईटी, एआई, नवाचार, कृषि, सतत खेती, खेल उत्कृष्टता, संस्कृति आदि क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग और विशेषज्ञता साझा करने के अवसरों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर, मंत्री श्रीधर बाबू ने अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी के माध्यम से तेलंगाना को देश के अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना टी-हब, टी-वर्क्स, वी-हब के माध्यम से क्यूबा के स्टार्टअप्स का मार्गदर्शन करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि एआई-आधारित डायग्नोस्टिक्स, फार्मा रिसर्च, पब्लिक हेल्थ डेटा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने क्यूबा के प्रतिनिधियों को 'जीनोम वैली' का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया, जो दुनिया के शीर्ष 7 जीवन विज्ञान समूहों में से एक है। उन्होंने उनसे तेलंगाना को मुक्केबाजी और एथलेटिक्स में क्यूबा की विशेषज्ञता प्रदान करने का अनुरोध किया। क्यूबा के राजदूत जुआन कार्लोस मार्सन एगुइलेरा ने कहा कि वे तेलंगाना जैसे राज्यों के साथ काम करने के इच्छुक हैं जो नए नवाचारों और नवाचार-संचालित प्रगतिशील नीतियों को अपना रहे हैं। तेलंगाना निवेश और संवर्धन प्रकोष्ठ के निदेशक मधुसूदन, तेलंगाना जीवन विज्ञान फाउंडेशन के निदेशक शक्ति नागप्पन और अन्य ने कार्यक्रम में भाग लिया।

अगला परिषद सत्र पुराने भवन में : सुखेंद्र रेड्डी

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी ने घोषणा की है कि पुराने परिषद भवन का उद्घाटन शीघ्र ही होगा। मंगलवार को, गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी ने विधानसभा परिसर में स्थित विधान परिषद भवन के पुनर्निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। अपने संबोधन में, उन्होंने संकेत दिया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देशों के अनुसार, उद्घाटन समारोह निकट भविष्य में होगा। इससे पहले, उन्होंने चल रहे कार्यों की वर्तमान प्रगति पर चर्चा करने के लिए विभिन्न अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक बुलाई। इसमें विधानमंडल सचिव डॉ. नरसिम्हा चार्युलु, सड़क एवं भवन विभाग, आगा खान फाउंडेशन के प्रतिनिधि और अन्य हितधारक शामिल थे। उन्होंने पुनर्निर्मित भवन में भविष्य की बैठकें आयोजित करने की सरकार की मंशा पर जोर दिया और आग्रह किया कि चल रहे कार्यों में तेज़ी लाई जाए, उन्हें शीघ्र पूरा किया जाए और जल्द से जल्द परिषद के अधिकारियों को सौंप दिया जाए।

अल्पसंख्यक कल्याण और सार्वजनिक उद्यम विभाग मिला अजहरुद्दीन को

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने नवनियुक्त मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन को विभाग सौंप दिए हैं। मंगलवार को मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने राज्यपाल की सहमति से अजहरुद्दीन को अल्पसंख्यक कल्याण और सार्वजनिक उद्यम विभाग सौंपने के आदेश जारी किए। वर्तमान में, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी नगर प्रशासन और शहरी विकास, सामान्य प्रशासन, कानून और व्यवस्था आदि विभागों का कार्यभार संभाल रहे हैं, जिनमें सार्वजनिक उद्यम विभाग भी शामिल है, जिसे अब अजहरुद्दीन को सौंप दिया गया है।

इसके अतिरिक्त, सरकार ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक, विकलांग, वृद्ध कल्याण और ट्रांसजेंडर सशक्तिकरण विभाग अदलुरी लक्ष्मण को सौंप दिए हैं, जो पिछले जून में कैबिनेट में शामिल हुए थे। लक्ष्मण के पास पहले जो अल्पसंख्यक विभाग था, उसे अब अजहरुद्दीन को सौंप दिया गया है।

एआई नवाचार के लिए एक मंच के रूप में उभर रहा है तेलंगाना : आईटी मंत्री

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के आईटी एवं उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने घोषणा की कि राज्य सरकार ने तेलंगाना को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में अनुसंधान और नवाचार के एक अग्रणी केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए तेलंगाना आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इनोवेशन हब (टीएआईएच) की स्थापना की है। मंत्री ने कहा कि टीएआईएच की स्थापना का मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि 2035 तक तेलंगाना दुनिया के शीर्ष 20 एआई केंद्रों में शामिल हो जाए। यह केंद्र विभिन्न क्षेत्रों में एआई-आधारित नवाचार, अनुसंधान और सहयोग के लिए एक केंद्र बिंदु के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि विशेष मुख्य सचिव (आईटी), मीसेवा आयुक्त और उभरती प्रौद्योगिकियों के संयुक्त निदेशक इस इनोवेशन हब के सदस्य होंगे। मंत्री ने कहा, भविष्य पूरी तरह से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का है- यह एक निर्विवाद वास्तविकता है। तेलंगाना को एआई अनुसंधान और नवाचार के एक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। हम एक व्यापक एआई पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहे हैं जिससे भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बारे में सोचते ही तेलंगाना का नाम सबसे पहले दिमाग में आएगा। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के विजन से प्रेरित होकर, एआई इनोवेशन हब ने अब अपना अंतिम रूप ले लिया है। मंत्री ने कहा कि राज्य का लक्ष्य एआई-संचालित समाधानों के माध्यम से सार्वजनिक सेवा वितरण, स्वास्थ्य सेवा, परिवहन और शिक्षा में परिवर्तनकारी परिणाम प्राप्त करना है। उन्होंने कहा, हम प्रशासन में दक्षता, नागरिक अनुभव और पारदर्शिता में सुधार के लिए एआई को ई-गवर्नेंस में एकीकृत कर रहे हैं। तेलंगाना एक ऐसा सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र बना रहा है जो इसे प्रौद्योगिकी अपनाने और नवाचार में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी स्थान दिलाएगा। राज्य की डिजिटल उपलब्धियों को याद करते हुए, श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना ने 2024 में एआई ग्लोबल समिट की सफलतापूर्वक मेजबानी की और इस तरह के बड़े आयोजन का आयोजन करने वाला देश का पहला राज्य बन गया। तेलंगाना को अपना डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) स्थापित करने और तेलंगाना डेटा एक्सचेंज (टीजीईएक्स) प्लेटफॉर्म को चालू करने पर भी गर्व है। मंत्री ने कहा, हमने आईआईआईटी, बिट्स पिलानी, आईएसबी, एनएएलएसएआर, आईआईटी हैदराबाद और सी-डैक जैसे प्रमुख शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ-साथ गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, इंफोसिस और अमेज़न सहित वैश्विक प्रौद्योगिकी नेताओं के साथ रणनीतिक साझेदारी की है।

छात्रों ने घटिया भोजन के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन

उस्मानिया विश्वविद्यालय के गोदावरी छात्रावास में छात्रों ने जताई नाराजगी

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय के गोदावरी छात्रावास के छात्रों ने मंगलवार को मेस में घटिया भोजन परोसे जाने के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों ने करी और चपातियों से भरा बर्तन मुख्य सड़क पर लाकर मेस कर्मचारियों के खिलाफ नारेबाजी की। छात्रों का आरोप है कि मंगलवार को नाश्ते में उन्हें मटर की सब्जी के साथ अधपकी चपातियां दी गईं। एमए संस्कृत के छात्र हरि नाइक ने बताया कि करी पूरी तरह पानीदार थी और चपातियां भी ठीक से नहीं पकी थीं। जब उन्होंने मेस कर्मचारियों से शिकायत की, तो उन्हें अनदेखा कर दिया गया, जिसके बाद उन्होंने आर्ट्स कॉलेज के सामने धरना दिया।

छात्रों ने कहा कि पिछले कई दिनों से उन्हें खराब गुणवत्ता का खाना परोसा जा रहा है। एक अन्य छात्र ने बताया कि चावल ठीक से नहीं पकते और करी व सांभर में पानी इतना ज्यादा मिलाया जाता है कि वे बेस्वाद और खाने लायक नहीं रहते।

शिकायतों के बावजूद कोई सुधार नहीं हुआ है। इस बीच, विश्वविद्यालय प्रशासन ने जानकारी दी कि नवनिर्मित दुंदुभी छात्रावास अब कला, वाणिज्य और विज्ञान महाविद्यालयों के प्रथम वर्ष के स्नातकोत्तर छात्रों को आवंटित कर दिया गया है। करीब 640 छात्रों की क्षमता वाला यह छात्रावास विश्वविद्यालय की आवासीय सुविधाओं में एक बड़ा सुधार है। मुख्य वार्डन डॉ.जी. श्रीनिवास राव ने बताया कि छात्रावास औपचारिक रूप से छात्रों को सौंप दिया गया है और वहाँ मेस सुविधा भी शुरू कर दी गई है।

निजी कॉलेजों ने 11 नवंबर को 'चलो सचिवालय' मार्च का किया ऐलान

राज्य सरकार के खिलाफ 8 नवंबर को एलबी स्टेडियम में प्रदर्शन

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शुल्क प्रतिपूर्ति बकाया को लेकर सोमवार से अनिश्चितकालीन बंद शुरू करने वाले निजी व्यावसायिक कॉलेजों ने अब आंदोलन तेज करने का ऐलान किया है। तेलंगाना उच्च संस्थान संघों के महासंघ के बैनर तले कॉलेज प्रबंधन ने 11 नवंबर को 10 लाख छात्रों के साथ 'चलो सचिवालय' मार्च करने की घोषणा की है। इससे पहले 8 नवंबर को एलबी स्टेडियम में करीब 30,000 शिक्षक और गैर-शिक्षक कर्मचारियों के साथ एक बड़ा विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

संघ के नेताओं ने कहा कि जब तक राज्य सरकार 10,000 करोड़ रुपये के शुल्क प्रतिपूर्ति बकाया में से कम से कम 5,000 करोड़ रुपये जारी नहीं करती, तब तक कॉलेज बंद रहेंगे। उन्होंने बताया कि सरकार ने दिवाली से पहले 1,200 करोड़ रुपये जारी करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक केवल 300 करोड़ रुपये ही जारी किए गए हैं, जिससे असंतोष बढ़ गया है।

कॉलेज प्रबंधन ने यह भी बताया कि बकाया फीस के भुगतान के लिए ट्रस्ट बैंक और रोडमैप तैयार करने के उनके सुझाव पर अभी तक सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। वहीं, सरकार द्वारा हाल ही में सतर्कता जांच के आदेश दिए जाने के बाद निजी कॉलेजों ने अपनी मांगों को और सख्त कर दिया है और अब वे चाहते हैं कि कुल बकाया राशि का 50 प्रतिशत यानी 5,000 करोड़ रुपये तुरंत जारी किया जाए।

हत्या के मामले में अरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बालानगर पुलिस ने हत्या के एक मामले में एक अपराधी सिद्धपुरम अजय निवासी, बालानगर को गिरफ्तार किया है। हत्या की यह वारदात बीते 3 नवंबर को हुई थी।

एसीपी, बालानगर डिवीजन, साइबराबाद पी. नरेश रेड्डी ने बालानगर पुलिस स्टेशन को बालानगर के गुडेनमेट एक्स रोड पर फुटओवर ब्रिज के पास एक शव पड़े होने की सूचना मिली। मौके पर पहुंचने पर, पुलिसकर्मियों ने एक अज्ञात व्यक्ति को खून से लथपथ पाया, जिस पर चाकू के घाव दिखाई दे रहे थे। इसके बाद, मोहम्मद रशीद ने शिकायत दर्ज कराई। उसने मृतक की पहचान अपने भाई, मोहम्मद गफूर, पेशे से रसोइया, निवासी वट्टेपल्ली, हैदराबाद के रूप में की। एसीपी ने बताया कि जांच से पता चला कि घटना वाले दिन, आरोपी, सिद्धपुरम अजय, फुटओवर ब्रिज के पास फुटपाथ पर बैठा था, जहां मृतक मोहम्मद गफूर और उसका दोस्त भी शराब पीकर मौजूद थे। मृतक द्वारा आरोपी को हटने के लिए कहने पर दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। बहस हाथापाई में बदल गई, जिसके दौरान मृतक ने आरोपी को लात मारी, जिससे वह गिर गया। जवाबी कार्रवाई में, आरोपी उठा और मृतक को मुक्का मारा। जैसे ही मामला बिगड़ा, आरोपी ने अपनी जान का खतरा बताते हुए, फल काटने वाला चाकू निकाला और मृतक के सीने, गर्दन और कंधे पर कई वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपी चाकू को पास की झाड़ियों में फेंककर मौके से फरार हो गया। डीसीपी मेडचल ज़ोन कोटि रेड्डी ने घटना का खुलासा करने वाली पुलिस टीम को पुरस्कार देने की घोषणा की है।

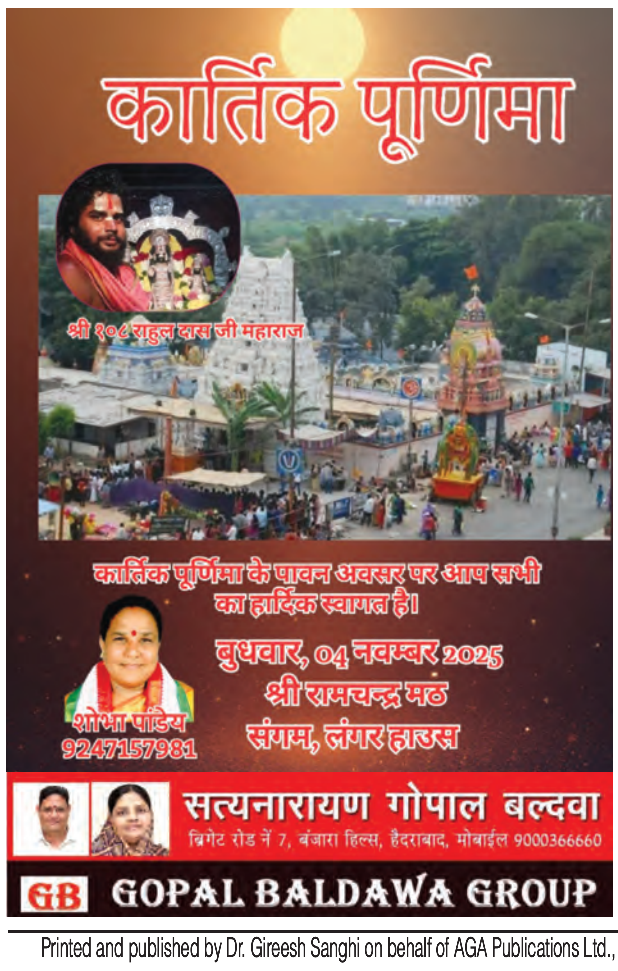

बीआरएस नेताओं ने जुबली हिल्स उपचुनाव अभियान में ड्रोन तैनाती की अनुमति मांगी

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार से एकीकृत कमान नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी) में मुलाकात की और जुबली हिल्स उपचुनाव अभियान के दौरान बीआरएस नेताओं केटी रामाराव और पूर्व मंत्री टी हरीश राव की रैलियों तथा रोड शो में ड्रोन तैनात करने की अनुमति मांगी। प्रतिनिधिमंडल में किशोर गौड़, बलाराजू यादव और नागेंद्र गौड़ शामिल थे। उन्होंने कहा कि रैलियों में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा धमकाने की घटनाओं को देखते हुए सुरक्षा उपायों को मजबूत करना आवश्यक है। नेताओं ने स्पष्ट किया कि ड्रोन का इस्तेमाल केवल सुरक्षा निगरानी और भीड़ पर नजर रखने के लिए किया जाएगा ताकि किसी तरह की गड़बड़ी रोकी जा सके।

सऊदी अरब में तेलंगाना दिवस पर झलकी राज्य की गंगा-जमुनी तहजीब

रियाद में प्रवासी कार्यक्रम में नृत्य, संगीत और लोक संस्कृति की शानदार प्रस्तुति

दुबई, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की समृद्ध सांस्कृतिक और कलात्मक विरासत ने सऊदी अरब में आयोजित तेलंगाना दिवस समारोह के दौरान दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रियाद स्थित भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित प्रवासी परिचय 2025 कार्यक्रम में आदिलाबाद की जनजातीय परंपराओं से लेकर हैदराबाद की महानगरीय भावना तक की झलक देखने को मिली, जिसने राज्य की प्रसिद्ध गंगा-जमुनी तहजीब को उजागर किया। मोहम्मद मुबीन और सुचारिता द्वारा समन्वित इस कार्यक्रम में नृत्य, संगीत और रंगमंच के माध्यम से तेलंगाना की विविधता को प्रदर्शित किया गया। आदिलाबाद के आदिवासी मथुरा नृत्य, हैदराबादी मार्फा और कव्वाली तथा बोनालु उत्सव की रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मोहित कर दिया।

लंबाडी परिधान में ऋतिका, मौर्या, समीक्षा और रश्मिता द्वारा प्रस्तुत मथुरा नृत्य का निर्देशन सुचरिता ने किया, जबकि नृत्य निर्देशन श्वेता, भारती और प्रियंका ने संभाला। अपनी लोक कला और परंपराओं के लिए प्रसिद्ध लंबाडी जनजाति तेलंगाना के वन क्षेत्रों से जुड़ी है और इतिहास में मुगल सेना के लिए अनाज ढोने वालों के रूप में जानी जाती है। यारा इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने हैदराबादी शादी का मंचन कर दर्शकों का दिल जीत लिया। शाहीन अफ़रोज, कौसर तहसीन अजीम और अर्शिया तबस्सुम द्वारा निर्देशित इस प्रस्तुति में संचक, ढोलक गीत, निकाह और वलीमा जैसे पारंपरिक तत्व शामिल थे। मोहम्मद नदीम ने खाजी की भूमिका निभाई, जबकि हास्य से भरे दृश्यों ने दर्शकों को खूब हंसाया।

इंजीनियर और तालवादक शोएब मोहिउद्दीन के नेतृत्व में मारफा टीम ने ऊर्जावान प्रदर्शन किया। मारफा, जो कभी निजाम की सेना में रहे अफ्रीकी मूल के सिद्दी लोगों द्वारा हैदराबाद लाई गई परंपरा है, आज भी हैदराबादी शादियों का अहम हिस्सा है। कार्यक्रम का समापन बोनालु उत्सव की जीवंत प्रस्तुति से हुआ, जहां शिवा रेड्डी ने पोथाराजू का किरदार निभाया और श्वेता, प्रियंका व अन्य कलाकारों ने अम्मावरलु की भूमिका में देवी महाकाली को समर्पित भव्य श्रद्धा का प्रदर्शन किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.